समावर्तन
2024

एक नया
इतिहास
रचें हम

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यायित

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर-273 014 (उ.प्र.)

Web : www.mpm.edu.in | e-mail : mpmpg5@gmail.com
Phone : 7897475917, 9794299451

हमारे आदर्श

स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिये सर्वस्व निछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान् श्रीराम के श्रीमुख से निःसृत–

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'

और पुण्य प्रताप महाराणा प्रताप का यह उद्घोष कि–

'जो हठि राखे धर्म को तिहि राखै करतार'

हमारे सदा स्मरणीय बोधवाक्य हैं। शिक्षा परिषद् और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि इन संस्थाओं में अध्ययन–अध्यापन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान–विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ–साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का पाठ भी पढ़े।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

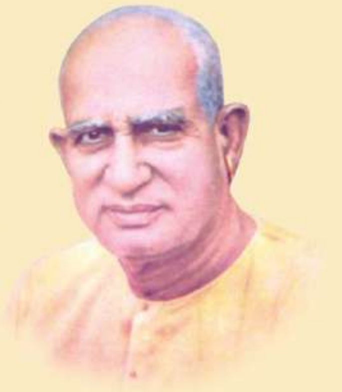

शिक्षा के प्रसार को लोक-जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की 1932 ई. में स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित पचास से भी अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण एवं चिकित्सा-शिक्षा संस्थाओं में 70 हजार से भी अधिक छात्र-छात्रायें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, चिकित्सा और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

महाविद्यालय के संस्थापक

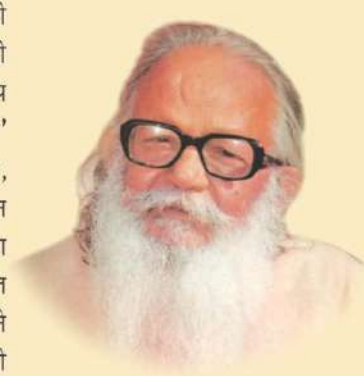

अपने वरेण्य गुरुदेव युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा राष्ट्र-संत ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् 1932 ई. में गुरुदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए 1957-58 ई. में गोरखपुर में वर्तमान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उदारतापूर्वक विलीनीकृत तत्कालीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग-रूप में पुनर्जीवित करते हुये उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की, जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनायी है।

महाविद्यालय के प्रबन्धक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मंत्री एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के प्रबंधक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, की स्पष्ट दृष्टि है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना लोक कल्याणार्थ शिक्षा को सेवा एवं साधना का माध्यम बनाने के लिए की गई। इस संस्था का दर्शन एवं लक्ष्य है कि इस संस्था से अध्ययन करने वाला युवा अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति सहज निष्ठा और श्रद्धा का पाठ पढ़े। भारतीय जीवन दर्शन का वह अनुगामी बनें। उनका कहना है कि प्रगति और परम्परा राष्ट्रीय-सामाजिक विकास रथ के दो पहिये हैं, ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों, सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग के साथ अध्यापन तथा भारतीय जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना इस महाविद्यालय का मिशन है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बालगंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिह्न खड़ा होने लगा था। 1920 ई. के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और 1930-31 ई. तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। 1915-16 ई. के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि की शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से 4 फरवरी 1916 ई. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए 1932 ई. में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी, कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुन: स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूर दृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। स्वतंत्रता संग्राम के एक सशक्त सिपाही महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत 1932 ई. में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। 1935 ई. में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और 1936 ई. में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कॉलेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला डिग्री कॉलेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। तदनन्तर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने दोनों महाविद्यालयों को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का यह परिसर आज भी 'महाराणा प्रताप परिसर' के नाम से जाना जाता है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में पचास से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण, चिकित्सा, तकनीकी तथा सेवा संस्थाएँ संचालित हो रहीं हैं। इनमें महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला पी.जी. कॉलेज, रामदत्तपुर; महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज, सिविल लाइन्स; दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, सिविल लाइन्स; श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय, गोरखनाथ; दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय (बी.एड्.), सिविल लाइन्स; महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज, सिविल लाइन्स; महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक, गोरखनाथ; महाराणा प्रताप मंगला देवी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, बेतियाहाता; महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज, जंगल धूसड़; श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोरखनाथ; दिग्विजयनाथ इण्टर कॉलेज, चौक माफी पीपीगंज; गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ, पितेश्वरनाथ मन्दिर, भरोहिया पीपीगंज; महायोगी गुरु गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौक माफी पीपीगंज; प्रताप आश्रम, गोलघर; महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास, सिविल लाइन्स; महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास, सिविल लाइन्स; गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास, गोरखनाथ; महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल, सिविल लाइन्स; महायोगी गुरु गोरक्षनाथ योग संस्थान, गोरखनाथ मन्दिर; श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायामशाला, गोरखनाथ मन्दिर; योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण केन्द्र, जंगल धूसड़; महायोगी गुरु श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र, गोरखनाथ; गुरु श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान, गोरखनाथ; योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम (छात्रावास), जंगल धूसड़; गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक बाजार; दिग्विजयनाथ इण्टर कॉलेज, चौक बाजार; दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय, चौक बाजार; दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय, चौक बाजार; आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल, देवीपाटन तुलसीपुर, बलरामपुर आदि प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय, श्री गोरखनाथ मन्दिर परिसर; महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय, श्री गोरखनाथ मन्दिर परिसर एवं आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी चिकित्सालय देवीपाटन, गोरखनाथ मन्दिर द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत ही संचालित है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा का शुभारम्भ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का एक युगान्तकारी प्रकल्प है जो शिक्षा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक प्रतिमान संस्था के रुप में विकसित किये जाने की योजना के क्रियान्वयन की आधारशिला है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

समावर्तन अतिथि

समावर्तन 2008	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **कर्नल बी.पी. शाही** ग्रुप कमाण्डर, एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय, गोरखपुर
समावर्तन 2009	अध्यक्षता	: **प्रो. एन.एस. गजभिए** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **न्यायमूर्ति श्री गिरधर मालवीय** उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.
समावर्तन 2010	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **श्री बसवराज पाटिल** पूर्व सांसद, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं सा. कार्यकर्ता, गुलबर्ग कनार्टक
समावर्तन 2011	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **श्री प्रकाश सिंह (पद्मश्री)** पूर्व महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल, उत्तर प्रदेश
समावर्तन 2012	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **श्री आशीष जी** अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार
समावर्तन 2013	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **डॉ. कृष्ण गोपाल जी** सहसर कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, नई दिल्ली
समावर्तन 2014	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **न्यायमूर्ति कलाधर शाही** अ.प्रा. न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.
समावर्तन 2015	अध्यक्षता	: **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज** सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **प्रो. राम शंकर कठेरिया** राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
	विशिष्ट अतिथि	: **मा. श्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर** पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार
समावर्तन 2016	अध्यक्षता	: **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज** सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी** कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र.
	विशिष्ट अतिथि	: **डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय** राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना
समावर्तन 2017	अध्यक्षता	: **डॉ. भोलेन्द्र सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	: **प्रो. रमाशंकर दूबे** कुलपति, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार
	विशिष्ट अतिथि	: **प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

समावर्तन अतिथि

समावर्तन 2018

अध्यक्षता : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
मुख्य अतिथि : **न्यायमूर्ति श्री रण विजय सिंह**
माननीय न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.
विशिष्ट अतिथि : **डॉ. विवेक कुमार निगम**
यूइंग क्रिश्चियन कालेज, इलाहाबाद

समावर्तन 2019

अध्यक्षता : **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
प्रबन्धक एवं माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
मुख्य अतिथि : **श्री जे.पी. नड्डा**
माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार
विशिष्ट अतिथि : **श्री आशुतोष टण्डन**
माननीय स्वास्थ्य मंत्री, उत्तर प्रदेश

समावर्तन 2020

सानिध्य : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
मुख्य अतिथि : **सुश्री निवेदिता भिड़े (पद्मश्री)**
उपाध्यक्ष, स्वामी विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी, केरल
अध्यक्षता : **प्रो. विजय कृष्ण सिंह**
कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

समावर्तन 2021

सानिध्य : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
मुख्य अतिथि : **श्रीमती तेजस्विनी अनन्त कुमार**
सामाजिक कार्यकर्त्री, कर्नाटक
अध्यक्षता : **प्रो. राजेश सिंह**
कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

समावर्तन 2022

सानिध्य : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
मुख्य अतिथि : **प्रो. शंकर शरण**
आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
अध्यक्षता : **प्रो. राजेश सिंह**
कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

समावर्तन 2023

सानिध्य : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
मुख्य अतिथि : **डॉ. जी.एन. सिंह**
पूर्व औषधि महानियंत्रक, भारत सरकार, नई दिल्ली
अध्यक्षता : **प्रो. राजेश सिंह**
कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

समावर्तन 2024

सानिध्य : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
मुख्य अतिथि : **डॉ. जय प्रकाश सैनी**
कुलपति, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर
अध्यक्षता : **प्रो. पूनम टंडन**
कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दो शब्द...

श्रीगोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् जैसे वटवृक्ष की एक छोटी सी शाखा के रूप में गोरखपुर महानगर के पूर्वी–उत्तरी छोर पर ग्रामीण परिवेश में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपनी यात्रा का अट्ठारहवाँ वर्ष पूर्ण कर रहा है। महाविद्यालय का सत्रहवाँ बैच स्नातक एवं तेरहवाँ बैच परास्नातक तथा बी.एड्. का सातवाँ बैच इस वर्ष विश्वविद्यालयी परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के अगले पड़ाव पर जाने हेतु तैयार है। भारत के लगभग एक सौ तीस करोड़ लोगों में हमारे महाविद्यालय के स्नातक–स्नातकोत्तर एवं बी.एड्. की शिक्षा प्राप्त अब कुछ और ऐसे नागरिक होंगे जिनकी जीवन–दृष्टि की रचना में हमारे महाविद्यालय का भी किंचित योगदान है। हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन के दो, तीन अथवा पाँच वर्ष का एक चौथाई समय हमारे महाविद्यालय परिसर में गुजरा है। महाविद्यालय परिसर में बीते इन क्षणों का हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा, यह तो विद्यार्थी स्वयं एवं समय बतायेगा और वही हमारी उपलब्धि होगी।

किसी भी राष्ट्र का वर्तमान और भविष्य उस देश की शिक्षा प्रणाली और उसके स्वरूप पर निर्भर करता है। डी.एस. कोठारी इसी बात को कह रहे थे कि 'भारत का भविष्य कक्षाओं में पलता है।' यद्यपि कि अब देश एवं प्रदेश की राजनीति ने करवट ली है और सत्ता प्रतिष्ठानों द्वारा भी इस दिशा में प्रयत्न प्रारम्भ हुए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 एक युग परिवर्तन का संदेश दे रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मौलिक सिद्धान्त और उद्देश्यों के अनुरूप अपने महाविद्यालय की परिसर संस्कृति का विकास करते हुए भारतीय संस्कृति के अनुरूप युगानुकूल शिक्षा–संस्कृति का विकास करने की दिशा में हम और सफल होंगे।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना परतन्त्र भारत में (1932 ई.) तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी। भारतीय संस्कृति और उसके जीवन मूल्यों तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति भारत की युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास के साथ प्रतिष्ठित एवं विकसित होता हुआ महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं उनकी यशस्वी महन्त परम्परा के सपनों को पूरा करने में कहाँ तक सफल है, इसका मूल्यांकन भी श्रीगोरक्षपीठ और समाज करेगा तथापि 'समावर्तन संस्कार समारोह' हमारे वैचारिक अधिष्ठान का ही हिस्सा है। हिन्दू जीवन दर्शन के षोडश संस्कारों में 'समावर्तन संस्कार' का मानव जीवन के संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। आज के अवसर पर अपने विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की हार्दिक शुभकामना। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थियों की जीवनयात्रा में महाविद्यालय परिसर का अल्पकालिक यथार्थ किसी न किसी रूप में अवश्य झलकता रहेगा।

(प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

तिथि – चैत्र शुक्ल षष्ठी, वि.सं. 2081, युगाब्द 5125
तद्नुसार 14 अप्रैल 2024 ई., रविवार

समावर्तन 2023 से ग्रीष्मावकाश तक के प्रमुख कार्यक्रम

समावर्तन 2023

समावर्तन संस्कार 2023 के अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथि

समावर्तन संस्कार के अवसर पर समावर्तन पत्रिका का विमोचन

19 मार्च 2023 को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों का 16वाँ समावर्तन संस्कार समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जी.एन. सिंह जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने की। कार्यक्रम में अभिभावक संघ के अध्यक्ष श्री विपिन कुमार यादव तथा पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष श्री आशुतोष श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। समारोह में महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह का सान्निध्य प्राप्त हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव नें महाविद्यालय में अपनी पढ़ाई पूर्ण कर चुके छात्र-छात्राओं को दीक्षान्त उपदेश के साथ-साथ शुचिता एवं ईमानदारी से जीवन निर्वाह, पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति के प्रति

समावर्तन संस्कार के अवसर पर उद्बोधन देते मुख्य अतिथि डॉ. जी.एन. सिंह

समावर्तन संस्कार के अवसर पर उद्बोधन देते कुलपति प्रो. राजेश सिंह

उद्बोधन देते पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का सरस्वती सम्मान ग्रहण करते डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय

निष्ठावान बने रहने तथा भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान एवं संवर्द्धन करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

इस अवसर पर समावर्तन–2023 पत्रिका का लोकार्पण मुख्य अतिथि डॉ. जी.एन. सिंह तथा कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. राजेश सिंह के कर–कमलों से हुआ। मुख्य अतिथि द्वारा महाविद्यालय में वर्ष भर की गतिविधियों के आधार श्रेष्ठतम शिक्षक डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय को सरस्वती सम्मान, श्रेष्ठतम् कर्मचारी श्री शम्भू प्रताप सिंह को महाराणा प्रताप सम्मान तथा श्रेष्ठतम् चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्री दूधनाथ को महन्त अवेद्यनाथ सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही महाविद्यालय के आस–पास की ग्रामीण महिलाओं एवं महाविद्यालय के छात्राओं के स्वावलम्बन के लिए महाविद्यालय में संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिंग प्रशिक्षण केन्द्र से 06 माह का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षुओं में से सर्वश्रेष्ठ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षु के रूप में सुश्री सुभावती को

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री शम्भू प्रताप सिंह

सर्वश्रेष्ठ चतुर्थ श्रेणी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री दूधनाथ

जीवन मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की श्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करते श्री हिमांशु सिंह

निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का पुरस्कार प्राप्त करती सुश्री सुभावती

हमारे पूर्वज प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की श्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करती सुश्री अर्चना यादव

ब्यूटी एंड सेल्फ केयर के श्रेष्ठतम प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करती सुश्री गुंजा प्रजापति

सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर के श्रेष्ठतम प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करती सुश्री पूजा कुमारी

समावर्तन उपदेश देते महाविद्यालय के प्राचार्य

सर्वश्रेष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षु का पुरस्कार प्राप्त करती सुश्री प्रतिमा गुप्ता

आपदा प्रबंधन एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का पुरस्कार प्राप्त करती सुश्री अर्पिता दूबे

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते प्राचार्य

समावर्तन उपदेश ग्रहण करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सम्मान से सम्मानित करने के साथ प्रतिवर्ष की भाँति पुरस्कार में सिलाई मशीन प्रदान किया गया। महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके सुश्री प्रतिमा गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षु का चेतक सम्मान प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा 06 माह के ब्यूटी एवं सेल्फ केयर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु सुश्री गुंजा प्रजापति एवं रक्षा एव स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा संचालित 06 माह के आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु सुश्री अर्पिता दुबे को क्रमशः महारानी पद्मिनी सम्मान एवं मेजर सोमनाथ शर्मा सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही साथ बी.एड्. विभाग द्वारा संचालित प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम 'हमारे पूर्वज' एवं 'जीवन मूल्य' के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी

के रूप में क्रमश: सुश्री अर्चना यादव को महन्त दिग्विजयनाथ सम्मान तथा श्री हिमांशु सिंह को महायोगी गोरखनाथ सम्मान से सम्मानित किया गया। वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम के श्रेष्ठतम प्रशिक्षु का कौटिल्य सम्मान सुश्री पूजा कुमारी को दिया गया। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ महाविद्यालय का 16वाँ समावर्तन संस्कार समारोह उत्साह एवं उल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ।

योग कार्यशाला

कार्यशाला को सम्बोधित करतीं बी.एड्. विभागाध्यक्ष

01 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में सप्तदिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। योग कार्यशाला का शुभारम्भ बी.एड्. विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना उद्बोधन देकर किया। कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने उपस्थित विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया। योग कार्यशाला में बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के 48 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का संयोजन सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया।

तीन दिवसीय रोवर्स/रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर का प्रथम दिन

प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन समारोह

07 अप्रैल को तीन दिवसीय रोवर्स/रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ किया गया। शिविर के प्रथम दिन के प्रशिक्षक के रूप में कार्यवाहक जिला संगठन आयुक्त स्काउट श्री सुरज चंद गौतम, जिला प्रशिक्षक श्री शिवा राम व श्री शशि प्रकाश जी उपस्थित रहे। प्रथम दिन के प्रशिक्षण शिविर में कुल 43 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। शिविर का संयोजन बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

एक दिवसीय संगोष्ठी

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. सुबोध कुमार मिश्र

08 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इतिहास विभाग द्वारा मंगल पाण्डेय के शहीदी दिवस के अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय "भारतीय क्रांति की प्रथम आवाज मंगल पाण्डेय" था। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने

अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया। आभार ज्ञापन श्री उपेन्द्र मणि त्रिपाठी ने किया।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह

09 अप्रैल को रोवर्स/रेंजर्स के तीन दिवसीय शिविर के समापन अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित श्री शिवा राम एवम् श्री अभिजीत सिंह ने प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान कर दीक्षा दी। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक श्री अभिषेक त्रिपाठी सहित कुल 43 प्रशिक्षुओं ने प्रतिभाग किया।

समापन समारोह में उपस्थित शिक्षक एवं प्रशिक्षार्थी

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थीगण

आर्य समाज स्थापना दिवस

10 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत समाजशास्त्र विभाग द्वारा आर्य समाज के स्थापना दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री रितेन्द्र नाथ पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भावना पाण्डेय एवं संयोजन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

ज्योतिबा राव फूले पर विचार व्यक्त करतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

एक दिवसीय संगोष्ठी

11 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इतिहास विभाग द्वारा महात्मा ज्योतिबा राव फूले की जयन्ती के अवसर पर "स्त्री शिक्षा के आद्यजनक : ज्योतिबा राव फूले" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन तथा संचालन डॉ. अर्चना गुप्ता ने एवं आभार ज्ञापन श्री अनुप कुमार पाण्डेय द्वारा किया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

कार्यशाला में अपना पक्ष रखता विद्यार्थी

11 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : शब्दावली मात्र या क्रांतिकारी परिवर्तन" रहा। वाद-विवाद प्रतियोगिता में बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के आशीर्वाद, आदित्य, साक्षी सोनकर, सत्यप्रकाश, मधुमिता, प्रियंका, गीतांजली आदि ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रतियोगिता का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया। इस अवसर पर बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के 45 विद्यार्थी सहित विभागीय शिक्षक उपस्थित रहे।

क्विज कम्पटीशन

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

12 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा 'ज्योग्राफिकल क्विज कम्पटीशन' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्नातक स्तर की कुल पाँच टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में 'टीम सी' विजेता रही जिसमें विवेक कुमार निषाद, प्रियंका सिंह, गरिमा, आकृति मौर्या, अंजू व मधु विश्वकर्मा सम्मिलित रही। 'टीम ए' उपविजेता रही। जिसमें आकाश गुप्ता, विनीता विश्वकर्मा, कल्पना, राधिका, सुन्दरम, मुस्कान व ईशा गुप्ता सम्मिलित थी। कार्यक्रम का संयोजन भूगोल विभाग के सहायक आचार्य अरविन्द कुमार मौर्य ने किया। संचालन एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री दीपचन्द ने किया। निर्णायक मण्डल में डॉ. मंजेश्वर, श्री विनय सिंह, डॉ. शालू श्रीवास्तव, डॉ. नीलम गुप्ता आदि उपस्थित रही।

एक दिवसीय संगोष्ठी

एक दिवसीय संगोष्ठी

13 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इतिहास विभाग के द्वारा 'सत्याग्रह दिवस' के अवसर पर 'विश्वयुद्ध में अंग्रेजों से सहयोग का प्रतिफल : जलियावाला बाग नरसंहार' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन तथा संचालन श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. अर्चना गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में कुल 76 विद्यार्थी उपस्थित हुए।

विशिष्ट व्याख्यान

उद्‌बोधन देते डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय

13 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इतिहास विभाग के द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती की पूर्व संध्या पर "आधुनिक शिक्षा के हिमायती डॉ. भीमराव अम्बेडकर" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. अर्चना गुप्ता ने तथा आभार ज्ञापन श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर इतिहास के 42 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मैप ड्राइंग प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

15 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा मैप ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 57 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में आलोक चौहान को प्रथम स्थान, मुस्कान चौहान को द्वितीय स्थान, विनय कुमार को तृतीय स्थान तथा सृष्टि जायसवाल एवं विवेक कुमार निषाद को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. नीलम गुप्ता द्वारा एवं आभार ज्ञापन श्री अरविन्द कुमार मौर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. शालू श्रीवास्तव एवं स्नातक व स्नातकोत्तर के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान

उद्‌बोधन देती सुश्री श्वेता

15 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत समाजशास्त्र विभाग द्वारा "फाइनेन्स एवं बैंकिंग" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य सुश्री श्वेता ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री रितेन्द्र नाथ पाण्डेय ने किया एवं संचालन डॉ. भावना पाण्डेय ने किया।

शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन

16 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रसायन विज्ञान विभाग द्वारा शिक्षक-अभिभावक

सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम के अन्त में शिक्षक-अभिभावक समिति का गठन किया गया। समिति के अध्यक्ष के रूप में श्री जितेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष श्री हाकिम सिंह, महामंत्री श्रीमती सरिता खरवार एवं सदस्य के रूप में रामदरश गुप्त, अरूण कुमार, जनमेजय यादव एवं श्री प्रकाश शुक्ल का चुनाव किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती दिव्या दूबे एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती प्रियंका मिश्रा के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावक तथा शिक्षक

विशिष्ट व्याख्यान

17 अप्रैल को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में "महामहोपाध्याय रायबहादुर पण्डित गौरीशंकर हीराचन्द ओझा" की पुण्यतिथि के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अभिषेक सिंह ने तथा संचालन एवं आभार एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री अभयराज वर्मा ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

उद्‌बोधन देते डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह

विदाई समारोह

17 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रसायन विज्ञान विभाग के एम.ए-सी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों के विदाई समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन एम.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र अरूण प्रताप कुशवाहा ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक तथा विद्यार्थी

विश्व-विरासत दिवस व बलिदान-दिवस

18 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इतिहास विभाग द्वारा विश्व-विरासत दिवस के अवसर पर "भारत की धरोहर" विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में

उद्बोधन देते श्री हरिकेश यादव

मुख्य वक्ता के रूप में राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी दौरान बलिदान दिवस पर भी मुख्य वक्ता ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन श्री अनूप कुमार पाण्डेय एवं आभार ज्ञापन डॉ. अर्चना गुप्ता ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान

21 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा पृथ्वी दिवस की पूर्व संध्या पर "जलवायु संकट का उपचार" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. स्वर्णिमा सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन अरविन्द कुमार मौर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करती डॉ. स्वर्णिमा सिंह

राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस

21 अप्रैल को राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस के अवसर पर "राष्ट्र निर्माण में लोक सेवकों की भूमिका" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष श्री अनूप पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिनव त्रिपाठी ने तथा संयोजन एवं आभार ज्ञापन राजनीतिशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने किया।

व्याख्यान देते श्री अनूप पाण्डेय

श्रव्य-दृश्य कार्यक्रम

24 अप्रैल को राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' के अवसर पर "पंचायती राज संस्थाएँ : उपलब्धियाँ एवं चुनौतियाँ" विषय पर श्रव्य-दृश्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग प्रभारी श्री हरिकेश यादव ने पंचायती राज व्यवस्था पर आधारित विद्यार्थियों को दिखाई गई डॉक्यूमेंट्री की विस्तृत व्याख्या की। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिनव त्रिपाठी ने तथा संयोजन डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय ने किया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते श्री हरिकेश यादव

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी

एक दिवसीय संगोष्ठी

25 अप्रैल को गणित एवं सांख्यिकी विभाग के द्वारा "अनुप्रयुक्त गणित" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में महात्मा गांधी पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के गणित विभाग के सहायक आचार्य डॉ. आकाश पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का संयोजन गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रभारी श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी ने एवं अतिथि के प्रति आभार ज्ञापन विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. अरूण राव ने किया।

एक दिवसीय संगोष्ठी

28 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग द्वारा मापन एवं मूल्यांकन विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं समाज सेविका डॉ. प्रीति मिश्रा ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। संगोष्ठी कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के 56 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उद्बोधन देती डॉ. प्रीति मिश्रा

उद्बोधन देते डॉ. अभय प्रताप सिंह

एक दिवसीय संगोष्ठी

28 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "व्यक्तित्व के विविध आयाम" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभय प्रताप सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती श्वेता तथा संयोजन श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

व्याख्यान कार्यक्रम में उद्बोधन देते डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय

विशिष्ट व्याख्यान

29 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इतिहास विभाग द्वारा "मानवाधिकार : अर्थ,

अवधारणा एवं ऐतिहासिक विकास" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने व आभार ज्ञापन श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर कुल 59 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते विभागीय शिक्षक

एक दिवसीय संगोष्ठी

08 मई को मनोविज्ञान विभाग के तत्वावधान में "द रिफ्लेक्शन ऑफ साइकोलॉजी : फाइव आसपेक्ट ऑफ पर्सनैलिटी" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बी.आर.बी. कॉलेज, समस्तीपुर बिहार के मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुनील कुमार मिश्र ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभय प्रताप सिंह ने तथा आभार ज्ञापन विभाग प्रभारी डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया।

कार्यक्रम में उद्‌बोधन देते डॉ. कन्हैया सिंह

महाराणा प्रताप जयन्ती (एक दिवसीय संगोष्ठी)

09 मई को इतिहास व राजनीतिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "स्वाधीनता संघर्ष के अपराजित योद्धा : हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में स्व. भगवंत पटेल पानमति देवी पी.जी. कॉलेज चन्दरपुर महराजगंज के प्राचार्य डॉ. कन्हैया सिंह ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने तथा संयोजन डॉ. अनूप पाण्डेय ने किया।

ओपेन जिम का फीता काटकर शुभारम्भ करते ग्राम प्रधान श्री राजेन्द्र प्रसाद

ओपेन जिम का उद्‌घाटन कार्यक्रम

09 मई को महाराणा प्रताप जयन्ती के अवसर पर नव निर्मित ओपेन जिम का उद्‌घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ओपेन जिम का उद्‌घाटन मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र प्रसाद, ग्राम प्रधान, जंगल धूसड़ के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी व ग्रामवासी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उद्‌बोधन देते श्री अनूप कुमार पाण्डेय

एक दिवसीय संगोष्ठी

10 मई को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इतिहास विभाग द्वारा "1857 की क्रान्ति : भारतीय राष्ट्रीयता की मुखर अभिव्यक्ति" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के एन.सी.सी. के लेफ्टिनेंट रमाकान्त दूबे ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का संयोजन एवं संचालन श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया तथा आभार ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता के द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का सजीव प्रसारण देखते हुए शिक्षक एवं विद्यार्थी

11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्‌बोधन का सजीव प्रसारण प्रोजेक्टर के माध्यम से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को दिखाया गया। महाविद्यालय के सभी शिक्षक, विद्यार्थी व कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

एक दिवसीय संगोष्ठी

संगोष्ठी में उद्‌बोधन देते श्री सूरज मिश्रा

12 मई को गृह विज्ञान विभाग द्वारा "प्रेजेन्टेशन में एनिमेशन की उपयोगिता" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के कम्प्यूटर विभाग के सहायक आचार्य श्री सूरज मिश्रा ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री अर्चित चौरसिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभाग के सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान

13 मई को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्राचीन भारतीय इतिहास के प्रतिष्ठित

उद्बोधन प्रस्तुत करते डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते श्री अरविन्द कुमार मौर्य

इतिहासकार डॉ. देवदत्त रामकृष्ण भण्डारकर के पुण्यतिथि पर महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने प्रस्तुत की।

एक दिवसीय संगोष्ठी

13 मई को गृह विज्ञान विभाग द्वारा "अपशिष्ट प्रबन्धन एवं वायु प्रदूषण नियन्त्रण तकनीकि" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द कुमार मौर्य ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने व आभार ज्ञापन सुश्री अर्चिता चौरसिया ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

ग्राम दर्शन एवं निःशुल्क दवा वितरण कार्यक्रम

चिकित्सा शिविर में उपस्थित ग्रामवासी एवं चिकित्सक

14 मई को गृह विज्ञान विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम दर्शन योजना के अन्तर्गत नवका टोला में ग्राम भ्रमण किया गया। इस भ्रमण कार्यक्रम में पोष्ठाण एवं मूल्यांकन विषय के आलोक में जन–जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर गाँव में निःशुल्क हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। हेल्थ कैम्प में मुख्य चिकित्सक के रूप में गुरू श्रीगोरखनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जे.के. मिश्रा एवं सहायक श्री मृत्युंजय यादव ने ग्रामवासियों की जाँच कर निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया। कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी, सुश्री अर्चिता चौरसिया, प्रयोगशाला सहायक श्रीमती नीतू साहनी सहित समस्त विभागीय छात्राएं भी उपस्थित रहीं।

कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता

15 मई को गृहविज्ञान विभाग द्वारा इण्टरनेशनल फैमिली डे के अवसर पर कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता

स्वनिर्मित कार्डों का प्रदर्शन करती छात्राएँ

का आयोजन किया गया। प्रतियोगता में कुल 15 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की इशिका श्रीवास्तव को प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की वर्तिका यादव को द्वितीय स्थान एवं बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की शीतल शर्मा को तृतीय स्थान एवं बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की वन्दना चौहान को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द मौर्या एवं अंग्रेजी विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शिवानी सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

पाठ्ययोजना का स्वरूप समझाते श्री अभिषेक त्रिपाठी

तीन दिवसीय कार्यशाला

22 मई को बी.एड् विभाग द्वारा "पाठ्योजना का प्रारूप" विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस पर मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी ने पाठ्योजना के महत्व पर चर्चा की। इस अवसर पर बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के 46 विद्यार्थी एव शिक्षक भी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करती विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह

कार्यशाला का दूसरा दिन

23 मई को बी.एड्. विभाग द्वारा "पाठयोजना का प्रारूप" विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन पाठयोजना के प्रारूप पर चर्चा की गई। कार्यशाला के दूसरे दिन के मुख्य वक्ता बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने पाठयोजना के प्रारूप पर बारीकी से अपने विचार प्रस्तुत करते हुए इसके निर्माण के सम्बन्धित सावधानियों के विषय में बताया। इस अवसर पर बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के 50 विद्यार्थी एवं शिक्षक भी उपस्थित रहे।

कार्यशाला का तीसरा दिन

24 मई को बी.एड्. विभाग द्वारा "पाठयोजना का प्रारूप" विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला के तीसरे व अन्तिम दिन पाठयोजना का कक्षा में व्यावहारिक प्रयोग विषय पर चर्चा की गई। कार्यशाला के

पाठ्ययोजना का व्यवहारिक स्वरूप समझाते श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह

तीसरे दिन के मुख्य वक्ता के रूप में विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के 56 विद्यार्थी सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

व्याख्यान

25 मई को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा विश्व थायराइड दिवस के अवसर पर एक विशिष्ठ व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. आर.एन. सिंह ने और संचालन बी. एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री पूजा गुप्ता ने किया।

थायराइड के विषय में विद्यार्थियों का समझाते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

कैंपस सलेक्शन

27 मई को कैंपस सलेक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कैंपस सलेक्शन बोर्ड में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के प्रो. राजेन्द्र भारती, सेवा निवृत्त आचार्य राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़गवासला पुणे, श्री मनीष दूबे, प्रधानाचार्य गुरु श्रीगोरक्षनाथ विद्यापीठ, भरोहिया गोरखपुर एवं सुश्री कृष्णा चटर्जी, प्रधानाचार्या महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज, सिविल लाईन, गोरखपुर उपस्थित रहे। कैंपस सलेक्शन के प्रथम चरण में लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। उसके बाद विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया गया। इस कैंपस सेलेक्शन कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

साक्षात्कार लेते साक्षात्कार बोर्ड के प्रभारी डॉ. राजेन्द्र भारती

सम्मान समारोह

विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा करती सुश्री दृष्टि जायसवाल

30 मई को महाविद्यालय की पूर्व छात्रा सुश्री दृष्टि जायसवाल के यू.पी.एस.सी.-2022 की परीक्षा में चयनित होने के क्रम में सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़गवासला, पुणे के भौतिकी विभाग के पूर्व आचार्य डॉ. राजेन्द्र भारती व कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के मा. कुलपति मेजर जनरल अतुल बाजपेई जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक विद्यार्थी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

विश्व साइकिल दिवस (रैली)

रैली निकालती एन.एस.एस. की स्वयंसेविकाएँ

03 जून को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विश्व साईकिल दिवव के अवसर पर महाविद्यालय में साईकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारम्भ महाविद्यालय के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

वृक्षारोपण (विश्व पर्यावरण दिवस)

पौधरोपण करते महाविद्यालय के शिक्षक एवं एन.सी.सी. कैडेट

05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एन.सी.सी. द्वारा वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण में महाविद्यालय के डॉ. विजय कुमार चौधरी ने एन.सी.सी. कैडेट्स को सम्बोधित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम का संयोजन एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दूबे ने किया।

भाषण प्रतियोगिता

17 जून को योग सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्रसंघ के तत्वावधान में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 30

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी. ए. द्वितीय सेमेस्टर की अंजली सिंह को प्रथम स्थान, बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर की पूजा गुप्ता को द्वितीय स्थान व बी.काम. द्वितीय सेमेस्टर की शिखा दूबे को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संचालन छात्रसंघ अध्यक्ष सुश्री साक्षी पाण्डेय ने तथा संयोजन छात्रसंघ प्रभारी श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर छात्रसंघ व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षक के रूप में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने योगाभ्यास करवाया।

योगाभ्यास कराते डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल

योग प्रतियोगिता

21 जून को छात्रसंघ द्वारा योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की सुश्री सोनम को प्रथम स्थान, एम.ए चतुर्थ सेमेस्टर की कौशिकी को द्वितीय स्थान व बी.ए. तृतीय वर्ष की रीमा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक के रूप में डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल व श्री नन्दन शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन छात्रसंघ अध्यक्ष साक्षी पाण्डेय ने व संयोजन छात्रसंघ प्रभारी सिद्धार्थ शुक्ल ने किया।

योग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (सत्र : 2023-24)

वन-महोत्सव

वन संरक्षण की शपथ लेते विद्यार्थी

01 जुलाई को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत, वन महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पौधारोपड़ हेतु शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि प्राचीन इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत किए और सभी शिक्षकों व कर्मचारियों व स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं को शपथ दिलवाया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

कार्यक्रम में उद्बोधन देते डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय

विशिष्ट व्याख्यान

03 जुलाई को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत, बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर की छात्राध्यापिका सुश्री अर्पणा सिंह ने किया।

स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि

04 जुलाई को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में वन महोत्सव व स्वामी विवेकानन्द जी की पुण्यतिथि के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षकों द्वारा औषधीय पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

पौधरोपण करते शिक्षकगण

वार्षिक योजना बैठक

बैठक में योजना सम्बन्धी विचार व्यक्त करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

प्रति सत्र की तरह सत्र 2023–24 की वार्षिक बैठक 5 से 7 जुलाई को 12 सत्रों में सम्पन्न हुई। प्रथम दिन प्रवेश प्रक्रिया, प्रवेश नियमावली, प्रवेश समिति के दायित्व एवं कार्य इत्यादि पर विचार–विमर्श कर पूर्ण योजना बनाई गई। अनुशासन एवं नियन्ता मण्डल के दायित्व एवं कार्यपद्धति पर विचार–विमर्श कर निर्णय लिए गए।

वार्षिक योजना बैठक (दूसरा दिन)

वेबसाइट एवं पठन-पाठन सम्बन्धी मुद्दों पर विचार करते प्राचार्य एवं शिक्षक

06 जुलाई को शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के दूसरे दिन विगत सत्र की समीक्षा, दायित्व सह कार्य विभाजन, आगामी विशिष्ट कार्यक्रम योजना व पठन–पाठन, पाठ्यक्रम योजना निर्माण, वार्षिक विभागीय योजना एवं महाविद्यालय की वेबसाइट आदि मुद्दों पर गहन विचार विमर्श किया गया।

वार्षिक योजना बैठक (तीसरा दिन)

वार्षिक योजना बैठक में अपने विचार व्यक्त करते डॉ. वैंकटरमन

07 जुलाई को शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के तीसरे दिन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी शिक्षकों व कर्मचारियों में सामूहिकता, अनामिकता तथा पारस्परिकता पूर्ण कार्य करने का आग्रह किया व महाविद्यालय के आगामी योजनाओं पर विचार कर उस पर सभी के सुझाव मांगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्नातक प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

प्रति वर्ष की भाँति वर्तमान सत्र में बी.ए., बी.एस–सी., बी.कॉम., प्रथम वर्ष में प्रवेश साक्षात्कार के

आधार पर किया गया। 8 जुलाई से निर्धारित समय-सारणी के अनुसार अर्ह अभ्यर्थी साक्षात्कार हेतु सूचित किए गए। प्रत्येक अभ्यर्थी प्रथमत: प्रवेश परामर्श समिति (विद्यार्थी साक्षात्कार बोर्ड) के समक्ष प्रस्तुत हुए। महाविद्यालय की योजनानुसार द्वितीय-तृतीय वर्ष के टापर विद्यार्थी प्रवेश परामर्श समिति के सदस्य होते हैं। इस समिति की संस्तुति के पश्चात् अभ्यर्थी शिक्षकों की प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थित होते हैं। दोनों समितियों की संस्तुति पर विद्यार्थियों का प्रवेश होता है। उक्त प्रक्रिया द्वारा वर्तमान सत्र के प्रवेश सम्पन्न हुए।

महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया (साक्षात्कार) से गुजरते प्रवेशार्थीगण

शोक-सभा

10 जुलाई को वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री भारत कुमार की माता श्रीमती पवित्री देवी के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. विजय कुमार चौधरी, श्रीमती शिप्रा सिंह सहित सभी शिक्षकों ने 2 मिनट मौन रख मृतात्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना किया।

शोक सभा में उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षकगण

विशिष्ट व्याख्यान

11 जुलाई को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द कुमार मौर्य ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. शालू श्रीवास्तव, डॉ. नीलम गुप्ता सहित स्नातक के 76 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्याख्यान कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थीगण

निबन्ध लेखन प्रतियोगिता

11 जुलाई को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा "लैंगिक समानता की शक्ति को उजागर करना" विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में स्नातक स्तर के कुल 29 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अर्चना साहनी को प्रथम, भानू प्रताप सिंह को द्वितीय एवं अमित कुमार निषाद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। खुशबू कुमारी बैठा, विवेक कुमार निषाद एवं सचिन चौहान को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में विजित प्रतिभागीगण अपने प्रमाण पत्रों के साथ

चन्द्रयान-3 प्रक्षेपण कार्यक्रम

14 जुलाई को चन्द्रयान-3 मिशन के प्रक्षेपण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण महाविद्यालय के बाबा गोपालनाथ कक्ष में प्रोजेक्टर के माध्यम से सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को दिखाया गया।

चन्द्रयान-3 के प्रक्षेपण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखते शिक्षक एवं विद्यार्थी

एक दिवसीय कार्यशाला

20 जुलाई को वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में 'सेमेस्टर प्रणाली में पठन-पाठन और परीक्षा की तैयारी' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री भारत कुमार ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। इसी क्रम में विभाग प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने सेमेस्टर परीक्षा पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को परीक्षाओं में सफलता के मंत्र बताए। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला ने किया।

कार्यशाला को सम्बोधित करते श्री नन्दन शर्मा

पौधारोपण कार्यक्रम

22 जुलाई को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा गुलमोहर का पौधा लगाकर किया गया।

पौधरोपण करते महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थीगण

एक दिवसीय कार्यशाला

25 जुलाई को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वाणिज्य विभाग द्वारा "रोजगार सम्बन्धित सूचना को पहचानना और आवेदन करना" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री भारत कुमार ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए।

विद्यार्थी को सम्बोधित करते श्री भारत कुमार

विशिष्ट व्याख्यान

26 जुलाई को अंग्रेजी विभाग द्वारा "द एथेनियन सिटी स्टेट" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी सुश्री शिवानी सिंह ने किया।

उद्बोधन देते डॉ. सुबोध कुमार मिश्र

दो दिवसीय आंतरिक मूल्यांकन

विद्यार्थियों का आन्तरिक मूल्यांकन करते विभागीय शिक्षक

26–27 जुलाई को बी.एड्. विभाग द्वारा **बी. एड्. द्वितीय सेमेस्टर** के प्रशिक्षुओं का दो दिवसीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रथम दिन अनुक्रमांक संख्या 01 से 52 तथा 27 जुलाई को अनुक्रमांक 53 से 104 तक के प्रशिक्षु परीक्षा में सम्मिलित हुए। परीक्षा पैनल में विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह, श्री शैलेन्द्र सिंह, श्री अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती विभा सिंह, श्री जितेन्द्र प्रजापति, सुश्री दीप्ती गुप्ता व श्रीमती पुष्पा निषाद उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान

26 जुलाई को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनूप कुमार पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। संचालन सहायक आचार्य श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा ने किया।

उद्बोधन देते श्री अनूप कुमार पाण्डेय

उद्बोधन देते प्रो. निखिलकान्त शुक्ल

विशिष्ट व्याख्यान

27 जुलाई को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रसायन विज्ञान विभाग द्वारा "रोल ऑफ केमिस्ट्री इन प्रजेंट सिनेरियों" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. सुधा

यादव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. निखिलकान्त शुक्ल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राम सहाय ने एवं आभार ज्ञापन विभाग अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान

28 जुलाई को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। संचालन श्री अरविंद कुमार मौर्य द्वारा किया गया।

उद्बोधन देती डॉ. शालू श्रीवास्तव

दो दिवसीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा

28–29 जुलाई को बी.एड्. विभाग द्वारा **बी.एड्. चतुर्थ सेमेस्टर** के प्रशिक्षुओं के लिए दो दिवसीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा पैनल में विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह, श्री शैलेन्द्र सिंह, श्री अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती विभा सिंह, श्री जितेन्द्र प्रजापति, सुश्री दीप्ती गुप्ता व श्रीमती पुष्पा निषाद उपस्थित रहीं।

विद्यार्थियों का आन्तरिक मूल्यांकन करते विभागीय शिक्षक

विशिष्ट व्याख्यान

31 जुलाई को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा प्रसिद्ध गणितज्ञ एवं इतिहासकार दामोदर धर्मानन्द कोसांबी की जयंती के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विपुला दुबे ने अपने व्याख्यान के माध्यम से दामोदर धर्मानन्द कोसांबी के जीवन, व्यक्तित्व तथा इतिहास के क्षेत्र में उनके अवदानों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. राजवन्त राव ने

किया। कार्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर की प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पद्‌मजा सिंह, डॉ. मणिन्द्र यादव, डॉ. विनोद कुमार रावत सहित विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करतीं प्रो. विपुला दुबे

उद्‌बोधन देते श्री सूरज मिश्र

विशिष्ट व्याख्यान

31 जुलाई को समाजशास्त्र विभाग द्वारा "एनिमेशन एक परिचय" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री सूरज मिश्र ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भावना पाण्डेय ने किया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

31 जुलाई को महाविद्यालय में ब्रह्मलीन राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ प्राथमिक उपचार केन्द्र द्वारा गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जंगल औराही शिव मंदिर टोले पर किया गया। शिविर में मुख्य चिकित्सक के रूप में डॉ. शुभम शर्मा एम. डी. मेडिसिन ने लोगों की निःशुल्क जाँच कर दवा वितरित किया। शिविर का आयोजन प्राणी विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार द्वारा किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में रोगी का परीक्षण करते चिकित्सकगण

लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस

01 अगस्त को प्रार्थना सभा में पं. बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रार्थना सभा में उद्‌बोधन देतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

विश्व स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम

01 से 07 अगस्त 2023 तक गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व-स्तनपान-सप्ताह समारोह आयोजित किया गया। इस साप्ताहिक सप्ताह समारोह का 01 अगस्त को एवं समारोप 07 अगस्त का हुआ।

विद्यार्थियों को संबोधित करतीं डॉ. दीपशिखा नागवंशी

आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय जयन्ती

02 अगस्त को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आचार्य फ्रुल्ल चन्द्र राय जयन्ती पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। इस कार्यक्रम में 33 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती दिव्या दुबे ने किया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. शिवकुमार बरनवाल

विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर विचार व्यक्त करती छात्रा

विश्व स्तनपान सप्ताह का दूसरा दिन

02 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के दूसरे दिन "एक्सक्लूसिव ब्रेस्ट फीडिंग" शीर्षक पर लोगो मेंकिंग कम्पटीशन का

आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 17 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की अंकिता मिश्रा को प्रथम स्थान, सोनी विश्वकर्मा को द्वितीय स्थान तथा महिमा यादव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। जबकि एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की क्षिप्रा रानी तथा लक्ष्मी कुमारी को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

विश्व स्तनपान सप्ताह का तीसरा दिन

03 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के तीसरे दिन "एक्सक्लूसिव ब्रेस्ट फीडिंग" शीर्षक पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 16 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की महिमा यादव को प्रथम स्थान, बी. एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की प्रीति विश्वकर्मा को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर की महिमा यादव को तृतीय स्थान तथा एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की क्षिप्रा रानी को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रार्थना सभा में श्रद्धांजलि अर्पित करती छात्रा

राष्ट्रकवि मैथलीशरण गुप्त जयन्ती

03 अगस्त को प्रार्थना सभा में राष्ट्रकवि मैथलीशरण गुप्त की जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की छात्राध्यापिका सुश्री अनीशा गुप्ता ने अपने व्याख्यान के माध्यम से मैथिलीशरण गुप्त जी के जीवन एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

विश्व स्तनपान सप्ताह का चौथा दिन

04 अगस्त को महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के चौथे दिन "एक्सक्लूसिव ब्रेस्ट फीडिंग" शीर्षक पर 'फूड मेकिंग कम्पटीशन फॉर लैक्टेटिंग मदर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 26 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की क्षिप्रा रानी को प्रथम स्थान, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की लक्ष्मी कुमारी को द्वितीय स्थान, बी.ए.

तृतीय सेमेस्टर की शीतल शर्मा को तृतीय स्थान व बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की वन्दना चौहान को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

फूड मेकिंग प्रतियोगिता में सुझाव देतीं निर्णायक मण्डल की सदस्यगण

विशिष्ट व्याख्यान

04 अगस्त को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में भारत के ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठित राष्ट्रवादी इतिहासकार डॉ. काशी प्रसाद जायसवाल की पुण्यतिथि के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में विभाग के अध्यक्ष डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

उद्बोधन देते डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह

विश्व स्तनपान सप्ताह का पाँचवा दिन

05 अगस्त को महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के पाँचवें दिन "एक्सक्लूसिव ब्रेस्ट फीडिंग" शीर्षक पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 19 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की क्षिप्रा रानी, लक्ष्मी व दिव्या कुमारी को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की वर्तिका यादव, वन्दना चौहान, मुस्कान चौहान व शीतल शर्मा को द्वितीय स्थान व बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की कविता निषाद व अंजली लता को तृतीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की रीमा गुप्ता, रीना व रोशन जहाँ को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं छात्राएँ

विशिष्ट व्याख्यान

05 अगस्त को राजनीतिशास्त्र विज्ञान द्वारा "भारतीय राजनीति में धर्म एवं जाति की भूमिका" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया है। व्याख्यान में मुख्य वक्ता सर्वोदय किसान डिग्री कॉलेज, कौड़ीराम, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री अभिनव त्रिपाठी ने किया। आभार ज्ञापन विभाग प्रभारी श्री हरिकेश यादव ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते प्रो. राजवन्त राव

विशिष्ट व्याख्यान

07 अगस्त को प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल की जयन्ती के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष प्रो. राजवन्त राव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन विभाग प्रभारी इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मणिन्द्र यादव व डॉ. विनोद कुमार भी उपस्थित रहे।

स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम

स्थापना काल से ही महाविद्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान योजना लागू है। इस योजना के अन्तर्गत सप्ताह में एक दिन (शनिवार) कक्षाएँ 40 मिनट की चलती हैं। मध्यावकाश स्थगित होता है। तीसरी घंटी के बाद एक घंटे का स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। इस योजना में सम्मिलित होने वाले शिक्षक-विद्यार्थी- कर्मचारी अपना पंजीकरण कराते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के लिए

अनिवार्य रूप से श्रमदान में सम्मिलित होना होता है। पूरी योजना का कार्यान्वयन राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किया जाता है। इस वर्ष यह अभियान 07 अगस्त को प्रारम्भ हुआ।

स्वैच्छिक श्रमदान करते विद्यार्थी एवं शिक्षक

विशिष्ट व्याख्यान

08 अगस्त को इतिहास विभाग द्वारा अगस्त क्रांति की 81वीं वर्षगांठ पर "राष्ट्रवाद की मुखर अभिव्यक्ति : अगस्त क्रांति" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता राजकीय महिला डिग्री कॉलेज सलेमपुर, देवरिया के प्रो. हरीश कुमार ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के श्री उपेन्द्र मणि त्रिपाठी ने तथा आभार ज्ञापन विभाग के अध्यक्ष श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. हरीश कुमार

भारत छोड़ो आन्दोलन दिवस

08 अगस्त को प्रार्थना सभा में भारत छोड़ो आन्दोलन दिवस पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री भानु प्रताप सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया।

भारत छोड़ो आन्दोलन दिवस पर
अपना विचार प्रस्तुत करता विद्यार्थी

निबन्ध प्रतियोगिता

08 अगस्त को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा "भारत छोड़ो आन्दोलन में स्वतन्त्रता सेनानियों की भूमिका" विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के कुल 22 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रीति विश्वकर्मा को प्रथम स्थान, ज्योति

विश्वकर्मा को द्वितीय स्थान व जुबैदा खातुन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थीगण

काकोरी ट्रेन एक्शन डे

09 अगस्त को महाविद्यालय की प्रार्थना सभा में 'काकोरी ट्रेन एक्शन डे' पर बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री विष्णु पटेल ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत कर इस घटना के माध्यम से भारत को स्वतंत्र कराने का प्रयास करने वाले अमर क्रान्तिकारियों के प्रति महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

काकोरी घटना के शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित करता महाविद्यालय का छात्र विष्णु पटेल

काकोरी ट्रेन एक्शन डे (व्याख्यान)

09 अगस्त को इतिहास विभाग द्वारा 'काकोरी एक्शन डे' के अवसर पर "ब्रिटिश हुकुमत के विरूद्ध संगठनात्मक प्रतिकार" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में इमामबाड़ा गर्ल्स डिग्री कॉलेज गोरखपुर के इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अल्का सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग की डॉ. अर्चना गुप्ता तथा आभार ज्ञापन विभाग की श्री उपेन्द्र मणि त्रिपाठी ने किया।

काकोरी घटना पर उद्‌बोधन देतीं डॉ. अलका श्रीवास्तव

शहीद बन्धु सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित करते श्री विनय सिंह

शहीद बन्धू सिंह बलिदान दिवस

12 अगस्त को प्रार्थना सभा में शहीद बन्धू

सिंह के बलिदान दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से अमर शहीद बन्धू सिंह को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

विशिष्ट व्याख्यान

12 अगस्त को हिन्दी विभाग द्वारा 'साहित्य की पठनीयता' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता किसान पी.जी. कॉलेज सेवरही, कुशीनगर के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सेंट एण्ड्रयूज कॉलेज, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के सह-आचार्य डॉ. सुशील राय ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र तारकेश्वर पाण्डेय ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. सुधा शुक्ला ने किया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

क्विज प्रतियोगिता

12 अगस्त को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 'अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस' के अवसर पर रेड रिबन क्लब के अन्तर्गत एड्स जागरूकता विषय पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अर्चना साहनी एवं पूजा गुप्ता की टीम को प्रथम स्थान, राजा बाबू पाण्डेय एवं अभिषेक की टीम को द्वितीय स्थान तथा विष्णु पटेल व भानु प्रताप सिंह की टीम को और अमेरिका निषाद व सचिन चौहान की टीम को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

विजित प्रतिभागियों का प्रमाण पत्र देते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

अखण्ड भारत स्मृति दिवस

14 अगस्त को इतिहास विभाग के तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'अखण्ड

अखण्ड भारत स्मृति दिवस पर उद्बोधन देते श्री विद्याधर मिश्र

भारत स्मृति दिवस' के अवसर पर "अखण्ड भारत : एक नैसर्गिक सत्य" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में माधव प्रसाद त्रिपाठी राजकीय महिला महाविद्यालय खलीलाबाद, सन्तकबीर नगर के इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री विद्याधर मिश्रा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। कार्यक्रम का संचालन श्री हरिकेश यादव ने किया।

77वां स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

15 अगस्त को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 77वां स्वतन्त्रता दिवस समारोह मनाया गया। ध्वजारोहण के पश्चात् महाविद्यालय के सांस्कृतिक विभाग एवं छात्रसंघ द्वारा आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के शिक्षाशास्त्र विभाग की आचार्य प्रो. सुषमा पाण्डेय ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया।

उद्बोधन देतीं मुख्य अतिथि प्रो. सुषमा पाण्डेय

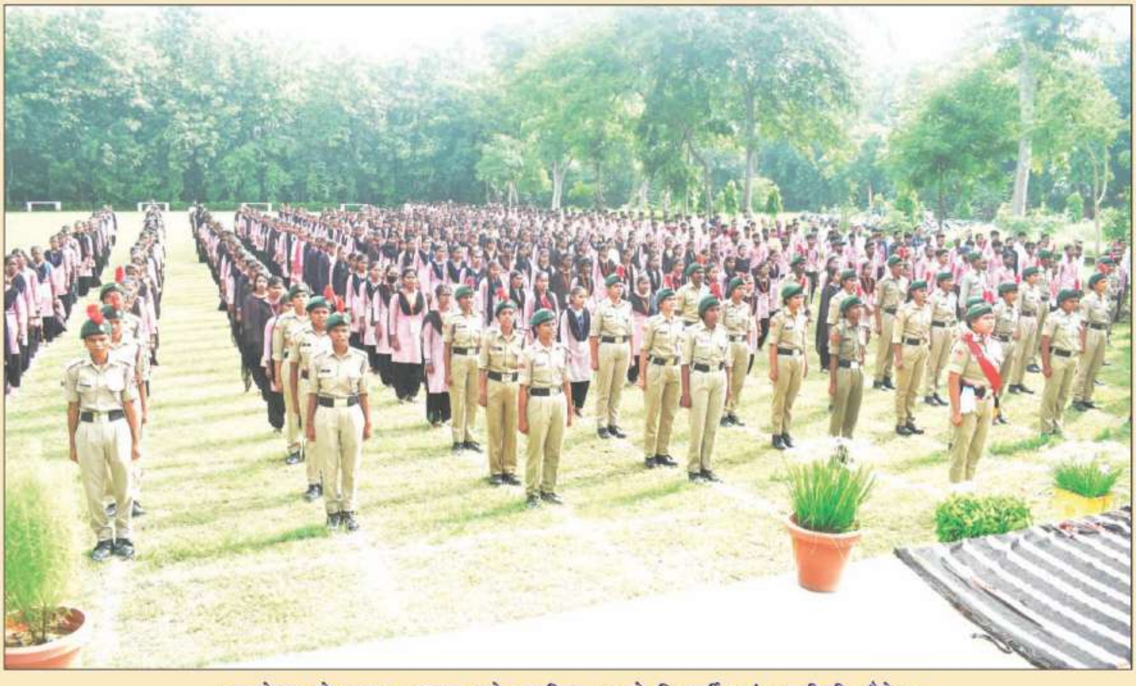

ध्वजारोहण के समय राष्ट्रगान गाते महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं एन.सी.सी. कैडेट्स

77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित विविध कार्यक्रमों की झलकियाँ

रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि एवं अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति दिवस

श्रद्धांजलि अर्पित करते विद्यार्थी श्री भानु प्रताप सिंह

16 अगस्त को प्रार्थना सभा में रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि एवं अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति दिवस के अवसर पर बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र भानु प्रताप सिंह ने अपने उद्‌बोधन के माध्यम से उक्त दोनों महान विभूतियों के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला (उद्घाटन समारोह)

व्याख्यान माला के उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते हुए प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा

महाविद्यालय के संस्थापक परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला इस वर्ष 17 से 23 अगस्त तक सम्पन्न हुआ। इस सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम, बालापार, गोरखपुर के कुलपति मे.जन. (डॉ.) अतुल बाजपेई (से.नि.) जी ने की। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

मदनलाल ढींगरा बलिदान दिवस

श्रद्धासुमन अर्पित करतीं डॉ. अर्चना गुप्ता

17 अगस्त को प्रार्थना सभा में मदन लाल ढींगरा बलिदान दिवस के अवसर पर इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत कर मदन लाल ढींगरा को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का दूसरा दिन

व्याख्यानमाला के दूसरे दिन उद्बोधन देते प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह

18 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के दूसरे दिन "हमारी सामाजिक - सांस्कृतिक विरासत" विषय पर मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के आचार्य प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती सिंह किया।

व्याख्यान माला के तीसरे दिन उद्बोधन देते डॉ. जितेन्द्र भावसार

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का तीसरा दिन

19 अगस्त को सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के तीसरे दिन "भारत की प्राचीन ज्ञान परम्परा" विषय पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय भोपाल के रसायनशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जितेन्द्र भावसार ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर ने किया।

व्याख्यानमाला के चौथे दिन ऑनलाइन माध्यम से उद्बोधन देते प्रो. संतोष कुमार शुक्ल

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का चौथा दिन

20 अगस्त को सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के चौथे दिन "सामाजिक परिप्रेक्ष्य में नाथयोग दर्शन" विषय पर मुख्य वक्ता जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान के आचार्य प्रो. संतोष शुक्ला ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का पाँचवाँ दिन

21 अगस्त को सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के पाँचवें दिन "भारत ईरान सम्बन्ध : एक सांस्कृतिक संवाद" विषय पर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. विपुला दुबे ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

व्याख्यानमाला के पाँचवे दिन उद्बोधन देतीं प्रो. विपुला दुबे

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का छठवां दिन

22 अगस्त को आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के छठे दिन "प्लास्टिक प्रदूषण एवं

समाधान" विषय पर मुख्य वक्ता बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के रसशास्त्र एवं आयुर्वेद विभाग के आचार्य प्रो. के. रामचन्द्र रेड्डी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. राजवंत राव ने किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अखिलेश गुप्ता ने किया।

व्याख्यानमाला के छठवें दिन उद्बोधन देते प्रो. के. रामचन्द्र रेड्डी

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का समापन समारोह

23 अगस्त को आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के समापन समारोह में मुख्य वक्ता डॉ. भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के शिक्षाशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. राज शरण शाही ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

व्याख्यानमाला के समापन अवसर पर उद्बोधन देते प्रो. राजशरण शाही

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल

विद्यार्थी उन्मुखीकरण एवं स्वागत समारोह कार्यक्रम

24 अगस्त को वाणिज्य विभाग द्वारा विद्यार्थी उन्मुखीकरण एवं स्वागत समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्री भारत कुमार, श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल, सुश्री साक्षी चौबे व श्रीमती श्वेता ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने किया।

अमर शहीद राजगुरु को श्रद्धासुमन अर्पित करते छात्र
श्री आशीष कुमार पाण्डेय

राजगुरु जयन्ती

24 अगस्त को प्रार्थना सभा में राजगुरु जयंती के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में वक्ता के रूप में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के आशीष पाण्डेय ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत कर अमर शहीद राजगुरु को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

विशिष्ट व्याख्यान

26 अगस्त को समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'खेल एवं सामाजिक जीवन' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भावना पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं आभार ज्ञापन समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

विद्यार्थी जीवन में खेल के महत्व को समझाते
डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल

कार्यक्रम में व्याख्यान देते श्री प्रियांशु श्रीवास्तव

विशिष्ट व्याख्यान

26 अगस्त को महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा "हिन्दी भाषा के विकास में कम्प्यूटर का योगदान" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कम्प्यूटर साइंस विभाग के सहायक आचार्य श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुधा शुक्ल एवं आभार ज्ञापन डॉ. आरती सिंह ने किया।

महारानी पद्मिनी जौहर दिवस

रानी पद्मावती के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालतीं सुश्री मधुमिता गौड़

26 अगस्त को प्रार्थना सभा में महारानी पद्मिनी जौहर दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बी. एड्. विभाग की छात्राध्यापिका मधुमिता गौड़ ने अपने उद्‌बोधन के माध्यम से महारानी पद्मिनी के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

अतिथि व्याख्यान

व्याख्यान देते डॉ. शोभित कुमार

26 अगस्त को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा "डिजिटल टैक्सोनौमी : ई फ्लेरा" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता एशियन इण्टरनेशनल विश्वविद्यालय, लैमसैंग, मणिपुर के सहयुक्त आचार्य डॉ. शोभित कुमार श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने व आभार ज्ञापन वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

छात्रसंघ चुनाव हेतु नामांकन करती छात्रा

कक्षा प्रतिनिधियों का चयन एवं प्रत्याशी नामांकन

छात्रसंघ का चुनाव प्रतिवर्ष की भाँति तीन दिन में सम्पन्न हुआ। 28 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव के प्रथम चरण के अन्तर्गत कक्षा प्रतिनिधियों के चुनाव का आयोजन किया गया। संचालित सभी पाठ्यक्रमों/विषयों के अन्तर्गत कुल 23 विषयों के 55 कक्षा प्रतिनिधायों का चुनाव छात्रसंघ संविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर 02, उपाध्यक्ष पद पर 02, महामंत्री पद पर 03 तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर 01 प्रतिनिधि ने पर्चा दाखिल किया।

छात्रसंघ चुनाव योग्यता भाषण

छात्रसंघ चुनाव के अन्तर्गत मतदाताओं के समक्ष अपनी बात रखता प्रत्याशी

29 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव में नामांकित प्रत्याशियों द्वारा योग्यता भाषण का प्रस्तुतीकरण किया गया। योग्यता भाषण में अध्यक्ष पद के लिए श्री शिवम गुप्ता, सुश्री ममता गौड़, उपाध्यक्ष पर के लिए सुश्री पूजा मद्धेशिया व सुश्री संजना सिंह महामंत्री पद के लिए सुश्री पूनम यादव, श्री भानू प्रताप सिंह व श्री आलोक चौहान तथा पुस्तकालय मंत्री पद के लिए श्री सचिन चौहान ने विद्यार्थियों के समक्ष अपना-अपना विचार प्रस्तुत कर उनसे अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

छात्रसंघ चुनाव मतदान

छात्रसंघ चुनाव के अन्तर्गत अपने मताधिकार का प्रयोग करते विद्यार्थी

30 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव की प्रक्रिया सम्पन्न हुई जिसमें अध्यक्ष पद पर सुश्री ममता गौड़ ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी श्री शिवम गुप्ता से 09 मतों से, उपाध्यक्ष पद पर सुश्री संजना सिंह अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी सुश्री पूजा मद्धेशिया से 131 मतों से, महामंत्री पद पर श्री आलोक चौहान अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी श्री भानु प्रताप सिंह से 22 मतों एवं पुस्तकालय मंत्री पद पर श्री सचिन चौहान निर्विरोध निर्वाचित हुए। अन्त में मुख्य चुनाव अधिकारी श्री हरिकेश यादव ने विजित प्रत्याशियों को प्रमाण-पत्र देकर उन्हें भावी जीवन की शुभकामनाएं दीं।

मेजर ध्यानचन्द जयन्ती

मेजर ध्यानचन्द की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते श्री आदर्श कुँवर सिंह

29 अगस्त को प्रार्थना सभा में मेजर ध्यानचन्द जयंती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्रध्यापक श्री आदर्श कुँवर सिंह ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत कर मेजर ध्यानचन्द को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

राखी मेकिंग प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में स्वनिर्मित राखियों का प्रदर्शन करतीं छात्राएँ

29 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा राखी मेंकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 27 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की लक्ष्मी कुमारी को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की वन्दना चौहान को द्वितीय स्थान एवं एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की क्षिप्रा रानी को तृतीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर की सोनी विश्वकर्मा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

खेल दिवस के अवसर पर इण्डोर गेम में प्रतिभाग करतीं छात्राएँ

राष्ट्रीय खेल दिवस

29 अगस्त को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर इंडोरगेम का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत शतरंज, कैरम एवं म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में टीम 01 के अन्तर्गत गौरवनाथ विजेता एवं उपविजेता हिमांशु रहे। टीम 02 में किशन रौनियार विजेता व उपविजेता विशाल सिंह रहे। वहीं कैरम प्रतियोगिता में टीम 01 के अन्तर्गत विजेता ज्योति एवं उपविजेता रानी जबकि टीम 02 में विजेता बबली चौहान व उपविजेता अनीशा रहीं। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में अनुराधा, निधि, अंकिता सिंह, प्रियंका, विधि, अर्पणा सिंह, सोनिका सिंह, माया आदि विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयंती

05 सितम्बर को प्रार्थना सभा में सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जयंती के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में वक्ता रक्षा अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य श्री विवेक विश्वकर्मा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिक्षक दिवस के अवसर पर उद्बोधन देते श्री विवेक विश्वकर्मा

शिक्षक दिवस

शिक्षक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों को सम्बोधित करते प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त

05 सितम्बर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में शिक्षक दिवस पर "शिक्षक आचरण एवं व्यवहार" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के पूर्व प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर 'आदर्श शिक्षक' का 'पं. मदन मोहन मालवीय सम्मान' से उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी ने किया।

स्वास्थ्य शिविर में फाइलेरिया निवारण दवा का वितरण करते चिकित्सक

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

05 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना व राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में फाइलेरिया एम.डी.ए. अभियान के अन्तर्गत फाइलेरिया के रोकथाम हेतु शिविर तथा नि:शुल्क दवा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य अधिकारी के रूप में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चरगांवा, गोरखपुर के डॉ. मनोज कुमार ने लोगों को जागरूक किया।

शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में विजित प्रतिभागी को प्रमाण पत्र प्रदान करते श्री प्रियांशु श्रीवास्तव

05 सितम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा "न्यूट्रिशन वीक" के अवसर पर "हेल्थी अर्फोडबल डाइट फार ऑल" विषय पर शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 23 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की दिव्या कुमारी को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की अंकिता निषाद को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर की महिमा यादव को तृतीय स्थान एवं वन्दना चौहान को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

विचार गोष्ठी

08 सितम्बर को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस विचार गोष्ठी में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की नेहा सिंह, शालू मद्धेशिया, अर्पणा सिंह, पारूल, सत्यप्रकाश, आशीर्वाद कश्यप, रानी, मुकुल, अरूण, किशन, ज्योति, शिवम पाण्डेय ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

विचार गोष्ठी में अपना विचार रखती बी.एड्. की छात्राध्यापिका

पोस्टर प्रतियोगिता

08 सितम्बर को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर की अर्पिता चतुर्वेदी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर में हुए पोस्टर प्रतियोगिता में पल्लवी मिश्रा को प्रथम स्थान, अकांक्षा शर्मा को द्वितीय स्थान तथा अंशिका सिंह एवं मोहन चौरसिया को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। जबकि बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की दीपा गौड़ को प्रथम स्थान, रूबी सिंह को द्वितीय स्थान एवं नैना गुप्ता एवं अन्नु मौर्या को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

पोस्टर प्रतियोगिता का अवलोकन करते निर्णायक डॉ. अखिलेश गुप्ता

विश्व साक्षरता दिवस

08 सितम्बर को प्रार्थना सभा में विश्व साक्षरता दिवस पर आयोजित व्याख्यान में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के वंशदीप रॉय ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर अपना विचार व्यक्त करते श्री वंशदीप राय

भारतेन्दु हरिशचन्द्र जयंती व योगाभ्यास

09 सितम्बर को प्रार्थना सभा में भारतेन्दु हरिशचन्द्र जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से भारतेन्दु हरिशचन्द्र जी को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारतेन्दु हरिश्चन्द जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते श्री विनय कुमार सिंह

महादेवी वर्मा एवं विनोबा भावे को श्रद्धासुमन अर्पित करते श्री तारकेश्वर पाण्डेय

महादेवी वर्मा पुण्यतिथि एवं विनोबा भावे जयन्ती

11 सितम्बर को प्रार्थना सभा में महादेवी वर्मा पुण्यतिथि व विनोबा भावे की जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थी श्री तारकेश्वर पाण्डेय ने अपने विचार प्रस्तुत कर दोनों महान विभूतियों को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित किया।

विशिष्ट व्याख्यान

13 सितम्बर को भूगोल विभाग द्वारा "पृथ्वी एवं जैव मण्डल" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर के भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रमोद कुमार ने सम्बन्धित विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीलम गुप्ता ने व आभार ज्ञापन श्री अरविन्द कुमार मौर्य ने किया।

उद्‌बोधन देते हुए डॉ. प्रमोद कुमार

अमर शहीद जतिन दास को श्रद्धासुमन अर्पित करते श्री आलोक सिंह

जतिनदास शहीदी दिवस

13 सितम्बर को प्रार्थना सभा में जतिनदास शहीदी दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर के छात्र आलोक सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत कर जतिन दास को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी

व्याख्यान प्रतियोगिता

13 सितम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर पर व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 13 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एम. एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की श्रेया मल्ल को प्रथम, प्रशान्त कुमार सिंह को द्वितीय एवं ज्योति सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

विशिष्ट व्याख्यान

13 सितम्बर को इतिहास विभाग के तत्वावधान में जतिनदास शहीदी दिवस के अवसर पर "भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन तथा जतिनदास" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता बी.एड्. विभाग के श्री अभिषेक त्रिपाठी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना गुप्ता ने तथा आभार ज्ञापन श्री अनूप पाण्डेय ने किया।

व्याख्यान कार्यक्रम में उद्‌बोधन देते श्री अभिषेक त्रिपाठी

हिन्दी दिवस

14 सितम्बर को हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुधा

शुक्ल ने तथा आभार ज्ञापन विभाग प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

हिन्दी दिवस के अवसर पर व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त

एम. विश्वेश्वरैया जयन्ती

15 सितम्बर को प्रार्थना सभा में एम. विश्वेश्वरैया जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री प्रतिमा पाण्डेय ने अपना उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से महान वैज्ञानिक एम. विश्ववेश्वरैया को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित किया।

प्रार्थना सभा में एम. विश्वेश्वरैया को श्रद्धासुमन अर्पित करतीं सुश्री प्रतिमा पाण्डेय

शपथ ग्रहण समारोह

16 सितम्बर को नव निर्वाचित छात्रसंघ के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में सुश्री ममता गौड़, उपाध्यक्ष सुश्री संजना सिंह, महामंत्री श्री आलोक चौहान एवं पुस्तकालय मंत्री श्री सचिन चौहान के साथ छात्रसंघ के सदस्य के रूप में 53 कक्षा प्रतिनिधियों को महाविद्यालय की श्रीमती शिप्रा सिंह ने पद तथा गोपनीयता की शपथ दिलाई।

पद एवं गोपनीयता की शपथ लेते नवनिर्वाचित छात्रसंघ के पदाधिकारीगण

निबन्ध प्रतियोगिता

16 सितम्बर को भूगोल विभाग के तत्वावधान में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के अवसर पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 54 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की अपूर्वा को प्रथम स्थान, बी.ए प्रथम सेमेस्टर के कुलदीप कुमार को द्वितीय स्थान व बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की मुस्कान चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

विचार गोष्ठी

16 सितम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के विशाल, आशीर्वाद, पूजा मद्धेशिया, प्रतिभा, अर्पणा, अंजली, अरूण सहित कुल 25 विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

विचार गोष्ठी में अपना विचार प्रस्तुत करता बी.एड्. विभाग का छात्राध्यापक

विश्व ओजोन दिवस

16 सितम्बर को प्रार्थना सभा में विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में वक्ता के रूप में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री आलोक चौहान ने ओजोन परत संरक्षण के सन्दर्भ में अपने विचार प्रस्तुत किए।

विश्व ओजोन दिवस पर ओजोन परत के महत्व को बताते श्री आलोक चौहान

एन.सी.सी. कैडेट चयन प्रक्रिया

16 सितम्बर को संचालित 45वीं यू.पी.एन.सी.सी. बटालियन की इकाई में कैडेट चयन प्रक्रिया सम्पन्न हुई जिसमें महाविद्यालय के कुल 110 अभ्यर्थी शामिल हुए। शारीरिक परीक्षण, लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार के माध्यम से लेफ्टिनेंट रमाकान्त दूबे, सूबेदार हरबहाल सिंह एवं नायक दलबहादुर गुरूंग ने

कैडेट्स की चयन प्रक्रिया को सम्पन्न किया। निरीक्षक के रूप में कर्नल ए.के. दीक्षित जी भी उपस्थित रहे।

एन.सी.सी. कैडेट चयन प्रक्रिया में सम्मिलित होते विद्यार्थीगण

विशिष्ट व्याख्यान

16 सितम्बर को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया।

उद्‌बोधन देते हुए डॉ. अभय श्रीवास्तव

विज्ञान प्रदर्शनी

18 सितम्बर को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में बी.एस–सी. प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर के कुल 45 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें गुड़िया को प्रथम स्थान, रूबी सिंह एवं प्रगति जायसवाल को द्वितीय स्थान तथा दीपा गौड़ को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर के कुल 32 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें पल्लवी मिश्रा को प्रथम स्थान, शालिनी चौहान को द्वितीय स्थान एवं शिखा श्रीवास्तव, कंचन सिंह एवं आयुष को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में बी.एस–सी. पंचम सेमेस्टर में आयोजित प्रदर्शनी में कुल 18 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें पूजा गुप्ता पुत्री श्री सुभाष गुप्ता को प्रथम, पूजा गुप्ता पुत्री श्री शेषनाथ गुप्ता को द्वितीय व निधि सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते डॉ. अभय श्रीवास्तव

विशिष्ट व्याख्यान

विद्यार्थियों को उद्बोधन देते प्रो. एन.पी. सिंह

21 सितम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा "कोआर्डिनेशन कम्पाउण्ड्स की उपयोगिता" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो. एन.पी. सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रामसहाय ने व आभार ज्ञापन विभाग प्रभारी डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने किया।

'केस-स्टडी' पर कार्यशाला

21 सितम्बर को वाणिज्य विभाग द्वारा "भारतीय अनुबन्ध अधिनियम 1872 के तहत समझौता और अनुबन्ध" विषय पर केस-स्टडी पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में वाणिज्य विभाग के तृतीय सेमेस्टर के 10 विद्यार्थियों के ग्रुप ने प्रतिभाग किया। एक ग्रुप में 5 विद्यार्थी सम्मिलित थे। कार्यक्रम में प्रतीक राज, अपूर्वा, शैलप्रिया, निदा फातिमा, आँचल, काजल, नीतू, अंशिका, शिखा व प्रीति ने अपनी प्रस्तुती दी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती श्वेता ने किया।

'केस-स्टडी' कार्यशाला में सम्मिलित विद्यार्थीगण

पोस्टर मेंकिग प्रतियोगिता

22 सितम्बर को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा "स्वस्थ्य जीवन में योग का महत्व" विषय पर एक पोस्टर मेंकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के कुल 19 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में सावित्री प्रजापति को प्रथम स्थान, प्रीति विश्वकर्मा को द्वितीय स्थान तथा ज्योति विश्वकर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती व सतीश धवन जयन्ती

25 सितम्बर को प्रार्थना सभा में दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती व सतीश धवन जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में वक्ता बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के सचिन चौहान ने अपने विचार प्रस्तुत कर दोनों महान विभूतियों को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया।

प्रार्थना सभा में श्रद्धांजलि अर्पित करते श्री सचिन चौहान

रोवर/रेंजर परिचयात्मक प्रशिक्षण

25 सितम्बर को स्नातक स्तर पर रोवर/रेंजर परिचयात्मक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि जिला संगठन आयुक्त, भारत स्काउट गाइड, गोरखपुर ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में कुल 61 रोवर्स/रेंजर्स उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री अभिषेक त्रिपाठी ने किया।

उद्‌बोधन देते श्री सूरज चन्द्र गौतम

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जयन्ती

26 सितम्बर को प्रार्थना सभा में ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ता बी. ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्र त्रिदेव ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत कर ईश्वरचन्द्र विद्यासागर को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित किया।

प्रार्थना सभा में श्रद्धांजलि अर्पित करते श्री त्रिदेव

अतिथि व्याख्यान

26 सितम्बर को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा एक अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता जे.बी. महाजन पी. जी. कॉलेज, चौरी–चौरा के वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेन्द्र यादव ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग प्रभारी डॉ. अभय श्रीवास्तव ने व आभार ज्ञापन डॉ. अखिलेश गुप्ता ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. शैलेन्द्र यादव

विशिष्ट व्याख्यान

29 सितम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा "विश्व हृदय दिवस" के अवसर पर "हृदय का प्रयोग करें, हृदय को जाने" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता बी.आर.डी. मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर अजहर अली खान ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया। आभार ज्ञापन विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

उद्बोधन देते हुए प्रो. अजहर अली खान

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. देवनारायण पाण्डेय

विशिष्ट व्याख्यान

29 सितम्बर को समाजशास्त्र विभाग द्वारा "स्वतन्त्रता आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. देव नारायण पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री विष्णु पटेल एवं अतिथि स्वागत व आभार विभागाध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता

30 सितम्बर को प्राणि विज्ञान विभाग के तत्वावधान में व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर के कुल 27 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में रूबी सिंह को प्रथम स्थान, दीपा गौड़ को द्वितीय स्थान तथा अमित सिंह कुशवाहा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षक

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते डॉ. आर.एन. सिंह

विज्ञान प्रदर्शनी

30 सितम्बर को प्राणि विज्ञान विभाग के तत्वावधान में भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में कुल 83 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की दीपा को प्रथम स्थान, रूबी सिंह को द्वितीय स्थान एवं विद्यासागर निषाद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी

व्याख्यान प्रतियोगिता व निबन्ध प्रतियोगिता

30 सितम्बर को भूगोल विभाग के तत्वावधान में "भारत में बाढ़ का स्वरूप" विषय पर व्याख्यान प्रतियोगिता व निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। व्याख्यान प्रतियोगिता में कुल 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र निमिष सिंह को प्रथम स्थान, एम.ए तृतीय सेमेस्टर के दुर्गेश पाल को द्वितीय स्थान, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के अंकित मण्डल को तृतीय स्थान व बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की नीलू को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसी क्रम में निबन्ध प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की अपूर्वा को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के कुलदीप कुमार द्वितीय स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की मुस्कान चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

विशिष्ट व्याख्यान

30 सितम्बर को इतिहास विभाग के तत्वावधान में "भारतीय एकता व अखण्डता के सूत्रधार : सरदार पटेल" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र विष्णु पटेल ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. अर्चना गुप्ता ने किया।

व्याख्यान देते डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय

महात्मा गांधी एवं श्री लालबहादुर शास्त्री जयन्ती

गाँधी भजन प्रस्तुत करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

02 अक्टूबर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री की जयन्ती के अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ पुष्पांजलि के साथ किया गया। तत्पश्चात डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापक हिमांशु सिंह ने महात्मा गांधी व आदर्श कुँवर सिंह ने लाल बहादुर शास्त्री के जीवन एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापिका अर्पणा सिंह ने किया।

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज पुण्यतिथि कार्यक्रम

महन्तद्वय को श्रद्धांजलि अर्पित करते प्रो. द्वारिका नाथ

02 अक्टूबर को ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की श्रद्धांजलि समारोह में मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के दर्शनशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. द्वारिकानाथ जी ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। आभार ज्ञापन श्री नन्दन शर्मा ने तथा संचालन श्री अनुप कुमार पाण्डेय ने किया।

सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना

02 अक्टूबर को सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना के अन्तर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों द्वारा गोद लिए गये समस्त विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किया गया।

गोद लिए विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करतींश्रीमती शिप्रा सिंह

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

रक्तदान शिविर में रक्तदान करते महाविद्यालय के शिक्षक

04 अक्टूबर को गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय एवं महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में कुल 22 यूनिट रक्तदान किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने सभी रक्तदाताओं का आभार ज्ञापित किया।

विज्ञान प्रदर्शनी

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते शिक्षकगण

05 अक्टूबर को प्राणि विज्ञान विभाग के बी.एस–सी. पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में कुल 67 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में शिल्पी सिंह को प्रथम, अंजली मिश्रा को द्वितीय व प्रीति गुप्ता व मुस्कान पाण्डेय को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (उद्घाटन सत्र)

07 और 08 अक्टूबर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : संकल्प से सिद्धि तक" विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न हुयी। राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि गोपाल नारायन सिंह विश्वविद्यालय, सासाराम बिहार के कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह, विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. शोभा गौड़ का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

की कुलपति मा. प्रो. पूनम टंडन ने की। इस अवसर पर सभी अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने तथा कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

उदघाटन समारोह में उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

उदघाटन समारोह में अध्यक्षीय उद्बोधन देतीं प्रो. पूनम टण्डन

प्रथम तकनीकी सत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गणित विभाग के प्रो. सुधीर कुमार श्रीवास्तव तथा सह–अध्यक्षता दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बी.एड् विभाग के आचार्य डॉ. सुभाष चन्द्र ने की। इस सत्र में श्री भारत कुमार, सुश्री गरिमा यादव, डॉ. लक्ष्मी वर्मा, श्रीमती पुष्पा निषाद, डॉ. सुधा शुक्ला, श्री अनिल कुमार मद्धेशिया सहित कुल 06 लोगों ने शोधपत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन डॉ. आरती सिंह तथा प्रतिवेदन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

प्रथम तकनीकी सत्र अपना शोध-पत्र प्रस्तुत करते डॉ. यशवन्त सिंह यश

द्वितीय तकनीकी सत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय के पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. एन.पी. भोक्ता ने की। सह–अध्यक्ष दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय की सहायक आचार्य डॉ. मीतू सिंह

द्वितीय तकनीकी सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन देते प्रो. एन.पी. भोक्ता

थीं। इस सत्र में डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्री जितेन्द्र प्रजापति, सुश्री प्रतिभा यादव, श्री अरविन्द कुमार मौर्य, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव सहित कुल 5 लोगों ने शोधपत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन डॉ. वेंकट रमन ने किया तथा प्रतिवेदन डॉ. शीलू श्रीवास्तव ने किया।

तृतीय तकनीकी सत्र

तृतीय तकनीकी सत्र में अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते प्रो. हर्ष सिन्हा

08 अक्टूबर को राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने किया। सह-अध्यक्ष दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय के सहायक आचार्य डॉ. राजेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। इस सत्र में, श्रीमती अर्पिता सिंह, शैलेन्द्र कुमार सिंह, प्रिया वर्मा, दीप्ति गुप्ता, भानु प्रताप तथा कृष्णमोहन सहित कुल 6 लोगों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन श्री अभिषेक त्रिपाठी ने किया तथा प्रतिवेदन श्रीमती दिव्या दूबे ने किया।

चतुर्थ तकनीकी सत्र

चतुर्थ तकनीकी सत्र में अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते प्रो. सुनील सिंह

राष्ट्रीय संगोष्ठी के चतुर्थ तकनीकी सत्र की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एलायड हेल्थ साइंस के संकायाध्यक्ष प्रो. सुनील सिंह एवं सह-अध्यक्षता जे.बी. महाजन कॉलेज चौरी-चौरा गोरखपुर के सहायक आचार्य डॉ. लक्ष्मण सिंह ने की। इस सत्र में सुश्री यशोदा, आद्या कुमार, अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. दीपशिखा नागवंशी, तारकेश्वर पाण्डेय, डॉ. राजकुमार, कुमारी पूनम सहित कुल 7 लोगों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया तथा प्रतिवेदन श्री विवेक विश्वकर्मा ने किया।

समापन समारोह

08 अक्टूबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह की अध्यक्षता मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य

अतिथि सेंटर ऑफ पॉलिसी रिसर्च एण्ड गवर्नेंस, नई दिल्ली के निदेशक श्री रामानन्द जी तथा विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर प्रो. अश्वनी कुमार मिश्र जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। आभार ज्ञापन राष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजक, बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

उद्बोधन देते डॉ. रामानन्द

समापन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं महाविद्यालय की छात्राएँ

जयप्रकाश नारायण जयन्ती

11 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में जयप्रकाश नारायण जयन्ती के अवसर पर बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर के छात्र पंकज चौरसिया ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत कर जयप्रकाश नारायण को महाविद्यालय परिसर की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

जयप्रकाश नारायण को उनकी जयन्ती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते श्री पंकज चौरसिया

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

11 अक्टूबर को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर के कुल 34 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में पूजा गुप्ता को प्रथम स्थान, शिल्पी सिंह को द्वितीय स्थान तथा प्रीति गुप्ता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

डॉ. राममनोहर लोहिया पुण्यतिथि

12 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में डॉ. राममनोहर लोहिया जी की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय की छात्रा सुश्री ममता गौड़ ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत कर उन्हे महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित किया।

श्रद्धांजलि अर्पित करती सुश्री ममता गौड़

कलश यात्रा निकालती राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाएँ

मेरी माटी-मेरा देश कलश यात्रा

12 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत "मेरी माटी-मेरा देश" कलश यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

बिजनेस मॉडल प्रतियोगिता

12 अक्टूबर को वाणिज्य विभाग द्वारा बिजनेस मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के कुल 20 समूहों ने प्रतिभाग किया। एक समूह में 5 विद्यार्थी थे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री अभिषेक सिंह के समूह ने, द्वितीय स्थान श्री प्रतीक राज सिंह के समूह ने एवं तृतीय स्थान हर्ष महेश चौहान के समूह ने प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

एक दिवसीय कार्यशाला

13 अक्टूबर को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा "रोल ऑफ इलुसस्ट्रेसन इन बॉयोलोजिकल स्टडीज" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कुल 63 विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

कार्यशाला में विद्यार्थियों को दिशानिर्देश देते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

मिशन शक्ति रैली में सम्मिलित महाविद्यालय की छात्राएँ

मिशन शक्ति अभियान 4.0 (रैली)

14 अक्टूबर को माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार मिशन शक्ति अभियान 4.0 के अन्तर्गत मिशन शक्ति, रैली का आयोजन किया गया। रैली में महाविद्यालय के 68 विद्यार्थियों ने सहभाग किया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते श्री नन्दन शर्मा

वाद-विवाद प्रतियोगिता

16 अक्टूबर को अंग्रेजी विभाग द्वारा 'ट्रेडिशनल एजुकेशन वर्सेज मॉडर्न एजुकेशन' विषय पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 22 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में देव कुमार चौधरी को प्रथम स्थान, शिवम कुमार को द्वितीय स्थान तथा शिवांगी को तृतीय स्थान व कल्पना को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता

16 अक्टूबर को महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर के लिए शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अंशिका सिंह को प्रथम स्थान, पल्लवी मिश्रा को द्वितीय स्थान व आकांक्षा शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

दो दिवसीय कढ़ाई एवं पेटिंग कार्यशाला

16 अक्टूबर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय कढ़ाई एवं पेटिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षण श्रीमती कमलावती प्रजापति ने दिया। कार्यशाला में 27 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण श्रीमती कमलावती देवी

दो दिवसीय कार्यशाला का दूसरा दिन

17 अक्टूबर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन पेंटिंग का प्रशिक्षिका श्रीमती कमलावती ने छात्राओं को पेंटिंग की बारीकियों के विषय में बताते हुए विद्यार्थियों को पेंटिंग के विविध प्रकारों का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में कुल 27 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

कार्यशाला में पेंटिंग करतीं छात्राएँ

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते श्री शिवानन्द त्रिपाठी

ओरिएंटेशन प्रोग्राम

18 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्किल डेवलपमेंट एवं पर्सनैलिटी डेवलेपमेंट प्रोग्राम के अन्तर्गत उन्नति फाउंडेशन के तत्वावधान में ओरिएंटेशन प्रोग्राम का शुभारम्भ किया गया। यह कार्यक्रम 19 अक्टूबर से 2 दिसम्बर के बीच कुल 31 दिनों में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम प्रतिदिन सायं 03 बजे से 06 बजे के बीच चलाया गया। इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में कुल 34 विद्यार्थी पंजीकृत थे। कार्यक्रम में फाउंडेशन की तरफ से श्री शिवानन्द त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। इस अवसर पर उप-प्राचार्य श्रीमती शिप्रा सिंह, श्री अभिनव त्रिपाठी व श्री प्रियांशु श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

18 अक्टूबर को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 39 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा दीपा गौड़ को प्रथम स्थान, खुशी सिंह को द्वितीय स्थान तथा रूबी सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

विशिष्ट व्याख्यान

18 अक्टूबर को अंग्रेजी विभाग द्वारा "मीडिया, सोसायटी एण्ड लिट्रेचर" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर नारायण ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. सुधीर नारायण

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते श्री अविनाश कुमार श्रीवास्तव

विशिष्ट व्याख्यान

19 अक्टूबर को कम्प्यूटर विभाग द्वारा "तकनीकि क्षेत्र में कैरियर काउंसलिंग" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बालाजी एकेडमी, गोरखपुर के मुख्य कैरियर काउंसलर श्री अविनाश कुमार श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि बिजनेस मैनेजर श्री जितेन्द्र कुमार का व्याख्यान हुआ।

सलाद मेकिंग प्रतियोगिता

19 अक्टूबर को गृहविज्ञान विभाग द्वारा सलाद मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की कुल 19 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अमृता सिंह व कविता निषाद को प्रथम स्थान, अंशिका साहनी और कामिनी को द्वितीय स्थान व शिवानी शर्मा और रूक्मणी निषाद को तृतीय स्थान तथा श्रेया श्रीवास्तव और अंजली निषाद ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में सलाद बनाती छात्राएँ

शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता

विजित प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र देते डॉ. आर.एन. सिंह

19 अक्टूबर को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता सम्पन्न हुयी। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर के कुल 36 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अंशिका सिंह को प्रथम स्थान, मोहन चौरसिया को द्वितीय स्थान तथा आयशा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर में हुए व्याख्यान प्रतियोगिता में कुल 23 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में पूजा गुप्ता को प्रथम स्थान, बैष्णवी पाण्डेय को द्वितीय स्थान तथा अर्पिता चतुर्वेदी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

विशिष्ट व्याख्यान

विद्यार्थियों को खेल का महत्व समझाते श्री अमर सिंह

20 अक्टूबर को शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा "खेल का जीवन में महत्व" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेन्ट जोसेफ कॉलेज फॉर वूमेन के सहायक आचार्य श्री अमर सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन डॉ. एस.एन. शुक्ला ने किया।

शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करती छात्रा

20 अक्टूबर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस' के अवसर पर "बेहतर हड्डियों का निर्माण" विषय पर शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 33 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की अमृता सिंह को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की रीना यादव को द्वितीय स्थान, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की अस्मिता सिंह को तृतीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की वन्दना चौहान को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

21 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में "सड़क सुरक्षा अभियान" विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों के स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं ने प्रतिभाग किया। चुने हुए 13 स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं ने सड़क सुरक्षा अभियान के विविध पक्षों पर अपनी बात रखी।

प्रतियोगिता में अपना पक्ष रखता विद्यार्थी

विद्यार्थियों के समक्ष अपनी बात रखते डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय

विशिष्ट व्याख्यान

30 अक्टूबर को समाजशास्त्र विभाग द्वारा "वैश्वीकरण का भारतीय समाज पर प्रभाव" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय ने किया तथा आभार ज्ञापन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

होमी जहाँगीर भाभा जयन्ती

30 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में देश के महान वैज्ञानिक होमी जहाँगीर भाभा की जयन्ती के अवसर पर बी.एस–सी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा अनुष्का सिंह ने उनके जीवन, व्यक्तित्व तथा उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धाजंलि अर्पित किया।

प्रार्थना सभा में श्रद्धांजलि अर्पित करती सुश्री अनुष्का सिंह

राष्ट्रीय एकता दिवस

31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रन फार यूनिटी अभियान के अन्तर्गत दौड़

कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एन.सी.सी. के कैडेट्स को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में एन.सी.सी. कैडेट्स को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई और 400 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रन फॉर यूनिटि कार्यक्रम में दौड़ लगाते एन.सी.सी. के कैडेट्स

दस दिवसीय मूल्यपरक पाठ्यक्रम कार्यक्रम (उद्घाटन)

31 अक्टूबर को हिन्दी विभाग द्वारा दस दिवसीय मूल्यपरक पाठ्यक्रम शिक्षा का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. विजय कुमार चौधरी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुधा शुक्ल ने तथा अध्यक्षीय उद्बोधन और आभार ज्ञापन डॉ. आरती सिंह ने किया।

उद्बोधन देते डॉ. विजय कुमार चौधरी

सरदार बल्लभभाई पटेल जयन्ती

31 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल जयन्ती के अवसर पर दिव्या प्रजापति ने अपने उद्बोधन के माध्यम से उनके जीवन, व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से मां भारती के वीर सपूत सरदार बल्लभभाई पटेल को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित किया।

श्रद्धांजलि अर्पित करती सुश्री दिव्या प्रजापति

विशिष्ट व्याख्यान

04 नवम्बर को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग तथा एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में "इजराइल हमास युद्ध एवं वैश्विक चुनौतियाँ" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य

डॉ. अभिषेक सिंह ने व्याख्यान दिया। संचालन श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा ने तथा आभार ज्ञापन श्री रमाकान्त दुबे ने किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता

04 नवम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा स्नातक स्तर पर व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 21 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग के अवकाश प्राप्त सहयुक्त आचार्य डॉ. एच.सी. गुप्ता जी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर की शिल्पी सिंह ने प्रथम, पंकज कुशवाहा ने द्वितीय एवं अंजली मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राम सहाय ने किया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. अभिषेक सिंह

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी

विशिष्ट व्याख्यान

06 नवम्बर को ई-लाइब्रेरी के शुभारम्भ के अवसर पर पुस्तकालय द्वारा "उच्च शिक्षा में ई-लाइब्रेरी का महत्व" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के केन्द्रीय पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. विभाष कुमार मिश्र ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष, डॉ. मनोज कुमार द्विवेदी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने तथा आभार ज्ञापन पुस्तकालय प्रभारी डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

लाइब्रेरी के महत्व पर प्रकाश डालते डॉ. विभाष कुमार मिश्र

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. करुणेन्द्र सिंह

विशिष्ट व्याख्यान

06 नवम्बर को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता बापू पी.जी. कॉलेज के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. करूणेन्द्र सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री विवेक विश्वकर्मा ने तथा आभार ज्ञापन श्री रमाकान्त दुबे ने किया।

ओरिएन्टेशन प्रोग्राम

06 नवम्बर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के नव-आगन्तुक विद्यार्थियों के लिए ओरिएन्टेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय कार्य-संस्कृति से परिचय कराया। कार्यक्रम में बी. एड्. प्रथम सेमेस्टर के कुल 67 विद्यार्थियों सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

स्लोगन प्रतियोगिता

06 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 22 स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में सुहानी प्रजापति ने प्रथम, शिवम कुमार ने द्वितीय तथा मंशा चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

स्लोगन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाएं

विशिष्ट व्याख्यान

06 नवम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा "कार्बनिक संश्लेषण में अभिकर्मक की उपयोगिता" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता नार्थ ईस्टर्न रिजनल

इन्स्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, ईटानगर, अरूणाचल प्रदेश के सहायक आचार्य डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव का व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राम सहाय एवं आभार ज्ञापन डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने किया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव

पोस्टर प्रतियोगिता

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थीगण

07 नवम्बर को भौतिक विज्ञान विभाग एवं गणित विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "भौतिक विज्ञान विषय में अनुप्रयुक्त गणित का प्रयोग" विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रांशु मिश्रा को प्रथम, प्रतिभा गुप्ता तथा अंजली चौधरी को द्वितीय तथा शिवांगी रंजन तथा सौरभ यादव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

विपिन चन्द्र पाल एवं सी.वी. रमन जयन्ती

07 नवम्बर को प्रार्थना सभा में विपिन चन्द्र पाल तथा सी.वी. रमन जयन्ती के अवसर पर उनकी स्मृति में व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की नेहा सिंह ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए दोनों महापुरुषों को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया।

श्रद्धांजलि अर्पित करती सुश्री नेहा सिंह

भारत स्काउट गाइड का 70वाँ स्थापना दिवस

स्थापना दिवस के अवसर पर विचार व्यक्त करती महाविद्यालय की छात्रा

07 नवम्बर को रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में

भारत स्काउट गाइड के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में रेंजर रीना, रेनू तथा अनुष्का ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। संचालन श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर 38 रोवर्स/रेंजर्स उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान

07 नवम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा शिशु सुरक्षा दिवस के अवसर पर "शिशु स्वास्थ्य एवं सुरक्षा" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र के गृहविज्ञान विभाग की विषय विशेषज्ञ डॉ. श्वेता सिंह ने अपना उद्बोधन दिया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करतीं डॉ. श्वेता सिंह

शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता

07 नवम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. रसायन विज्ञान के कुल 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी. एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की अंशिका सिंह तथा पल्लवी मिश्रा को प्रथम स्थान, पूजा दूबे तथा प्रांशु मिश्रा को द्वितीय स्थान एवं मनसा चौहान को तृतीय स्थान प्रदान किया गया।

व्याख्यान देती महाविद्यालय की छात्रा

शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता

08 नवम्बर को इतिहास विभाग द्वारा शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 23 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के राहुल निषाद को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की जाहिदा खातून को द्वितीय स्थान एवं बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की प्रियंका को तृतीय स्थान प्रदान किया गया।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता

18 नवम्बर को समाजशास्त्र विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 11 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की प्रिया पाण्डेय को प्रथम स्थान, अविता को द्वितीय स्थान एवं निशा विश्वकर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

साप्ताहिक योगाभ्यास

18 नवम्बर को साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक के रूप में श्री विनय कुमार सिंह ने उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थियों को योग एवं आसन-प्राणायाम का प्रशिक्षण प्रदान किया।

योगाभ्यास करते महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थीगण

निबन्ध लेखन प्रतियोगिता

22 नवम्बर को अंग्रेजी विभाग द्वारा "जी-20 सम्मेलन में भारत की भूमिका : योगदान, चुनौतियाँ तथा निहितार्थ" विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें शिव कुमार को प्रथम, देव कुमार कुमार चौधरी को द्वितीय, सुमित चौरसिया को तृतीय तथा धर्मवीर को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

पुरातन छात्र सम्मलेन बी.एड्. विभाग

26 नवम्बर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। पुरातन छात्र सम्मलेन समारोह में आये हुए पुरातन विद्यार्थियों में कृष्णमोहन तिवारी, अनिल, रोहिणी, नम्रता, विजय कुमार, कुंजबिहारी, प्रदीप शुक्ला, हर्षा गुप्ता आदि ने अपने अनुभव व उपलब्धियों को साझा किया।

कार्यक्रम में अपना अनुभव साझा करते महाविद्यालय के पुरातन विद्यार्थी

विशिष्ट व्याख्यान

28 नवम्बर को इतिहास विभाग द्वारा "महात्मा ज्योतिबा राव फुले के निर्वाण दिवस" के अवसर पर "सामाजिक उत्थान में ज्योतिबाराव फुले का योगदान" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना गुप्ता ने किया।

उद्‌बोधन देते हुए श्री अभिषेक त्रिपाठी

कार्यक्रम में उपस्थित विभागीय शिक्षक एवं विद्यार्थी

स्वागत समारोह

28 नवम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा एम.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। स्वागत समारोह की अध्यक्षता डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने किया। समारोह में मिस फ्रेशर सिद्धि तिवारी तथा मिस्टर फ्रेशर राजेश यादव को चुना गया। कार्यक्रम का संचालन एम.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर के छात्र अभय प्रताप सिंह ने किया।

जगदीश चन्द बोस जयन्ती

30 नवम्बर को प्रार्थना सभा में जगदीश चन्द बोस जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थी पंकज चौरसिया ने जगदीश चन्द्रबोस को महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किया।

श्रद्धासुमन अर्पित करते श्री पंकज चौरसिया

यातायात जागरूकता रैली

30 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में यातायात जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। झण्डा दिखाकर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने रैली को रवाना किया।

जागरूकता रैली निकालते राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाएँ

जागरूकता रैली निकालते रोवर्स/रेंजर्स के वालन्टियर्स

जागरूकता रैली

01 दिसम्बर को रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारम्भ श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

रेड रिबन क्लब जागरूकता रैली

01 दिवसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में रेड रिबन क्लब के द्वारा एड्स जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जनजागरूकता रैली निकालते एन.एस.एस. के वॉलन्टियर्स

जागरूकता रैली निकालते एन.सी.सी. के कैडेट्स

विश्व एड्स जागरूकता रैली

01 दिसम्बर को एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा विश्व एड्स दिवस पर एड्स जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में एन.सी.सी. के कुल 52 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

विचार गोष्ठी में अपना विचार रखती छात्रा

विचार गोष्ठी कार्यक्रम

02 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में कम्प्यूटर साक्षरता दिवस के अवसर पर "राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में कम्प्यूटर शिक्षा" विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थी मुकेश, कीर्ति राय, विवेक, ऑचल निषाद, जयदीप, वेदना शर्मा, राजलक्ष्मी गुप्ता, आकाश आदि ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

02 दिसम्बर को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 'कम्प्यूटर साक्षरता दिवस' के अवसर पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के कुल 26 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में कन्हैया यादव व शिवानी शर्मा को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, अंजलि गुप्ता को द्वितीय स्थान तथा विशाल कन्नौजिया को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

जागरूकता रैली

03 दिसम्बर को रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में कुल 68 रोवर्स/रेंजर्स ने प्रतिभाग किया। रैली महाविद्यालय से निकलकर ग्राम मंझरिया एवं हसनगंज से होती हुई पुनः महाविद्यालय पहुँची।

दिव्यांग दिवस पर रैली निकालते रोवर्स/रेंजर्स के वालन्टियर्स

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक सप्ताह समारोह (शोभा-यात्रा एवं उद्घाटन समारोह)

04 से 10 दिसम्बर तक प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ। सप्ताह भर चलने वाले इस भव्यतम आयोजन में महाविद्यालय ने सक्रिय रूप से सहभाग किया। इस साप्ताहिक समारोह के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि भारतीय सेना के पूर्व थलसेना अध्यक्ष जनरल (डॉ.) वी.के. सिंह जी उपस्थित रहे। महाविद्यालय द्वारा शोभा यात्रा के उद्घाटन के अवसर पर निकाली जाने वाली शोभा यात्रा में छात्र/छात्राओं द्वारा विविध महत्वपूर्ण विषयों पर मनमोहक व महत्वूपर्ण झांकियाँ निकाली गई। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में महाविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर आयोजित होने वाली सभी प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने की।

उद्घाटन अवसर पर उपस्थित मंचासीन अतिथिगण

उद्घाटन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी

उद्घाटन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि जनरल (डा.) वी.के. सिंह जी

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय

मतदाता पंजीकरण कैम्प

06 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता के लिए मतदाता पंजीकरण कैम्प लगाया गया। कैम्प में नए मतदाआतों को मतदाता सूची में जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

कैम्प में अपना पंजीकरण कराता युवा मतदाता

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक सप्ताह समारोह (पुरस्कार वितरण एवं मुख्य महोत्सव)

10 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति माननीय श्री हरिवंश नारायण सिंह जी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के कर कमलों द्वारा

छात्र–छात्राओं को योग्यता छात्रवृत्ति, विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को, शोभा–यात्रा में श्रेष्ठ पद संचलन एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं में सर्वश्रेष्ठ कार्य के आधार पर श्रेष्ठतम संस्था सहित, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की विभिन्न संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों समेत कुल 845 से अधिक विविध पुरस्कार प्रदान किया गया। महाविद्यालय की तरफ से विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता (वरिष्ठ वर्ग) में श्री अश्विनी सिंह, कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता (बी.एड्. वर्ग) में सुश्री नेहा सिंह, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता चतुर्थ वर्ग में सुश्री काव्या पाण्डेय, कबड्डी बालक वर्ग में देवचन्द भारती तथा वालीबॉल बालिका वर्ग में सुश्री ममता मिश्रा को पुरस्कृत किया गया।

मुख्य महोत्सव के अवसर पर उपस्थित मंचासीन अतिथिगण

मुख्य महोत्सव के अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों एवं जनसमुदाय को सम्बोधित करते माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी

योग्यता छात्रवृत्ति पुरस्कार वितरण समारोह

12 दिसम्बर को महाविद्यालय में योग्यता छात्रवृत्ति पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपने–अपने कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन करने वाले प्रथम दो विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि भटवली महाविद्यालय के पूर्व आचार्य डॉ. बलवान सिंह जी द्वारा छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पिंकी गुप्ता पुत्री श्री संजय गुप्ता बी.एस–सी प्रथम सेमेस्टर, ममता सिंह पुत्री श्री रविन्द्र सिंह बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर, अनुभव सिंह पुत्र श्री अनुविन्द सिंह बी.ए–सी. पंचम सेमेस्टर, सविता चौरसिया पुत्री श्री राजकुमार चौरसिया बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, रैना यादव पुत्री श्री गोविन्द यादव, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, आदित्य यादव पुत्र श्री शिवलाल यादव बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, पूजा भारद्वाज पुत्री श्री कुन्दन लाल बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, विनय कुमार पुत्र श्री मन्टू बी.ए. पंचम सेमेस्टर, सोनू निषाद पुत्र श्री

योग्यता छात्रवृति प्रदान करते डॉ. बलवान सिंह

मुख्य अतिथि डॉ. बलवान सिंह जी से योग्यता छात्रवृत्ति ग्रहण करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

मोहन निषाद बी.ए. पंचम सेमेस्टर, अंकिता पुत्री श्री तिल्लू बी.काम. प्रथम सेमेस्टर, मोमिना खातून पुत्री श्री इन्ताफ अली बी.काम. प्रथम सेमेस्टर, निदा फातिमा पुत्री श्री सरवातलतुल्ला बी.काम. तृतीय सेमेस्टर, दिव्या गुप्ता पुत्री स्व. रामअवध गुप्ता, बी.काम. तृतीय सेमेस्टर, नेहा साहनी पुत्री श्री सोहित साहनी बी.काम. पंचम सेमेस्टर, सुकन्या पाण्डेय पुत्री कमलाकर बी.काम. पंचम सेमेस्टर, अंजली सिंह पुत्री उमाशंकर सिंह बी.काम. पंचम सेमेस्टर, प्रियंका गुप्ता पुत्री शिव प्रकाश गुप्ता एम.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर (रसायन विज्ञान), राजेश यादव पुत्र श्री रामलाल यादव एम.एस–सी प्रथम सेमेस्टर (रसायन विज्ञान), श्रेया मल्ल पुत्री श्री उमेश कुमार मल्ल एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर (रसायन विज्ञान), नवीन विश्वकर्मा पुत्री श्री अखिलेश कुमार एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर (रसायन विज्ञान), अविनाश साहनी पुत्र श्री राजेन्द्र साहनी एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (भूगोल), पल्लवी सिंह पुत्री श्री रामनेत सिंह एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (भूगोल), दीपचन्द पुत्र श्री सुभाष चन्द साहनी एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (भूगोल), अंगद चौधरी पुत्र श्री परशुराम चौधरी एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (भूगोल), कृतिका सिंह पुत्री श्री अमरेश सिंह एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (प्राचीन इतिहास), अमृता पुत्री श्री दे दी सिंह एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (प्राचीन इतिहास), अभय राज वर्मा पुत्र श्री मन्नूलाल वर्मा एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (प्राचीन इतिहास), विकास चौधरी पुत्र श्री सन्तोष चौधरी एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (प्राचीन इतिहास), आसना सिंह पुत्री श्री सत्यप्रकाश सिंह एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (राजनीतिशास्त्र), सौरभ कुमार पुत्र श्री प्रभुनाथ एम. ए. प्रथम सेमेस्टर (राजनीतिशास्त्र), काव्या पाण्डेय पुत्री श्री कुल भूषण पाण्डेय एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (राजनीतिशास्त्र), विशाल कुशवाहा पुत्र श्री महेश कुशवाहा एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (राजनीतिशास्त्र), राहुल यादव पुत्र श्री रणधीर यादव एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (इतिहास), खुश्बू प्रजापति पुत्री श्री तूफानी

योग्यता छात्रवृत्ति प्राप्त करती छात्रा

उद्बोधन के माध्यम से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते डॉ. बलवान सिंह

प्रसाद एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (इतिहास), व्यास साहनी पुत्र श्री महेन्द्र साहनी एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (इतिहास), संध्या चौहान पुत्री श्री अवेद्यनाथ चौहान एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (समाजशास्त्र), सभ्या सिंह पुत्री श्री पुरुषोत्तम सिंह एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (समाजशास्त्र), मनीषा माड़वार पुत्री श्री तुलसी माड़वार एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (समाजशास्त्र), सोनी प्रजापति पुत्री श्री रूमाज्ञा प्रजापति एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (समाजशास्त्र), शंकर तिवारी पुत्र श्री रविन्द्र तिवारी एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (हिन्दी), निशा कुमारी पुत्री श्री शिवलाल एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (हिन्दी), उपमा सिंह पुत्री श्री सुशील सिंह एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (गृहविज्ञान), दीक्षा सिंह पुत्री श्री हरिनारायण सिंह एम. प्रथम सेमेस्टर (गृहविज्ञान), ज्योति सिंह पुत्री श्री ज़िलवन्त सिंह एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (गृहविज्ञान), शिप्रा रानी पुत्री श्री अजय कुमार सिंह एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (गृहविज्ञान), प्रभात तिवारी पुत्र श्री कौशल प्रसाद तिवारी एम.काम. प्रथम सेमेस्टर, ममता मझवार पुत्री श्री विश्वम्भर मझवार एम.काम. प्रथम सेमेस्टर, विशाल कुमार यादव पुत्र श्री मक्खन यादव एम.काम. तृतीय सेमेस्टर, गोरख यादव पुत्र श्री परशुराम यादव एम.काम तृतीय सेमेस्टर, अरूण कुमार कुशवाहा पुत्र श्री रामजी कुशवाहा बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर, विवेक कुमार मौर्या पुत्र श्री छेदीलाल मौर्या बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर, बबली चौहान पुत्री श्री उमाशंकर चौहान बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर, ज्योति सिंह पुत्री श्री जय सिंह बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर, रानी शर्मा पुत्री श्री नन्हे शर्मा बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर, गीतांजलि सिंह पुत्री अशोक सिंह बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर, प्रियांशु पाण्डेय पुत्र श्री अनिल पाण्डेय बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर, कंचन सिंह पुत्री श्री गोरख सिंह बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर को योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान किया गया।

योग्यता छात्रवृति प्राप्त कर प्रफुल्लित मेधावी विद्यार्थीगण

मोटा अनाज के महत्व पर प्रकाश डालते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

विशिष्ट व्याख्यान

12 दिसम्बर को एन.सी.सी. विभाग द्वारा वर्ष 2023 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किये जाने के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त ने एवं संयोजन श्री विवेक विश्वकर्मा ने किया।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

14 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर की छात्राध्यापिका सुश्री कीर्ति ने अपने विचार प्रस्तुत कर ऊर्जा संरक्षण के विषय में उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को जागरूक किया।

ऊर्जा संरक्षण के महत्व को बताती सुश्री कीर्ति

भाषण प्रतियोगिता

14 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर "ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता" विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के कुल 24 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान क्रमशः अरूण कुमार कुशवाहा, किशन कुमार व शिवम कुमार जायसवाल ने प्राप्त किया। प्रतियोतिगता के निर्णायक मण्डल के रूप में डॉ. अर्चना गुप्ता, डॉ. नीलम गुप्ता व डॉ. रितेन्द्रनाथ पाण्डेय उपस्थित रहे। संचालन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती बी.एड्. की छात्राध्यापिका

विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

14 दिसम्बर को भूगोल विभाग द्वारा विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने ऊर्जा संरक्षण के विषय में उपस्थित शिक्षकों से अपनी जिज्ञासाएँ व्यक्त कीं, साथ ही उपरोक्त विषय पर ऊर्जा संरक्षण के कुछ वैकल्पिक उपायों के विषय में आपसी परिचर्चा की।

पाँच दिवसीय कार्यशाला (प्रथम दिन)

बी.एड्. विभाग द्वारा 15 से 20 दिसम्बर तक पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिन "अधिगम एवं अभिप्रेरणा के सिद्धान्त" विषय पर मुख्य वक्ता स्वामी देवानन्द पी.जी. कॉलेज, मठलार देवरिया के सहायक आचार्य श्री विनय पाण्डेय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री अभिषेक त्रिपाठी ने, अतिथि स्वागत श्री शैलेन्द्र सिंह ने व आभार ज्ञापन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता ने अधिगम एवं अभिप्रेरणा के सिद्धांतों को व्यवहारिक कक्षा में किस प्रकार लागू किया जाए इस विषय में विद्यार्थियों से अपने व्यक्तिगत अनुभवों को भी साझा किया।

अधिगम एवं अभिप्रेरणा के विषय में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते श्री विनय पाण्डेय

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. लक्ष्मण सिंह

पाँच दिवसीय कार्यशाला (दूसरा दिन)

16 दिसम्बर को कार्यशाला के दूसरे दिन "भारत की शिक्षा नीतियों का तुलनात्मक अध्ययन"

विषय पर मुख्य वक्ता जे.बी. महाजन डिग्री कॉलेज, चौरी-चौरा, गोरखपुर के सहायक आचार्य डॉ. लक्ष्मण सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

विशिष्ट व्याख्यान

16 दिसम्बर को इतिहास विभाग के तत्वावधान में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजेन्द्र लाहिड़ी के शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर "काकोरी के नायक : राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी" विषय पर मुख्य वक्ता डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया।

काकोरी घटना के अमर शहीद राजेन्द्र लाहिड़ी के जीवन व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते डॉ. वेंकट रमन

पाँच दिवसीय कार्यशाला (तीसरा दिन)

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. दिवाकर सिंह

18 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा पाँच दिवसीय कार्यशाला के तीसरे दिन 'पर्यावरणीय शिक्षा' विषय पर मुख्य वक्ता जवाहर लाल नेहरू स्मारक पी.जी. कॉलेज महाराजगंज के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. दिवाकर सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री दीप्ति गुप्ता, अतिथि स्वागत श्री जितेन्द्र प्रजापति एवं आभार ज्ञापन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

पाँच दिवसीय कार्यशाला (चौथा दिन)

19 दिसम्बर को कार्यशाला के चौथे दिन "शिक्षा के दार्शनिक सिद्धान्तों की विवेचना" विषय पर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय की सहायक आचार्य डॉ. मीतू सिंह का व्याख्यान हुआ।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करतीं डॉ. मीतू सिंह

निःशुल्क चिकित्सा शिविर

चिकित्सा शिविर में ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक

19 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए गाँव मंझरिया में मिशन मंझरिया अभियान के अन्तर्गत निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस अभियान में गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सालय, बाबा राघवदास मेडिकल कॉलेज एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम बालापार के चिकित्सकों द्वारा कुल 102 ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं वितरित की गई। शिविर के आयोजन में बी.एड्. विभाग के आशीर्वाद कश्यप, अपर्णा सिंह, अरूण कुमार, पूजा मद्धेशिया, नरसिंह पासवान, कुमारी साधना, श्वेता पटेल, बलली चौहान, गीतांजलि सिंह आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

शिक्षा के मूल तत्त्वों के विषय में विद्यार्थियों को समझातीं डॉ. प्रीति मिश्रा

पाँच दिवसीय कार्यशाला (पाँचवाँ दिन)

20 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा पाँच दिवसीय कार्यशाला के पाँचवें दिन "शिक्षा के मूल तत्व" विषय पर मुख्य वक्ता ज्ञानस्थली पब्लिक स्कूल गोरखपुर की प्रबन्धक तथा बेसिक शिक्षा परिषद गोरखपुर की सहायक अध्यापिका डॉ. प्रीति मिश्रा ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती विभा सिंह ने, अतिथि आभार श्रीमती शिप्रा सिंह ने व अतिथि स्वागत डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया।

पौधारोपण कार्यक्रम

21 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम मंझरिया में मिशन मंझरिया अभियान के अन्तर्गत पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत महोगनी, पारिजात, नींबू, अशोक, अमरूद आदि के पौधे रोपित किए गए। इसी के साथ बी.

मंझरिया ग्राम में पौधरोपण करते मिशन मंझरिया के सेवाव्रती विद्यार्थी

एड्. विभाग द्वारा महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज में इंटर्नशिप पूर्ण होने पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

व्याख्यान प्रतियोगिता

21 दिसम्बर को हिन्दी विभाग द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कुल 35 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। बी.ए. पंचम सेमेस्टर के आदर्श कुमार शर्मा को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की ज्योति चौधरी को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के अमित यादव को तृतीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की रजिया खातून को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। आभार डॉ. आरती सिंह ने किया तथा संचालन डॉ. सुधा शुक्ल ने किया।

प्रतियोगिता में विजित प्रतिभागी अपने प्रमाण-पत्रों के साथ

स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर

पाँच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम (प्रथम दिन)

26 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में पाँच दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक जिला प्रशिक्षण आयुक्त, स्काउट श्री अजय कुमार सिंह, जिला प्रशिक्षक गाइड सुश्री दुर्गावती धूसिया एवं श्री शिवा कुमार ने उपस्थित विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया।

पाँच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम (दूसरा दिन)

27 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में पाँच दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन जिला प्रशिक्षक प्रशिक्षण

प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन प्रशिक्षुओं द्वारा नाटक प्रस्तुति

स्काउट श्री अजय कुमार सिंह व जिला प्रशिक्षक गाइड सुश्री दुर्गावती धूसिया व प्रशिक्षक श्री शिवा कुमार ने विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड के झण्डे एवं उस पर बने हुए चिह्नों का विस्तारपूर्वक अर्थ बताया। इस प्रशिक्षण शिविर में 131 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पाँच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम (तीसरा दिन)

28 दिसम्बर को पाँच दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन प्रशिक्षणार्थियों को बी.पी.-6 एवं प्राथमिक उपचार के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन उपस्थित प्रशिक्षु एवं प्रशिक्षक

पाँच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम (चौथा दिन)

प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन कैम्प फायर की तैयारी करते प्रशिक्षुगण

29 दिसम्बर को पाँच दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन प्रशिक्षणार्थियों को ध्वज शिष्टचार, बौद्धिक खेलों का प्रशिक्षण देते हुए ग्रैण्ड कैम्प फायर आदि कराया गया।

पाँच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम (समापन समारोह)

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि प्रो. शोभा गौड़

30 दिसम्बर को पाँच दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर के अन्तर्गत जिला प्रशिक्षक स्काउट ने विद्यार्थियों को तिलक लगाकर दीक्षा प्रदान किया व शुभकामनाएं दी। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा आयोजित कैम्प का निरीक्षण मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की बी.एड्. संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. शोभा गौड़ ने किया। मुख्य अतिथि का स्वागत बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह

ने किया।

कैम्पस प्लेसमेन्ट (रसायनशास्त्र विभाग)

30 दिसम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों हेतु आई.जी.एल. कम्पनी के नेतृत्व में कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन किया। कैम्पस प्लेसमेंट में बी.एस-सी. व एम.एस-सी. के कुल 21 विद्यार्थियों का साक्षात्कार हुआ जिनमें से 12 विद्यार्थी प्रथम फेज हेतु चयनित किए गए।

कैम्पस प्लेसमेंट हेतु साक्षात्कार देती महाविद्यालय की छात्रा

सात दिवसीय निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला एवं निःशुल्क सिलाई मशीन वितरण

सिलाई मशीन के विविध उपकरणों का उपयोग बताते श्री पवन राजपूत

उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति के अन्तर्गत जे के अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के सलाहकार श्री अवनीश कुमार अवस्थी जी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पिपराईच विधाान सभा क्षेत्र के माननीय विधायक श्री महेन्द्रपाल सिंह जी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरखपुर जिला के माननीय जिलाधिकारी श्री कृष्णा करूणेश जी ने की। कार्यक्रम में अतिथि स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी जे.के समूह के वाइस प्रेसीडेंट श्री आशीष चौहान ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने व

उपस्थित प्रशिक्षुओं एवं जनसमुदाय को सम्बोधित करते डॉ. जी.एन. सिंह

अतिथि आभार डॉ. मंजेश्वर ने ज्ञापित किया। यह प्रशिक्षण चार केन्द्रों पर 2–2 पालियों में दिया गया। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर केन्द्र पर श्री पवन राजपूत, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम केन्द्र–01 पर श्री नरेश कुमार, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम केन्द्र–02 पर श्री ललित सरोज एवं महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज, सिविल लाइन्स गोरखपुर केन्द्र पर श्री मोहित द्वारा प्रशिक्षण कार्य किया गया। इस अवसर पर महाराणा प्रताप महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा गोद लिए गाँव– छोटी रेतवाहियां, बड़ी रेतवहियाँ, मंझरिया तथा हसनगंज के चयनित 1150 महिलाओं, बालिकाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के पश्चात् सभी प्रशिक्षणार्थियों को नि:शुल्क सिलाई–मशीन माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के कर–कमलों द्वारा प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय युवा दिवस

12 जनवरी को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर "राष्ट्रीय युवा दिवस" पर स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री अनुराग ठाकुर जी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया।

दृश्य–श्रव्य कार्यक्रम देखते विद्यार्थी

उपस्थित स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं को सम्बोधित करते डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल

विशिष्ट व्याख्यान

24 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अखिलेश कुमार ने किया।

एक दिवसीय शिविर

27 जनवरी को वाणिज्य विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम तिनकोनिया नं. 02 में "स्वावलम्बी ग्राम योजना" के अन्तर्गत एक दिवसीय शिविर लगाकर छात्रों द्वारा ग्रामवासियों को गाँव में विभिन्न सरकारी योजना से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों द्वारा विश्वकर्मा श्रम योजना के अन्तर्गत 35 ग्रामीणों का पंजीकरण किया गया। शिविर में वाणिज्य विभाग के प्रियांशु राय, शिवम यादव, सदानन्द चौहान, अभिषेक

निगम, रूक्मणि प्रजापति, भूमिका चौहान व वन्दना वर्मा के साथ समस्त विभागीय शिक्षक सम्मिलित रहे।

स्वापलम्बी ग्राम योजना के अन्तर्गत ग्रामवासियों को सरकारी योजनाओं से अवगत कराते विद्यार्थी

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

07 फरवरी को वाणिज्य विभाग एवं पुणे इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में Importance of Skills for career growth and Fintech विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में बतौर मुख्य अतिथि पुणे इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के सहायक आचार्य श्री नितीश श्रीवास्तव ने वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रस्ताविकी और आभार ज्ञापन विभाग प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने किया। कार्यक्रम का संचालन बी.काम. षष्टम सेमेस्टर के छात्र श्री शिवम यादव ने किया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते श्री नितीश श्रीवास्तव

भारत कोकिला सरोजनी नायडू की जयन्ती (राष्ट्रीय महिला दिवस)

13 फरवरी को भारत कोकिला सरोजनी नायडू की जयन्ती के अवसर पर "सशक्त नारी : सशक्त भारत" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कला संकाय की अधिष्ठाता प्रो. कीर्ति पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भावना पाण्डेय ने, स्वागत डॉ. आरती सिंह ने व आभार ज्ञापन बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

सशक्त नारी सशक्त भारत विषय पर उद्बोधन देतीं प्रो. कीर्ति पाण्डेय

विचार गोष्ठी में अपना विचार व्यक्त करती बी.एड्. विभाग की छात्रा

विचार गोष्ठी

13 फरवरी को राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बी.एड्. विभाग द्वारा एक विचार गोष्ठी का आयोजित की गई। विचार गोष्ठी में बी.एड्. विभाग के विद्यार्थियों द्वारा "भारत में महिलाओं की स्थिति : अतीत से वर्तमान तक" विषय पर समूह परिचर्चा किया गया। इस गोष्ठी में बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के समस्त विद्यार्थी और समस्त विभागीय शिक्षक उपस्थित रहे।

सरस्वती पूजा

14 फरवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती के पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूजन कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार से शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल जी ने यजमान के रूप में पूजन कार्य किया। पुरोहित के रूप में गुरु श्री गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ के पंडित श्री शुभम त्रिपाठी ने पूजन कार्य सम्पन्न कराया। इस अवसर पर सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी पूर्ण उल्लास के साथ उपस्थित रहे।

सरस्वती पूजन कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थीगण

विशिष्ट व्याख्यान

19 फरवरी को प्रार्थना सभा में वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी महाराज की जयन्ती के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ.

वीरशिरोमणि छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित करतीं डॉ. अर्चना गुप्ता

अर्चना गुप्ता ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

उद्बोधन प्रस्तुत करते डॉ. राम पाण्डेय

विशिष्ट व्याख्यान

21 फरवरी को अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग द्वारा "साहित्य में बहुभाषिकता" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता लाल बहादुर शास्त्री स्मारक पी.जी. कॉलेज, आनन्दनगर, महाराजगंज के प्राचार्य डॉ. राम पाण्डेय ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने व आभार ज्ञापन डॉ. सुधा शुक्ल ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय शिविर

27 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर का शुभारम्भ अभिगृहित ग्राम हसनगंज में हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के पूर्व प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह जी उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने, संचालन स्वयंसेविका सुश्री पूजा गुप्ता ने तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह

कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त करती छात्राएँ

तीन दिवसीय आर्ट एण्ड क्राफ्ट कार्यशाला (प्रथम दिवस)

05 मार्च को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में तीन दिवसीय आर्ट एण्ड क्राफ्ट कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की प्रशिक्षिका ताहिदा खातून एवं सोनम कुमारी ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया।

तीन दिवसीय आर्ट एण्ड क्राफ्ट कार्यशाला (द्वितीय दिवस)

06 मार्च को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में तीन दिवसीय आर्ट एण्ड क्राफ्ट कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की प्रशिक्षिका ताहिदा खातून एवं सोनम कुमारी ने विद्यार्थियों को आर्ट एवं क्राफ्ट से संबंधित सामग्रियों, आर्ट निर्माण की विधियों एवं अपशिष्ट पदार्थों से क्राफ्ट निर्माण की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया।

विविध प्रकार के क्राफ्ट बनातीं महाविद्यालय की छात्राएँ

परम्परागत शिल्प निर्मित करता प्रशिक्षु

तीन दिवसीय कार्यशाला का समारोप

07 मार्च को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय आर्ट एण्ड क्राफ्ट कार्यशाला का समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रशिक्षक के रूप में वाहिदा खातून एवं सोनल कुमारी ने प्रशिक्षित कर विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान किया कार्यशाला के समापन अवसर पर बी.एड्. विभाग के शिक्षक श्री शैलेन्द्र ने प्रशिक्षकों का आभार ज्ञापित किया।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

09 मार्च को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय "अपशिष्ट सामग्री से शिल्पकला" विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षक के रूप में सोनम कुमारी ने विद्यार्थियों को अपशिष्ट पदार्थों से विभिन्न प्रकार के शिल्प तथा कलाकृतियाँ बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर प्रशिक्षु विद्यार्थियों ने अपने-अपने घरों से निकलने वाले अपशिष्ट सामग्रियों से विविध प्रकार के क्राफ्ट का निर्माण किया।

अपशिष्ट सामग्री से बने शिल्पों का प्रदर्शन करते विद्यार्थी

शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता

19 मार्च को इतिहास विभाग द्वारा शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय सेमेस्ट के कुल 13 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान क्रमशः श्री मारूति नन्दन मिश्रा, सुश्री ज्योति प्रजापति तथा श्री राहुल कुमार ने प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी

मतदान की शपथ लेते रा.से.यो. के कार्यक्रम अधिकारी एवं शिक्षक

मतदाता साक्षरता क्लब

20 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में "मतदाता साक्षरता क्लब" के अन्तर्गत एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में डॉ. विजय कुमार चौधरी ने उपस्थित विद्यार्थियों को मतदान के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी, मतदाता जागरूकता डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं।

उद्बोधन देते हुए डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता

विशिष्ट व्याख्यान

21 मार्च को भूगोल विभाग के तत्वावधान में विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में भूगोल विभाग के समस्त विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

21 मार्च को के बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में 'आनलाइन शिक्षा : वरदान या अभिशाप' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 28 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में पक्ष में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान-क्रमशः बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के राकेश कुमार, अखिल एवं किशन ने तथा विपक्ष में प्रथम स्थान- शिवम जायसवाल, द्वितीय स्थान-संयुक्त रूप से कीर्तिराय एवं विवेक तथा तृतीय स्थान-संयुक्त रूप से जयदीप मुखर्जी एवं आकाश गुप्ता ने प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में अपना पक्ष रखता प्रतिभागी

रक्षा प्रदर्शनी

22 मार्च को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

विजित प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र प्रदान करते मुख्य अतिथि

कार्यक्रम का संचालन श्री विवेक विश्वकर्मा ने तथा आभार ज्ञापन श्री रमाकान्त दूबे ने किया। प्रदर्शनी में सर्वोत्तम मॉडल प्रस्तुत करने के लिए बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर के गिरिजेश राय को प्रथम, बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की शालू मिश्रा को द्वितीय तथा बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर की प्रतिभा गुप्ता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

विशिष्ट व्याख्यान

23 मार्च को समाजशास्त्र विभाग द्वारा "बाल अधिकार और उनका संरक्षण" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बेंच ऑफ मजिस्ट्रेट, मेम्बर चाइल्ड वेलफेयर कमेटी महाराजगंज के डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रितेन्द्रनाथ पाण्डेय ने किया।

उद्‌बोधन देते हुए डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय

विशिष्ट व्याख्यान

23 मार्च को इतिहास विभाग द्वारा शहीदी दिवस के अवसर पर "शहीद भगत सिंह और उनका अविनाशी इंकलाब" विषय पर मुख्य वक्ता डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री अभिनव त्रिपाठी ने किया।

ऊँ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात्पूर्णमुदच्यते ।
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते ॥
ऊँ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

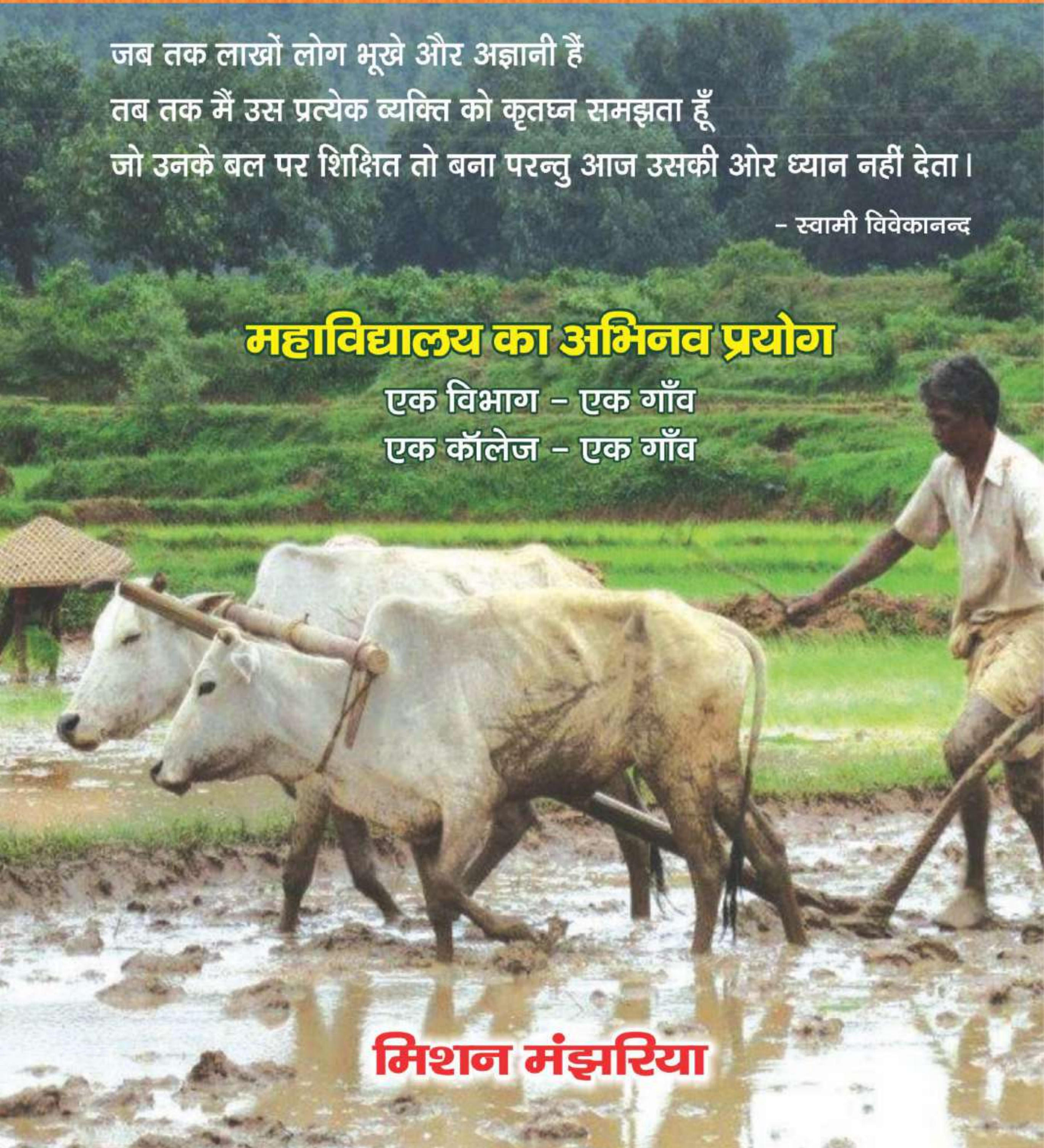

जब तक लाखों लोग भूखे और अज्ञानी हैं
तब तक मैं उस प्रत्येक व्यक्ति को कृतघ्न समझता हूँ
जो उनके बल पर शिक्षित तो बना परन्तु आज उसकी ओर ध्यान नहीं देता।

– स्वामी विवेकानन्द

महाविद्यालय का अभिनव प्रयोग

एक विभाग – एक गाँव
एक कॉलेज – एक गाँव

मिशन मंझरिया

मिशन मंझरिया

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर श्री गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की एक संस्था है। शिक्षा को सेवा का आधार मानकर लोक-कल्याणार्थ स्थापित इस महाविद्यालय ने पठन-पाठन के साथ-साथ जन सरकारों से सीधा संवाद स्थापित किया। गाँव से शिक्षकों-विद्यार्थियों के संवाद को आकार देने हेतु 'एक विभाग-एक गाँव की योजना के क्रियान्वयन का पहला चरण 2006 ई. में ही प्रारम्भ हो गया। इसी क्रम में 2015-17 ई. तक तत्कालीन सांसद एवं महाविद्यालय के प्रबन्धक महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सांसद आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत गोद लिए गए ग्यारह गाँवों में से एक महाविद्यालय के निकट स्थित ग्राम औराही, साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान ने आदर्श ग्राम योजना को अनुभव-जन्य गति प्रदान किया।

इसी क्रम में महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव गोद लेने की परम्परा है, जिसे गति प्रदान करने हेतु बी.एड्. विभाग ने ग्राम मंझरिया को गोद लिया है। निरन्तर शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, स्वावलम्बन की दिशा में अग्रसर है। गत सत्र की गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान सत्र में महाविद्यालय योजनानुसार नये सत्र के संचालन के साथ-साथ मिशन मंझरिया का संचालन सत्र के प्रारम्भ में 22 जुलाई, 2023 से ही किया गया।

बी.एड्. विभाग द्वारा संचालित "मिशन मंझरिया" के अन्तर्गत पौधरोपड़ कार्यक्रम

22 जुलाई को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग के शिक्षकों तथा प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मिशन मंझरिया के अन्तर्गत पौधरोपड़ कार्यक्रम, मंझरिया गाँव में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मिशन मंझरिया की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने कहा कि पेड़-पौधों का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। ये हमें न सिर्फ आक्सीजन देते हैं बल्कि तमाम प्रकार के फल-फूल, जड़ी बूटियाँ और लकड़ियाँ आदि भी देते हैं। घर के आस-पास पौधे रोपड़ करने से गर्मी, भू-क्षरण, धूल आदि की समस्या से बच सकते हैं। यदि हम वास्तव में जीवित रहना चाहतें हैं और अच्छा जीवन जीना चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने के तरफ अग्रसर होना ही हमारा उद्देश्य होना चाहिए।

मिशन मंझरिया के तहत गाँव में पौधरोपण करते सेवाव्रती विद्यार्थी

इस अवसर पर मंझरिया गाँव में जामुन, आम, अमरूद, सागौन आदि विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया और यह संदेश दिया गया कि 'पर्यावरण

मिशन मंझरिया

प्रकृति का अनुपम उपहार है। जिसमें जीवन जीने के आधार के रूप में लिया जाना चाहिए।'' कार्यक्रम में महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह, विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र सिंह, सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी, सहायक आचार्य सुश्री दिप्ती गुप्ता एवं अन्य शिक्षकों के साथ अर्चना यादव, शिवांगी, शिवेन्द्र, आलोक सहित अन्य प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहे।

पौधरोपण करते शिक्षक एवं विद्यार्थी

ग्राम भ्रमण : निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र की पर्ची बांटकर प्रचार-प्रसार

06 अगस्त को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग के शिक्षकों तथा प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मिशन मंझरिया के अन्तर्गत मंझरिया गाँव का भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम भ्रमण छात्रों को वास्तविक सामाजिकता का ज्ञान प्रदान करता है। इस तरह का ज्ञान वास्तविकता के अति निकट एवं कहीं ज्यादा स्थायी होता है। इसी उद्देश्य को लेते हुए 'मिशन मंझरिया' के अन्तर्गत 'ग्राम्य भ्रमण का आयोजन कराया गया। इस भ्रमण के अन्तर्गत ग्रामवासियों को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के विषय में जानकारी दी गई एवं मिशन मंझरिया के अन्तर्गत मंझरिया

जागरूकता अभियान पर निकले विभागीय शिक्षक एवं विद्यार्थी

ग्रामवासियों में महाविद्यालय द्वारा संचालित प्राथमिक उपचार केन्द्र की पर्ची बाँटकर उन्हें जागरूक करने का कार्य करते सेवाव्रती विद्यार्थी

मिशन मंझरिया

गाँव में संचालित हो रहे विभिन्न शिक्षण केन्द्रों जैसे- स्वामी विवेकानन्द प्रशिक्षण केन्द्र, रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र आदि पर जो कि बी.एड्. प्रशिक्षुओं द्वारा संचालित होता है, के प्रभारियों को केन्द्रों को सुनियोजित ढंग से चलाने के लिए 'वार्षिक योजना' की जानकारी दी गई। इस प्रकार बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए गए ग्राम मंझरिया को पूर्णतः शिक्षित करने के लक्ष्य को पूरा करने के पहले कदम के उद्देश्य हेतु इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की जानकारी हेतु भी इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

साप्ताहिक स्वच्छता अभियान

ग्राम मंझरिया में सेवाव्रती छात्राध्यापकों एवं ग्रामीण महिलाओं तथा बच्चों के द्वारा सप्ताह में एक दिन शनिवार को अपने घर के सामने अपने परिसर क्षेत्र में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस अभियान के कारण ग्रामवासियों में अपने घर एवं अपने परिसर में सफाई करने के प्रति जागरूकता का विकास होता है।

साप्ताहिक स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत श्रमदान करते मिशन मंझरिया के सेवाव्रती

साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रत्येक शुक्रवार को सभी छात्राध्यापक प्रभारी अपने केन्द्र पर पढ़ रहे बच्चों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हैं, जिसमें बच्चों को गायन, नृत्य, कविता आदि का

सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग करते गाँव के नौनिहाल

मिशन मंझरिया

प्रशिक्षण दिया जाता है। यह कार्यक्रम बच्चों एवं छात्राध्यापकों द्वारा बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में अत्यन्त सहायक होता है।

कला प्रतियोगिता

सेवाव्रती छात्राध्यापकों द्वार कला प्रतियोगिता का आयोजन भी अपने-अपने केन्द्रों पर किया जाता है। कला के माध्यम से बच्चों द्वारा अपने मनोभावों को कागज पर चित्र के माध्यम से उकेरा जाता है। कागज के पन्नों पर बच्चों द्वारा अपने बनाये गये चित्रों को दिखाते हुए बच्चे अपने को अत्यंत आह्लादित महसूस करते हैं।

स्वनिर्मित चित्रों के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन कर प्रफुल्लित होते नौनिहाल

योजना बैठक में उपस्थित मिशन मंझरिया के सेवाव्रती

मिशन मंझरिया में सेवाव्रती छात्राध्यापकों के साथ योजना बैठक

08 अगस्त 2023 को बी.एड्. विभाग द्वारा मिशन मंझरिया को पुनः नये सत्र के संचालन हेतु बी. एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों के साथ योजना बैठक कर नयी योजना बनायी गयी। बैठक में सभी शिक्षण केन्द्र सुनिश्चित किये गये। सभी शिक्षण केन्द्रों के अलग-अलग प्रभारी एवं सहयोगियों का चयन किया गया, साथ ही मिशन मंझरिया में सेवा अभियान के लिए विस्तृत कार्ययोजना पर विमर्श किया गया।

शिक्षण कार्य प्रभारी - आशीर्वाद कश्यप

1. **माँ सीता शिक्षण केन्द्र** : a) **अरूण कुमार** b) **अर्पणा सिंह**
2. **सयाजी राव गायकवाड़ शिक्षण केन्द्र** : a) **आशीर्वाद कश्यप** b) **पूजा मद्धेशिया**

मिशन मंझरिया

3. रानी लक्ष्मीबाई केन्द्र : a) कुमारी साधना b) गीतांजलि सिंह
4. वीर अभिमन्यु शिक्षण केन्द्र : a) श्वेता पटेल b) बबली चौहान
5. माँ कात्यायनी शिक्षण केन्द्र : a) नरसिंह पासवान
6. श्री पद्मिनी शिक्षण केन्द्र : a) नरसिंह पासवान b) शालू मद्धेशिया
7. स्वमी विवेकानन्द शिक्षण केन्द्र : a) श्वेता पटेल
8. कात्यायनी शिक्षण केन्द्र : a) शालू मद्धशिया

शिक्षण कार्य प्रारम्भ

ग्राम मंझरिया में 10.08.2023 से सेवाव्रती छात्राध्यापकों द्वारा अपने-अपने आठ केन्द्रों पर शिक्षा एवं समाज सेवा का कार्य प्रारम्भ किया गया। प्रभारी एवं सहयोगियों ने मिलकर सभी आठ केन्द्रों पर समूह बनाकर पढ़ाने का कार्य प्रारम्भ किया।

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत संचालित विभिन्न शिक्षण केन्द्रों पर शिक्षण कार्य करते सेवाव्रती विद्यार्थी

स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग में मिशन मंझरिया के अन्तर्गत बी. एड्. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मंझरिया गाँव में संचालित विभिन्न शिक्षा केन्द्रों पर 15 अगस्त के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का

स्वतंत्रता दिवस के आयोजन में उपस्थित ग्रामीण बच्चे एवं सेवाव्रती विद्यार्थी

मिशन मंझरिया

आयोजन कराया गया। इस अवसर पर मिशन मंझरिया की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने 15 अगस्त (स्वतन्त्रता दिवस) का दिन भारतीयों के लिए गर्व और उत्साह की बात है। यह दिन भारतीय सांस्कृतिक धरोहर, स्वतन्त्रता संग्राम के शहीदों और महान नेताओं के संघर्ष का सम्मान करते हुए मनाया जाता है। इसी सम्मान के क्रम में बी.एड्. विभाग के मिशन मंझरिया के अन्तर्गत मंझरिया ग्राम में स्वचालित विभिन्न शिक्षा केन्द्र जैसे- माँ सीता शिक्षण केन्द्र, सयाजीराव गायकवाड़ केन्द्र, रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र, वीर अभिमन्यु शिक्षण केन्द्र आदि के सभी बच्चे और प्रशिक्षणार्थी एक ही केन्द्र ('सयाजीराव गायकवाड' केन्द्र) पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बी.एड्. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा स्वतन्त्रता दिवस के महत्व के विषय में विद्यार्थियों को बताया गया। झण्डारोहण करने के उपरान्त विभिन्न विद्यार्थियों जैसे- परी चौहान, प्रीती चौहान, अनुराधा, सुकन्या, मुस्कान आदि द्वारा ग्रुप डाँस तथा वंशिका शर्मा, अनुराधा प्रजापति द्वारा भाषण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम समाप्त होने के उपरान्त सभी विद्यार्थियों में मिष्ठान वितरित कराया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते ग्रामीण विद्यार्थी

साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

सप्ताह के प्रथम दिन सोमवार को शिक्षण कार्य से पूर्व बच्चों को योग, व्यायाम, प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही साथ शिक्षण कार्य के उपरान्त खेलकूद का भी अभ्यास कराया जाता है। खेलकूद, योग, प्राणायाम, ध्यान इत्यादि विद्यार्थियों का आध्यात्मिक विकास की ओर प्रशस्त करता है साथ ही यह व्यक्ति के भौतिक जीवन को भी समरस बनाता है। योग, प्राणायाम, खेल के माध्यम से शरीर भी स्वस्थ्य बनता है। अरस्तु ने कहा है कि ''स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का वास होता है।'' यह कार्यक्रम इसी भावना को चरितार्थ करता है।

विभिन्न शिक्षण केन्द्रों पर योगाभ्यास करते गाँव के नन्हें-मुन्ने बच्चे

मिशन मंझरिया

शिक्षक दिवस समारोह

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत 05.09.2023 को सेवाव्रती छात्राध्यापकों के साथ मिलकर सभी केन्द्रों के बच्चों ने एकजुट होकर सीता शिक्षण केन्द्र पर शिक्षक दिवस कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का सुन्दर प्रदर्शन किया गया।

शिक्षक दिवस के अवसर पर केके काटते गाँव के नौनिहाल

शिक्षक दिवस के अवसर पर विभिन्न शिक्षण केन्द्रों के विद्यार्थी एवं सेवाव्रती विद्यार्थी

जन्माष्टमी कार्यक्रम

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत 07.09.2023 को सभी सेवाव्रती छात्राध्यापकों के साथ मिलकर सभी केन्द्रों के बच्चों ने एकजुट होकर सीता शिक्षण केन्द्र पर जन्माष्टमी कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का सुन्दर प्रदर्शन किया गया।

जन्माष्टमी के अवसर पर राधा-कृष्ण की वेशभूषा में गाँव के नौनिहाल

गांधी जयन्ती

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत 02.10.2023 को सभी सेवाव्रती छात्राध्यापकों के साथ मिलकर सभी केन्द्रों के बच्चों ने एकजुट होकर सीता शिक्षण केन्द्र पर गांधी जयन्ती कार्यक्रम आयोजित

मिशन मंझरिया

किया। जिसमें बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का सुन्दर प्रदर्शन किया गया।

मंझरिया ग्राम में चिकित्सा शिविर का आयोजन

स्वास्थ्य शिविर में ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक

19 दिसम्बर को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए गाँव मंझरिया में मिशन मंझरिया अभियान के तहत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। मिशन मंझरिया अभियान की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने बताया कि महाविद्यालय अपने संस्थागत सामाजिक दायित्वों के अन्तर्गत अपनी भूमिका का सक्रिय एंव सजग रूप से क्रियान्वयन कर रहा है। इसी क्रम में गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सालय, बाबा राघवदास मेडिकल कालेज एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम, बालापार के चिकित्सकों द्वारा समय-समय पर महाविद्यालय के विविध विभागों द्वारा गोद लिए गए विभिन्न गाँवों में चिकित्सा शिविरों के माध्यम से अपनी सेवा प्रदान करते हैं। इसी अभियान के तहत आज ग्राम मंझरियों में गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय के चिकित्सकों के निर्देशन मे एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 102 ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाएं वितरित की गई। शिविर के आयोजन में बी.एड्. विभाग के आशीर्वाद कश्यप, अपर्णा सिंह, अरूण कुमार, पूजा मद्धेशिया, नरसिंह पासवान, कुमारी साधना, स्वेता पटेल, बबली चौहान, गीतांजलि सिंह आदि छात्राध्यापकों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

स्वास्थ्य शिविर में ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक एवं सहयोग करते सेवाव्रती विद्यार्थी

मिशन मंझरिया

गणतंत्र दिवस समारोह

ग्राम मंझरिया में गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी शिक्षण केन्द्रों के प्रभारी एवं विद्यार्थी एक स्थान पर (रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र) पर एकत्र होकर गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2024) का कार्यक्रम मनाया। कार्यक्रम में सभी शिक्षण केन्द्रों के बच्चे, प्रभारी, छात्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान, नृत्य, संगीत, देशभक्ति गीत, कविता आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गणतन्त्र दिवस समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

मिष्ठान ग्रहण करते नौनिहाल

राष्ट्रगान में सम्मिलित ग्रामीण बच्चे एवं सेवाव्रती विद्यार्थी

खेलकूद प्रतियोगिता

मन से मंझरिया मिशन के अन्तर्गत लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी बच्चों ने बढ़-चढ़कर इस कार्यक्रम में भाग लिया। सेवाव्रती छात्राध्यापकों ने विजयी टीम को पुरस्कृत किया।

खेलकूद की गतिविधियों में प्रतिभाग करते ग्रामीण नौनिहाल

मिशन मंझरिया

ग्रामीण महिला सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण

03 से 09 जनवरी, 2024

आत्मनिर्भर महिला, आत्मनिर्भर भारत की नींव है

सिलाई मशीन एवं उसके कार्यप्रणाली की जानकारी देते श्री मोहन राजपूत

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में जे.के. अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित एवं सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित 'उन्नत भारत अभियान में मिशन शक्ति' के अन्तर्गत सात दिवसीय निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला आरम्भ हुई। इस अवसर पर उपस्थित प्रशिक्षार्णिथों को सम्बोधित करते हुए सिंगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर आफिसर श्री पवन राजपूत ने कहा कि महिलाओं के स्वावलंबन से ही भविष्य के स्वावलंबी भारत का निर्माण सम्भव है। आज के तेजी से मजबूत हो रहे भारत में महिलाओं की भागीदार को और अधिक बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। सरकार की इन्हीं योजनाओं में से एक महत्वपूर्ण योजना उन्नत भारत अभियान एवं मिशन शक्ति अभियान है। महिलाओं की उन्नति से ही, भारत उन्नत होगा। इस अवसर पर महाराणा प्रताप महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा गोद लिए गए गाँव छोटी रेतवाहियां, बड़ी रेतवाहियां, मंझरिया तथा हसनगंज के चयनित 1150 महिलाओं, बालिकाओं को सिलाई–कढ़ाई का प्रशिक्षण देकर इन्हें आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर करने का कार्य प्रारम्भ हुआ। प्रशिक्षण कार्यशाला चार केन्द्रों महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर, योगिराज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम केन्द्र प्रथम एवं द्वितीय तथा महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज, सिविल लाइन्स, गोरखपुर पर संचालित हो रही है। आज कार्यशाला के प्रथम दिवस पर सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण

सिलाई–कढ़ाई के सामान्य नियमों से महिलाओं को परिचित कराते श्री पवन राजपूत

मिशन मंझरिया

प्राप्त कर रही महिलाओं में तीव्र उत्साह दिखा। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर केन्द्र पर श्री पवन राजपूत, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम केन्द्र 01 पर श्री नरेश कुमार, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम केन्द्र 02 पर श्री ललित सरोज एवं महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज, सिविल लाइन्स, गोरखपुर केन्द्र पर श्री मोहित द्वारा प्रशिक्षण कार्य किया गया। आज प्रशिक्षकों द्वारा उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को सिलाई मशीन का सामान्य परिचय देते हुए सिलाई मशीन के विभिन्न उपकरणों, उनकी कार्यप्रणालियों एवं इनमें रख-रखाव तथा मरम्मत का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही प्रशिक्षकों द्वारा सिलाई मशीन एवं उनके उपकरणों की एक छोटी से प्रदर्शनी भी लगाई गई। चारो केन्द्रों पर 2-2 पालियों में 1100 से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। महाविद्यालय के उन्नत भारत अभियान के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने चारों केन्द्रों के प्रशिक्षकों के प्रति हार्दिक आभार ज्ञापित किया।

सिलाई-कढ़ाई के विभिन्न प्रकारों के बारे में जानकारी देते श्री पवन राजपूत

समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : श्री अवनीश अवस्थी

भारत का विकास गाँवो के विकास एवं उनके स्वावलम्बन में छिपा है। भारत आज सशक्त राजनैतिक नेतृत्व के हाथों में है। आज भारत विकास की सभी विधाओं में तेजी में विकसित देशों के कन्धों से कन्धा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। उद्योगों का क्षेत्र हो या निर्यात का औषधि का क्षेत्र हो या रक्षा उपकरणों के निर्माण का सभी क्षेत्रों में भारत की प्रगति विश्व में कौतूहल पैदा कर रही है। आज पूरा विश्व आशा के साथ भारत की ओर देख रहा है। ऐसे में हमें भारत की आधी आबादी अर्थात् महिलाओं के विकास एवं स्वावलंबन की ओर और अधिक कार्य करने की जरूरत है। ऐसे में जे.के. अर्बन सेप्स डेवेलपर्स एवं सिंगर ग्रुप द्वारा आयोजित सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला नि:सन्देह महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन में मील का पत्थर साबित होगा। उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जे.के. अर्बन सेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर

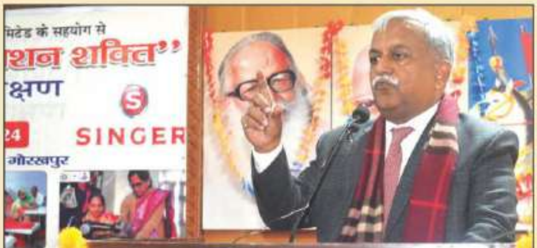

उपस्थित प्रशिक्षु महिलाओं को सम्बोधित करते हुए श्री अवनीश कुमार अवस्थी जी

मिशन मंझरिया

ग्रामीण महिलाओं का उत्साहवर्धन करती श्रीमती अल्पना शरना

द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय नि:शुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के सलाहकार श्री अवनीश कुमार अवस्थी ने कहीं। उन्होंने आगे कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार के तमाम सारी सरकारी योजनाओं के केन्द्र के महिलाएं हैं। महिलाओं को आगे बढ़ाए बिना भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने की सोचना बेमानी है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पंच प्रण का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा कि भारत के आजादी के शताब्दी वर्ष यानी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना हम सभी का संकल्प होना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पिपराईच विधान सभा क्षेत्र के माननीय विधायक श्री महेन्द्रपाल सिंह जी ने कहा कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। गाँवो की महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यशालाओं की भूमिका अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। इस दिशा में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद निरन्तर सजग रूप से पूर्वांचल के विकास में अपना सक्रिय योगदान दे रहा है। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन चुका है और देश के सर्वोत्तम प्रदेश बनने की राह पर है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में गोरखपुर जिला के माननीय जिलाधिकारी श्री कृष्णा करूणेश ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ ही उन्हे आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी बनाने में मद्द करेगा।

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

मिशन मंझरिया

कार्यक्रम में उदबोधन देते माननीय श्री महेन्द्र पाल सिंह

उपस्थित प्रशिक्षुओं को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को सिर्फ अपने पास तक सीमित न रखें। ज्ञान व हुनर बांटने से बढ़ता है। अत: यहाँ कार्यशाला से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली प्रत्येक महिला का यह धर्म है कि वह अपने आस-पड़ोस की कुछ महिलाओं को यह हुनर सिखाएं। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं से स्वयं सहायता समूह के निर्माण की भी बात कही कि इससे हर महिला की आमदनी बढ़ेगी। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान समय में गोरखपुर में ऐसे ही 16 लगभग हजार से ज्यादा महिलाओं के स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं तथा विविध सरकारी योजनाओं का लाभ भी ले रहे है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय मुख्यमंत्री,

गामीण महिलाओं को मेसरिंग स्केल एवं परिधानों का नाप लेना सिखाती प्रशिक्षिका सुश्री मनप्रीत

उत्तर प्रदेश के तकनीकी सलाहकार डॉ. जी.एन. सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि महिलाओं के सहयोग के बिना भारत का विकास संभव नहीं है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय महिला सशक्तिकरण की दिशा में अपना सक्रिय सहयोग कर रहा है। मिशन शक्ति एवं उन्नत भारत अभियान जैसे प्रकल्पों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन की दिशा में इस संस्था द्वारा किए जाने वाले कार्य प्रशंसनीय हैं। कार्यक्रम में सिंगर इंडिया लिमिटेड की एच.आर. हेड श्रीमती अल्पना शरना ने उपस्थित प्रशिक्षुओं को उनके प्रशिक्षण सम्बन्धी पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण सम्बन्धी अन्य सामान्य जानकारी से परिचित कराया। इससे पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत किया। जे.के. समूह के वाइस प्रेसीडेंट श्री आशीष चौहान जी ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने एवं अतिथि आभार डॉ. मंजेश्वर ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं शिवांन्या, दीपशिखा एवं सोनिका द्वारा

मिशन मंझरिया

सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत, संकल्प गीत तथा वन्देमातरम् का सस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।

जे.के. अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड, कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत आयोजित सप्त दिवसीय सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के चौथे दिन आज सिंगर इंडिया लिमिटेड की मुख्य प्रशिक्षिका सुश्री मनप्रीत ने महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर केन्द्र पर सिलाई के विविध प्रकारों के विषय में प्रशिक्षुओं को जानकारी दी। सुश्री मनप्रीत जी ने केन्द्र पर उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक दृष्टिकोण से आत्मनिर्भर बनाना है। सिलाई–कढ़ाई के कौशल ज्ञान से परिपूर्ण महिला देश के आर्थिक विकास में सहयोगी बनें, इसी को ध्यान में रखकर ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन बड़े पैमाने पर सरकारी दिशा निर्देश एवं संरक्षण में किया जा रहा है। आज के तीनों प्रशिक्षण सत्रों में योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम केन्द्र 1 एवं 2 तथा महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ केन्द्र पर सिलाई–कढ़ाई के विस्तृत पाठ्यक्रम की जानकारी देने के साथ–साथ सिलाई मशीन के पुर्जों की क्रिया विधि एवं मरम्मत, अस्थाई सिलाई, टी.टी. लीवर, शटल हुक, फीड़ डाग और सुई के साथ बाबिन केस के बीच सिलाई प्रक्रिया, विभिन्न प्रकार क मेजरिंग स्केल एवं विभिन्न प्रकार के परिधानों का नाप लेना सिखाया गया। इस अवसर पर तीनों केन्द्रों में कुल मिलाकर 800 से अधिक प्रशिक्षणार्थी महिलाएँ उपस्थित रहीं।

गामीण महिलाओं को सिलाई मशीन की क्रियाविधि एवं मरम्मत विषय में प्रशिक्षण देती प्रशिक्षिका सुश्री मनप्रीत

भारत की उन्नति में महिलाओं का अहम योगदान है : डॉ. श्रेयांश कुमार जैन

एक राष्ट्र तभी सशक्त बन सकता है, जब उसका प्रत्येक नागरिक सशक्त हो। राष्ट्र के सशक्तिकरण में महिलाओं की भूमिका अहम है। स्वतंत्रता पूर्व भारत में महिलाओं की स्थिति अत्यन्त चिन्ताजनक थी, स्वतंत्रता के बाद से ही भारतीय महिलाओं का सर्वांगीण विकास हमारे नीति निर्धारकों का केन्द्रीय विषय रहा है। भारत की पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा 1970 के दशक में जहाँ महिला कल्याण की

मिशन मंझरिया

समापन समारोह के अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

अवधारणा अपनायी गयी, वहीं 1980 के दशक में उनके विकास पर जोर दिया गया। 1990 के दशक में महिला अधिकारिता यानी सशक्तिकरण पर जोर देने के साथ ही यह प्रयास भी किया गया कि महिलाएँ निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल हों एवं नीति निर्माण के स्तर पर भी उनकी सहभागिता रहे। ऐसे में हमें भारत की आधी आबादी अर्थात् महिलाओं के स्वावलंबन की ओर और अधिक कार्य करने की जरूरत है। इस क्रम जे.के. अर्बनसेप्स डेवलेपर्स लिमिटेड एवं सिंगर इण्डिया लिमिटेड ग्रुप द्वारा आयोजित नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला नि:सन्देह महिलाओं के स्वावलंबी बनने में मद्दगार होगी। उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जे.के. अर्बनसेप्स डेवलेपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित एवं सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सप्तदिवसीय (03-09 जनवरी) नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समारोप कार्यक्रम के अवसर पर आई.

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

उद्बोधन देते हुए डॉ. शैल शंकर

मिशन मंझरिया

उद्बोधन देते हुए श्री आशीष कुमार सिंह

आई.टी.बी.एच.यू. के आचार्य डॉ. श्रेयांश कुमार जैन ने कहीं। उन्होंने आगे कहा कि स्वावलंबन नारी सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है, स्वावलंबी होने से महिलाओं का स्वाभिमान और आत्मसम्मान बढ़ता है। इसके साथ ही वह प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ने की क्षमता भी प्राप्त कर लेती है। आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी होने से महिलाओं को हीन भावना से भी मुक्ति मिलती है, इसीलिए आज के वर्तमान समय में महिला शक्ति को परजीवी न होकर स्वावलंबी बनना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उद्बोधन देते हुए आई.आई.टी.बी.एच.यू. के आचार्य डॉ. मनहर चरन जी ने कहा कि महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। स्वतंत्रा के पश्चात भारत में महिलाओं की स्थिति कई वर्षों से चर्चा एवं चिन्ता का विषय रही है। हाल के वर्षों में हुई प्रगति के बावजूद, भारत में महिलाओं को आज भी कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विगत कुछ वर्षों में, महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत सरकार के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियों को लागू किया है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आई.आई.टी. बी.एच.यू. के आचार्य डॉ. शैल शंकर जी ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ-साथ उन्हें आर्थिक

उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए श्री डॉ. श्रेयांश कुमार जैन

मिशन मंझरिया

रूप से स्वावलंबी बनने में सहयोगी होगा। आगे उन्होंने कहा कि महिला स्वावलंबन का अर्थ केवल आर्थिक आत्म निर्भरता नहीं है, बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों में उसकी स्वतंत्रता से है। एक महिला गृहणी होते हुए भी स्वावलंबी होती है। स्वावलंबी होने का अर्थ मात्र नौकरी, व्यवसाय अथवा किसी प्रोफेशन के माध्यम से धन आर्जित करना नहीं है बल्कि एक महिला का परिवार एवं समाज की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान होना चाहिए। इसी क्रम में उन्नत भारत अभियान के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री आशीष कुमार सिंह ने प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए कहा कि उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत सरकारी योजनाओं को आमजन तक बताने एवं पहुंचाने का कार्य किया जाता है। इसी क्रम में उन्नत भारत अभियान में मिशन शक्ति के अन्तर्गत निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षित कर स्वावलंबी बनाने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्नत भारत अभियान के कार्यक्रम संयोजक डॉ. मंजेश्वर ने सप्तदिवसीय निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के तीन प्रशिक्षण केन्द्रों पर आयोजित किया गया। जिसमें ग्राम–मंझरियाँ, छोटी रेतवाहियाँ, बड़ी रेतवहियाँ एवं हसनगंज की 1150 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला के माध्यम में महिलाओं को सिलाई मशीन के उपकरणों एवं क्रियाविधि के साथ–साथ उसके कुशल संचालन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं आभार ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं शिवांन्या, दीपशिखा एवं सोनिका द्वारा सरस्वती वन्दना, संकल्प गीत एवं वन्देमातरम् सस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण महिलाएँ एवं प्रशिक्षुगण

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर

एवं

कला संकाय
महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारत–नेपाल सांस्कृतिक अन्तर्सम्बन्धों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक

विषयक

तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

फाल्गुन कृष्ण पंचमी, षष्ठी एवं सप्तमी, कलियुगाब्ध 5125
विक्रमी संवत् 2080, नेपाली संवत् 1144, तद्नुसार - शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार

तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (उद्घाटन सत्र)

उद्घाटन अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

01-03 मार्च, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के कला संकाय के संयुक्त तत्वावधान में "भारत-नेपाल सांस्कृतिक अन्तर्सम्बन्धों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक" विषयक तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 01 मार्च को हुआ। कार्यक्रम में सारस्वत अतिथि के रूप में मध्य पश्चिम विश्वविद्यालय, सुर्खेत नेपाल के माननीय कुलपति प्रो. नन्द बहादुर सिंह एवं मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल सरकार काठमाण्डू, नेपाल के पूर्व गृह राज्यमंत्री मा. देवेन्द्र राज कण्डेल जी मौजूद रहे। संगोष्ठी का बीज वक्तव्य दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में वाल्मीकि विद्यापीठ, काठमाण्डू, नेपाल के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) भागवत ढकाल एवं नेपाली कांग्रेस की विधायक श्रीमती पुष्पा भुसाल समारोह में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, लुम्बिनी, नेपाल के माननीय

उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते मुख्य अतिथि मा. देवेन्द्र राज कण्डेल

उद्घाटन अवसर पर संगोष्ठी पूर्व कार्यवृत का विमोचन करते मंचस्थ अतिथिगण

उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते विशिष्ठ अतिथि प्रो. भागवत ढकाल

उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते विशिष्ठ अतिथि श्रीमती पुष्पा भुसाल

उद्घाटन अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन देते लुम्बिनी विश्वविद्यालय के मा. कुलपति प्रो. सुबरन लाल बज्राचार्य जी

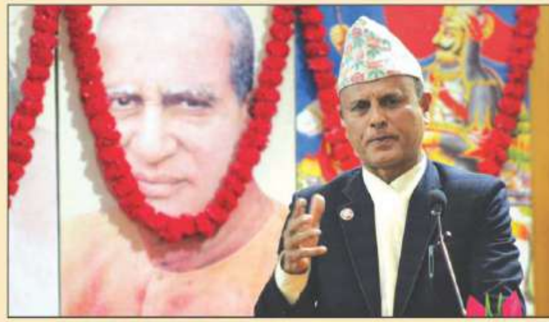

उद्घाटन अवसर पर सारस्वत अतिथि के रूप में उद्बोधन देते मध्य-पश्चिम विश्वविद्यालय, सुर्खेत के मा. कुलपति प्रो. नन्द बहादुर सिंह जी

कुलपति प्रो. सुबरन लाल बज्राचार्य ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम की प्रस्ताविकी व अतिथियों का स्वागत महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने तथा कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

प्रथम तकनीकी–सत्र

उद्घाटन समारोह के तत्काल बाद प्रथम तकनीकी–सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने की। विषय विशेषज्ञ के रूप में पूर्व गृह राज्यमंत्री, नेपाल सरकार काठमाण्डू, नेपाल के मा. देवेन्द्र राज कण्डेल, पूर्व उप सभामुख, प्रतिनिधि सभा एवं केन्द्रीय सदस्य नेपाल कांग्रेस नेपाल की श्रीमती पुष्पा भुसाल,

प्रथम तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में उद्बोधन देतीं श्रीमती पुष्पा भुसाल

प्रथम तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में उद्बोधन देते मा. कुलपति प्रो. नन्द बहादुर सिंह जी

उद्बोधन देते मा. देवेन्द्र राज कण्डेल जी

विधायक, कोसी प्रदेश एवं केन्द्रीय सदस्य नेपाल के माननीय भीम पराजुली, लुम्बिनी विश्वविद्यालय, लुम्बिनी नेपाल पी-एच.डी. पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. नरेन्द्र कुमार श्रेष्ठ तथा लुम्बिनी विश्वविद्यालय, लुम्बिनी, नेपाल सहयुक्त आचार्य डॉ. सागर न्यौपाने जी उपस्थित रहे। सत्र का संचालन डॉ. अवन्तिका पाठक तथा प्रतिवेदन डॉ. वेंकट रमन ने किया।

द्वितीय तकनीकी सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन देतीं प्रो. कीर्ति पाण्डेय

द्वितीय तकनीकी-सत्र

प्रथम तकनीकी-सत्र के समानान्तर ही द्वितीय तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कला संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. कीर्ति पाण्डेय ने किया। सह-अध्यक्ष के रूप में बाल्मिकी विद्यापीठ काठमांडू नेपाल के प्राचार्य प्रो. भागवत ढकाल जी उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञ के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के से.नि. आचार्य प्रो. सुधाकर लाल श्रीवास्तव, लुम्बिनी विश्वविद्यालय, लुम्बिनी नेपाल सहायक आचार्य डॉ. शिवाकान्त दूबे तथा चन्द्रकांती रमावती देवी आर्य महिला पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर की राजनीतिशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. प्रीति त्रिपाठी जी उपस्थित रही। सत्र का संचालन डॉ. अर्चना गुप्ता तथा प्रतिवदेन श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया। इस सत्र में सुश्री जूनी श्रीवास्तव, श्री विवेक विश्वकर्मा व डॉ. मनीषा सिंह सहित 08 शोधार्थियों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

द्वितीय तकनीकी सत्र में उद्बोधन देते प्रो. भागवत ढकाल

उद्बोधन देते मा. कुलपति
प्रो. नन्द बहादुर सिंह

तृतीय तकनीकी सत्र

संगोष्ठी के दूसरे दिन अर्थात 02 मार्च को तृतीय तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र

की अध्यक्षता नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र नेपाल के कार्यकारी निदेशक प्रो. सुधन पौडेल जी ने की। सह–अध्यक्ष के रूप में त्रिभुवन विश्वविद्यालय, कीर्तिपुर काठमाण्डु नेपाल के से.नि. आचार्य प्रो. राजाराम सुवेदी जी उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञ के रूप में नेपाल के प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्री नवीन बंधु पहाड़ी तथा गणेश राय पी.जी कॉलेज डोभी, जौनपुर इतिहास विभाग सहायक आचार्य, डॉ. प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सत्र का संचालन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय तथा प्रतिवेदन श्री अनूप पाण्डेय ने किया। इस सत्र में डॉ. सुनील कुमार, डॉ. कुंवर रणंजय सिंह, डॉ. संदीप श्रीवास्तव व श्री अजीत कुमार ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

तृतीय तकनीकी सत्र में अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते प्रो. सुधन पौडेल

तृतीय तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में उद्‌बोधन देते डॉ. प्रवीण त्रिपाठी

तृतीय तकनीकी सत्र में उद्‌बोधन देते डॉ. राजाराम सुवेदी

चतुर्थ तकनीकी सत्र

तृतीय तकनीकी सत्र के समानान्तर ही चतुर्थ तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. राजवन्त राव ने की। सह अध्यक्ष के रूप में प्रसिद्ध लेखक, स्तम्भकार, राजनीतिक विश्लेषक एवं नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री के सलाहकार श्रीकृष्ण अनिरूद्ध गौतम जी रहे। विषय

चतुर्थ तकनीकी सत्र में उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण एवं विषय विशेषज्ञ

अध्यक्षीय उद्बोधन देते
प्रो. राजवन्त राव

तकनीकि सत्र में उपस्थित विद्वत्जन एवं विद्यार्थी

उद्बोधन देतीं विषय विशेषज्ञ
डॉ. पद्मजा सिंह

विशेषज्ञ के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पद्मजा सिंह व स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शचीन्द्र मोहन ने उपस्थिति दर्ज कराई। सत्र का संचालन डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह व प्रतिवेदन श्री रमाकान्त दूबे ने किया। इस सत्र में डॉ. अमिता अग्रवाल, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. धर्मेन्द्र मौर्य व सुश्री पूजा ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पंचम तकनीकी-सत्र

संगोष्ठी के दूसरे दिन आयोजित पंचम तकनीकी-सत्र की अध्यक्षता त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डू, नेपाल के संस्कृत विभाग के आचार्य प्रो. सुबोध शुक्ला ने की। सह-अध्यक्ष के रूप में महायोगी गुरु श्री गोरक्षनाथ शोधपीठ, गोरखपुर के उपनिदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र जी उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञ के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,

पंचम तकनीकी सत्र में उद्बोधन देते डॉ. कुशलनाथ मिश्र

उपस्थित विद्वतजन, प्राध्यापक एवं शोधार्थीगण

अध्यक्षीय उद्बोधन देते प्रो. सुबोध शुक्ला

गोरखपुर समाजशास्त्र विभाग सहायक आचार्य श्री प्रकाश प्रियदर्शी व महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ गोरखपुर की सहायक निदेशक डॉ. सोनल सिंह ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सत्र का संचालन श्री विनय कुमार सिंह ने तथा प्रतिवेदन श्री नन्दन शर्मा ने किया। इस सत्र में सुश्री विभा कुमारी, श्री मयंक, श्री प्रवीण, सुश्री नम्रता व डॉ. वन्दना सोनकर ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

समूह परिचर्चा सत्र

समूह परिचर्चा सत्र में उपस्थित विषय विशेषज्ञगण

संगोष्ठी के तीसरे दिन 03 मार्च को समूह परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस मुक्त समूह परिचर्चा सत्र की अध्यक्षता नेपाल के प्राज्ञिक विद्यार्थी परिषद् के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री नारायण प्रसाद ढकाल जी ने की। सह अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा जी उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञ के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर इतिहास विभाग से.नि. आचार्य प्रो. सुधाकर लाल श्रीवास्तव, नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, बेलझुण्डी, दांड, नेपाल के कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) सुधन कुमार पौडेल, त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू, नेपाल के संस्कृत विभाग के आचार्य डॉ. सुबोध शुक्ला, दीनदयाल उपाध्याय

समूह परिचर्चा सत्र में अपने विचार रखते डॉ. सुधाकर लाल श्रीवास्तव

समूह परिचर्चा सत्र में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा

समूह परिचर्चा सत्र की अध्यक्षता करते श्री नारायण प्रसाद ढकाल

समूह परिचर्चा सत्र में उद्बोधन देते श्री कृष्णा हुमागाई

विषय विशेषज्ञों से प्रश्न पूछता महाविद्यालय का विद्यार्थी

गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार उपाध्याय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पद्मजा सिंह व गणेश राय पी.जी कॉलेज डोभी जौनपुर इतिहास विभाग, सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार त्रिपाठी जी उपस्थित रहे।इस समूह परिचर्चा सत्र में बड़ी संख्या में शोधार्थी, प्राध्यापकगण एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी सम्मिलित हुए तथा उपस्थित विषय विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों के बीच द्विपक्षीय संवाद हुआ।

समापन समारोह

समूह परिचर्चा सत्र के तुरन्त बाद तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की माननीय कुलपति

संगोष्ठी के समापन अवसर पर गोरखपुर घोषणा पत्र का वाचन करते प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा

मुख्य अतिथि को स्मृतिचिह्न भेंट करते प्राचार्य

कार्यक्रम अध्यक्ष को स्मृतिचिह्न भेंट करते प्राचार्य

संगोष्ठी के समापन अवसर पर उद्बोधन देते मुख्य अतिथि मा. कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी जी

प्रो. पूनम टण्डन ने किया। मुख्य अतिथि इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश के माननीय कुलपति प्रो. श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी जी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, बेलझुण्डी, दांङ, नेपाल कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) सुधन कुमार पौडेल, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डू, नेपाल के संस्कृत विभाग के आचार्य डॉ. सुबोध शुक्ला तथा प्राज्ञिक विद्यार्थी परिषद, काठमाण्डू, नेपाल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री नारायण प्रसाद ढकाल भी उपस्थित रहे। इसी क्रम में तीन दिनों तक चलने वाली इस अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का सम्पूर्ण प्रतिवेदन दीनदयाल

समापन अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन देतीं मा. कुलपति प्रो. पूनम टण्डन जी

समापन अवसर पर उपस्थित विद्वतदन, प्राध्यापक एवं शोधार्थीगण

उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार उपाध्याय ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पद्मजा सिंह ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने उपस्थित समस्त अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

भारत-नेपाल के बीच भाव और भावना का संबंधः प्रो. श्रीप्रकाश मणि

भारत-नेपाल के सांस्कृतिक अंतर्संबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन

अकादमिक विकास से और मजबूत होंगे भारत-नेपाल के आपसी संबंधः प्रो. टंडन

युवाओं के बल पर ठीक रहेंगे भारत-नेपाल के संबंधः नारायण ढकाल

गोरखपुर। भारत और नेपाल के बीच भाव और भावना का संबंध है। ऐसा संबंध राजनीति और आर्थिकी के संबंधों से कहीं अधिक मजबूत और गहरा होता है। दोनों राष्ट्रों के संस्कार और स्वभाव एकसमान हैं। दोनों धार्मिक और आध्यात्मिक दर्शन के मजबूत डोर से बंधे हुए हैं।

राम, बुद्ध और गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के मूल सूत्र : कंडेल

भारत और नेपाल की एकता का मूल आधार दोनों देशों की साझा अध्यात्म-संस्कृति है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, महात्मा बुद्ध और शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के अक्षुण्ण मूल सूत्र हैं।

भारत-नेपाल के सांस्कृतिक अंतर्संबंधों पर तीन दिवसीय सेमिनार का शुभारंभ

भारत-नेपाल के बीच भाव और भावना का संबंध

भारत-नेपाल के सांस्कृतिक अंतर्संबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन

अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के समापन अवसर पर बोलतीं गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

युवाओं के बल पर ठीक रहेंगे भारत-नेपाल के संबंध

राम, बुद्ध और गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के मूल सूत्र

भारत-नेपाल के सांस्कृतिक अंतर्संबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ, दोनों देशों में अन्योन्याश्रित संबंध -प्रो. सुबरन लाल

समाचार पत्रों में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

मैत्री और सहयोग को बढ़ाएगा गोरखपुर घोषणा पत्र

एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन

भारत-नेपाल के बीच भाव व भावना का संबंध : प्रो. श्रीप्रकाश मणि

सेमिनार

अकादमिक विकास से मजबूत होंगे भारत-नेपाल के सम्बंध : प्रो. टंडन

सांस्कृतिक-आध्यात्मिक संबंधों को नई ऊर्जा मिली : डॉ. प्रदीप राव

युवाओं के बल पर टीक रहेंगे भारत-नेपाल के संबंध : ढकाल

मैत्री व सहयोग को बढ़ाएगा 'गोरखपुर घोषणा पत्र'

राम, बुद्ध और गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के मूल सूत्र : कंडेल

भारत-नेपाल के सांस्कृतिक अंतर्संबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ

राम, बुद्ध और गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के मूल सूत्र : कंडेल

भारत-नेपाल के सांस्कृतिक अंतर्संबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ

गोरखपुर। भारत और नेपाल की एकता का मूल आधार दोनों देशों की साझा अध्यात्म-संस्कृति है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, महात्मा बुद्ध और शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के मूल सूत्र हैं।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में सांस्कृतिक अंतर्संबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का हुआ शुभारंभ

राम, बुद्ध व गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के सूत्र

हमारे संकल्प में भी भारत का जिक्र : प्रो. ढकाल

राम, बुद्ध व गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के सूत्र

राम, बुद्ध व गोरखनाथ की धर्म, संस्कृति, भाषा व स...

भारत व नेपाल का डीएनए एक, दोनों देशों की धर्म, संस्कृति, भाषा व स...

महाविद्यालय के राष्ट्रवादी पहल की सुनहरी झलक

भारत-भारती पखवाड़ा

(12–26 जनवरी 2024)

भारत-भारती पखवाड़ा

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं परम्परा आधारित आधुनिक ज्ञान विज्ञान एवं कला की शिक्षा सांस्कृतिक क्रिया कलापों के माध्यम से देना भारत भारती पखवाड़ा का प्रमुख उद्देश्य है। महाविद्यालय द्वारा अपनी स्थापना वर्ष से ही संचालित यह प्रकल्प विद्यार्थियों को स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर भोग्या वसुन्धरा भारत भूमि के अमर स्वतंत्रता सेनानी एवं महान सपूतों के पद चिन्हों पर चलने के लिए सतत् प्रेरणा देने वाला प्रकल्प है। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 12 जनवरी से लेकर 26 जनवरी तक चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के शैक्षिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसकी कुछ झलकियाँ प्रस्तुत हैं :-

भारत-भारती पखवाड़ा (उद्घाटन कार्यक्रम)

12 जनवरी को भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान मुख्य वक्ता रामजी सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रूद्रपुर देवरिया के प्राचार्य प्रो. बृजेश कुमार पाण्डेय ने प्रस्तुत किया। अध्यक्षता श्रीमती शिप्रा सिंह ने तथा संचालन श्री हरिकेश यादव ने किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी भारत-भारती पखवाड़ा संयोजक श्री अनुप कुमार पाण्डेय ने प्रस्तुत की।

विवेकानन्द जयन्ती पर उद्बोधन देते हुए प्रो. बृजेश कुमार पाण्डेय

कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता

16 जनवरी को भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 32 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी. एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की अनुष्का सिंह को प्रथम स्थान, बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की नेहा सिंह को द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर के आयुष श्रीवास्तव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

भारत–भारती पखवाड़ा

कैरम प्रतियोगिता

17 जनवरी को भारत–भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के बालक वर्ग में बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के अखिल को प्रथम स्थान, बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के किशन कुमार को द्वितीय स्थान तथा बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के विवेक को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं बालिका वर्ग में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की कविता को प्रथम स्थान, बी.ए. पंचम सेमेस्टर की साक्षी पाण्डेय को द्वितीय स्थान व बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर की प्रतिमा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

कैरम खेलते प्रतिभागीगण

शतरंज प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

शतरंज प्रतियोगिता

17 जनवरी को भारत–भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की निधि राव को प्रथम, बी.काम. प्रथम सेमेस्टर की निर्जला शर्मा को द्वितीय तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की कविता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वही बालक वर्ग में बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर के अभिषेक को प्रथम स्थान, बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के किशन को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर के विशाल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

भारत–भारती पखवाड़ा

लोकगीत प्रस्तुत करती छात्रा

लोकगीत प्रतियोगिता

18 जनवरी को भारत–भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 26 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.काम. चतुर्थ सेमेस्टर की गुड़िया सिंह को प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की शिखा दुबे को द्वितीय स्थान तथा बी. काम. चतुर्थ सेमेस्टर की सुप्रिया दुबे को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती सिंह ने किया।

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि

19 जनवरी को भारत–भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि के अवसर पर "रामराज्य की संकल्पना रघुवंशी राम से महाराणा प्रताप तक" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता पूर्वोत्तर रेलवे के पूर्व मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक श्री रणविजय सिंह जी ने अपना व्याख्यन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़गवासला, पुणे के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. राजेन्द्र भारती ने किया।

महाराणा प्रताप की शौर्यगाथा बताते श्री रणविजय सिंह

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

23 जनवरी को भारत–भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर "भारतीय सशस्त्र क्रांति के सूर्य : नेताजी सुभाषा चन्द्र बोस" विषय पर

उद्बोधन देते श्री मणि भूषण तिवारी

भारत–भारती पखवाड़ा

विशिष्ट व्याख्यान मुख्य वक्ता गोरखपुर के उपनगर आयुक्त डॉ. मणि भूषण तिवारी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना गुप्ता तथा अतिथि आभार श्री विनय कुमार सिंह ने ज्ञापित किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

23 जनवरी को भारत–भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 19 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के अरूण कुशवाहा को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के आशीष पाण्डेय को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के निमिष कुमार सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

मानस पाठ प्रस्तुत करती प्रतिभागी

मानस पाठ प्रतियोगिता

23 जनवरी को भारत–भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत रामचरित्र मानस पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 21 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी. काम. चतुर्थ सेमेस्टर की गुड़िया सिंह को प्रथम स्थान, बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर की सुप्रिया दूबे को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर की साक्षी पाण्डेय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

रंगोली प्रतियोगिता

24 जनवरी को भारत–भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 20 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा साहा, लक्ष्मी चौधरी

भारत-भारती पखवाड़ा

व शिखा गौड़ की टीम को, द्वितीय स्थान कृति रानी वर्मा, गरिमा त्रिपाठी, अखिल कुमार एवं राकेश कुमार की टीम को तथा तृतीय स्थान लक्ष्मी कुमारी, क्षिप्रा रानी की टीम को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. अर्चना गुप्ता, सुश्री दीप्ति गुप्ता व सुश्री स्मृति सिंह ने सक्रिय सहभाग किया।

रंगोली बनाते प्रतिभागीगण

75वां गणतन्त्र दिवस समारोह

26 जनवरी को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर 75वें गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ ध्वजारोहण के साथ किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पूर्व प्रान्त संघ चालक डॉ. पृथ्वीराज सिंह जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आदर्श कुंवर सिंह एवं निमिष सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्रावास योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम पर भी ध्वजारोहण किया गया। छात्रावास के अधीक्षक श्री विनय कुमार सिंह ने ध्वजारोहण किया।

गणतन्त्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करते महाविद्यालय के प्राचार्य

गणतन्त्र दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. पृथ्वीराज सिंह

गणतन्त्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं महाविद्यालय की छात्राएँ

बौद्धिक एवं शारीरिक प्रतिस्पर्धाओं का सौहार्द युक्त सुनहरा क्षितिज

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

(01–03 नवम्बर 2024)

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान देकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री नहीं करता। महाविद्यालय का यह संकल्प है कि यहाँ से शिक्षा ग्रहण कर सामाजिक जीवन में जाने वाला प्रत्येक विद्यार्थी परम्परागत एवं आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ संस्कृति और संस्कार का भी संवाहक बने। विद्यार्थी जहाँ और जिस क्षेत्र में भी जाए, वहाँ वह अपने नैतिक, चारित्रिक एवं बौद्धिक बल के दम पर अपनी एक अलग छाप छोड़ने में समर्थ हो। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के शैक्षिक उन्नयन के साथ-साथ उनमें प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता के उत्तरोत्तर विकास हेतु महाविद्यालय प्रतिवर्ष नवम्बर माह में वार्षिकोत्सव का आयोजन करता है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की बौद्धिक एवं शारीरिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव 01 नवम्बर से 03 नवम्बर तक सम्पन्न हुआ जिसकी कुछ झलकियाँ आप सभी के समक्ष प्रस्तुत हैं :-

वार्षिक महोत्सव (उद्घाटन कार्यक्रम)

01 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए डॉ. विजय कुमार चौधरी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही अधिक से अधिक प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में सहअध्यक्ष के रूप में श्रीमती शिप्रा सिंह उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी क्रीड़ा विशेषज्ञ डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने प्रस्तुत किया तथा संचालन वार्षिक महोत्सव की प्रभारी डॉ. भावना पाण्डेय ने किया।

उद्घाटन कार्यक्रम में प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल

हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

01 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता में कुल 17 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के ज्ञानेन्द्र पाण्डेय को प्रथम स्थान, बी.ए. पंचम सेमेस्टर के तारकेश्वर पाण्डेय को द्वितीय स्थान एवं एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

के दुर्गेश पाल तथा एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के राहुल यादव को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

भाषण प्रतियोगिता में अपना विचार व्यक्त करता विद्यार्थी

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

01 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के प्रथम दिन "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं सशक्त भारत" विषय पर हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 36 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के ज्ञानेन्द्र पाण्डेय को प्रथम स्थान, बी.ए. पंचम सेमेस्टर के श्री तारकेश्वर पाण्डेय को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के निमिष सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

01 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के प्रथम दिन "प्रिजर्विंग द इन्टरनल ट्रेडिंशन ऑफ गुरुकुल एजुकेशन इन मार्डन वर्ल्ड" विषय पर अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कुल 13 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर की अंजली मिश्रा को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के सिद्धार्थ विश्वकर्मा को द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की अंजली दूबे को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

योगासन प्रतियोगिता

01 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के प्रथम दिन योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 20 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.काम. प्रथम सेमेस्टर की अनामिका

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

योगासन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थीगण

प्रश्नमंच प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेतीं छात्राएँ

आनन्द को प्रथम स्थान, सुश्री शिखा दूबे को द्वितीय स्थान तथा बी.काम. प्रथम सेमेस्टर के श्री हर्ष महेश चौहान को तृतीय स्थान एवं बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की सुश्री नीतू शर्मा व श्री वंशदीप राय को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता (प्रथम चरण)

01 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के प्रथम दिन प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें से 20 विद्यार्थियों का चयन अन्तिम चरण के लिए सुनिश्चित किया गया।

महाविद्यालय स्तरीय दौड़ प्रतियोगिता

01 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के प्रथम दिन महाविद्यालय स्तरीय दौड़ प्रतियोगिता के अन्तर्गत बालक तथा बालिका वर्ग में 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर की प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के 100 मीटर बालिका वर्ग में बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की रोशनी चौधरी को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की सुनीता को द्वितीय स्थान एवं बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की साधना शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। 200 मीटर बालिका वर्ग में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की सुनीता को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की तनु साहनी को द्वितीय स्थान तथा बी.काम. प्रथम सेमेस्टर की संजना यादव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। 400 मीटर बालिका

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

वर्ग की दौड़ प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की सुनीता को प्रथम स्थान, बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर की प्रतिमा पाण्डेय को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की कविता गौड़ को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में 100 मीटर बालक वर्ग की दौड़ प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के राहुल कुमार यादव को प्रथम, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के सचिन यादव को द्वितीय तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के सुनील चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। 200 मीटर बालक वर्ग में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के राहुल कुमार यादव को प्रथम, बी.काम. पंचम सेमेस्टर के विशाल कुमार को द्वितीय तथा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के सचिन यादव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं 400 मीटर बालक वर्ग में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के प्रद्युमन यादव को प्रथम, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के राहुल कुमार यादव को द्वितीय तथा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के सचिन यादव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करतीं सुश्री शिवानी सिंह

विजेता प्रतिभागियों के संग शिक्षकगण

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

02 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के दूसरे दिन "एक भारत श्रेष्ठ भारत" विषय पर हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 37 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की अनीशा गुप्ता प्रथम, अरूण कुमार द्वितीय तथा मधुमिता गौड़ तृतीय स्थान पर रहीं।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

भाषण प्रस्तुत करती छात्रा

संस्कृत भाषण प्रतियोगिता

02 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के दूसरे दिन "जी 20 सम्मेलन विकसित भारतस्य भूमि" विषय पर संस्कृत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 08 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया प्रतियोगिता में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की अलका सेन को प्रथम, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के दुर्गेश पाल को द्वितीय तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर के तारकेश्वर पाण्डेय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

कैरम प्रतियोगिता

02 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के दूसरे दिन कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कैरम प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के अजय प्रजापति को प्रथम स्थान, बी.काम. प्रथम सेमेस्टर के नितिन शर्मा को द्वितीय स्थान तथा बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की अर्पणा सिंह को तृतीय स्थान तथा बी.एड्. चतुर्थ सेमेस्टर के आदर्श कुँवर को सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

प्रतिभाग करते विद्यार्थी

शतरंज प्रतियोगिता

02 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के बालक वर्ग में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के विशाल सिंह को प्रथम स्थान, बी. एड्. तृतीय सेमेस्टर के शुभम कुमार को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के नितेश तिवारी

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं बालिका वर्ग में बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर की पल्लवी मिश्रा को प्रथम स्थान, एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर की वंदिता मिश्रा को द्वितीय स्थान तथा बी.काम प्रथम सेमेस्टर की निर्जला शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

विजय हेतु जूझते खिलाड़ी

वॉलीबाल प्रतियोगिता

02 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत योगिराज बाबा गम्भीरनाथ वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में स्वामी विवेकानन्द की टीम ने बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम की टीम को हरा कर विजेता बनी। वहीं बालिका वर्ग में रानी लक्ष्मीबाई टीम ने रानी अहिल्याबाई टीम को हराकर विजेता रही।

भाला, गोला तथा चक्र क्षेपण प्रतियोगिता

02 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत भाला, गोला तथा चक्र क्षेपण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बालक वर्ग में भाला फेंक प्रतियोगिता के अन्तर्गत जयकरन यादव ने प्रथम, आर्यन पासवान ने द्वितीय तथा ब्रजेश चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक प्रतियोगिता में उदयराज ने प्रथम, आलोक कुमार यादव ने द्वितीय तथा राजन सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही चक्र क्षेपण स्पर्धा में आर्यन पासवान नें प्रथम, उदयराज ने द्वितीय एवं जयकरन यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में भाला फेंक प्रतियोगिता के अन्तर्गत मनीषा यादव ने प्रथम स्थान, सुनीता ने द्वितीय स्थान तथा पायल चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक प्रतियोगिता में मनीषा यादव ने प्रथम सुनीता ने द्वितीय तथा मानसी गौड़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं चक्र क्षेपण प्रतियोगिता में मनीषा यादव को प्रथम, सुनीता को द्वितीय तथा मानसी गौड़ को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

भाला प्रक्षेपित करता प्रतिभागी

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

03 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के तीसरे दिन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 36 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था। प्रतियोगिता में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की सुश्री काव्या पाण्डेय को प्रथम स्थान, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के श्री हिमांशु कुमार मिश्रा को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर के विनय कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

प्रश्नमंच प्रतियोगिता

03 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के तीसरे दिन प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 21 टीमों के 84 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में टीम 02 की काव्या पाण्डेय (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर), निशा यादव (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर), जाहिदा खातुन (बी.ए. प्रथम सेमेस्टर), प्रियंका गुप्ता (बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर) ने प्रथम स्थान जबकि टीम 11 के मारकण्डेय जायसवाल (बी. एस–सी. तृतीय सेमेस्टर), संदीप कुमार निषाद (बी.ए. पंचम सेमेस्टर), अश्वनी कुमार सिंह (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) तथा रतन कुमार पटवा (बी. एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में टीम 12 में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की अनीशा गुप्ता, विकास कुमार सिंह, नरसिंह पासवान तथा अरूण कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतिभाग करते प्रतिभागी

गोरखवाणी प्रतियोगिता

03 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के तीसरे दिन गोरखवाणी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

गोरखवाणी प्रस्तुत करती छात्रा

प्रतियोगिता में कुल 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.काम. तृतीय सेमेस्टर की गुड़िया को प्रथम, बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की बबिता निषाद को द्वितीय तथा बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर के अभिषेक कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता

03 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के तीसरे दिन उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 09 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के हर्ष कुमार शुक्ला को प्रथम स्थान, बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की मधुमिता गौड़ को द्वितीय स्थान, तथा बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की शिप्रा पाण्डेय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

स्वरचित कविता का पाठ करता उदीयमान कवि विद्यार्थी

बैडमिंटन प्रतियोगिता

03 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के तीसरे दिन बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान क्रमशः मुस्कान चौहान (बी.ए. तृतीय सेमेस्टर), कविता गौड़ (बी.ए. तृतीय सेमेस्टर), अनुष्का चौहान (बी. काम. प्रथम सेमेस्टर) एवं शिवानी कुमारी (बी.ए. तृतीय सेमेस्टर) ने प्राप्त किया। वही बालक वर्ग में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान क्रमशः अनुभव सिंह (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर), आशीष मिश्रा (बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर), शुभम कुमार सिंह (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) तथा आकर्ष सिंह (बी. ए. पंचम सेमेस्टर) ने प्राप्त किया।

बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्राएँ

महाविद्यालय का शिलान्यास – 29 मई 2004 एवं लोकार्पण समारोह – 29 जून, 2005

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर – शिक्षा के साथ संस्कार भी

लक्ष्य

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का लक्ष्य – **'जगद्‌गुरु भारत के लिए समर्पित युवा गढ़ना' ही महाविद्यालय का लक्ष्य है।**

कार्य पद्धति

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित कार्य पद्धति – **श्रद्धा, समर्पण, त्यागपूर्ण-पारदर्शी जीवन पद्धति के साथ लक्ष्य प्राप्ति हेतु सतत् प्रयास।**

मार्ग

धर्म, अध्यात्म एवं लोक-कल्याण का पथ।

महाविद्यालय के बढ़ते मूल्यपरक अकादमिक विकास की नींव का पत्थर

महाविद्यालय का

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

(I.Q.A.C.)

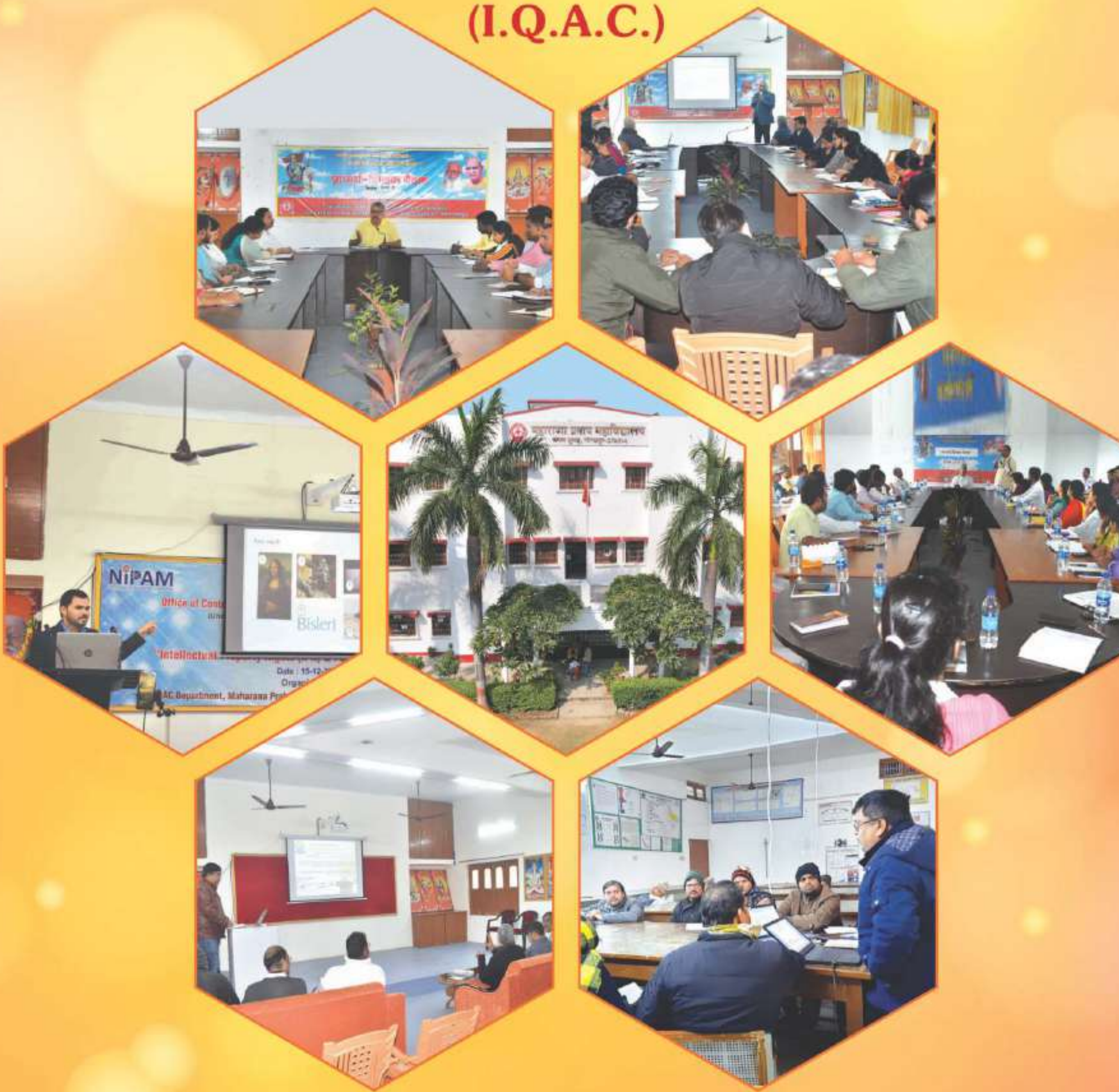

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC)

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ महाविद्यालय के शैक्षणिक प्रशासन, नवाचार एवं अकादमिक गतिविधियों का मेरूदण्ड है। महाविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता, पठन-पाठन के विविध आयाम, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं अन्य क्रिया कलापों का नियामन इसी के दिशा निर्देशन में किया जाता है। आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के माध्यम से महाविद्यालय सन् 2015 ई. में नैक मूल्यांकन कराकर श्रेणी 'बी' प्रत्यायित हो चुका है। वैश्विक महामारी कोरोना के कारण विगत सत्र में महाविद्यालय नैक द्वारा पुनः मूल्यांकन नहीं करवा पाया परन्तु महाविद्यालय की यह टीम इस हेतु पूर्णतः तैयार है। आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के दिशा-निर्देशन में इस सत्र में होने वाले कुछ कार्यक्रमों झलकियाँ प्रस्तुत हैं :-

एक दिवसीय कार्यशाला

04 अगस्त को आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC) द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के IQAC की गतिविधियों एवं शैक्षणिक नीतियों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। कार्यशाला में महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने सक्रिय रूप से सहभाग किया।

आई.क्यू.ए.सी. द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षकगण

स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम

16 दिसम्बर को उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "DiGi शक्ति" के अन्तर्गत 631 स्मार्टफोन वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी श्री अभिषेक वर्मा व महाविद्यालय के डॉ. विजय कुमार चौधरी ने स्मार्टफोन प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

आई.क्यू.ए.सी. के अन्तर्गत आयोजित स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम में लाभान्वित विद्यार्थी एवं उपस्थित शिक्षकगण

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC)

प्राचार्य–शिक्षक बैठक

09 फरवरी को आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC) द्वारा प्राचार्य–शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक महाविद्यालय स्थित जगत जननी माँ सीता सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में अध्ययन- अध्यापन की अद्यतन स्थिति पर चर्चा हुई। साथ ही आगामी योजना एवं कार्यक्रम पर भी योजना बनाई गई। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य ने की। बैठक में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों ने सक्रिय सहभाग किया।

बैठक में अपनी बात रखते
वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ शुक्ल

प्राचार्य–शिक्षक बैठक

24 फरवरी को आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC) के तत्वावधान में प्राचार्य–शिक्षक बैठक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बैठक तीन सत्रों में चली। प्रथम सत्र में आगामी 01–03 मार्च तक होने

आई.क्यू.ए.सी. के अन्तर्गत आयोजित प्राचार्य–शिक्षक बैठक में अपनी बात रखते श्री शैलेन्द्र सिंह

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC)

वाले अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजप सम्बन्धी योजना को अंतिम स्वरूप दिया गया। द्वितीय सत्र में पठन-पाठन, विद्यार्थी उपस्थिति एवं अनुशासन सम्बन्धी पक्षों पर चर्चा-परिचर्चा की गई। तृतीय सत्र में शिक्षक आचरण-व्यवहार, परिसर स्वच्छता एवं परिसर संस्कृति संवर्द्धन जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। बैठक में समस्त शिक्षकों की सक्रिय उपस्थिति रही।

आई.क्यू.ए.सी. के अन्तर्गत आयोजित प्राचार्य-शिक्षक बैठक में अपनी बात रखते डॉ. शिव कुमार वर्नवाल

आई.क्यू.ए.सी. के अन्तर्गत आयोजित प्राचार्य-शिक्षक बैठक में अपनी बात रखते श्री नन्दन शर्मा (बायें) एवं डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय (दायें)

आई.क्यू.ए.सी. के अन्तर्गत आयोजित प्राचार्य-शिक्षक बैठक में अपनी बात रखते श्री अभिषेक त्रिपाठी

आगामी कार्यक्रम

समावर्तन संस्कार समारोह 2024

14 अप्रैल को महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का समावर्तन संस्कार समारोह सम्पन्न होगा।

शैक्षिक भ्रमण

आगामी 25 अप्रैल से 02 मई तक एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों हेतु ब्राह्मी लिपि के व्यवहारिक उपभोगार्थ "ब्राह्मी लिपि का व्यवहारिक प्रयोग" विषयक सात दिवयीस कार्यशाला का आयोजन प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा प्रस्तावित है।

शैक्षिक भ्रमण

आगामी 27 अप्रैल को प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर एवं बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का एक शैक्षिक भ्रमण प्रस्तावित है। विभागीय शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों का यह भ्रमण किसी ऐतिहासिक पुरास्थल जैसे- लुम्बिनी, कुशीनगर, सारनाथ, कौशाम्बी अथवा पिपरहवा में से किसी एक स्थल हेतु प्रस्तावित है।

समीक्षा बैठक

02 मई को महाविद्यालय में सत्र 2023-24 में सम्पन्न समस्त शैक्षणिक एवं गैरशैक्षणिक क्रिया कलापों की समीक्षा हेतु समीक्षा बैठक आयोजित होगी जिसमें प्राचार्य सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक गतिविधियों की समीक्षा हेतु उपस्थित रहेंगे।

संग्रहालय भ्रमण

आगामी 04 जून 2024 को प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में विषय से सम्बन्धित चुनिन्दा विद्यार्थियों को उनके विषय सम्बन्धित व्यवहारिक ज्ञान के संबर्द्धन के उद्देश्य से राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर भ्रमण कराने की योजना है।

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला

15 से 21 जून, 2024 तक 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर गुरु श्रीगोरक्षनाथ मन्दिर में साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला के आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य-शिक्षक सहभागी होंगे।

क्षेत्रीय अध्ययन (फील्ड स्टडी)

आगामी 22 जून को महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों का क्षेत्रीय अध्ययन (फील्ड स्टडी) प्रस्तावित है। विभागीय शिक्षकों के साथ विद्यार्थी क्षेत्रीय अध्ययन हेतु महाविद्यालय से सटे सघन वनों से आच्छादित वनटांगिया ग्राम जाएंगे।

विशिष्ट आयाम

प्रार्थना सभा

प्रार्थना सभा

महाविद्यालय में दिनचर्या का प्रारम्भ राष्ट्र वन्दना और ईश वन्दना के साथ सम्पन्न होता है। एक अगस्त से प्रार्थना सभा का प्रारम्भ किया जाता है। प्रत्येक कार्यदिवस को प्रातः 9:20 बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं प्रार्थना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरुष/घटना की जयन्ती/ पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होती है तो, उस महापुरुष/घटना के सन्दर्भ में उद्बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्भागवत्गीता का हिन्दी तथा अंग्रेजी अनुवाद सहित चुने हुए श्लोकों का वाचन होता है। प्रार्थना सभा में विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी एवं प्राचार्य सम्मिलित रहते हैं।

स्वैच्छिक श्रमदान

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम

महाविद्यालय के स्थापना काल से ही प्रत्येक सप्ताह शनिवार को महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। शनिवार को अंतिम चार कक्षाएं 40 मिनट की चलाई जाती है तथा 12.10 से 1.10 बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती है। पूर्व निर्धारित विषय पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्नपत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

प्रगति आख्या

कक्षावार प्रत्येक विद्यार्थी से सम्बन्धित समस्त शैक्षिक सूचना हेतु प्रगति आख्या प्रपत्र

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर बेवसाइट के माध्यम से एवं लिखित रूप में प्रस्तुत

किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन तथा आचरण व्यवहार के अंक का उल्लेख होता है।

विद्यार्थियों को गोद लेना

प्रत्येक शिक्षक पाँच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनके शैक्षिक उन्नयन के साथ-साथ व्यक्तित्त्व विकास हेतु अलग से प्रयास करता है। गोद लिये विद्यार्थियों का पठन/पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए शिक्षक उनकी जिम्मेदारी लेते हैं।

पीपीटी के माध्यम से कक्षाध्यापन

प्रोजेक्टर युक्त कक्षायें

पठन–पाठन में अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग के साथ प्रोजेक्टर का कक्षाध्यापन में प्रयोग किया जाता है। शिक्षक अपने व्याख्यान में अधिक से अधिक पावर प्वाइंट तकनीक का उपयोग करने लगा है। बी.एड्. सहित कुछ विषयों की कक्षाओं में शत–प्रतिशत प्रोजेक्टर का प्रयोग किया जाता है।

प्रशासन में छात्र सहभाग

महाविद्यालय की विविध समितियों जैसे नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, छात्रा समिति आदि में छात्रसंघ के प्रतिनिधि अथवा पदाधिकारी सदस्य होते हैं। प्रयत्न किया जाता है कि महाविद्यालय के प्रशासन एवं संचालन में विद्यार्थियों का प्रत्यक्ष सहभाग हो। उनके व्यक्तित्व में निर्णय लेने की क्षमता का निरंतर विकास हो। छात्रसंघ अपने बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा सारांश की छायाप्रति, वाटर प्यूरीफायर, प्रोजेक्टर, स्मार्ट बोर्ड आदि पर व्यय करता है।

छात्रसंघ की साधारण सभा

छात्रसंघ कार्यकारिणी की बैठक

प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर छात्रसंघ की साधारण सभा आयोजित की जाती है। साधारण सभा में सभी विद्यार्थी, शिक्षक-कर्मचारी, प्राचार्य उपस्थित रहते हैं। विद्यार्थी अपनी समस्यायें रखता है, प्राचार्य को समाधान देना होता है। तत्पश्चात विद्यार्थी कोई तीन करणीय संकल्प लेता है। अंत में वर्तमान के किसी भी प्रमुख मुद्दे पर परिचर्चा होती है। इस दिन कक्षाएं 40 मिनट की चलती हैं।

काउंसलिंग सेल

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग सेल की व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थियों को व्यावसायिक, सामाजिक तथा मानसिक स्तर पर होने वाली समस्याओं का समाधान परामर्शदाता के द्वारा किया जाता है। काउंसलिंग सेल के माध्यम से महाविद्यालय के अधिकाधिक संख्या में विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं।

विमर्श एवं मानविकी का प्रकाशन

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान माला के व्याख्यानों एवं विभिन्न विषयों के शोध पत्रों का प्रकाशन 'विमर्श' में किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा अर्धवार्षिक शोधपत्रिका मानविकी का भी प्रकाशन होता है। दोनो शोध पत्रिकाएं ISSN युक्त हैं।

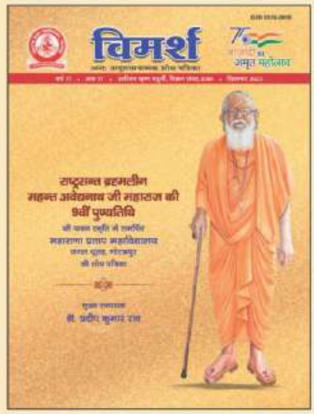

वार्षिक पत्रिका 'विमर्श'

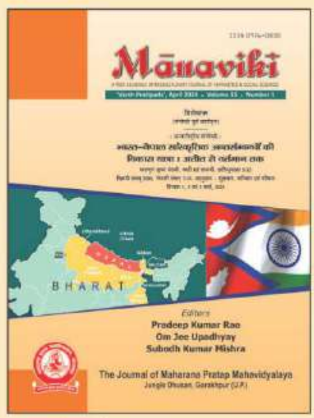

अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'मानविकी'

ध्येय पथ

अपने अनवरत विकास यात्रा में महाविद्यालय ने अपने सभी घटकों के बीच निरन्तर संवाद के अनेक मंच विकसित किए हैं। मासिक पत्रिका 'ध्येय पथ' शिक्षक संघ, कर्मचारी संघ, छात्र संघ, पुरातन छात्र परिषद तथा अभिभावक संघ जैसे जीवन्त घटक समूहों के आपसी संवाद के साथ-साथ महाविद्यालय की अन्य गतिविधियों की प्रस्तुति का एक माध्यम है। पत्रिका में प्रत्येक माह महाविद्यालय से सम्बन्धित प्रमुख गतिविधियों का संयोजन होता है। माह के अन्त में सभी गतिविधियों का संकलन कर उसे मासिक पत्रिका के रूप में महाविद्यालय के वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया जाता है।

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षायें

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर जुलाई माह में प्रकाशित कर दी जाती है। कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। पाठ्यक्रम योजना की मासिक समीक्षा प्राचार्य-शिक्षक की बैठक में की जाती है।

मासिक ई-पत्रिका ध्येय पथ

दीवार पत्रिका

महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा गठित संपादक मण्डल द्वारा दीवार पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन होता है। हस्तलिखित लेख, कविता, व्यंग्य, चित्र आदि का सम्पादन कर उसे

प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर दीवार पत्रिका पर लगा दिया जाता है। पत्रिका में कोई भी विद्यार्थी शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा अन्य विषयों पर अपना लेख छात्र संघ को दीवार पत्रिका हेतु दे सकता है।

छात्र संघ पत्रिका चेतक

दीवार पत्रिका के संकलित प्रस्तुतियों का 'चेतक' नामाधारित पत्रिका का प्रतिवर्ष छात्र संघ द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

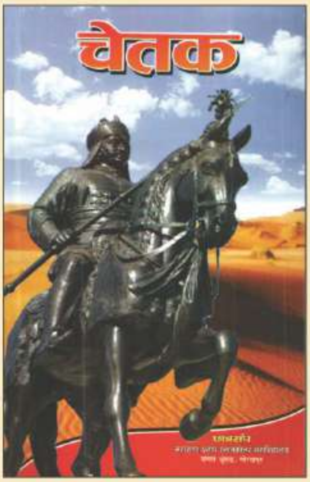

छात्रसंघ पत्रिका 'चेतक'

अन्य प्रकाशन

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ द्वारा संगोष्ठी/व्याख्यानमाला/कार्यशाला का कार्यवृत्त/शोध पत्रों का प्रकाशन किया जाता रहा है। छात्रोपयोगी पाठ्य पुस्तक का प्रकाशन भी प्रारम्भ किया जा चुका है। महाविद्यालय के अब तक के प्रमुख प्रकाशन उल्लेखनीय है – ग्रामीण भारत का भविष्य 2006; उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ 2008; समावर्तन 2008 से अद्यतन (2019); उच्च शिक्षा की स्थिति स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के संदर्भ में 2010; आर्दश शिक्षक आचरण एवं व्यवहार 2011; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : एक विमर्श एवं शोध प्रविधि 2012; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : भाषा एवं एवं शोध प्रविधि 2013; वर्तमान शिक्षण प्रविधि एवं अनुभव आधारित सुधार 2014; नाथ पन्थ एवं भक्ति आन्दोलन 2015; भारतीय राष्ट्रीयता एवं संत परम्परा 2017; क्वालिटी मैनेजमेन्ट इन हायर एजूकेशन इन्स्टीट्यूशन 2017, इन्स्टीट्यूशनल स्वच्छता रैंकिंग रिपोर्ट 2017; लोकभाषा संवर्द्धन में नाथपंथ का योगदान 2019; विज्ञान में नवीन प्रवृत्तियाँ 2019; भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रसार 2020; पाठ्यपुस्तकों में थियरी ऑफ सैम्पलिंग 2017; न्यूमेरिकल एनालिसिस 2017; डेमोग्राफिक मेथड 2017; फाइनाइट डिफरेन्सेज एण्ड इण्टरपोलेशन 2017 एन इन्ट्रोडक्शन टू जिम्नोर्स्पम्स एण्ड पैलियोबॉटनी 2019।

महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से संचालित है। प्रत्येक बुधवार एवं बृहस्पतिवार को चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा अपने स्टाफ के साथ स्वास्थ्य केन्द्र पर जंगल धूसड़ के आस-पास के गाँवों के मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं नि:शुल्क दवा वितरण किया जाता है। गम्भीर मरीजों को गोरखनाथ चिकित्सालय में चिकित्सा कराने की सुविधा प्रदान की जाती है। उक्त तिथियों में नि:शुल्क

एम्बुलेन्स की भी सुविधा उपलब्ध रहती है। उपचार केन्द्र के स्थापना वर्ष (2015) से अभी तक पैंतालीस हजार से अधिक रोगियों की चिकित्सा की जा चुकी है।

ऑनलाइन पुस्तकालय

महाविद्यालय में पुस्तकालय इण्टरनेट पर उपलब्ध है। पुस्तकालय के डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया प्रारम्भ है। विश्‍वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विकसित Soul साफ्टवेयर पर पुस्तकालय की पुस्तकें दर्ज हैं। पुस्तकालय द्वारा N-List लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त की गयी है जिसके माध्यम से ई–बुक्स, ई–जनरल्स की एक लाख पच्चीस हजार से अधिक पुस्तकें पढ़ने तथा दुनिया की लगभग 100 से अधिक पुस्तकालयों के उपयोग का अवसर विद्यार्थी–शिक्षकों को प्राप्त है।

विभाग द्वारा गाँव गोद लेना

महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग को आस–पास के किसी न किसी गाँव को गोद लेकर उसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और जन चेतना जागृत करने के लिए वर्ष में 4 बार (अगस्त माह के प्रथम रविवार, बाल्मीकि जयन्ती, फरवरी माह के प्रथम रविवार एवं परीक्षा समाप्ति के बाद के प्रथम रविवार को) सभी विभाग अपने विद्यार्थियों के साथ गोद लिए गाँव में रहते हैं।

गोद लिए गाँव में महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक

निःशुल्क प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में चार निःशुल्क प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम विद्यार्थियो, ग्रामीण बच्चों एवं महिलाओं में अतिरिक्त कौशल एवं जीवन दृष्टि उत्पन्न करने के उद्देश्य से चलाए जाते हैं। ये पाठ्यक्रम स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान करने तथा विद्यार्थियों में मानव जीवन–मूल्यों के प्रति भारत की महान सांस्कृतिक परम्परा, महापुरुषों कीशृंखला से प्रेरणा ग्रहण कर स्वयं के जीवन–मूल्य विकसित करने के उद्देश्य से संचालित है।

1. योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय द्वारा संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सिलाई–कढ़ाई एवं पेण्टिंग केन्द्र गरीब ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिंग का छः माह का प्रशिक्षण देकर उन्हें इस योग्य बनाता है कि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकें। प्रतिवर्ष श्रेष्ठतम प्रशिक्षार्थी को एक सिलाई मशीन पुरस्कार स्वरूप दिया जाता है।

निःशुल्क सिलाई कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण केन्द्र

2. राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र

कम्प्यूटर प्रशिक्षण के अन्तर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं निकटस्थ गाँवों के इच्छुक छात्र/छात्राओं को निःशुल्क छः माह का कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान समय में प्रत्येक कार्यालय, प्रकाशन, कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता को देखते हुए यह प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे कि विद्यार्थी विशेषकर छात्राएँ कम्प्यूटर की दक्षता प्राप्त कर योग्यतानुसार स्थानीय बाजार में रोजगार प्राप्त कर सकें।

3. हमारे पूर्वज प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

हमारे महापुरुष प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में सम्मिलित महापुरुषों के जीवन के प्रेरणाप्रद प्रसंगों को विद्यार्थियों के समक्ष रख कर, उनके बारे में अध्ययन एवं वर्तमान की समस्याओं पर उनकी भूमिका पर चिंतन के अवसर प्रदान किए जाते हैं। यह पाठ्यक्रम योग्य नागरिक गुणों का विकास करने में भी सक्षम हुआ है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। बी.एड्. तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में यह पाठ्यक्रम अनिवार्य है।

4. जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में मानव जीवन के शाश्वत मूल्यों पर चर्चा-परिचर्चा, चिंतन, लेखन आदि के आधार पर समाज और राष्ट्र के लिए जीवन-मूल्य सृजन करने का प्रयत्न किया जाता है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। बी.एड्. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में यह पाठ्यक्रम अनिवार्य है।

5. कास्मेटोलॉजी एवं सेल्फकेयर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय से सटे गाँव की बालिकाओं एवं महिलाओं तथा महाविद्यालय में अध्ययन करने वाली छात्राओं के स्वावलंबन हेतु महाविद्यालय में कास्मेटोलॉजी एवं सेल्फकेयर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। यह पाठ्यक्रम महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।

6. राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा छः माह का राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। इस प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के माध्यम से विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं जैसे- बाढ़, सूखा, भूकम्प, आगजनी की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य का प्रशिक्षण दिया जाता है।

स्व मूल्यांकन प्रपत्र

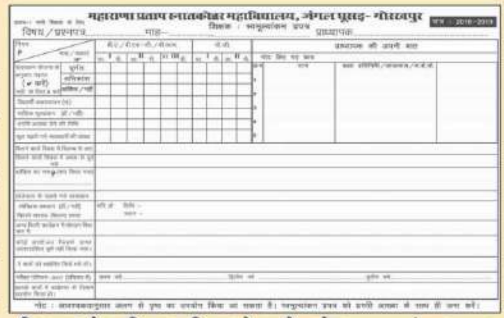
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़- गोरखपुर
शिक्षक : स्वमूल्यांकन प्रपत्र

शिक्षक के मासिक दायित्व के उल्लेख हेतु स्वमूल्यांकन प्रपत्र

स्व मूल्यांकन प्रपत्र द्वारा अगले महीने के द्वितीय कार्यदिवस तक उस माह में अपने कार्यों एवं सम्पूर्ण दायित्वों का विवरण यथा- पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान, निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, स्व-प्रेरणा से किये गये कार्य इत्यादि का उल्लेख निर्धारित प्रपत्र पर शिक्षक द्वारा प्राचार्य को उपलब्ध कराना होता है। शिक्षक द्वारा दिये गए आख्या की प्राचार्य द्वारा समीक्षा कर आवश्यकतानुसार शिक्षकों से त्वरित संवाद स्थापित कर शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता बनाए रखने के प्रति उन्हें सावधान किया जाता है। विगत सत्र से यह प्रारूप ऑनलाइन भी भरा जाता है।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों में उत्तरोत्तर सुधार हेतु भरा जाने वाला शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

निर्धारित प्रारूप-'शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र' के माध्यम से वर्ष में दो बार (सितम्बर-जनवरी) विद्यार्थियों से पठन-पाठन के सन्दर्भ में फीड-बैक लिया जाता है। प्राचार्य द्वारा इसकी समीक्षा कर प्रत्येक शिक्षक से अलग-अलग वार्ता कर शिक्षण की गुणवत्ता एवं शिक्षक-विद्यार्थी सम्बन्ध का विकास सुनिश्चित किया जाता है।

सिविल सर्विसेज के सामान्य अध्ययन की कक्षाएं

महाविद्यालय की नित नूतन प्रयोगधार्मिता के क्रम में शैक्षिक सत्र 2016-17 से निरन्तर विद्यार्थियों के प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उन्मुख होने तथा भविष्य में रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य के निमित्त नि:शुल्क सिविल सर्विसेज सामान्य अध्ययन की कक्षाओं का सुचारू ढंग से संचालन किया जा रहा है।

मॉडल स्कूल

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अनुदानित महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज के कक्षा 6, 7 एवं 8 की कक्षाओं को बी.एड्. विभाग द्वारा 'मॉडल स्कूल' के रूप में विकसित किया गया है। बी.एड्. विभाग के शिक्षक एवं छात्राध्यापकों द्वारा उच्च स्तरीय पठन-पाठन का प्रयत्न प्रारम्भ किया गया है। उल्लेखनीय है कि यह प्रयोग यह बताएगा कि प्रत्येक बी.एड्. कालेज द्वारा आस-पास के स्कूलों अथवा अपने ही कालेज में मॉडल स्कूल के रूप में विद्यालय चलाकर आस-पास की शिक्षा की कमी पूरी की जा सकती है।

आदर्श ग्राम में स्वास्थ्य शिविर

आदर्श ग्राम योजना

इस सत्र से ग्राम मंझरिया, जंगल धूसड़ को प्रयोग के तौर पर आदर्श गाँव के रूप में विकसित करने का प्रयास प्रारम्भ हुआ है। इसके अन्तर्गत गाँव के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से स्वच्छता, साक्षरता, स्वास्थ्य एवं जन कल्याणकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत लागू करने की परिकल्पना के साथ कार्य प्रारम्भ किया गया। बी.एड्. विभाग द्वारा यह परियोजना सफलता पूर्वक चलाई जा रही है।

वाई-फाई युक्त परिसर

वाई-फाई युक्त परिसर

शिक्षा की गुणवत्ता में निरन्तर प्रगति एवं उसमें इन्टरनेट का व्यापक उपयोग हेतु महाविद्यालय परिसर वाई-फाई युक्त करा दिया गया। 30 जनवरी 2018 से ही यह सुविधा महाविद्यालय परिसर में सभी शिक्षकों-विद्यार्थियों को नि:शुल्क उपलब्ध करा दी गई है।

सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना

वर्तमान सत्र 2023-24 से गोद लिए गए विद्यार्थियों, छात्रसंघ के कक्षा प्रतिनिधियों, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं छात्रावास को एक समूह मानकर सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना की परिकल्पना लागू की गई। यह अनिवार्य किया गया कि छात्रावास के सभी विद्यार्थी गोद लिए जाएं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में लिए जाएं। राष्ट्रीय सेवा योजना में शेष रिक्त स्थानों पर गोद लिए गए विद्यार्थी ही सम्मिलित किए जाएं। इससे एक विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास पर शिक्षक, राष्ट्रीय सेवा योजना, छात्रसंघ एवं छात्रावास की चार इकाई कार्य करेगी।

वेबसाइट

वाई-फाई युक्त परिसर

महाविद्यालय के पास अपनी अद्यतन वेबसाइट है। महाविद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी, विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम योजना बेवसाइट पर उपलब्ध रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी अपने आई.डी. नम्बर के द्वारा वेबसाइट पर प्राप्त कर सकता है।

शिक्षक ब्लॉग

महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों का अपना ब्लॉग है। शिक्षक अपने

विषय से सम्बन्धित प्रश्नपत्रों के विभिन्न टापिक्स के पावर प्वाइंट स्लाइड को ब्लॉग पर अपलोड करते रहते हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षक अपने शोधपत्र भी समय-समय पर अपने ब्लॉग पर डालते रहते हैं जहाँ से सम्बन्धित विद्यार्थी उसे देख, पढ़ एवं डाउनलोड कर सकता है। विद्यार्थियों को पाठ्य सामाग्री उपलब्ध कराने का यह सशक्त माध्यम है।

वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान महाविद्यालय के कुछ विशिष्ट आयाम

वर्तमान सत्र में महाविद्यालय ने वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान पठन-पाठन, महाविद्यालय ने प्रशासन एवं अपने नैसर्गिक सामाजिक दायित्वों के संदर्भ में कुछ विशिष्ट आयाम स्थापित किये हैं। कोविड-19 के दौरान सेनेटाइजर एवं मास्क का निर्माण, कक्षाओं का नियमित सेनेटाइजेशन, आन लाइन कक्षाओं का संचालन, आन लाइन एवं ऑफ लाइन कक्षाओं का एक साथ संचालन कर महाविद्यालय ने एक नया प्रतिमान प्रस्तुत किया है जिसकी कुछ झलकियाँ आप सभी के समक्ष हैं :-

मास्क बनातीं कोरोना वॉरियर्स

सेनेटाइजर बनाते कोरोना वॉरियर्स

समावर्तन संस्कार समारोह

समावर्तन संकल्प लेती महाविद्यालय की छात्राएं

महाविद्यालय स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा पूर्ण कर रहे विद्यार्थियों के लिए अपने स्थापना काल से प्रतिवर्ष समावर्तन संस्कार समारोह आयोजित करता है। समावर्तन संस्कार का हिन्दू जीवन दर्शन के मानव जीवन के षोडश संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। समावर्तन संस्कार के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय जीवन मूल्य का सम्मान करने, योग्य नागरिक बनने, जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ-साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के साथ-साथ देश की राष्ट्रीय एकता और अखण्डता का अक्षुण्ण बनाये रखने की शपथ दिलायी जाती है। साथ ही समावर्तन उपदेश के माध्यम से उन्हें अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु प्रेरित किया जाता है। सत्रहवां समावर्तन संस्कार समारोह 14 अप्रैल 2024 को सम्पन्न हो रहा है।

वार्षिक योजना विवरण

शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक

03-08 जुलाई 2023

कार्यवाही

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 03 जुलाई 2023 ई. से सप्तदिवसीय शिक्षक-कार्यशाला एवं वार्षिक-योजना बैठक प्रारम्भ हुई। प्रात: 09.30 बजे से 04:00 बजे तक चलने वाली कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक 8 जुलाई 2023 तक सम्पन्न हुई। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सम्पन्न कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में विचारार्थ निम्न विषय प्रस्तुत किए गए-

1. दायित्त्वसह कार्य विभाजन
2. शैक्षिक पचांग
3. शिक्षक आचार संहिता
4. प्रवेश
5. परीक्षा
6. समय-सारणी
7. पठन-पाठन
8. पुस्तकालय-वाचनालय
9. प्रयोगशाला
10. शिक्षण में नए प्रयोग
11. प्रार्थना सभा
12. विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा-
    (क) पाठ्यक्रम योजना (प्रत्येक सेमेस्टर में अद्यतन)
    (ख) विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन माइनर कक्षाओं के साथ

शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में अपनी बात रखते डॉ. सुबोध कुमार मिश्र एवं उपस्थित शिक्षकगण

(ग) मासिक मूल्यांकन (ऑनलाइन-ऑफलाइन)
(घ) शिक्षक प्रतिपुष्टि (छात्र द्वारा शिक्षक मूल्यांकन)
(ङ) शिक्षक स्वमूल्यांकन (प्रत्येक माह के अन्त में)
(च) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान
(छ) गोद लिए गए विद्यार्थी
(ज) गोद लिए गए गाँव

13. प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (06 माह)
   (क) जीवनमूल्य (बी.एड्. विभाग द्वारा संचालित)
   (ख) हमारे पूर्वज (बी.एड्. विभाग द्वारा संचालित)
   (ग) नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग (गृह विज्ञान विभाग द्वारा संचालित)
   (घ) नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण (कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित)
   (ङ) आपदा और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन (रक्षा अध्ययन विभाग द्वारा संचालित)
14. मूल्यपरक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (03 माह)
   (क) योग, ध्यान एवं स्वास्थ्य (वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित)
   (ख) भाषा, शिक्षण और व्याकरण (हिन्दी विभाग द्वारा संचालित)
   (ग) सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर (वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित)
   (घ) कॉस्मेटोलॉजी एण्ड सेल्फकेयर (गृह विज्ञान विभाग द्वारा संचालित)
15. नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र
16. क्रीड़ा
17. छात्रसंघ
18. राष्ट्रीय सेवा योजना
19. एन.सी.सी.
20. रोवर्स रेंजर
21. सूचना प्रसारण
22. तकनीकी प्रसार
23. कार्यालय
24. NAAC/AISHE
25. महत्त्वपूर्ण आयोजन–
   (क) 13 अगस्त भारत विभाजन की पूर्व संध्या (व्याख्यान)
   (ख) 15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस समारोह
   (ग) राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला
   (घ) 05 सितम्बर, शिक्षक दिवस
   (ङ) 02 अक्टूबर, गांधी जयन्ती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती समारोह
   (च) साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह
   (छ) वार्षिक महोत्सव (01-03 नवम्बर)
   (ज) संस्थापक सप्ताह समारोह (शिक्षा परिषद) (04-10 दिसम्बर)
   (झ) भारत-भारती पखवारा (12 जनवरी-26 जनवरी)
   (ण) गणतन्त्र दिवस समारोह
   (ट) सरस्वती पूजा (बसन्त पंचमी)
   (ठ) समावर्तन संस्कार-समारोह
   (ड) महत्वपूर्ण प्रकल्प –
      1. मिशन मंझरिया
      2. उन्नत भारत अभियान
      3. सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास
26. वार्षिक बजट
27. अन्य किसी के सुझाव पर

वार्षिक योजना बैठक में उपर्युक्त विषयों पर विचार-विमर्श कर एक मत से निम्नांकित निर्णय लिए गए–

महाविद्यालय प्रशासन

क्र.सं.	शिक्षक	विभाग
1.	डॉ. विजय कुमार चौधरी, उप-प्राचार्य	परीक्षा, छात्रवृत्ति, नैक, प्रयोगशाला, कूड़ा प्रबन्धन
2.	श्रीमती शिप्रा सिंह	पठन-पाठन, अनुशासन, प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम, प्रकल्प, सिलाई-कढ़ाई, रोवर रेंजर्स
3.	श्री विनय कुमार	छात्रावास, स्वच्छता, विद्युत, रख-रखाव, बागवानी, तकनीकि विकास एवं वेबसाइट
4.	डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय	कार्यालय, सूचना एवं परामर्श, ई.पी.एफ., प्राथमिक उपचार केन्द्र
5.	डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय	प्रवेश, पुस्तकालय, छात्रसंघ, अभिभावक संघ, क्रीड़ा

1. दायित्वसह कार्य विभाजन

*	प्रवेश	डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय
*	परीक्षा/प्रयोगशाला	डॉ. विजय कुमार चौधरी
*	मुख्य नियंता/अनुशासन	डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ला
*	पठन-पाठन	डॉ. शिप्रा सिंह
*	राष्ट्रीय सेवा योजना/बागवानी	डॉ. अखिलेश कुमार
*	पुस्तकालय	डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय/श्री प्रियांशु श्रीवास्तव
*	क्रय समिति	डॉ. आर.एन. सिंह
*	तकनीकी विकास/बेवसाइट	श्री सूरज मिश्रा
*	स्वच्छता/विद्युत	श्री रितेन्द्र कुमार पाण्डेय
*	नैक, IQAC, AISHE एवं तत्सम्बन्धी कार्य	डॉ. अभिषेक वर्मा
*	सांस्कृतिक कार्यक्रम/ प्रमुख कार्यक्रम-आयोजन	श्री श्रीकांत मणि त्रिपाठी, सुश्री शिवानी सिंह
*	क्रीड़ा	डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ला
*	रोवर्स-रेन्जर्स	श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह
*	छात्रसंघ	श्री हरिकेश यादव
*	कार्यालय	डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय
*	अभिभावक संघ	डॉ. शिव कुमार वर्नवाल, श्रीमती प्रियंका मिश्रा

*	पुरातन छात्र परिषद्	डॉ. शिव कुमार वर्नवाल, श्रीमती प्रियंका मिश्रा
*	प्राथमिक उपचार केन्द्र	डॉ. शिवकुमार
*	प्रार्थना सभा	सुश्री दीप्ति गुप्ता
*	ध्येय-पथ/समावर्तन/शोध/प्रकाशन/ मुद्रण/विभागीय रिपोर्ट	डॉ. सुबोध कुमार मिश्र
*	रख-रखाव/ई.पी.एफ.	डॉ. अरूण कुमार राव
*	छात्रवृत्ति	डॉ. राम सहाय
*	सूचना एवं परामर्श एवं मीडिया	डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह
*	कूड़ा प्रबन्ध एवं पॉलिथीन मुक्त परिसर	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव
*	छात्र-कल्याण	डॉ. आरती सिंह
*	परामर्श प्रकोष्ठ	डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय
*	राष्ट्रीय शिक्षा नीति	श्री अभिषेक त्रिपाठी
*	छात्रवास	श्री विनय कुमार सिंह
*	एन.सी.सी.	श्री रामाकान्त दूबे
*	दिव्यांग छात्र-समस्या-समाधान प्रकोष्ठ	डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर
*	**प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम**	
	1. जीवन मूल्य	श्रीमती शिप्रा सिंह
	2. हमारे पूर्वज	श्रीमती शिप्रा सिंह
	3. सिलाई-कढ़ाई	सुश्री रीतिका त्रिपाठी
	4. निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण	श्री सूरज मिश्रा
	5. आपदा प्रबन्ध एवं राष्ट्रीय सुरक्षा	श्री रमाकान्त दूबे
*	**वैल्यू एडेड कोर्स**	
	1. कॉस्मेटोलॉजी एण्ड सेल्फ केयर	डॉ. दीपशिखा नागवंशी
	2. योग, ध्यान एवं स्वास्थ्य	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
	3. भाषा, शिक्षण एवं व्याकरण	डॉ. आरती सिंह
*	प्रकल्प	
	1. मिशन मंझरिया	श्रीमती शिप्रा सिंह
	2. उन्नत भारत अभियान	डॉ. मंजेश्वर
	3. गोद लिए गये गांव	श्री नन्दन शर्मा
	4. सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना -	श्रीमती शिप्रा सिंह

2. शैक्षिक पंचाग – महाविद्यालय का शैक्षिक पंचांग पाँच भागों से मिलकर बनाया गया–

भाग 01 - महाविद्यालय के प्रमुख कार्यक्रम गतिविधियाँ एवं समय-सारणी

भाग 02 - विभागीय कार्ययोजना एवं कार्यक्रम

भाग 03 - क्रीड़ा गतिविधियाँ

भाग 04 - राष्ट्रीय सेवा योजना का वार्षिक विवरण

भाग 05 - प्रमुख अवकाश।

शैक्षिक पंचांग निम्नवत है :-

भाग-1 : वार्षिक तिथिक्रम - महत्वपूर्ण कार्यक्रम

08 जुलाई, 2022	कक्षारम्भ स्नातक तृतीय सेमेस्टर, स्नातक तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
03-08 जुलाई, 2023	शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक
04 जुलाई	स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि पर पौधरोपड़
17 जुलाई	कक्षारम्भ स्नातक तृतीय सेमेस्टर, स्नातक पंचम सेमेस्टर एवं स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
01 अगस्त	कक्षारम्भ स्नातक प्रथम सेमेस्टर एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर, नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत
13 अगस्त	भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर व्याख्यान
15 अगस्त	स्वतंत्रता दिवस समारोह
16 अगस्त	प्रयोगशालाएं प्रारम्भ
17-23 अगस्त	राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक व्याख्यान-माला
28-31 अगस्त	छात्रसंघ चुनाव
13 सितम्बर	शिक्षक संघ चुनाव
14 सितम्बर	हिन्दी दिवस
20 सितम्बर	महाराणा अग्रसेन जयन्ती- व्याख्यान
26 सितम्बर	कर्मचारी संघ चुनाव

28 सितम्बर	ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह
02 अक्टूबर	युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम (महाविद्यालय में)
02 अक्टूबर	महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारी, गोद लिए गए विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता अभियान, गोद लिए गए विद्यार्थियों की बैठक, महाविद्यालय के त्रयमासिक शिक्षक, प्राचार्य समीक्षा बैठक
03 अक्टूबर	श्री गोरक्षनाथ मंदिर में श्रद्धांजलि समारोह (गोरखनाथ)
12 अक्टूबर	योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान
31 अक्टूबर	वल्लभ भाई पटेल/आचार्य नरेन्द्र देव जयन्ती–अभिरूचिकारी व्याख्यान
01–03 नवम्बर	वार्षिक महोत्सव (महाविद्यालय)
07 नवम्बर	विपिन चन्द्रपाल जयन्ती- अभिरूचिकारी व्याख्यान
24 नवम्बर	गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस पर व्याख्यान (पूर्व संध्या)
27 नवम्बर	गुरु नानक जयन्ती- व्याख्यान
04–10 दिसम्बर	संस्थापक सप्ताह समारोह (शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं के स्तर पर)
06 दिसम्बर	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस पर व्याख्यान (पूर्व संध्या)
16 दिसम्बर	विजय दिवस समारोह–अभिरूचिकारी व्याख्यान (3) (विषय - वर्तमान समय में 16 दिसम्बर, 1971 का स्त्रातजिक मूल्यांकन) डॉ. रमाकान्त दूबे
12–26 जनवरी, 2024	भारत–भारती पखवारा
26 जनवरी	गणतन्त्र दिवस समारोह
14 फरवरी	बसन्त पंचमी - मां सरस्वती पूजन
24 फरवरी	माघपूर्णिमा- संत रविदास जयन्ती - अभिरूचिकारी व्याख्यान (4) (विषय- सन्त रविदास का सामाजिक सरोकार) डॉ. आरती सिंह (पूर्व संध्या)
14 अप्रैल	समावर्तन संस्कार समारोह

प्रार्थना सभा के कार्यक्रम

अगस्त

तिथि	दिवस	दिनांक	कार्यक्रम
1	मंगलवार	01.08.2023	लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस
2	बुधवार	02.08.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ प्रथम अध्याय, श्लोक- 01, 02
3	गुरुवार	03.08.2023	मैथिलीशरण गुप्त जयन्ती
4	शुक्रवार	04.08.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ प्रथम अध्याय, श्लोक- 03, 04
5	शनिवार	05.08.2023	साप्ताहिक योगाभ्यास
6	रविवार	06.08.2023	अवकाश
7	सोमवार	07.08.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ प्रथम अध्याय, श्लोक- 40, 43, 44
8	मंगलवार	08.08.2023	भारत छोड़ो आन्दोलन
9	बुधवार	09.08.2023	काकोरी काण्ड
10	गुरुवार	10.08.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 01, 02, 03
11	शुक्रवार	11.08.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 13, 14,
12	शनिवार	12.08.2023	अमर शहीद बन्धु सिंह बलिदान दिवस
13	रविवार	13.08.2023	अहिल्याबाई होलकर पुण्यतिथि/अवकाश
14	सोमवार	14.08.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 15, 16,
15	मंगलवार	15.08.2023	स्वतन्त्रता दिवस/महर्षि अरविन्द जयन्ती
16	बुधवार	16.08.2023	रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि 1886/ अटल स्मृति दिवस
17	गुरुवार	17.08.2023	मदनलाल धींगरा बलिदान दिवस
18	शुक्रवार	18.08.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 17, 18,
19	शनिवार	19.08.2023	साप्ताहिक योगाभ्यास
20	रविवार	20.08.2023	अवकाश
21	सोमवार	21.08.2023	नागपंचमी/अवकाश
22	मंगलवार	22.08.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 25, 26, 27
23	बुधवार	23.08.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 28, 33, 34, 35
24	गुरुवार	24.08.2023	राजगुरु जयन्ती
25	शुक्रवार	25.08.2023	रास बिहारी बोस पुण्यतिथि
26	शनिवार	26.08.2023	रानी पद्मिनी जौहर दिवस/साप्ताहिक योगाभ्यास
27	रविवार	27.08.2023	अवकाश

तिथि	दिवस	दिनांक	कार्यक्रम
28	सोमवार	28.08.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 34, 35
29	मंगलवार	29.08.2023	राष्ट्रीय खेल दिवस/मेजर ध्यानचन्द्र जयन्ती
30	बुधवार	30.08.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 36, 37, 38
31	गुरुवार	31.08.2023	रक्षा बन्धन अवकाश
			सितम्बर
30	बुधवार	30.08.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 36, 37, 38
1	शुक्रवार	01.09.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक- 45, 46, 47, 48
2	शनिवार	02.09.2023	साप्ताहिक योगाभ्यास
3	रविवार	03.09.2023	अवकाश
4	सोमवार	04.09.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक- 54, 55,56
5	मंगलवार	05.09.2023	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयन्ती/शिक्षक दिवस
6	बुधवार	06.09.2023	चेहल्लूम अवकाश
7	गुरुवार	07.09.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक- 62, 63, 64
8	शुक्रवार	08.09.2023	विश्व साक्षरता दिवस
9	शनिवार	09.09.2023	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जयन्ती/साप्ताहिक योगाभ्यास
10	रविवार	10.09.2023	गोविन्द बल्लभ पन्त जयन्ती/अवकाश
11	सोमवार	11.09.2023	महादेवी वर्मा पुण्यतिथि/आचार्य विनोबा भावे जयन्ती
12	मंगलवार	12.09.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक- 66, 67, 68
13	बुधवार	13.09.2023	जतिनदास शहीदी दिवस
14	गुरुवार	14.09.2023	हिन्दी दिवस
15	शुक्रवार	15.09.2023	एम. विश्वेश्रैया जयन्ती (इन्जीनियर्स डे)
16	शनिवार	16.09.2023	विश्व ओजोन संरक्षण दिवस/साप्ताहिक योगाभ्यास
17	रविवार	17.09.2023	(अवकाश)/विश्वकर्मा जयन्ती
18	सोमवार	18.09.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक- 68, 69
19	मंगलवार	19.09.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक- 70, 71, 72
20	बुधवार	20.09.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 25, 26
21	गुरुवार	21.09.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 27 29, 30
22	शुक्रवार	22.09.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 33, 34, 36, 37
23	शनिवार	23.09.2023	साप्ताहिक योगाभ्यास

तिथि	दिवस	दिनांक	कार्यक्रम
24	रविवार	24.09.2023	अवकाश
25	सोमवार	25.09.2023	पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती/सतीश धवन जयंती
26	मंगलवार	26.09.2023	ईश्वरचन्द्र विद्यासागर जयन्ती
27	बुधवार	27.09.2023	राष्ट्रीय पर्यटन दिवस/राजाराम मोहन राय पुण्यतिथि
28	गुरुवार	28.09.2023	सरदार भगत सिंह जयन्ती
29	शुक्रवार	29.09.2023	श्रीमद्‌भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 38, 41
30	शनिवार	30.09.2023	साप्ताहिक योगाभ्यास
			अक्टूबर
1	रविवार	01.10.2023	अवकाश/एनी बेसेंट जयन्ती
2	सोमवार	02.10.2023	साप्ताहिक योगाभ्यास/महात्मा गांधी जयन्ती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती
3	मंगलवार	03.10.2023	श्रीमद्‌भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 42, 43
4	बुधवार	04.10.2023	श्रीमद्‌भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 01, 02
5	गुरुवार	05.10.2023	श्रीमद्‌भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 03, 04
6	शुक्रवार	06.10.2023	मेघनाथ शाहा जयन्ती
7	शनिवार	07.10.2023	गुरु गोविन्द सिंह पुण्यतिथि/दुर्गा भाभी जयन्ती/साप्ताहिक योगाभ्यास
8	रविवार	08.10.2023	अवकाश/वायुसेना दिवस/मुंशी प्रेमचन्द्र स्मृति दिवस
9	सोमवार	09.10.2023	महर्षि वाल्मीकि जयन्ती
10	मंगलवार	10.10.2023	श्रीमद्‌भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 05, 06, 07
11	बुधवार	11.10.2023	जयप्रकाश नारायण जयन्ती
12	गुरुवार	12.10.2023	राम मनोहर लोहिया पुण्यतिथि
13	शुक्रवार	13.10.2023	श्रीमद्‌भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 08, 11, 12, 16
14	शनिवार	14.10.2023	साप्ताहिक योगाभ्यास
15	रविवार	15.10.2023	अवकाश/डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती
16	सोमवार	16.10.2023	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 17, 18
17	मंगलवार	17.10.2023	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 25, 26
18	बुधवार	18.10.2023	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 27, 28
19	गुरुवार	19.10.2023	स्वामी महावीर निर्वाण दिवस
20	शुक्रवार	20.10.2023	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 29, 30, 34
21	शनिवार	21.10.2023	आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस

तिथि	दिवस	दिनांक	कार्यक्रम
22	रविवार	22.10.2023	अवकाश/अशफाक उल्ला खां जयन्ती
23	सोमवार	23.10.2023	दशहरा (अवकाश)
24	मंगलवार	24.10.2023	दशहरा (अवकाश)/ संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस
25	बुधवार	25.10.2023	दशहरा (अवकाश)
26	गुरुवार	26.10.2023	दशहरा (अवकाश)
27	शुक्रवार	27.10.2023	दशहरा (अवकाश)/जतिन्द्रनाथ दास जयन्ती (अवकाश)
28	शनिवार	28.10.2023	दशहरा (अवकाश)
29	रविवार	29.10.2023	अवकाश
30	सोमवार	30.10.2023	होगी जहाँगीर भाभा जयन्ती
31	मंगलवार	31.10.2023	राष्ट्रीय एकता दिवस/सरदार बल्लभाई पटेल जयन्ती/इन्दिरा गांधी पुण्यतिथि
			नवम्बर
1	बुधवार	01.11.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक– 40, 41, 42
2	गुरुवार	02.11.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक– 01, 02, 03
3	शुक्रवार	03.11.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक– 08, 09, 10
4	शनिवार	04.11.2023	साप्ताहिक योगाभ्यास/वासुदेव बलवन्त ड़के जयन्ती
5	रविवार	05.11.2023	अवकाश
6	सोमवार	06.11.2023	महात्मा ज्योतिबा ुल जयन्ती
7	मंगलवार	07.11.2023	विपिनचन्द्र पाल/सी.वी. रमन जयन्ती
8	बुधवार	08.11.2023	दीपावली (अवकाश)
9	गुरुवार	09.11.2023	दीपावली (अवकाश)
10	शुक्रवार	10.11.2023	दीपावली (अवकाश)
11	शनिवार	11.11.2023	दीपावली (अवकाश)
12	रविवार	12.11.2023	दीपावली (अवकाश)
13	सोमवार	13.11.2023	दीपावली (अवकाश)
14	मंगलवार	14.11.2023	गोवर्धन पूजा (अवकाश)
15	बुधवार	15.11.2023	भैयादूज (अवकाश)
16	गुरुवार	16.11.202	राष्ट्रीय प्रेस दिवस
17	शुक्रवार	17.11.2023	लाला लाजपत राय बलिदान दिवस
18	शनिवार	18.11.2023	साप्ताहिक योगाभ्यास

तिथि	दिवस	दिनांक	कार्यक्रम
19	रविवार	19.11.2023	अवकाश
20	सोमवार	20.11.2023	छठ पूजा पर्व (अवकाश)
21	मंलगवार	21.11.2023	महात्मा ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि
22	बुधवार	22.11.2023	झलकारी बाई जयन्ती
23	गुरुवार	23.11.2023	जगदीश चन्द्र बोस पुण्यतिथि
24	शुक्रवार	24.11.2023	गुरु तेगबहादुर (शहीद दिवस)
25	शनिवार	25.11.2023	साप्ताहिक योगाभ्यास
26	रविवार	26.11.2023	अवकाश
27	सोमवार	27.11.2023	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक 37, 38, 39
28	मंगलवार	28.11.2023	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक 40, 42, 43
29	बुधवार	29.11.2023	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक- 43, 44
30	गुरुवार	30.11.2023	जगदीश चन्द्र बोस जयन्ती
			दिसम्बर
1	शुक्रवार	01.12.2023	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक- 45, 46
2	शनिवार	02.12.2023	राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण दिवस/साप्ताहिक योगाभ्यास
3	रविवार	03.12.2023	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती/अवकाश
4	सोमवार	04.12.2023	शोभायात्रा
5	मंगलवार	05.12.2023	शोभायात्रा (अवकाश)
6	बुधवार	06.12.2023	डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि (अवकाश)
7	गुरुवार	07.12.2023	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक- 46, 47
8	शुक्रवार	08.12.2023	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक- 01, 02
9	शनिवार	09.12.2023	साप्ताहिक योगाभ्यास
10	रविवार	10.12.2023	अवकाश/अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस
11	सोमवार	11.12.2023	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक, 03, 04,06
12	मंगलवार	12.12.2023	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक, 07, 12
13	बुधवार	13.12.2023	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक- 14, 16, 17
14	गुरुवार	14.12.2023	राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस
15	शुक्रवार	15.12.2023	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, अष्टम अध्याय, श्लोक- 01, 05
16	शनिवार	16.12.2023	साप्ताहिक योगाभ्यास

तिथि	दिवस	दिनांक	कार्यक्रम
17	रविवार	17.12.2023	अवकाश/राजेन्द्र लाहिड़ी बलिदान दिवस
18	सोमवार	18.12.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टम अध्याय, श्लोक- 27, 28
19	मंगलवार	19.12.2023	रोशन सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, अश्फ़ाक उल्ला खाँ बलिदान दिवस
20	बुधवार	20.12.2023	वीर छत्रसाल पुण्यतिथि
21	गुरुवार	21.12.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, नवम अध्याय, श्लोक- 01, 03
22	शुक्रवार	22.12.2023	राष्ट्रीय गणित दिवस (श्रीनिवास रामानुजन जयन्ती)
23	शनिवार	23.12.2023	किसान दिवस (चौधरी चरण सिंह जयन्ती)/ साप्ताहिक योगाभ्यास
24	रविवार	24.12.2023	अवकाश
25	सोमवार	25.12.2023	क्रिसमस/मदनमोहन मालवीय पुण्यतिथि
26	मंगलवार	26.12.2023	फतेह सिंह/जोरावर सिंह बलिदान दिवस
27	बुधवार	27.12.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, नवम अध्याय, श्लोक- 06, 09
28	गुरुवार	28.12.2023	सुमित्रा नन्दन पन्त स्मृति दिवस
29	शुक्रवार	29.12.2023	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, नवम अध्याय, श्लोक- 16, 17
30	शनिवार	30.12.2023	साप्ताहिक योगाभ्यास
31	रविवार	31.12.2023	अवकाश
			जनवरी
1	सोमवार	01.01.2024	शान्ति स्वरूप भटनागर स्मृति दिवस
2	मंगलवार	02.01.2024	श्रीमद्भगवतगीता पाठ- नवम अध्याय, श्लोक-18, 26, 27
3	बुधवार	03.01.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, नवम अध्याय, श्लोक- 01, 02, 03
4	गुरुवार	04.01.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, दशम अध्याय, श्लोक- 1, 2, 3
5	शुक्रवार	05.01.2024	गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती
6	शनिवार	06.01.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास
7	रविवार	07.01.2024	अवकाश
8	सोमवार	08.01.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, दशम अध्याय, श्लोक- 5, 6, 7
9	मंगलवार	09.01.2024	हर गोविन्द खुराना जयन्ती
10	बुधवार	10.01.2024	विश्व हिन्दी दिवस
11	गुरुवार	11.01.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, दशम अध्याय, श्लोक- 38, 39
12	शुक्रवार	12.01.2024	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती (राष्ट्रीय युवा दिवस)
13	शनिवार	13.01.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास

तिथि	दिवस	दिनांक	कार्यक्रम
14	रविवार	14.01.2024	अवकाश
15	सोमवार	15.01.2024	अवकाश/मकर संक्राति
16	मंगलवार	16.01.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, एकादश अध्याय, श्लोक- 15, 20
17	बुधवार	17.01.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, एकादश अध्याय, श्लोक- 51, 52, 53
18	गुरुवार	18.01.2024	महादेव रानाडे जयन्ती
19	शुक्रवार	19.01.2024	महाराणा प्रताप स्मृति दिवस
20	शनिवार	20.01.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास
21	रविवार	21.01.2024	अवकाश
22	सोमवार	22.01.2024	(शहीद रोशन सिंह जयन्ती) पूर्वसंध्या
23	मंगलवार	23.01.2024	नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती
24	बुधवार	24.01.2024	राष्ट्रीय बालिका दिवस (बुढ़वा मंगल)
25	गुरुवार	25.01.2024	राष्ट्रीय मतदान दिवस
26	शुक्रवार	26.01.2024	गणतन्त्र दिवस
27	शनिवार	27.01.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास
28	रविवार	28.01.2024	अवकाश
29	सोमवार	29.01.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 01, 03, 04
30	मंगलवार	30.01.2024	महात्मा गाँधी पुण्यतिथि
31	बुधवार	31.01.2024	मेजर सोमनाथ जयन्ती
			फरवरी
1	गुरुवार	01.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 05, 06, 07
2	शुक्रवार	02.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 10, 11
3	शनिवार	03.02.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास
4	रविवार	04.02.2024	अवकाश
5	सोमवार	05.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 14, 15,17
6	मंगलवार	06.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, त्र्योदश अध्याय, श्लोक - 01, 02
7	बुधवार	07.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, त्र्योदश, श्लोक- 19, 20, 21
8	गुरुवार	08.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, त्र्योदश श्लोक- 31, 33, 34
9	शुक्रवार	09.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्दश, श्लोक- 01, 03
10	शनिवार	10.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्दश, श्लोक- 05, 10

तिथि	दिवस	दिनांक	कार्यक्रम
11	रविवार	11.02.2024	अवकाश
12	सोमवार	12.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्दश, अध्याय श्लोक- 11, 12
13	मंगलवार	13.02.2024	राष्ट्रीय महिला दिवस (सरोजनी नायडू जन्मदिवस)
14	बुधवार	14.02.2024	बसंत पंचमी
15	गुरुवार	15.02.2024	महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती
16	शुक्रवार	16.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्दश, श्लोक- 15, 16
17	शनिवार	17.02.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास
18	रविवार	18.02.2024	रामकृष्ण परमहंस जयंती/अवकाश
19	सोमवार	19.02.2024	शिवाजी जयन्ती
20	मंगलवार	20.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचदश अध्याय, श्लोक- 01, 02, 03, 05
21	बुधवार	21.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचदश अध्याय, श्लोक- 06, 08, 10, 14
22	गुरुवार	22.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षोडश अध्याय, श्लोक- 12, 13, 14
23	शुक्रवार	23.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षोडश अध्याय, श्लोक- 21, 22, 23
24	शनिवार	24.02.2024	रविदास जयन्ती अवकाश/साप्ताहिक योगाभ्यास
25	रविवार	25.02.2024	अवकाश
26	सोमवार	26.02.2024	वीर सावरकर पुण्यतिथि
27	मंगलवार	27.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 10, 11, 12
28	बुधवार	28.02.2024	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस/डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पुण्यतिथि
28	गुरुवार	29.02.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 14, 16, 17
			मार्च
1	शुक्रवार	01.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 20, 21, 22
2	शनिवार	02.03.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास
3	रविवार	03.03.2024	अवकाश
4	सोमवार	04.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 23, 24
5	मंगलवार	05.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 25, 27
6	बुधवार	06.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 01, 2, 03
7	गुरुवार	07.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 04, 05, 06
8	शुक्रवार	08.03.2024	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
9	शनिवार	09.03.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास

तिथि	दिवस	दिनांक	कार्यक्रम
10	रविवार	10.03.2024	अवकाश
11	सोमवार	11.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 07, 08, 09
12	मंगलवार	12.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 10,11
13	बुधवार	13.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 12, 13
14	गुरुवार	14.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 14,15
15	शुक्रवार	15.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 16, 17
16	शनिवार	16.03.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास
17	रविवार	17.03.2024	अवकाश
18	सोमवार	18.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 18, 19
19	मंगलवार	19.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 20, 22
20	बुधवार	20.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 23, 25
21	गुरुवार	21.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 26, 28
22	शुक्रवार	22.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 29, 30
23	शनिवार	23.03.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास
24	रविवार	24.03.2024	अवकाश
25	सोमवार	25.03.2024	होली अवकाश
26	मंगलवार	26.03.2024	होली अवकाश
27	बु)वार	27.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 32, 33
28	गुरुवार	28.03.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 34, 35
29	शुक्रवार	29.03.2024	गुड फ्राइडे (अवकाश)
30	शनिवार	30.03.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास
31	रविवार	31.03.2024	अवकाश
			अप्रैल
1	सोमवार	01.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 38, 39
2	मंगलवार	02.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 40, 41
3	बुधवार	03.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 43, 45
4	गुरुवार	04.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 47, 48
5	शुक्रवार	05.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 49, 52
6	शनिवार	06.04.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास

तिथि	दिवस	दिनांक	कार्यक्रम
7	रविवार	07.04.2024	अवकाश
8	सोमवार	08.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 54, 55
9	मंगलवार	09.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 57, 58
10	बुधवार	10.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 59, 61
11	गुरुवार	11.04.2024	ईद (अवकाश)
12	शुक्रवार	12.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 63, 64
13	शनिवार	13.04.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास
14	रविवार	14.04.2024	अवकाश (अम्बेडकर जयन्तीऋ
15	सोमवार	15.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 65, 66
16	मंगलवार	16.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 67, 68
17	बुधवार	17.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 69, 70
18	गुरुवार	18.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 71, 72
19	शुक्रवार	19.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 73, 74
20	शनिवार	20.04.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास
21	रविवार	21.04.2024	अवकाश
22	सोमवार	22.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 75, 76
23	मंगलवार	23.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 77, 78
24	बुधवार	24.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, - समीक्षा
25	गुरुवार	25.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सभी अध्याय, श्लोक- समीक्षा
26	शुक्रवार	26.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ - समीक्षा
27	शनिवार	27.04.2024	साप्ताहिक योगाभ्यास
28	रविवार	28.04.2024	अवकाश
29	सोमवार	29.04.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ - समीक्षा
30	मंगलवार	30.01.2024	श्रीमद्भगवत गीता पाठ - समीक्षा, समाप्ति

गायन्ति देवाः किल गीतकानि धन्यास्तु ते भारतभूमिभागे।
स्वर्गापवर्गास्पदमार्गभूते भवन्ति भूयः पुरुषाः सुरत्वात्।

अर्थ : देवगण भी निरंतर यही गान करते हैं कि जिन्होंने स्वर्ग और अपवर्ग के मार्गभूत भारत वर्ष में जन्म लिया है, वे पुरुष हम देवताओं की अपेक्षा भी अधिक धन्य (बड़भागी) हैं।

भाग–2 : विभागीय कार्य योजना

योजना बैठक में यह तय किया गया कि प्रत्येक विभाग पूर्व की भाँति अपने विभाग की वार्षिक कार्य–योजना बनाए। व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रतियोगिताएं इत्यादि की वार्षिक योजना पाठ्यक्रम योजना को ध्यान में रखते हुए बनायी जायेगी। विभागीय रपट नैक मूल्यांकन के अनुरूप अद्यतन रखी जायेगी। विभागीय शिक्षकों का बायोडाटा अद्यतन किया जाता रहे। विद्यार्थियों की प्रगति–रिपोर्ट में दर्ज उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा, विश्वविद्यालय परीक्षा के विवरण के साथ आचरण एवं व्यवहार का भी मूल्यांकन किया जाय। प्रगति–रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों की समीक्षा, तदोपरान्त उनके बारे में अपने प्रयत्न की रूपरेखा बनायी जायेगी।

विभाग द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थी का पूर्ण विवरण एवं शिक्षक के प्रयत्न से उनमें गुणात्मक सुधार का तथ्यात्मक विवरण रखा जाएगा। गोद लिए गए विद्यार्थियों के विकास की स्पष्ट योजना बनायी जायेगी। विभागीय पुस्तकालय, प्रयोगशाला का अनवरत विकास किया जाएगा। विभागवार कार्ययोजना निम्नवत् हैं –

वनस्पति विज्ञान विभाग

1. **विभागीय शिक्षक** – विभाग में दो शिक्षक एवं एक प्रयोगशाला सहायक कार्यरत हैं।
   (क) डॉ. अभय श्रीवास्तव – प्रभारी व सहायक प्राध्यापक
   (ख) डॉ. अखिलेश गुप्त – सहायक प्राध्यापक
   (ग) श्री राधेश्याम – प्रयोगशाला सहायक
   विभाग के शिक्षक अपने बायोडाटा को समृद्ध करेंगे व सत्रान्त में महाविद्यालय के वेबसाइट पर अद्यतन करेगें।
2. **प्रार्थना सभा** – विभाग के शिक्षक दैनिक दिनचर्या का प्रारम्भ एक अगस्त से प्रत्येक कार्य दिवस को प्रात: 09:20 बजे से क्रमश: राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं प्रार्थना के साथ पूर्व की भाँति करेंगे। प्रार्थना सभा में श्रीमद्‌भगवत गीता के श्लोकों के वाचन एवं विशेष दिवस पर होने वाले उद्‌बोधन में प्रतिभाग करेंगे।
3. **पाठ्यक्रम, पुस्तक सूची व पाठ्य–योजना**– वनस्पति विज्ञान विषय के सभी सेमेस्टर हेतु विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम की हार्डकापी विभाग में रखा जायेगा एवं वेबसाइट पर अपलोड किया जोयगा तथा वनस्पति विज्ञान शिक्षण व्हाट्सएप ग्रुप पर डाला जायेगा। विषय से सम्बन्धित टेक्सट व रिफरेन्स पुस्तकों की सूची प्रकाशन वर्ष के आरोही क्रम में नाम, लेखक, वर्ष, प्रकाशक के सूचना के साथ संकलित कर रखा जायेगा। जिसे विद्यार्थी देख सकते है। विषय की पाठ्य योजना को तिथिवार शिक्षक के नाम, व्याख्यान संख्या, प्रश्नपत्र एवं शीर्षक को सत्ररम्भ के पहले तैयार कर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा।
4. **वनस्पति विज्ञान सैद्धान्तिक कक्षाएँ प्रारम्भ**

स्नातक प्रथम सेमेस्टर	01 अगस्त 2023 से
स्नातक तृतीय सेमेस्टर एवं तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर	17 जुलाई 2023 से
स्नातक द्वितीय सेमेस्टर, चतुर्थ सेमेस्टर एवं षष्टम सेमेस्टर	01 फरवरी, 2024 से

5. **प्रायोगिक कक्षाएँ**

स्नातक प्रथम सेमेस्टर, तृतीय सेमेस्टर एवं पंचम सेमेस्टर	16 अगस्त, 2023 से
स्नातक द्वितीय सेमेस्टर, चतुर्थ सेमेस्टर एवं षष्टम सेमेस्टर	01 फरवरी, 2024 से

6. **ग्राम्य–दर्शन कार्यक्रम**– सेमेस्टर सत्र में दो (अवकाश के दिन) बार निम्नवत प्रस्तावित है।

प्रथम - 06 अगस्त 2023
द्वितीय - 18 दिसम्बर 2023

प्रथम - 11 फरवरी, 2024
द्वितीय - 05 मई, 2024

7. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन**– इसके अन्तर्गत माइनर कोर्स के शिक्षण की व्यवस्था की जायेगी। सप्ताह में एक दिवस विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन कराया जायेगा। इससे विद्यार्थियों के वाचिक अभिव्यक्ति सुदृढ़ होगा। विद्यार्थियों को माइनर कोर्स (ए,उ,डी.यु–101, 102, पी.एच.इ.डी. 106) के नोट्स उपलब्ध कराया जायेगा। माइनर के पूर्व सूचित शीर्षक पर विद्यार्थी कक्षाध्यापन करेंगे। घंटी के अन्तिम दस मिनट में शिक्षक द्वारा पढ़ाया जायेगा।

कक्षा	साप्ताहिक कक्षाध्यापन							
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी
बी.एस.-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	07,19	14	05,18	–	विश्वविद्यालयी परीक्षा	विश्वविद्यालयी परीक्षा	–
बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	21,28	05,12,22	08,15,22	09,17	–	विश्वविद्यालयी परीक्षा	विश्वविद्यालयी परीक्षा	–
बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	NA	04,11,19	04,14,21	07,16	–	विश्वविद्यालयी परीक्षा	विश्वविद्यालयी परीक्षा	–

कक्षा	साप्ताहिक कक्षाध्यापन			
	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर	6,13,21,29	07,15,22	3,10,19,26	3,10
बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर	6,13,21,29	07,15,22	3,10,19,26	3,10
बी.एस-सी. षष्ठम सेमेस्टर	5,12,20,28	6,14,21	2,9,18,25	2,9

8. **मासिक मूल्यांकन**– विद्यार्थियों में व्यवहार परिवर्तन का आंकलन निरन्तर किया जायेगा। विषय के ज्ञान का मूल्यांकन आफलाइन अथवा आनलाइन विधि से लिखित परीक्षा द्वारा किया जायेगा। प्रश्नपत्र विश्वविद्यालयी परीक्षा प्रारूप के अनुसार बनाया जायेगा। इस प्रकार विद्यार्थी प्रश्न पत्र प्रारूप एवं महत्वपूर्ण प्रश्न से अवगत हो जायेंगे। विद्यार्थी के उत्तर का रिकार्ड रखा जायेगा, मूल्यांकित किया जायेगा एवं प्राप्तांक को प्रगति आख्या में दर्ज किया जायेगा। मासिक मूल्यांकन परीक्षा माह के अन्तिम सप्ताह में कराया जायेगा।

9. **प्रगति-आख्या**– प्रगति आख्या में कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी की कक्षागत गतिविधियों एवं आचरण-व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इससे विद्यार्थियों के योग्यता का परिमाणात्मक आकलन दर्ज किया जाता है एवं इसका विश्लेषण हर माह करके प्राचार्य जी से हस्ताक्षरित करा लिया जायेगा।

10. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र**– यह प्रपत्र विभाग के शिक्षक द्वारा स्वयं द्वारा निर्मित योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, दायित्व आदि का गुणात्मक स्वमूल्यांकन कर प्रत्येक माह की 02 तारीख तक कार्यालय में जमा कर दिया जायेगा अथवा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा।

11. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र**- यह प्रपत्र विभाग के प्रत्येक शिक्षक अपने व्यक्तित्व एवं पठन-पाठन में सुधार हेतु छात्रों द्वारा सत्र में दो बार यथा-अक्टूबर एवं मार्च माह में विद्यार्थियों द्वारा अपनी-अपनी प्रतिपुष्टि प्राप्त किया जायेगा, सुधार किया जायेगा एवं वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा।

12. **शिक्षण विधियाँ**- वनस्पति विज्ञान विभाग में दोनों शिक्षकों द्वारा निम्न शिक्षण विधियाँ अपनायी जाती हैं-

    1. **व्याख्यान विधि**- इस विधि के अन्तर्गत शिक्षक विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, क्रमिक एवं तार्किक रूप से विषय-वस्तु प्रकटन हेतु इस विधि का प्रयोग करते हैं और इस वर्ष भी करेंगे। इसके लिए श्यामपट्ट पर चित्र बनाकर, विषय-वस्तु पर बने चार्ट एवं मॉडल की सहायता से तथ्यों को समझाया जायेगा।
    2. **पावर प्वाइण्ट प्रस्तुतीकरण**- पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरण पर शिक्षक द्वारा तैयार पी.पी.टी. प्रस्तुत कर व्याख्या की जायेगी। इस कार्य हेतु प्रोजेक्टर युक्त कक्षा का उपयोग किया जायेगा।
    3. **प्रश्नोत्तर विधि**- कक्षा-शिक्षण के दौरान विभागीय शिक्षक के द्वारा छात्रों की पूर्ण सक्रिय सहभागिता प्रश्नोत्तर तकनीकी द्वारा कराकर शिक्षण-प्रक्रिया को बोधगम्य, प्रभावशाली एवं उद्देश्यपूर्ण बनाया जायेगा।
    4. **कर के सीखना**- विभागीय शिक्षक पाठ्यक्रम पढ़ाने के साथ ही सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य विद्यार्थियों से पूरा कराकर यह सुनिश्चित करेंगे कि विद्यार्थी पाठ को अच्छी तरह से समझ सकें एवं उनमें रुचि जाग्रत हो।

गैर-पारम्परिक शिक्षण विधि

1. **पोस्टर प्रतियोगिता (08 सितम्बर, 2023, 13 अक्टूबर, 2023)**- पाठ्यक्रम के अलग-अलग पाठ अलग-अलग विद्यार्थियों में आवंटित कर एक प्रतियोगिता आयोजित करायी जायेगी जिसमें विद्यार्थी स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से निर्धारित पाठ्यविषय पर पोस्टर बनाएँगे एवं उसकी व्याख्या भी करेंगे। इन विद्यार्थियों को विभाग द्वारा प्रमाण-पत्र भी दिया जायेगा।
2. **विज्ञान प्रदर्शनी (18.09.2023)**- अलग-अलग पाठ्यविषय पर विद्यार्थियों में मॉडल एवं क्रियात्मक मॉडल आवंटित किया जाता है जिसका निर्माण विद्यार्थियों द्वारा कराया जायेगा एवं वे उसकी व्याख्या भी करेंगे। प्रतिभागियों को विभाग प्रमाण-पत्र प्रदान करेगा।
3. **शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता (18.10.2023)**- विद्यार्थियों को अलग-अलग पाठ्यविषय आवंटित किया जायेगा जिस पर पावर प्वाइण्ट बनाकर वे पाठ को समझाने का प्रयास करेंगे। शिक्षक उनका मूल्यांकन करेंगे। विभाग प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र जारी करेगा।
4. **ग्राम्य-दर्शन**- विभाग को आवंटित ग्राम- शेखवानिया में शिक्षक एवं विद्यार्थी भ्रमण करेंगे तथा एकपृष्ठीय प्रश्नों के आधार पर पाठ के अनुप्रयोग वाले विषयों पर सर्वेक्षण कर ज्ञानार्जन करेंगे।
   ग्राम्य-दर्शन कार्यक्रम सेमेस्टर सत्र में दो (अवकाश के दिन) बार निम्नवत प्रस्तावित है:

विषम सेमेस्टर	**सम-सेमेस्टर**
प्रथम - 06 अगस्त 2023	11 फरवरी, 2024
द्वितीय - 18 दिसम्बर 2023	05 मई, 2024

5. **सरस्वती भ्रमण**- आसपास के गाँवों में शिक्षक एवं विद्यार्थी जायेंगे एवं अपने विषय से सम्बन्धित पाठों को उनके वासस्थान एवं प्राकृतिक स्वरूप में अध्ययन करेंगे, उपयोगी सामग्रियों को एकत्रित करेंगे,

हरबेरियम बनायेंगे एवं पौधों को पहचानना सीखेंगे।

सरस्वती भ्रमण हेतु कक्षा एवं दिवस -

बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	- 18 दिसम्बर, 2023
बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	- 20 सितम्बर, 2023
बी.एस-सी. पंचम, सेमेस्टर	- 18 दिसम्बर, 2023
बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर	- 19 मार्च, 2024
बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर	- 11 फरवरी, 2024
बी.एस-सी. षष्ठम सेमेस्टर	- 06 अप्रैल, 2024

13. **सम्भावित अतिथि**

* डॉ. शोभित श्रीवास्तव, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग, एशियन इन्टरनेशनल विश्वविद्यालय, सैमसंग, इम्फाल, मणिपुर
* डॉ. के. सुनीता, वनस्पति विज्ञान, विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
* डॉ. धर्मचन्द्र विश्वकर्मा, प्रभारी वनस्पति विज्ञान, दिग्विजयनाथ महाविद्यालय, गोरखपुर
* डॉ. अशोक, सहयुक्त आचार्य, वनस्पति विज्ञान, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
* डॉ. राकेश पाण्डेय, सहायक आचार्य, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
* डॉ. संजय कुमार, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान, डी.ए.वी. कालेज, गोरखपुर

14. **वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान अथवा एक दिवसीय सेमीनार**

डिजिटल टैक्वसोनॉमी (ई-फ्लोरा)	-	02.08.2023
मशरूम संवर्धन	-	26.09.2023
पादप रोग जैविक नियंत्रण	-	12.10.2023
कार्बन क्रेडिट	-	03.05.2024
लोकवनस्पति विज्ञान व पादप संरक्षण	-	27.03.2024
जिवाश्म निर्माण प्रक्रिया	-	18.04.2024

15. **वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम :** वर्तमान सत्र 2023-24 में निम्नवत हैं-

पोस्टर प्रतियोगिता या कार्यशाला	-	18.08.2023
शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता या कार्यशाला	-	22.09.2023
विज्ञान प्रदर्शनी या कार्यशाला	-	20.10.2023
वानस्पतिक प्रश्नोन्तरी प्रतियोगिता	-	28.02.2024

16. **गोद लिये विद्यार्थी-** विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पाँच विद्यार्थी गोद लिया जाता है जिसके अन्तर्गत शिक्षक-गोद लिये विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास का प्रयास करते हैं। उनके आचरण व्यवहार, उनके पढ़ाई एवं उनके समस्याओं के निराकरण का प्रयास इस सत्र में भी पूर्व की तरह करेंगे।

शिक्षक	गोद लिये विद्यार्थी			
	क्र.सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	आई.डी.
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव	1.	वैष्णवी पाण्डेय	बी.एस-सी. पंचम सेमे.	BSCMPPGBY210001
	2.	सेहिल सिंह	बी.एस-सी. तृतीय सेमे.	MPPGBBY220014
	3.	मोहन चौरसिया	बी.एस-सी. तृतीय सेमे.	MPPGBBY220044
	4.	दीपा गोंड	बी.एस-सी. प्रथम सेमे.	MPPGBBY230001
	5.	सूमन मौर्या	बी.एस-सी. प्रथम सेमे.	MPPGBBY230009
डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता	1.	पूजा राय	बी.एस-सी. पंचम सेमे.	BSCMPPGBY210003
	2.	अनूप चौहान	बी.एस-सी. पंचम सेमे.	BSCMPPGBY210003
	3.	प्रिया प्रजापति	बी.एस-सी. पंचम सेमे.	BSCMPPGBY210009
	4.	हर्षिता कुमारी	बी.एस-सी. पंचम सेमे.	BSCMPPGBY210019
	5.	पवन कुमार साहनी	बी.एस-सी. पंचम सेमे.	BSCMPPGBY210041

17. **गोद लिये गाँव** - वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शेखवानिया गाँव गोद लिया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ ग्राम भ्रमण कर विभिन्न समसामयिक सामाजिक मुद्दों पर एक पृष्ठीय प्रश्नो द्वारा सर्वेक्षण एवं जागरुक बनाना है। इस सेमेस्टर सत्र भी पूर्व की भाँति दो अवकाश के दिन शिक्षक-विद्यार्थी साथ जायेगें एवं सर्वेक्षण तथा जागरुक बनाने का कार्य करेंगे। इसकी तिथियाँ 06 अगस्त 2023, 18 दिसम्बर, 2023, सम सेमेस्टर हेतु 04 फरवरी, 2024 एवं 5 मई, 2024 प्रस्तावित तिथियां है।

18. **शिक्षक ब्लाग** - महाविद्यालय के वेबसाइट पर विभाग के शिक्षक का अपना-अपना ब्लाग है जिसपर शिक्षक द्वारा पढ़ाये जाने वाले प्रश्न पत्रों के टॉपिक का पावर प्वाइन्ट प्रस्तुतिकरण दर्ज है जहाँ से विद्यार्थी देख, पढ़ एवं डाउनलोड कर सकते हैं। वर्तमान सेमेस्टर सत्र में इसे सी.बी.सी.एस पाठ्यक्रम के अनुरूप अद्यतन किया जायेगा। शिक्षक इसके द्वारा विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री उपलग्ध कराते हैं।

19. **विभागीय पुस्तकालय**- विभिन्न प्रकाशकों द्वारा आवंटित स्पेसिमेन पुस्तक विभाग में रखे गये है जिसे दैनिक आधार पर विद्यार्थियों को जारी किया जाता। इसके अलावें केन्द्रिय पुस्तकालय के वनस्पति विज्ञान के पुस्तकों की सूची विभाग में विद्यार्थियों को देखने के लिए उपलब्ध है।

20. **प्रयोगशाला**-
    * स्टाक रजिस्टर को अद्यतन कर सत्रन्त में निरीक्षण करा लिया जाता है।
    * प्रयोगशाला के उपकरणों को कार्यशील स्वरूप रखा जायेगा।
    * प्रयोगशाला के उपकरणों में क्रमिक अभिवृद्धि की जायेगी।
    * प्रायोगिक कक्षा के प्रथम दिन विद्यार्थियों को क्या करें व क्या न करें समझाया जायेगा।
    * विद्यार्थियों के साथ सरस्वती भ्रमण का वासस्थान में भी पादप अध्ययन व प्रयोग किया जायेगा।
    * प्रायोगिक परीक्षा को विश्वविद्यालयी सैद्धान्तिक परीक्षा के पहले कराने का प्रयास।
    * लैब मैनुअल-पयोगों के संक्षिप्त विवरण संकलित कर विद्यार्थियों के अवलोकनार्थ रखा जायेगा

21. **कार्य सह-दायित्व**- विभाग के शिक्षकों व कर्मचारी द्वारा विषय के सैद्धान्तिक व प्रायोगिक कक्षाओं का संचालन सामुहिकता व सहयोग कर किया जायेगा। महाविद्यालय स्तर पर पठन-पाठन के अतिरिक्त प्राप्त दायित्व सभी जिम्मेदारी पूर्वक करेगें।

(क) डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

दायित्व का नाम - पालीथीन मुक्त परिसर एवं कूड़ा प्रबन्धन है।

* दो नये गढ्ढो का निर्माण।
* पूराने गढ्ढो पर गोबर खाद, मिट्अी से टापींग कराना।
* प्रतिबन्धित फोम, प्लास्टिक इत्यादि के उपयोग को हतोत्साहित किया जायेगा, विद्यार्थी व शिक्षक से वार्ताकर जागरूक बनाने व क्रियान्वयन हेतु सहयोग का आग्रह बार-बार किया जायेगा।
* प्रार्थना सभा व कक्षाओं में भी आग्रह किया जायेगा कि प्लास्टिक का बहिष्कार करे।
* जैव निम्नीकरण व गैर जैव निम्नीकरण वाले कचरा निस्तारण हेतु प्रत्येक तल पुस्तकालय, कार्यालय, प्रयोगशाला, कामन रूम इत्यादि के पास युग्म कुड़ादान रखवाया जायेगा।
* कर्मचारी से बैठक कर निर्देशित किया जायेगा कि उपयुक्त स्थान पर ही कुड़ा निस्तारण करें। इस का निरीक्षण किया जायेगा, आवश्यक निर्देश दिया जायेगा एवं सुनिश्चित किया जायेगा कि परिसर प्लास्टिक मुक्त बने।

(ख) डॉ. अखिलेश गुप्त

कार्य सहदायित्व - बागवानी प्रभारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी

बागवानी प्रभारी दायित्व के अन्तर्गत निम्न प्रयास किये जायेगें।

* पादप विविधता में अभिवृद्धि।
* पादप (वृक्ष) नामकरण का टैग बनवाना व लगवाना।
* बागवानी समिति बनाकर कार्यो को सदस्यों व परिचरों में क्षेत्र्वार वितरित करना।
* समय समय पर समिति की बैठक कर कार्य प्रगति व समस्याओं पर विचार व निराकरण।

22. **मूल्य सवंर्धित पाठ्यक्रम**- वनस्पति विभाग द्वारा मूल्य संबंधित पाठ्यक्रम चलाया जायेगा इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में वनस्पति विज्ञान अध्ययन के प्रयुक्त लाभ व कौशल विकसित करना है। इसके अन्तर्गत दो पाठ्यक्रम चलाये जायेगें।

(क) पादप रोग पहचान

(ख) पादप पहचान

उपरोक्त मूल्य सम्बन्धित पाठ्यक्रम के पाठ्य बनाये जायेगें, विद्यार्थियों को नामांकन हेतु प्रोत्साहित किया जायेगा।

23. **स्वैच्छिक श्रमदान**- सप्ताह में प्रत्येक शनिवार को महाविद्यालय द्वारा आयोजित स्वैच्छिक श्रमदान में विभाग के सभी सदस्य स्वेच्छानुसार प्रतिभाग करेंगे। श्रमदान के समय एवं तिथि को शिक्षक अपने स्वमूल्यांकन प्रपत्र में दर्ज करेंगे।

रसायन विज्ञान विभाग

1. **शिक्षक** - डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, विभागाध्यक्ष
डॉ. राम सहाय, सहायक आचार्य
श्रीमती प्रियंका मिश्रा, सहायक आचार्य
श्रीमती दिव्या दूबे, सहायक आचार्य
सुश्री नम्रता मिश्रा, सहायक आचार्य

प्रयोगशाला सहायक - श्री ओम प्रकाश

2. **विभागीय कार्य विभाजन** -

डॉ. शिव कुमार बर्नवाल-

* विभाग की समय सारणी तैयार करना व पठन-पाठन सुनिश्चित करना
* उपस्थिति पंजिका बनाना तथा नए विद्यार्थियों का पंजीकरण करना।
* विभागीय कार्य योजना बनाना तथा कार्य विभाजन करना
* गोद लिए गए गाँव की रिपोर्ट तैयार करना
* बी.एस-सी. प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना बनाना, प्रगति आख्या तैयार करना एवं उसका विश्लेषण करना, विद्यार्थियों को एसाइनमेंट तथा प्रोजेक्ट एलाट करना एवं जमा करना, परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थियों का विवरण रजिस्टर तैयार करना, व्याख्यान रजिस्टर में नाम लिखना एवं अनुपस्थिति पूर्ण करके प्रति माह अद्यतन करना, मासिक मूल्यांकन के प्रश्न पत्र तैयार करना तथा उत्तर पुस्तिकाओं का संकलन करना व प्रतिमाह अद्यतन करना।
* विभागीय भंडार पंजिका अद्यतन करना
* विभागीय कार्य निरीक्षण

डॉ. राम सहाय

* विभागीय गतिविधियाँ व कार्यक्रम आयोजित करना
* विभागीय पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम योजना अद्यतन करना
* पाठ्य पुस्तकों की सूची तथा विभागीय पुस्तकालय अद्यतन करना।
* नैक/आई क्यू ए सी की सूचनाएं संकलित करना
* बी.एस-सी. पंचम व षष्ठम सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना बनाना, प्रगति आख्या तैयार करना एवं उसका विश्लेषण करना, विद्यार्थियों को एसाइनमेंट तथा प्रोजेक्ट एलाट करना एवं जमा करना, परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थियों का विवरण रजिस्टर तैयार करना, व्याख्यान रजिस्टर में नाम लिखना तथा अनुपस्थिति पूर्ण करके प्रति माह अद्यतन करना, मासिक मूल्यांकन के प्रश्न पत्र तैयार करना तथा उत्तर पुस्तिकाओं का संकलन करना व प्रतिमाह अद्यतन करना।
* स्वमूल्यांकन प्रपत्र का संकलन करना तथा शिक्षकों का प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाना।
* विभागीय स्वच्छता एवं प्रोत्साहन।

श्रीमती प्रियंका मिश्रा

* विभागीय कार्यक्रमों का रजिस्टर तैयार करना (कार्यक्रम विवरण व फोटो सहित) तथा प्रतिमाह अद्यतन करना।

* विभागीय कार्यक्रमों का समाचार लेखन, संशोधन तथा प्रकाशन।
* एम.एस.-सी. द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना बनाना।
* विद्यार्थियों को एसाइनमेंट तथा प्रोजेक्ट एलाट करना एवं जमा करना, प्रगति आख्या तैयार करना एवं उसका विश्लेषण करना, व्याख्यान रजिस्टर में नाम लिखना तथा अनुपस्थिति पूर्ण करके प्रतिमाह अद्यतन करना, मासिक मूल्यांकन के प्रश्नपत्र तैयार करना तथा उत्तर पुस्तिकाओं का संकलन करना व प्रतिमाह अद्यतन करना।
* शिक्षक बायोडाटा संकलन करना।

श्रीमती दिव्या दूबे

* विभागीय रिपोर्ट की सॉफ्ट कॉपी तैयार करना व प्रति माह अद्यतन करना।
* बी.एस-सी. तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना बनाना, प्रगति आख्या तैयार करना एवं उसका विश्लेषण करना, विद्यार्थियों को एसाइनमेंट तथा प्रोजेक्ट एलाट करना एवं जमा करना परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थियों का विवरण रजिस्टर तैयार करना, व्याख्यान रजिस्टर में नाम लिखना तथा अनुपस्थिति पूर्ण करके प्रति माह अद्यतन करना, मासिक मूल्यांकन के प्रश्नपत्र तैयार करना तथा उत्तर पुस्तिकाओं का संकलन करना व प्रति माह अद्यतन करना
* गोद लिए गाँव में एक दिवसीय शिविर का आयोजन करना।
* विभागीय कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी तथा समाचार लेखन में सहयोग।

सुश्री नम्रता मिश्रा

* बी.एस-सी प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना बनाने व प्रगति आख्या तैयार करने में सहयोग करना।
* मासिक मूल्यांकन के प्रश्न पत्रों का संकलन करना व प्रति माह अद्यतन करना।
* बी.एस-सी. तथा एम.एस-सी. प्रत्येक सेमेस्टर के विश्वविद्यालय परीक्षा के प्रश्न पत्रों की फाइल तैयार करना।
* प्रत्येक कक्षा का लैब मैनुअल तैयार करना।
* प्रत्येक शुक्रवार को साप्ताहिक सेमिनार का आयोजन करना। महाविद्यालय तथा विभागीय सूचनायें सम्बन्धित कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप पर प्रेषित करना।

नोट– उपरोक्त कार्यक्रमों के अतिरिक्त महाविद्यालय तथा विभाग द्वारा दिए गए अन्य दायित्वों का भी निर्वहन करना होगा।

3. **प्रार्थना सभा**– महाविद्यालय की दिनचर्या का प्रारम्भ प्रार्थना सभा से शुरू होता है। प्रत्येक सत्र में 01 अगस्त से शुरू होने वाली प्रार्थना सभा में प्रत्येक कार्य दिवस को प्रातः 09:20 बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईश वन्दना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरुष की जयन्ती/पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होती है, तो उसके सन्दर्भ में उद्बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमदभगवत गीता के श्लोकों का अनुवाद सहित वाचन होता है। प्रार्थना सभा में रसायन विज्ञान विभाग के सभी शिक्षक सम्मिलित होते हैं, तथा अपने विद्यार्थियों को इसमें सम्मिलित होने हेतु प्रेरित करते हैं।

पाठ्यक्रम स्नातक -

SEMESTER	COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
I	CHE-101	Basics of Chemistry	2+0
	CHE-102	Fundamentals of Chemistry	4+0
	CHE-103	Quantitative Analysis	0+2
II	CHE-104	Bioorganic and Meicinal Chemistry	4+0
	CHE-105	Biochemical Analysis	0+2
III	CHE-201	Chemical Dynamics & Coordination Chemistry	4+0
	CHE-202	Physical Analysis	0+2
IV	CHE-203	Quantum Mechanics and Analytical Techniques	4+0
	CHE-204	Intrumental Analysis	0+2
V	CHE-301	Organic Systhesis A	4+0
	CHE-302	Rearrangement and Chemitry of Group Elements	4+0
	CHE-303	Qualitative Analysis	0+2
VI	CHE-304	Organic Synthesis B	4+0
	CHE-305	Chemical Energetics and Radiochemistry	4+0
	CHE-306	Analytical Methods	0+2

पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर -

SEMESTER	COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
I	CHE-501	Molecular Symmetry and Molecular vi Vibrations	4+0
	CHE-502	iQuantum Chemistry	4+0
	CHE-503	Main Group elements	4+2
	CHE-504	Organic Reaction Mechanism	4+2
	CHE-505	Practical	0+4
	CHE-506	Research Project	0+4
		Minor Elective	
	IC-530	Environmental Chemistry	4+0
II	CHE-507	Analytical Chemistry	4+0
	CHE-508	The Rmodynamics and Electrochemistry	4+0
	CHE-509	Transition elements	4+0
	CHE-510	Natural Products	4+0
	CHE-511	Practical	0+4
	CHE-512	Research Project	0+4
		Minor Elective	
	IC-530	Environmental Chemistry	4+0
III	CHE-513	Spectroscopy – I	4+0
	CHE-516	Stereochemistry	4+0
	CHE-519	Pericyclic and Rearrangement Reactions	4+0
	CHE-522	Biomolecules	4+0
	CHE-523	Practical	0+4
	CHE-524	Reserch Project	0+4

IV	CHE-525	Spectroscopy – II	4+0
	CHE-528	Organic Synthesis	4+0
	CHE-531	Selected Topics in Organic Chemistry	4+0
	CHE-534	Drug and Agrochemicals	4+0
	CHE-539	Pratical	0+4
	CHE-540	Research Project	0+4

Note – Minor elective can be studued either in semester I or in semester II

4. **पाठ्यक्रम योजना**– सत्र के प्रारम्भ में ही रसायन विज्ञान विभाग द्वारा स्नातक प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर प्रथम और तृतीय सेमेस्टर की सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम योजना की सॉफ्ट कॉपी तैयार करके महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करा दिया गया है। पाठ्यक्रम योजना की हार्ड कॉपी विभाग में सुरक्षित रखा गया है। विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित स्नातक तथा स्नातकोत्तर के अद्यतन पाठ्यक्रम की हार्ड कॉपी भी विभाग में सुरक्षित रखा गया है। पाठ्यक्रम योजना तथा अद्यतन पाठ्यक्रम की सॉफ्टकापी शिक्षकों के ब्लाग पर अपलोड कर दिया गया है। नवम्बर माह में सम-सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना बनाकर वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा।

5. **कक्षा संचालन**– महाविद्यालय द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार स्नातक तथा स्नातकोत्तर रसायन विज्ञान की कक्षाएं संचालित की जायेंगी।
   * बी. एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 17 जुलाई, 2023
   * बी. एस-सी. पंचम सेमेस्टर की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 17 जुलाई, 2023
   * एम. एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 17 जुलाई, 2023
   * बी. एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 01 अगस्त, 2023
   * एम. एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 01 अगस्त, 2023
   * प्रायोगिक कक्षाएं प्रारम्भ – 16 अगस्त, 2023
   * एम.एस-सी. सम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ – 16 जनवरी, 2024
   * बी.एस-सी. सम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ – 01 फरवरी, 2024

6. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन/माइनर कोर्स कक्षा संचालन**– प्रत्येक सप्ताह में एक दिन निर्धारित तिथि को माइनर पाठ्यक्रम से सम्बन्धित टॉपिक पर पूर्व निर्धारित विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन कराया जायेगा, जिससे विद्यार्थियों की चिन्तनशीलता, अभिव्यक्ति, संवाद कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का उत्तरोत्तर विकास होगा। इस सत्र (2023-24) की कक्षाध्यापन तिथियाँ कक्षावार निम्नवत हैं –

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.-सी. प्रथम सेमेस्टर	–	07,14,23	09,16	03,10	–	–	–
बी.एस.-सी. तृतीय सेमेस्टर	22	07,14,23	09,16	03,10	–	–	–
बी.एस.-सी. पंचम सेमेस्टर	22	07,14,23	09,16	03,10	–	–	–
एम.एस.-सी. प्रथम सेमेस्टर	–	07,14,23	09,16	03,10	–	–	–
एम.एस.-सी. तृतीय सेमेस्टर	22	07,14,23	09,16	03,10	–	–	–

	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	
बी.एस–सी. द्वितीय सेमेस्टर	–	7,15	1,9,16	4,12,20	4	
बी.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर	–	7,15	1,9,16	4,12,20	4	
बी.एस–सी. षष्ठम सेमेस्टर	–	7,15	1,9,16	4,12,20	4	
एम.एस–सी. द्वितीय सेमेस्टर	22	7,15	1,9,16	4,12,20	4	
एम.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर	22	7,15	1,9,16	4,12,20	4	

7. **मासिक मूल्यांकन**- रसायन विज्ञान विभाग द्वारा प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में निर्धारित तिथि को सेमेस्टर प्रणाली के आधार पर आफलाइन/आनलाइन मोड में विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले सम्भावित प्रश्नों के आधार पर विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन किया जायेगा। इससे विद्यार्थियों में पाठ्यक्रम के प्रति रूचि, ग्राह्यता एवं दक्षता का पता चलता है। इस सत्र में होने वाले मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ कक्षावार निम्नवत हैं।

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर	–	30	23	18	–	–	–
बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर	31	30	23	18	–	–	–
बी.एस–सी. पंचम सेमेस्टर	31	30	23	18	–	–	–
एम.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर	–	30	23	18	–	–	–
एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर	31	30	23	18	–	–	–
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई		
बी.एस–सी. द्वितीय सेमेस्टर	–	22	27	27	11		
बी.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर	–	22	27	27	11		
बी.एस–सी. षष्ठम सेमेस्टर	–	22	27	27	11		
बी.एस–सी. द्वितीय सेमेस्टर	31	22	27	27	11		
बी.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर	31	22	27	27	11		

8. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** - यह महाविद्यालय के शिक्षकों के स्वमूल्यांकन की विशेष विधा है, जिसमें शिक्षकों द्वारा प्रत्येक माह की 02 तारीख तक पिछले माह का स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन भरा जायेगा। इस प्रपत्र में शिक्षकों द्वारा तैयार की गयी योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, दायित्व, आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। रसायन विज्ञान विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में भी यह योजना लागू रहेगी।

9. **प्रगति आख्या** - इसके अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थियों की मासिक प्रगति रिपोर्ट भरी जाती है, जिससे विद्यार्थियों की कक्षा में उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन में प्राप्त अंक, कक्षाध्यापन में उपस्थिति आदि विवरण ऑनलाइन/ऑफलाइन भरा जाता है। वर्तमान सत्र में भी यह योजना यथावत लागू रहेगी।

10. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - यह महाविद्यालय की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है, जो महाविद्यालय की

स्थापना काल से ही लागू है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक सत्र में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र ऑफलाईन भरवाया जाता है। प्रपत्र में प्राप्त फीडबैक (सुझावों/कमियों) को जानकर विभाग के शिक्षक आवश्यकतानुसार सुधार करने का प्रयास करते हैं। रसायन विज्ञान विभाग द्वारा इस सत्र में शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जायेगा।

11. **स्वेच्छिक श्रमदान** – यह हमारे महाविद्यालय का अभिन्न एवं महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी स्वेच्छिक रूप से श्रमदान करते हैं। यह कार्यक्रम प्रत्येक शनिवार को मध्यावकाश स्थगित करके, पठन-पाठन को अप्रभावित रखते हुये किया जाता है। इसके अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा चयनित स्थानों पर निर्धारित सहयोगियों के साथ सफ़-स्फाई का कार्य किया जाता है। रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षक व विद्यार्थी स्वेच्छिक श्रमदान में अपनी सक्रिय सहभागिता करते हैं। यह योजना वर्तमान सत्र में भी यथावत लागू रहेगी।
12. **कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप** – रसायन विज्ञान विभाग द्वारा प्रत्येक कक्षा का अलग-अलग कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसका उपयोग महाविद्यालय व विभाग की आवश्यक सूचनाएं विद्यार्थियों तक पहुँचाने हेतु किया जाता है। यह योजना वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।
13. **वेबसाइट/शिक्षक ब्लाग** – रसायन विज्ञान विभाग की पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय की वेबसाइट पर अद्यतन कर दिया गया है तथा अन्य विभागीय सूचनाओं को भी समय-समय पर वेबसाइट पर अद्यतन किया जाता रहेगा। इस सत्र में महाविद्यालय की वेबसाइट को और सम्पन्न करने के लिए शिक्षकों के ब्लाग पर पाठ्यक्रम योजना, सेमेस्टर प्रणाली का अद्यतन पाठ्यक्रम तथा पढ़ाये गये व्याख्यान की पीपीटी बनाकर अपलोड किया जायेगा। इसके साथ ही अन्य सम्बन्धित पाठ्य सामग्री को भी ब्लाग पर अपलोड किया जायेगा।
14. **विभागीय पुस्तकालय** – महाविद्यालय की केन्द्रीय पुस्तकालय के अतिरिक्त रसायन विज्ञान विभाग में एक विभागीय पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है। इसमें विभाग के शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी पुस्तक पढ़ने की सुविधा प्रदान की जाती है। पुस्तक के लेनदेन के हिसाब के लिए विभाग में रजिस्टर रखा गया है। यह योजना वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।
15. **विभागीय बैठक** – विगत सत्र से प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में विभागीय शिक्षकों की मासिक बैठक की योजना बनाई गयी है। इस बैठक में विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक माह किये गये पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ, नवाचार, आदि की समीक्षा एवं अगले माह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु विचार विमर्श होता है। 29 अप्रैल, 2023 की बैठक में सर्वसम्मति से विभागीय शिक्षकों के सत्र 2023-24 के दायित्व का निर्धारण किया गया।
16. **गोद लिए गये विद्यार्थी** – रसायन विज्ञान विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पाँच विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। इसके अन्तर्गत शिक्षक अपने गोद लिये गये विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास का प्रयास करते हैं। रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, पठन-पाठन एवं उनके समस्याओं के निराकरण का प्रयास इस सत्र में भी पूर्ववत जारी रहेगा।

वर्तमान सत्र में रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षकों द्वारा गोद लिये गये विद्यार्थियों का विवरण निम्नवत है –

शिक्षक	गोद लिए गये विद्यार्थी	कक्षा	आई.डी.
डॉ. शिवकुमार बर्नवाल	1. सुमन यादव	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBMS210028
	2. अंशिका सिंह	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY220052

	3. विद्यासागर निषाद	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBBY230014
	4. सिमरन चौहान	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBBY230073
	5. शुभि	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBMS230029
डॉ. राम सहाय	1. शिवम कुमार	बी.एस-सी. पंचम सेमे.	MPPGBMS210008
	2. अर्चना यादव	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBMS210020
	3. साक्षी गुप्ता	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBMS210018
	4. राजेश गुप्ता	एम.एस-सी. प्रथम सेमे.	MPPGBMCY230005
	5. पंकज चौरसिया	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBBY210038
	6. सनी यादव	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBMS230011
श्रीमती प्रियंका मिश्रा	1. अंकिता निषाद	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBMS210036
	2. प्रिती यादव	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBMS210002
	3. सीमा गौतम	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY220079
	4. पल्लवी मिश्रा	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY220106
	5. कंचन सिंह	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY220018
सुश्री नम्रता सिंह	1. गुड़िया	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBBY230012
	2. रोशनी	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBBY230017
	3. अनुराधा यादव	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBBY230082
	4. काजल सिंह	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBBY230013
	5. अंशिता गुप्ता	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBBY230045
	6. प्रीति	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBBY230039
श्रीमती दिव्या दूबे	1. शिल्पी सिंह	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBBY210004
	2. अभिजीत मणि उपाध्याय	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY220070
	3. अभिषेक कुमार	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY220029
	4. प्रद्युम्न यादव	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY220020
	5. रूपमती निषाद	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY220031
	6. मंशा चौहान	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY220074

नोट - इस सत्र में डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, डॉ. राम सहाय तथा सुश्री नम्रता मिश्रा द्वारा क्रमशः 3, 2 तथा 5 नये विद्यार्थियों को गोद लिया जायेगा।

17. **गोद लिया गया गाँव** - रसायन विज्ञान विभाग द्वारा रामपुर गाँव गोद लिया गया है। इसका उददेश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति गाँव के लोगों को जागरूक करना है। इस सत्र में भी पूर्व की भांति रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षक, विद्यार्थियों के साथ गोद लिये गये रामपुर गाँव के एक दिवसीय भ्रमण पर जायेंगे तथा जनजागरूकता का कार्य करेंगे। इस सत्र में गांव भ्रमण की प्रस्तावित तिथियां निम्न है–

06 अगस्त, 2023   22 दिसम्बर, 2023   11 फरवरी, 2024   05 मई, 2024

18. **पठन-पाठन** - स्नातक प्रथम सेमेस्टर के कक्षा संचालन के लिए 4+1+1 के सिद्धान्त पर पाठ्यक्रम योजना के अनुसार मेजर, बेसिक तथा माइनर की कक्षा का संचालन किया जायेगा, जबकि अन्य सभी सेमेस्टर के लिए 4+2 के सिद्धान्त पर पाठ्यक्रम योजना के अनुसार कक्षा का संचालन किया जायेगा। सभी सेमेस्टर में माइनर का पाठ्यक्रम, कक्षाध्यापन की तिथ में पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराकर कक्षाध्यापन के रूप में पढ़ाया जायेगा। स्नातकोत्तर की कक्षा 3+3 के सिद्धान्त पर पाठ्यक्रम योजना के अनुसार संचालित की जायेंगी।

19. **प्रस्तावित विभागीय कार्यक्रम-**

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	तिथि	संयोजक
1	विशिष्ट व्याख्यान	27 जुलाई, 2023	डॉ. राम सहाय
2	आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय	02 अगस्त, 2023	श्रीमती दिव्या दूबे
3	ग्राम्य दर्शन	06 अगस्त, 2023	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
4	व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातकोत्तर स्तर)	13 सितम्बर, 2023	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
5	विशिष्ट व्याख्यान	21 सितम्बर, 2023	डॉ. राम सहाय
6	व्याख्या प्रतियोगिता (स्नातक स्तर)	04 नवम्बर, 2023	डॉ. राम सहाय
7	विशिष्ट व्याख्यान	06 नवम्बर, 2023	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
8	शोध व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातक स्तर)	07 नवम्बर, 2023	डॉ. राम सहाय
9	नवागत विद्यार्थी स्वागत समारोह	28 नवम्बर, 2023	सुश्री नम्रता मिश्रा
10	ग्राम्य दर्शन	22 दिसम्बर, 2023	श्रीमती प्रियंका मिश्रा
11	कैम्पस सलेक्शन (आई.जी.एल. गीडा)	30 दिसम्बर, 2023	
12	ग्राम्य दर्शन	11 फरवरी, 2024	श्रीमती दिव्या दूबे
13	विज्ञान प्रदर्शनी (राष्ट्रीय विज्ञान दिवस)	28 फरवरी, 2024	श्रीमती दिव्या दूबे
14	शैक्षणिक भ्रमण	22 मार्च, 2024	डॉ. राम सहाय
15	ग्राम्य दर्शन	05 मई, 2024	सुश्री नम्रता मिश्रा
16	साप्ताहिक सेमिनार	प्रत्येक शुक्रवार	सुश्री नम्रता मिश्रा

19. **प्रस्तावित विशिष्ट व्याख्याताओं की सूची-**

* डॉ. एन.के. शुक्ला, आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
* डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
* डॉ. आलोक श्रीवास्तव, आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, महात्मा गाँधी पी.जी. कालेज, गोरखपुर
* डॉ. मो. राशिद तनवीर, उपाचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, सेंट एंड्रयूज कालेज, गोरखपुर
* डॉ. सचिन कुमार सिंह, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
* डॉ. प्रदीप कुमार राव, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
* डॉ. मीरा यादव, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, नेरिस्ट, ईटानगर, अरुणांचल प्रदेश
* डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, नेरिस्ट, ईटानगर, अरुणांचल प्रदेश
* डॉ. नेत्र पाल सिंह, आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

* डॉ. गीता सिंह, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
* डॉ. एच.सी. गुप्ता आचार्य (अ.प्रा.) रसायन विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
* डॉ. सुधा यादव, आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

नोट :- कार्यकर्मो की तिथियों, विषय एवं अतिथि में परिस्थितिजन्य परिवर्तन सम्भव।

प्राणि विज्ञान विभाग

1. **आत्मवृत्त** - विभाग के सभी शिक्षकों का आत्मवृत्त प्रतिवर्ष अद्यतन होता रहा है। गतवर्ष की भाँति वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगा।
   i) डॉ. आर.एन. सिंह
   ii) डॉ. शिव कुमार
2. **पाठ्यक्रम योजना** - प्राणि विज्ञान विभाग महाविद्यालय के प्रारम्भिक काल से ही पाठ्यक्रम योजना बनाता रहा है। पाठ्यक्रम योजना के अनुसार ही प्रत्येक दिन का कक्षा संचालन होता है जिसके कारण पाठ्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से निर्धारित समय से पूर्ण हो जाता है। पाठ्यक्रम योजना से छात्रों को पूर्व से ही पता होता है कि किस दिनांक को किस अध्यापक के द्वारा कौन सा शीर्षक पढ़ाया जाना है। प्राणि विज्ञान विभाग गत वर्ष की भाँति वर्तमान सत्र में स्नातक प्रथम सेमेस्टर, तृतीय सेमेस्टर एवं पंचम सेमेस्टर की संशोधित पाठ्यक्रम योजना की सॉफ्टकापी बनाकर 10 जूलाई, 2023 को महाविद्यालय के ई-मेल पर कर दिया गया है। स्नातक द्वितीय सेमेस्टर चतुर्थ सेमेस्टर एवं षष्टम सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना कक्षा प्रारम्भ होने से पहले सॉफ्टकापी बनाकर महाविद्यालय के ई-मेल पर प्रेषित कर दिया जायेगा।
3. **शिक्षक ब्लॉग** - महाविद्यालय के वेबसाइट पर विभागीय शिक्षकों का ब्लाग बना हुआ है। विभाग के सभी शिक्षक अपने-अपने पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम के शीर्षक का पी.पी.टी. बनाकर अपलोड करते रहे है। इसे वर्तमान सत्र में बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर के पाठयक्रम का पी.पी.टी. बनाकर अपलोड किया जा रहा है तथा शोध पत्र भी अपलोड किया जायेगा। विभाग के सभी शिक्षक अपना बायोडाटा भी अपने ब्लाग पर अपलोड कर चुके हैं।
4. **कक्षा संचालन** - बी.एस.-सी. तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर की कक्षा का संचालन 17 जुलाई, 2023 से तथा बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की कक्षा का संचालन 01 अगस्त 2023 से प्रारम्भ होगी। विभागीय शिक्षक गत वर्ष की भाँति वर्तमान सत्र में भी आफलाइन कक्षा पी.पी.टी के माध्यम से पाठ्यक्रम योजना के अनुसार पढ़ायेगे। यदि आवश्यकता होगी तो आन-लाईन कक्षा का संचालन किया जायेगा।
5. **विभागीय पुस्तकालय** - विभाग अपने स्तर से पुस्तकालय का संचालन विगत कई सत्रों से करता रहा है। गत वर्ष की भाँति वर्तमान सत्र में भी विभागीय पुस्तकालय संचालित रहेगा। पुस्तक के लेन-देन के हिसाब के लिए विभाग में रजिस्टर की व्यवस्था की गयी है।
6. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन - विधि-सामूहिक चर्चा द्वारा कक्षाध्यापन** - इस विधि के तहत माइनर कोर्स का अध्ययन किया जायेगा। इस विधि में विभागीय अध्यापक चार दिन पहले माइनर कोर्स से सम्बन्धित एक पेज का सारांश बनाकर कक्षा व्हाटसएप ग्रुप पर तथा शिक्षक ब्लोक पर प्रेषित कर दिया जायेगा। इसके बाद छात्रों को इसकी सूचना से अवगत करा दिया जायेगा कि सामूहिक चर्चा से सम्बन्धित सारांश कक्षा व्हाट्सएप एवं

शिक्षक ब्लोक पर अपलोड है, जिसे आप लोग पढ़कर आये, जिससे इस पर आपस में सामूहिक चर्चा हो सके।

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर		4,11,19	5,14,21	7,16
बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	13,20	4,11,19	5,14,21	7,16
बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	13,20	4,11,19	5,14,21	7,16

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि			
	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर	15,12,20	6,14	2,9,18	2,9
बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर	5,12,20	6,14	2,9,18	2,9
बी.एस-सी. षष्ठम सेमेस्टर	5,12,20	6,14	2,9,18	2,9

7. **मासिक मूल्यांकन** – महाविद्यालय के स्थापना काल से ही विभाग ने मास के अन्त में छात्रों का मासिक मूल्यांकन कराता रहा है। विभाग महीने भर में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन कराता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा के अनुसार तैयार कराना होता है जिससे वह विश्वविद्यालय की परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सके। इस योजना को वर्तमान सत्र में भी लागू किया जायेगा।

विधि (1) विभागीय शिक्षक द्वारा 10 बहुविकल्पीय एवं 10 अतिलघुउत्तरीय प्रश्न पत्र बनाकर अपने कक्षा के पहले 20 मिनट में मासिक मूल्यांकन करायेगा तथा उसके बाद कक्षा पढ़ाया जायेगा।

(2) गूगल फार्म का उपयोग किया जायेगा।

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	–	28	29	30
बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	27	28	29	30
बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	27	28	29	30

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि			
	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर	28	21	25	–
बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर	28	21	25	–
बी.एस-सी. षष्ठम सेमेस्टर	28	21	25	–

8. **छात्र विवरण – (स्नातक से परास्नातक)** – विभाग से प्रतिवर्ष स्नातक से उत्तीर्ण होने के पश्चात परास्नातक में प्रवेश लिए छात्रों की सूची अद्यतन विभाग प्रतिवर्ष करता रहेगा।

9. **प्रगति आख्या** – विभाग महाविद्यालय के स्थापना काल से ही विभागीय प्रगति आख्या बनाता रहा है। विभाग छात्रों के पठन पाठन, साप्ताहिक कक्षाध्यापन, छात्रों का सर्वांगीण विकास के तरफ अग्रसर करने का प्रयास करता है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रगति आख्या बनाया जाता है। गत वर्ष की तरह वर्तमान सत्र में प्रगति आख्या यथावत लागू रहेगा।
10. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – प्रत्येक माह के 02 तारीख तक पिछले महीने का स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरकर जमा किया जाता रहा है। इसे वर्तमान सत्र में भी लागू किया जायेगा।
11. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – विभाग अपने स्थापना काल से ही शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र छात्रों द्वारा भरवाया जाता है। इसका उद्देश्य शिक्षक छात्रों के द्वारा अपने विषय में प्रतिक्रिया जानते है, तथा स्वयं में सुधार करते है। सत्र में दो बार अर्थात् 20 सितम्बर एवं 14 दिसम्बर माह में छात्रों के द्वारा भरवाया जाता है। इसे वर्तमान सत्र में भी लागू किया जायेगा।
12. **विशिष्ट व्याख्यान** – विभाग अपने स्थापनाकाल से ही विषय विशेषज्ञों के द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन करता रहा है। छात्रों को विशिष्ट व्याख्यान के माध्यम से प्राणि विज्ञान के क्षेत्र में होने वाली नई–नई खोजों/अन्वेषणों से विद्यार्थियों को अद्यतन कराया जाता रहा है। वर्तमान सत्र में भी इस व्यवस्था को लागू किया जायेगा।
13. **शोध व्याख्यान** –

प्रथम सेमेस्टर	–	30.09.2023	द्वितीय सेमेस्टर	–	23.02.2024
तृतीय सेमेस्टर	–	18.09.2023	चतुर्थ सेमेस्टर	–	27.02.2024
पंचम सेमेस्टर	–	05.10.2023	षष्ठम सेमेस्टर	–	29.02.2024

14. **विज्ञान प्रदर्शनी** –

प्रथम सेमेस्टर	–	29.09.2023	द्वितीय सेमेस्टर	–	29.03.2024
तृतीय सेमेस्टर	–	19.09.2023	चतुर्थ सेमेस्टर	–	18.03.2024
पंचम सेमेस्टर	–	06.09.2023	षष्ठम सेमेस्टर	–	14.03.2024

15. **गोद लिए गाँव** - प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा लक्ष्मीपुर गाँव को गोद लिया गया है। लक्ष्मीपुर गाँव के ग्रामीणों के साथ महाविद्यालय एवं विभाग का आत्मीय सम्बन्ध स्थापित करना है। ग्रामीणों को स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, सामाजिक समरसता इत्यादि विषयों के प्रति जागरूक करना हैं। वर्ष में न्यूनतम चार बार विभाग के शिक्षक–विद्यार्थी गाँव में जाते है तथा जन–जागरण कर उन्हें सचेत करते रहते है। इस व्यवस्था को वर्तमान सत्र में भी लागू किया जायेगा।

13. **गोद लिए गये विद्यार्थी** - विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पाँच विद्यार्थी को गोद लिया जाता है। इन विद्यार्थियों के पठन–पाठन एवं आचरण–व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षक की होती है। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए सम्बन्धित शिक्षक हमेशा प्रयास करता रहता है। इस व्यवस्था को वर्तमान सत्र में लागू किया जायेगा।

शिक्षक का नाम	गोद लिए गये विद्यार्थी
डॉ. आर.एन. सिंह	1. प्रगति जैसवाल – द्वितीय सेमेस्टर 2. अविनाश शर्मा – षष्ठम सेमेस्टर 3. आयुष कुमार – चतुर्थ सेमेस्टर

	4. आंचल रजक - द्वितीय सेमेस्टर 5. रूबि सिंह - द्वितीय सेमेस्टर
डॉ. शिव कुमार	1. पूजा गुप्ता - षष्ठम सेमेस्टर 2. प्रिति गुप्ता - षष्ठम सेमेस्टर 3. आकाश शर्मा - चतुर्थ सेमेस्टर 4. आयशा - चतुर्थ सेमेस्टर 5. अमित सिंह कुशवाहा - द्वितीय सेमेस्टर 6. नूरजहां - द्वितीय सेमेस्टर

17. **छात्रसंघ प्रतिनिधि चुनाव** - महाविद्यालय के कार्य में सहभागिता छात्र संघ के माध्यम से विद्यार्थियों में कार्य क्षमता एवं निर्णय लेने की प्रवृत्ति के विकास हेतु महाविद्यालय प्रशासन में छात्र संघ का गठन किया जाता है। **कार्यपद्धति** - महाविद्यालय के छात्र संघ में वही विद्यार्थी सदस्य होते है जो अपनी कक्षा के प्रतिनिधि होते है। यही प्रतिनिधि छात्र संघ के उम्मीदवार होते है तथा चुनाव लड़ते हैं। अतः विभाग ऐसे प्रतिनिधि के चयन करने के लिए दस बहुविकल्पीय प्रश्न बनता है, तथा परीक्षा के माध्यम से सर्वाधिक अंक और सर्वाधिक उपस्थित जोड़ी जाती है। दोनों का योग जिस विद्यार्थी का सर्वोत्तम होता है, वही कक्षा का प्रतिनिधि होता है। कक्षा का सर्वश्रेष्ठ छात्र ही कक्षा का प्रतिनिधि होता है। इस योजना को वर्तमान सत्र में भी लागू किया जायेगा।
18. **विभागीय साप्ताहिक शिक्षक बैठक** - विभाग में प्रत्येक शनिवार को एक सप्ताह में पढ़ाये गये पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ, नवाचार, आदि की समीक्षा एवं अगले सप्ताह की कार्य योजना के क्रियान्वयन हेतु बैठक होती रहती है। इस योजना को वर्तमान सत्र में भी लागू किया जायेगा।
19. **विभागीय मासिक समीक्षा बैठक** - विभाग प्रत्येक महीने के अन्त में विभाग की समीक्षा एवं अगले महीने की कार्य योजना से सम्बन्धित बैठक होती रहती है। यह योजना वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।
20. **कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप** - विभाग ने अपने सभी कक्षाओं का अलग-अलग कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप बनाता रहा है। जिसका प्रयोग महाविद्यालय एवं विभाग के गतिविधियों एवं सूचनाओं से छात्रों को अवगत कराना होता है। आवश्यकता पड़ने पर ऑन-लाइन कक्षा पढ़ाने के लिए लिंक प्रेषित किया जाता रहा है। यह योजना वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।
21. **निःशुल्क उपचार केन्द्र** - निःशुल्क उपचार केन्द्र से ग्रामीण के मरीजों को निःशुल्क दवा का वितरण किया जाता रहा है। इस वर्ष भी इसका संचालन किया जायेगा। इस वर्ष प्रत्येक माह से एक शिविर का आयोजन करने की योजना है।

गणित एवं सांख्यिकी विभाग

1. **शिक्षक बायोडाटा** - वर्तमान सत्र 2023-24 में विभाग में चार सहायक आचार्य कार्यरत है। विगाभीय शिक्षक का बायोडाटा महाविद्यालय की वेबसाईट (mpm.ac.in) पर उपलब्ध है। विभाग के शिक्षकों के नाम, पद एवं शिक्षण अनुभव की सूची निम्नवत् है।

शिक्षक	पद	शिक्षण अनुभव
* श्रीकान्त मणि त्रिपाठी	प्रभारी एवं सहायक आचार्य	14 वर्ष + 6 माह
* डॉ. अरूण कुमार राव	सहायक आचार्य	10 वर्ष + 6 माह

* श्री काली शंकर पाण्डेय	सहायक आचार्य	01 वर्ष + 6 माह
* श्री पप्पू कुमार गुप्ता	सहायक आचार्य	01 वर्ष + 6 माह

2. **पाठ्य-पाठन (कार्यपद्धति) -**

(क) पाठ्यक्रम योजना - विभाग द्वारा सत्र 2023-24 के सेमेस्टर का पाठ्यक्रम योजना बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है, पाठ्यक्रम योजना में शिक्षक द्वारा पढ़ाये जाने वाले मेजर एवं माइनर पेपर की विस्तृत जानकारी उपलब्ध रहती है। विभाग द्वारा 17 जुलाई, 2023 से बी.एस-सी. तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ हुई तथा 01 अगस्त, 2023 से बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ हुई। प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के पाठ्यक्रम नवम्बर माह तक पूर्ण किया गया। इसी क्रम में बी.एस-सी. (द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्ठम) की कक्षाएँ 01 फरवरी, 2024 से प्रारम्भ होगी।

नोट - विभाग मे बी.एस-सी. (प्रथम, तृतीय एवं पंचम) सेमेस्टर की प्रायोगिक कक्षाएं 16 अगस्त से प्रारम्भ हुई, इसे नवम्बर माह तक पूर्ण किया गयां इसी क्रम में बी.एस-सी. (द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्ठम)। सेमेस्टर की प्रायोगिक कक्षाएं 1 फरवरी, 2024 से प्रारम्भ होगी।

(ख) माइनर विषय/साप्ताहिक कक्षाध्यापन - विभागीय शिक्षकों द्वारा कक्षा में लगातार पांच कक्षा पढाने के उपरान्त अगली कक्षा विद्यार्थीयों द्वारा पढाने की प्रक्रिया को साप्ताहिक कक्षाध्यापन कहा जाता है। सत्र 2023-24 में विभाग द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन की प्रक्रिया सम्पन्न करायी जाऐगी, जो विद्यार्थियों के माइनर विषय से सम्बन्धित होगा।

उद्देश्य - 1 विद्यार्थी को अपने विषय वस्तु को प्रस्तुत करने की शैली का विकास करना।

2 विद्यार्थी के व्यक्तित्व को विकसित करना।

कार्यपद्धति - इस प्रक्रिया में कक्षाध्यापन की तिथ (जो पाठ्य योजना मे अंकित रहता है) से 05-06 दिन पूर्व विद्यार्थी को माइनर विषय से संबधित शीर्षक आंवटित कर दिया जाता है। कक्षाध्यापन के दिवस पर विद्यार्थियों से 25 मिनट तक कक्षाध्यापन की प्रक्रिया सम्पन्न कराई जाती है तथा शेष समय में शिक्षक द्वारा उन शीर्षकों (जो विद्यार्थी को आंवटित किया गया है) पर व्याख्यान प्रस्तुत किया जाता है।

नोट - कक्षाध्यापन किए हुए विद्यार्थियों से एक पृष्ठ का सांराश (जिस शीर्षक पर उन्होंने कक्षाध्यापन कराया है) विभाग प्रभारी के ई-मेल आई.डी. mathematicshead@mpm.ac.in पर संप्रेषित कराया जाता है।

गणित (कक्षाध्यापन सारणी)

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि					
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
बी.एस.-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	04,11,19	05,14,21	7,16	NA	NA
बी.एस.-सी. तृतीय सेमेस्टर	20,27	04,11,19	05,14,21	7,16	NA	NA
बी.एस.-सी. पंचम सेमेस्टर	20,27	04,11,19	05,14,21	7,16	NA	NA

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि			
	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.एस.-सी. द्वितीय सेमेस्टर	5,12,20	6,14	1,8,16	1,8
बी.एस.-सी. चतुर्थ सेमेस्टर	5,12,20	7,16	4,12,20	6,13
बी.एस.-सी. षष्ठम सेमेस्टर	5,12,20	6,14,21	2,9,18	2,9

सांख्यिकी (कक्षाध्यापन सारणी)

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि					
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
बी.एस.-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	09	2,16	10	NA	NA
बी.एस.-सी. तृतीय सेमेस्टर	22,31	7,14,23	9,16	3,10	NA	NA
बी.एस.-सी. पंचम सेमेस्टर	22,31	7,14,23	9,16	3,10	NA	NA

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि			
	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.एस.-सी. द्वितीय सेमेस्टर	7,15	1,9,16	4,12,20	4,11
बी.एस.-सी. चतुर्थ सेमेस्टर	7,15	1,9,16	4,12,20	4,11
बी.एस.-सी. षष्ठम सेमेस्टर	7,15	1,9,16	4,12,20	4,11

(ग) मासिक मूल्यांकन - मासिक मूल्यांकन की प्रक्रिया प्रति माह विभाग द्वारा माह के अन्त में सम्पन्न करायी जाऐगी, मासिक मूल्यांकन में उस माह में पढाये गये पाठयक्रम से प्रश्न विद्यार्थियों को दिये जाऐंगे जिस विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका में लिख कर अगले दिन मूल्यांकन के लिए विभाग में जमा करेंगे।

3. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** - विभागीय शिक्षको द्वारा प्रतिमाह द्वितीय कार्य दिवस तक ऑनलाइन स्वमूल्यांकन प्रपत्र महाविद्यालय के वेबसाइट पर भरा जाता है। जिसमें शिक्षक गत माह में अपने द्वारा पढ़ाये गये कुल कक्षा व्याख्यान, अपने द्वारा कराये गये कक्षाध्यापन, तथा विभाग द्वारा कराये गये मासिक मूल्यांकन की जानकारी भर कर सबमिट करते है तथा विभाग में उसका प्रिन्ट आउट सुरक्षित रखा जाता है।
4. **गोद लिए गए गांव** - गणित एवं संख्यिकी विभाग द्वारा धोधड़ा एवं केवटहिया गांव को गोद लिया गया तथा विभाग प्रति सेमेस्टर दो बार ग्राम दर्शन करता है।

   उद्देश्य - धोधड़ा एवं केवटहिया गांव के साथ विभाग का आत्मीय संबंध विकसित करना, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, सामाजिक समरसता इत्यादि राष्ट्रीय सामाजिक विषयों पर जन-जागरण कर जागरूक करना।
5. **गोद लिए गए विद्यार्थी** - विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा 5 विद्यार्थी गोद लिया जाता है। इन विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं आचरण व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी संबंधित शिक्षक की होती है।

   उद्देश्य - विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में शिक्षक का योगदान।

   कार्यपद्धति - सत्र के आरम्भ में विभाग के शिक्षकों द्वारा अपनी-अपनी कक्षाओं से 5-5 विद्यार्थियों को गोद

लिया जाता है। विद्यार्थियों को गोद लेते समय यह ध्यान रखा जाता है कि विद्यार्थी निम्न में से किसी एक का सदस्य अनिवार्य हो।

1. राष्ट्रीय सेवा योजना
2. छात्रावासी
3. कक्षा प्रतिनिधि

शिक्षक	गोद लिए गये छात्र
1. श्रीकान्त मणि त्रिपाठी	1. प्रियांश श्रीवास्तव (बी.एस-सी. षष्टम सेमेस्टर) 2. आदित्य तिवारी (बी.एस-सी. षष्टम सेमेस्टर) 3. अनूप चौहान (बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर) 4. अमरेश चौधरी (बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर) 5. कृष्णा सिंह (बी.एस-सी. षष्टम सेमेस्टर)
2. डॉ. अरूण राव	1. शनि वर्मा (बी.एस-सी. षष्टम सेमेस्टर) 2. नेहा शर्मा (बी.एस-सी. षष्टम सेमेस्टर) 3. मोनू भारती (बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर) 4. नकुल कुमार गौड़ (बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर) 5. जान्हवी दूबे (बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर)
3. श्री काली शंकर पाण्डेय	1. आकाश विश्वकर्मा (बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर) 2. आनन्द सिंह (बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर) 3. अंकित चौहान (बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर) 4. अनुष्का सहानी (बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर) 5. प्रियंका सहानी (बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर)
4. श्री पप्पु कुमार गुप्ता	1. कुसुम चौरसिया (बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर) 2. अशिंका चौहान (बी.एस-सी चतुर्थ सेमेस्टर) 3. अभिषेक विश्वकर्मा (बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर) 4. विद्यासागर (बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर) 5. सुधांशु (बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर)

6. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – विभाग में शिक्षकों के व्यक्तिगत विकास एवं उनके पठन-पाठन के तरीके में सुधार के लिए विभाग द्वार सेमेस्टर छात्रों से प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है। विभाग प्रभारी द्वारा इस प्रपत्र को सुरक्षित रखा जाता है, इस प्रपत्र को विभाग प्रभारी द्वारा पढ़ कर विभागीय शिक्षकों के व्यक्तित्व विकास एवं पठन-पाठन के तरीके में आवश्यकता अनुसार सुधार के सन्दर्भ में वार्तालाप किया जाता है।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरने की तिथि

1. प्रथम, तृतीय, पंचम सेमेस्टर – 15 सितम्बर, 2023
2. द्वितीय, चतुर्थ, छष्टम – 15 अप्रैल 2024

7. **नि:शुल्क चिकित्सा केन्द्र** – महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित गुरु गोरक्षनाथ हास्पिटल की सहायता से महाविद्यालय परिसर में नि:शुल्क चिकित्सा केन्द्र का संचालन होता है। इस केन्द्र पर सप्ताह में दो दिन बुध वार एवं गुरुवार को चिकित्सक चिकित्सा केन्द्र पर बैठते हैं। इस केन्द्र पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षक, कर्मचारियों को उपचारात्मक सलाह व दवाईयाँ दी जाती है तथा महाविद्यालय के आस-पास के ग्राम वासियों को भी उपचारात्मक सलाह व दवाईयाँ दी जाती है।

   विभाग अपने कक्षा में छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क चिकित्सा केन्द्र के बारे में जागरूक करता रहता है तथा आग्रह करता है कि यदि आप लोगों को स्वास्थ्य से सम्बन्धित कोई भी समस्या हो तो आप इस चिकित्सा केन्द्र पर अवश्य सम्पर्क करे, तथा आप अपने घर के आस-पास के गरीब एवं आर्थिक कमजोर वर्ग के लोगों को भी इस निशुल्क चिकित्सा केन्द्र के बारे में बताऐ जिससे कि वो इस चिकित्सा केन्द्र का लाभ ले सकें।
8. **वेबसाइट, फेसबुक** – महाविद्यालय प्रशासन अपने सूचनाओं को छात्र-छात्राओं तक पहुँचाने के लिए प्रतिदिन महाविद्यालय प्रशासन अपनी वेबसाइट को अद्यतन करता रहता है तथा फेसबुक पर भी सूचनाओं को अद्यतन करता रहता है। विभाग अपनी सूचनाएं एवं विभागीय कार्यक्रम की सूचना एवं कार्यक्रम की जानकारी छात्र-छात्राओं तक पहुँचाने के लिए महाविद्यालय के वेबसाइट एवं फेसबुक का उपयोग करता है।
9. **पुस्तकालय** – विभाग अपने स्तर पर एक पुस्तकालय का गठन किया है। जिसमें यदि किसी छात्र को पुस्तक की आवश्यकता होती है तो विभाग उस छात्र का नाम, आई.डी. नोट करके पुस्तक दे देता है। वह पुस्तक छात्र को तीन दिन के अन्दर विभाग को वापस करना होता है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा केन्द्रीय पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है।
10. **नैक** – विभाग नैक को सहयोग करता है नैक प्रभारी एवं आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी द्वारा समय-समय पर माँगे गये सभी प्रपत्रों को विभाग तय समय-सीमा से पहले नैक प्रभारी एवं आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी को उपलब्ध करा देता है।
11. **विभागीय दायित्व विभाजन** – विभाग में सभी शिक्षक अपने दायित्वो का निर्वहन जिम्मेदारी के साथ करते है। विभाग द्वारा सत्र 2023-24 में निम्न दायित्व विभाग के निम्न शिक्षकों को दिया गया है–

शिक्षक	दायित्व
श्रीकान्त मणि त्रिपाठी	कक्षा संचालन, पठन-पाठन, पाठ्यक्रम योजना को शत-प्रतिशत लागू करना, विभागीय कार्यक्रम, प्रोजेक्ट कार्य, वैल्यू ऐडेड कोर्स, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र रिकार्ड।
डॉ. अरूण कुमार राव	प्रयोगशाला, प्रायोगिक परीक्षा, नैक एवं आई.क्यू.ए.सी.
श्री काली शंकर पाण्डेय	प्रगति आख्या (सांख्यिकी) स्नातक से परास्नातक जाने वाले विद्यार्थी की सूची विभागीय पूर्व विद्यार्थी
श्री पप्पू कुमार गुप्ता	प्रगति आख्या (गणित), विभागीय पुस्तकों की सूची, परिणाम विश्लेषण, स्वमूल्यांकन प्रपत्र, मासिक मूल्यांकन रिकार्ड

12. **शिक्षक ब्लाग** – महाविद्यालय द्वारा विभाग के शिक्षको को व्यक्तिगत ब्लाग की सुविधा प्रदान की गयी है, शिक्षक अपने ब्लाग पर पी.पी.टी., पी.डी.एफ, एम.एस.वर्ड के फार्मेट पर अपना व्याख्यान का सांराश अपलोड करते है।

नोट - विभाग के शिक्षकों के पाठ्य सामाग्री सत्र 2022-23 का विवरण निम्न है।

शिक्षक	व्याख्यान का सारांश (संध्या) (पी.पी.टी., पी.डी.एफ, एम.एस.वर्ड)
श्रीकान्त मणि त्रिपाठी	50
डॉ. अरूण कुमार राव	24
श्री काली शंकर पाण्डेय	17
श्री पप्पू कुमार गुप्ता	14

13. **विभागीय कार्यक्रम** - विभाग द्वारा उक्त तिथि पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा।

तिथि	विषय	वक्ता
10 फरवरी 2024	Applied Statistics and uses	डॉ. सत्य प्रकाश सिंह, (निदेशक मानव संसाधन विभाग) के.आई.पी.एम., गीडा, गोरखपुर
06 अप्रैल 2024	Prabability theory	डॉ. सत्य प्रकाश सिंह, (निदेशक मानव संसाधन विभाग) के.आई.पी.एम., गीडा, गोरखपुर

नोट - विषम परिस्थति में तिथि, विषय एवं अतिथि में परिवर्तन हो सकते है।

14. **परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका** - परिसर अनुशासन में विभाग के शिक्षक अनुशासन मण्डल का सहयोग करते है। विभाग के शिक्षक ये सुनिश्चित करते है। वे महाविद्यालय परिसर में जहाँ पर भी हो वहाँ पर अनुशासन बनाये रखे। विभाग अपने अगल-बगल कमरों के आस-पास एवं गलियारें में अनुशासन के प्रति जबाब देह है। विभागीय स्तर पर इसे सुनिश्चित किया गया है।
15. **शिक्षक आचार संहिता में विभाग की भूमिका** - शिक्षक आचार सँहिता सत्र 2023-2024 हेतु महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सर्वसम्मति से अद्यतन की गयी है। विभागीय शिक्षक, महाविद्यालय प्रशासन द्वारा अद्यतन शिक्षक आचार संहिता का यथा संभव शत: प्रतिशत पालन करेगें।
16. **प्रार्थना सभा में विभाग की भूमिका** - महाविद्यालय के दिनचर्या की शुरूआत प्रार्थना सभा से होती है। जिसमें सोमवार से शुक्रवार तक राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, ईशवन्दना, सरस्वती वन्दना और साथ में महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान होता है। प्रार्थना सभा का समय प्रतिदिन 09.20 से 09.40 तक होता है। शनिवार के दिन प्रार्थना सभा के अन्तर्गत प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होता है। विभागीय शिक्षक प्रतिदिन प्रार्थना सभा में उपस्थित रहते है तथा विभाग अपने छात्रों को प्रेरित करता है कि वे प्रार्थना सभा में समय से उपस्थित रहे।
17. **शिक्षण विधियाँ** -
    1. **व्याख्यान-विधि** - विभागीय शिक्षकों द्वारा इस विधि ने व्याख्यान के माध्यम से विषय वस्तु को छात्र-छात्राओं के समक्ष रखा जाता है।
    2. **पॉवर प्वांइट प्रस्तुतीकरण** - विभागीय शिक्षकों द्वारा इस विधि का प्रयोग गणितीय ज्यामिति एवं गणित विषय के जटिल प्रश्नों को आसानी से विद्यार्थी को समझाने के लिए उपयोग में लाया जाता है।

Physics Department

1. **Complete Coverage of Practical Syllabus :** The department this year plans to purchase new instruments in order to cover all practicals prescribed in university syllabus irrespective of minimum number of practicals prescribed by university. The department is in the process of procurement of 21 Instruments to attain the task.
2. **Practicals through Simulation software :** The department this year plans to teach practicals through Physical instruments as well as through simulation softwares also, whose simulation software is available. The department plans to use simulation softwares available on Virtual Lab platform developed by IIT's. The department plans to buy computer system for the above lab. The web address for the above simulation softwares are : https://www.vlab.co.in/broad-area-physical-sciences
3. **Monthly Evaluation :** The department plans to take monthly evaluation of students in last week of every month. Keeping in view of the changed exam pattern, it was decided that the monthly evaluation should be MCQ type and may be conducted online or offline. The test may be surprise test conducted by online method on google form platform. The aim of monthly evaluation is to help the students grasp the concepts taught during the month and perform better in their final Examinations. The students are categorized according to their skill on the basis of monthly evaluation. They are then tutored accordingly so that their education may not hinder. Those who are weak learner are given attention to identify weak points and exercises are given them to remove the weakness. The total marks allotted for monthly valuation is 35 which includes 30 marks for performance in test and 5 marks for behaviour of student in class.
4. **Pre declared Teaching Plans** : Teaching plans of each Major subject are prepared, reviewed and finalized date-wise keeping in view holidays and working days. The teaching plan is then uploaded on college website. Currently the upload process is under process and will be uploaded on 17th July 23. Students will get teaching plan from the following website address.

S.No.	Class	Theory /Practical	Web address
1	B.Sc. I	Theory	https://mpm.ac.in/Hindi/SyllabusHindi1.aspx?c=F002
2	B.Sc. I Sem (P)	Practical	https://mpm.ac.in/Hindi/SyllabusHindi1.aspx?c=F002
3	B.Sc. III Sem	Theory	https://mpm.ac.in/Hindi/SyllabusHindi1.aspx?c=F002
4	B.Sc. III Sem (P)	Practical	https://mpm.ac.in/Hindi/SyllabusHindi1.aspx?c=F002
5	B.Sc. V Sem	Theory	https://mpm.ac.in/Hindi/SyllabusHindi1.aspx?c=F002
6	B.Sc. V Sem (P)	Practical	https://mpm.ac.in/Hindi/SyllabusHindi1.aspx?c=F002

The main aim of pre declared Teaching plan is that the students be aware of what the concern faculty is going to teach in todays class.If he/she knows this thing, then they can come prepared for lecture and can get better understanding of subject. They also feel more confident while attending the lectures. The lecture of UG first year will start on 01st August and second and third year starts on 17th July in the current academic session.

5. **Teachers Feedback Form (Sikshak Pratipushti Prapatra) :** The department plans to take feedback from students, two times in the current academic session. The feedback will be taken on prescribed format available on the website of the college. The first feedback will be taken in the month of September and second in the month of January. The Teachers feedback form is available at the following web address

www.mpm.edu.in/Hindi/ShikshakPratiPusti.aspx

The Teachers feedback form is part of our regular effort to maintain quality instruction. Our faculty use responses to these questions to become better teachers.

7. **Use of ICT in teaching (PPT) :** The department this year plans to take all theory classes on projector only. The faculty members have already prepared their PPT's for teaching purpose which covers complete

syllabus of the subject. Projectors are already installed in all classes as well as in the lab. To maintain an uninterrupted power supply during classes, an online generator is also being installed in the campus.

The main aim and advantages of teaching through PPT are as follows:-

i) Ease of Use For Students and Teachers
ii) Facilitates Effective E-learning
iii) Develops Confidence In Students
iv) Promotes Interactive Study
v) Development of In-depth Knowledge
vi) Increased Attention Span Of Students

7. **Updating Teachers Blog :** The teachers blog contains PPT's , Video lectures and Research papers which are being prepared by teachers of department. The department plans to update the blog of teachers on college website so that maximum benefit of blog may be taken college students. The teachers blog helps the students in the following ways :

- Promotes autonomous learning by providing opportunities for students to take more control of their learning
- Motivates students to become better readers and writers.
- Promotes discussion among students.
- Encourages the use of the Internet and the Web among students.

The current status of teachers blog are as follows

Current Blog status

S.No.	Name of Faculty	Type of e content on college website	PPT	Video	Research Paper
1.	Abhishek Verma		27+14+15 Total - 56	13	04
2.	Dr Shailendra Kumar Thakur		11	00	00

The students can access the blogs of teachers through the following web address

1. Blog of Abhishek verma **www.(mpm.edu.in)/Hindi/FacultyLectures.aspx?c=Lecture**
2. Blog of Dr S K Thakur **www.(mpm.edu.in)/Hindi/FacultyLectures.aspx?c=Lecture**

8. **Minor/ Class Teaching** : After every Vth class the students will be given chance to present their prepared lecture in front of students of class. The lecture delivered by them will be from Minor syllabus which will allotted in advance to them by the subject teacher. The main objective of this methodology of teaching is to make students self-confident and make them able to put their views in front of other people. At least 10 students take the class lectures on previously assigned topics.

Schedule of Class Teaching for students This Year

Class	Class Teaching Schedule			
	Jul.	Aug.	Sept.	Oct.
B Sc I Sem	NA	1,11,18,25	1,9,15,21,27	5.11.18
B Sc III Sem	21,27	3,9,16,23,29	5,13,19,25	3,9,16,21,
B Sc V Sem	22,31	05,12,19,26	9,14,23	06,11,17

The main aim of Class Teaching is to help students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.

9. **Progress Report (Pragati Aakhya) :** The monthly progress report of each student is prepared by the

teacher, summarised by the department and is uploaded on the faculty login of college website so that any guardian can see the activities of his ward in the college. The monthly report will be uploaded latest by 2nd of each month by teacher. Such monthly reports collectively form the annual report of the student. These are analysed as a parameter of successive qualitative development of the student and ffeorts for further development are tried to do. The main advantages of progress report are as follows :

- Through Progress report, the faculties communicates the progress and performance of the students to help them know where they stand and make necessary improvement.
- The students as well their parents can check marks obtained, class attendance and class teaching done by their wards.

The progress report of students can be seen on the following web address

www.mpm.edu.in Hindi/akhya.aspx

10. **Students Adoption by Faculties :** The faculty members of the department will adopt 5 students and look after their overall academic and personality development aspect of students. They will play the role of parents and help the students excel in moral as well professional field. Each teacher makes a complete record of all the adopted students which includes complete biodata, academic records, family background and photograph etc.

The main of this scheme is to develop a harmonious relation with the adopted student which in turns builds a confidence on teachers in students. It was also decided that an adopted student should also be either a member of NSS, a student representative or residing in college hostel. The reason behind this step is that the student must be simultaneously acted by these three to develop to their academic as well personality. Once adopted by a teacher heèshe should remain adopted by same teacher till course completion.

Regular counselling session has been provided to the adopted students by concerned faculties. After this scheme is being implemented it is observed that most of the students who were adopted by concerned faculties have developed their personality to a considerable level.

Students currently Adopted by faculties

S No	Name of student	Mobile Number	Class	Adopted by
1	Sanjana	9621502457	B.Sc. V Semester	Abhishek Verma
2	Yet To Adopt	-	-	-
3	Yet To Adopt	-	-	-
4	Yet To Adopt	-	-	-
5	Yet To Adopt	-	-	-

11. **Swachik Shramdan :** Teachers and students participates (optional) in swachik shramdan to develop the habit of cleanliness & to make Students feel that laborers are in no way inferior to us & not any job is inferior than the other one.

Apart from this, shramdan provides our mind the pleasure of satisfaction, our personality of idealness & benefits the body in so many ways.

12. **Visit to village :** Two Villages Bhagwanpur and Haripur were adopted by the department to uplift the Educational and Socio-Economic status of the villagers.

The Department will organçe campsèvisits in these villages four times in year at these pre-determined dates.

07 August, 2023 — 23 October, 2023

26 Feburary, 2024 — 06 May, 2024

All the faculty members along with adopted students will participate in the village visit program. The

Department organizes the camps in the following broad areas to develop the village community -

- Education and literacy
- Health
- Mid-day meal
- Awareness about pure drinking water
- Sanitation
- Village development Schemes of Government
- Awareness about AIDS
- Encephalitis and Japanese Fever

13 **Upgradation of Lab and IT facilities in department -** The department currently has the following Lab facilities for their students

- The department has 02 spacious laboratories with all necessary equipments, where 06 labs in three year/six semester degree course can be performed.
- The department has spacious classrooms fitted with LCD projectors to conduct PPT classes.
- The labs are performed in the areas of
  - General physics
  - Electricity
  - Laser
  - Electronics
  - Optics

  The department is in the process of procurement of 21 instruments to full fill the needs of present university syllabus. The department also plans to repair all those instruments which are malfunctioning. The department from the current year will start practicals on simulation softwares simultaneously with Physical equipments also.

14 **Teaching Methods/Pedagogy -** The department faculties adopt following teaching methods while teaching the students:

- **Pre-declared Teaching Plan :** Pre-prepared and pre-declared teaching-plan on website of the College. The teaching plan of each subject is prepared and uploaded on the website prior to the commencement of classes. This makes the students aware what is going to be taught in class on that day. So he/she comes prepared for the lecture.
- **Abstract of Lecture :** Lecture abstract is made available to each student of the class through teacher's blog. This helps the students in getting a better and clear understanding and command on the topic. The faculty is also benefitted through this method.
- **PPT presentation :** The department encourages teachers to have maximum number of classes through Power Point slides.
- **Minor/Class Teaching by Students :** The main aim of this scheme is to help students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.
- **Monthly Evaluation :** Monthly tests in each are done and answers shown to students to indicate their weakness and strength.
- **Group Discussion :** Group work is an ffeective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make decisions. It allows students to teach and learn from others.

16. **Guest Lectures :** Guest lectures help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lectures can be used to make classes more approachable and appealing to students.

S.No.	Date	Event	Topic	Guest Speaker
1.	01st Sep 2023	Special lecture	Astrophysics	Dr. Shintoo Kumar, Physics Department DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
2	15th Sep 2023	Special lecture	Electronics	Dr. Manindra Kumar,

				Physics Department DDU Gorakhpur University, Gorakhpur

16. **Workshop :** Workshops hold great importance in life of a student. They are platforms not only to learn new aspects, others perspectives and latest information, but also a good way of networking.

S.No.	Date	Event	Topic	Participants
1.	16th Oct 2023	Workshop	IPR Awareness Mission	All the students of B.Sc. Physics
2	30th Oct 2023	Workshop	Research Methodology	All the students of B.Sc. Physics

17. **Competitions**

    1. **Poster making competition -** Poster making contest aims for the students to use their knowledge, understanding and awareness in creating their visuals (posters) to raise other students or people's knowledge, understanding and awareness about the significant theme, topic or question whenever and wherever they go.

S.No.	Date	Event	Topic	Participants
1.	30th August 2023 2023	Poster Making	Current topics of Physics	All the students of B.Sc. Physics

18. **Value Added Course :** The department plans to ffoer one value added course of at least 30 hours duration during the current academic session. The dates and timing"s will be decided after consultation with the expert.

19. **Lab Manuals :** The department is in the process of preparing lab manuals of all semester practicals.

20. **Participation in Morning Prayer :** Morning Prayer is an integral part of our college culture. All the faculties and students, like previous years will participate in the morning prayers.

21. **Participation in NSS/Rovers Rangers :** The college schemes NSS and Rovers Rangers are of great importance in overall personality development of the students.. They are also part of our collective personality development scheme. The department will encourage the students to take part in NSS and Rovers Rangers.

22. **Sending data to UP government digital library :** The faculties of department have more then 100 e-content on UP govt digital library in previous year. The department faculties the year will also send e-content to UP government digital library.

23. **Teachers self-evaluation form (Sikshak Pratipushti Prapatra) :** Through this format the teachers fill about all the academic activities which were performed by him during the month. He also fills about all extra-curricular which were performed by him during the month. The teachers self-evaluation form were filled till 2nd of each month.

24. **Role and Responsibilities in college schemes :** The Respected Principal Sir in Annual planning meeting, after consultation with faculty members, distributed responsibilities to faculty members of all departments. The department faculties have been allotted following responsibilities in current session.

S.No.	Name of faculty member	Responsibility
1	Abhishek Verma	NAAC, IQAC and related work
2	Dr S K Thakur	Divyangjan Kalyan Prakosht

The faculties of department willingly will give their best performance do the work assigned to them in

stipulated time.

25. **Departmental Responsibilities**

Dr Shailendra Kumar Thakur

- Preparation of Lesson Plans
- Repair and Purchase of lab equipments in association with Lab Assistant Satyam Ji.
- Preparation Progress report of I, III and V Sem.
- Conduction of Special lecture, Poster and Workshop and report preparation.
- Research and Development.
- Village visit and report.
- Laboratory Instruction preparation.
- Media coverage of all departmental programs and its reporting in news papers.

Abhishek Verma

- Preparation of Annual report of department.
- Future Planning Report of department.
- ICT infrastructure development.
- e-content development.
- College You-tube video uploading.
- Progress report of I Sem and III Sem.
- Updating of Blogs.
- Preparation of Lab manuals.
- Conduction of Special lecture, workshop and report preparation.
- NAAC and IQAC information.

Computer Science Department

1. **All classes through ICT based Education :** The department this year plans to cover all the Theory and Practical Classes based on university syllabus through ICT based Education. All the classes will be held through ICT based tools such as PPT, Lap top and Pen drives. The department will also show simulations of Practicals through AudioèVisual methods in Practical classes.
2. **Cultivation fo Research Habit among Faculty and students :** The department this year plans to publish at least one research paper by each faculty. The department this year also plans to send department students and faculties in various Seminars and Presentations for their active participation.
3. **Pre declared Lesson Plans :** Lesson plans of each subjectèpaper are prepared, reviewed and finalçed date-wise keeping working days. The teaching plan is then uploaded on college website. Students will get teaching plan from the following website address. mpm.ac.in

S.No.	Class	Theory/Practical
1	B.Sc. I Sem	Theory
2	B.Sc. Sem (P)	Practical
3	B.Sc. II Sem	Theory
4	B.Sc. II Sem (P)	Practical
5	B.Sc. III Sem	Theory
6	B.Sc. III Sem (P)	Practical
7	B.Sc. IV Sem	Theory

8	B.Sc. IV Sem (P)	Practical
9	B.Sc. V Sem	Theory
10	B.Sc. V Sem (P)	Practical
11	B.Sc. VI Sem	Theory
12	B.Sc. VI Sem (P)	Practical

The main aim of pre declared Teaching plan is that the students be aware of what the concern faculty is going to teach in todays class. If he/she knows this thing, then they can come prepared for lecture and can get better understanding of subject. They also feel more confident while attending the lectures. The lecture of UG first sem will start on 01st August 2023, third and fifth sem starts on 17 July 2023 in the current academic session. The lecture of UG Second, fourth and sixth sem will start on 01st Febuary 2024 in the current academic session.

4. **Teachers Feedback Form (Sikshak Pratipushti Prapatra) :** The department plans to take feedback from students, two times in the current academic session. The feedback will be taken on prescribed format available on the website of the college. The first feedback will be taken in the month of November and second in the month of June.

   The Teachers feedback form is part of our regular ffeort to maintain quality instruction. Our faculty use responses to these questions to become better teachers.

5. **Guest Lectures :** Guest lecturers help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lecturers can be used to make classes more approachable and appealing to students.

   Guest Lecture

   27th March, 24, Wednesday   20th Apr, 24, Saturday   22nd May, 24, Wednesday

6. **Workshop, Seminar, Webinar & Conferences :** Seminars, workshops and conferences hold great importance of life of a student. They are platforms not only to learn new aspects, others perspectives and latest information, but also a good way of networking. There are many benefits which one get from attending these first being confidence then networking, information and motivation.

   - As we know that confidence is very important for everyone at each stage of life, which somewhere a science student (who has not taken part in any stage activity or any debate but has a good academic record) lacks as he or she did not have many opportunities to speak in front of audience. So, by attending these types of seminars and conferences and interacting with the leaders of their field or by presenting a poster in conference boosts up the confidence of a student which helps him or her during an interview.
   - Networking is an important part of any individual life. In workshops students and teachers from dffierent institutions take part. Meeting new people and making new friends can help the student to take guidance and encourage new way of thinking. fi~ a student wants to continue his or her career in scientific research, then meeting people related to it in conferences can be very beneficial as there are many scientists who attend these conferences.

   Proposed Seminar

   19th October, 2023   Career Counseling in Information Technology

   Proposed Webinar

   16th March, 2024   National Webinar Linux Operating System

   Workshop

   5th April, 2024   Seven Days Workshop on HTML, CSS & Java Script

   Competitions : Competitions offer a chance for participants to gain substantial experience, showcase skills, analyze and evaluate outcomes and uncover personal aptitude. Competitions also encourage students

to adopt innovative techniques and develop their ideas and skills.

1st Nov., 2023	Computer Quiz Competition
16th January, 2024	Computer Quiz Competition
12th March, 2024	Poster Making Competition

Proposed Speakers for Guest Lecture :

1	Dr. Suryakant Pathak	Director, KIPM, Gorakhpur
2	Dr. Latendra Srivastava	Assistant Professor-CS, BIT, GIDA, Gorakhpur
3	Dr. Manish Gupta	Assistant Professor-CS, BIT, GIDA, Gorakhpur
4	Dr. Manoj Mishra	Assistant Professor, ITM, GIDA Gorakhpur
5	Shri Harishankar Gupta	Assistant Professor, Department of BCA
6	Dr. Arvind Maurya	Assistant Professor, Department of Computer Science
7	Dr. Shailesh Singh	Assistant Professor, Department of Political Science
8	Smt. Anuradha Singh	Assistant Professor, Department of BCA
9	Rajiv Ranjan Tripathi	Assistant Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
10	Suryabhan Singh	Assistant Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
11	Avinash Singh	Assistant Professor, Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur
12	Meenakshi John	Assistant Professor, St.Andrews College, Gorakhpur

7. **Adopted Students :** Each & every dept. of the college adoptes five students to look after their academic & personality development. An emotional & sentimental relationship is developed just like parents & child. Though the dept. is always in contact with the adopted students, but this year dept. will try to sit together at least once in month with the adopted students in a group. Maximum students participate in the Swaikchik Shramdan & takes part either in N.C.C., N.S.S. or Rover Rangers too.

8. **Adopted village Badi Jamunia visit :** Beautiful scenes of nature, fresh-air, hospitable people, quiet & peaceful life-all these things are the real beauty of a village. This time Dept. has decided to introduce the students to the villagers with a new perspective. Dept. will visit the village just as a picnic spot where students will not only observe the natural way of life but also will be inspired for the community social works. Dept. will visit adopted village in the month of :
   - 24 September, 2023
   - 26 February, 2024
   - 14 April, 2024
   - 5 May, 2024

   All the students of the department support & participate in the visits & camps organised by the dept.

9. **Teaching Methodology :** The department faculties adopts following teaching methods while teaching the students:
   - **Pre-declared Teaching Plan :** Pre-prepared and pre-declared teaching-plan on website of the College. The teaching plan of each subject is prepared and uploaded on the website prior to the commencement of classes. This makes the students aware what is going to be taught in class on that day. So heèshe comes prepared for the lecture.
   - **Abstract of Lecture :** Lecture abstract is made available to each student of the class through teacher's blog. This helps the students in getting a better and clear understanding and command on the topic. The faculty is also benefitted through this method.
   - **PPT presentation :** The department encourages teachers to have maximum number of classes through Power Point slides.
   - **Monthly Evaluation :** Monthly tests in each paper of each subject, evaluation, answers shown to students

indicating their weakness and strength. monthly evaluation will be taken by Google form in last week of every month by MCQ mehod.

- **Group Discussion :** Group work is an ffeective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make decisions. It allows students to teach and learn from others.

10. **Library :** Dept. visits & spends at least fifty minutes in the library everyday & promotes students too to visit library & provides them lists of books to access some supplementary books. Dept. has its departmental library too but very few books are available in the departmental library as Dept. is attached to central library.

11. **Value added Course -** 'Rashtrasant Mahant Avaidyanath Nihshulk Computer Prashikshar Certificate course' Rashtrasant MahantAvaidyanath Nihshulk Computer Prashikshar Certificate course is organised by Maharana Pratap P.G. College, Jungle Dhusar for the poor students from nearby villages free of cost on the basis of first come first serve. This course is designed for three-month period so that our students can get knowledge aboutthe basics of the computer.

    Objective : Our objective is to serve the knowledge and interest to the poor students who have actually not enough infrastructure and condition to ffaord the computer classes which is very important for today's era.

    Programmed Outcomes : After this certification course our students well cleared the concept of Basic of computer, Microsoft word, MS paint, Microsoft excel and the basic of internet. After this programmed all the students get the course certificate from our college

12. **Contribution in other fields :** Our Department Tack Care the all activity regarding Information Technology and also our department planJob Fair for all students of Our College.

13. **Lab Manuals :** The department faculties have already prepared B.Sc. Lab manuals.

Computer Application Department

1. **All classes through ICT based Education** : The department this year plans to cover all the Theory and Practical Classes based on university syllabus through ICT based Education. All the classes will be held through ICT based tools such as PPT, Lap top and Pen drives. The department will also show simulations of Practicals through Audio/Visual methods in Practical classes.
2. **Cultivation of Research Habit among Faculty and students :** The department this year plans to publish at least one research paper by each faculty. The department this year also plans to send department students and faculties in various Seminars and Presentations for their active participation.
3. **Pre declared Lesson Plans :** Lesson plans of each subjectèpaper are prepared, reviewed and finalçed date-wise keeping working days. The teaching plan is then uploaded on college website. Students will get teaching plan from the following website address. mpm.ac.in

S.No.	Class	Theory/Practical
1	B.A. I Sem	Theory
2	B.A. I Sem (P)	Practical
3	B.A. II Sem	Theory
4	B.A. II Sem (P)	Practical
5	B.A. III Sem	Theory
6	B.A. III Sem (P)	Practical
7	B.A. IV Sem	Theory
8	B.A. IV Sem (P)	Practical
9	B.A. V Sem	Theory

10	B.A. V Sem (P)	Practical
11	B.A. VI Sem	Theory
12	B.A. VI Sem (P)	Practical

The main aim of pre declared Teaching plan is that the students be aware of what the concern faculty is going to teach in todays class. If he/she knows this thing, then they can come prepared for lecture and can get better understanding of subject. They also feel more confident while attending the lectures. The lecture of UG first sem will start on 01st August 2023, third and fifth sem starts on 17 July 2023 in the current academic session. The lecture of UG Second , fourth and sixth sem will start on 01st Febuary 2024 in the current academic session.

4. **Teachers Feedback Form (Sikshak Pratipushti Prapatra) :** The department plans to take feedback from students, two times in the current academic session. The feedback will be taken on prescribed format available on the website of the college. The first feedback will be taken in the month of November and second in the month of June.

   The Teachers feedback form is part of our regular ffeort to maintain quality instruction. Our facultyUse responses to these questions to become better teachers.

5. **Guest Lectures :** Guest lecturers help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lecturers can be used to make classes more approachable and appealing to students.

   Guest Lecture

   27th March, 24, Wednesday   20th Apr, 24, Saturday   22nd May, 24, Wednesday

6. **Workshop, Seminar, Webinar & Conferences :** Seminars, workshops and conferences hold great importance of life of a student. They are platforms not only to learn new aspects, others perspectives and latest information, but also a good way of networking. There are many benefits which one get from attending these first being confidence then networking, information and motivation.

   - As we know that confidence is very important for everyone at each stage of life, which somewhere a science student (who has not taken part in any stage activity or any debate but has a good academic record) lacks as he or she did not have many opportunities to speak in front of audience. So, by attending these types of seminars and conferences and interacting with the leaders of their field or by presenting a poster in conference boosts up the confidence of a student which helps him or her during an interview.
   - Networking is an important part of any individual life. In workshops students and teachers from dffierent institutions take part. Meeting new people and making new friends can help the student to take guidance and encourage new way of thinking. If a student wants to continue his or her career in scientific research, then meeting people related to it in conferences can be very beneficial as there are many scientists who attend these conferences.

   Proposed Seminar

   19th October, 2023   Career Counseling in Information Technology

   Proposed Webinar

   16th March, 2024   National Webinar Linux Operating System

   Workshop

   5th April, 2024   Seven Days Workshop on HTML, CSS & Java Script

   Competitions : Competitions ffoer a chance for participants to gain substantial experience, showcase skills, analyze and evaluate outcomes and uncover personal aptitude. Competitions also encourage students to adopt innovative techniques and develop their ideas and skills.

1st Nov., 2023	Computer Quiz Competition
16th January, 2024	Computer Quiz Competition
12th March, 2024	Poster Making Competition

Proposed Speakers for Guest Lecture :

1	Dr. Suryakant Pathak	Director, KIPM, Gorakhpur
2	Dr. Latendra Srivastava	Assistant Professor-CS, BIT, GIDA, Gorakhpur
3	Dr. Manish Gupta	Assistant Professor-CS, BIT, GIDA, Gorakhpur
4	Dr. Manoj Mishra	Assistant Professor, ITM, GIDA Gorakhpur
5	Shri Harishankar Gupta	Assistant Professor, Department of BCA
6	Dr. Arvind Maurya	Assistant Professor, Department of Computer Science
7	Dr. Shailesh Singh	Assistant Professor, Department of Political Science
8	Smt. Anuradha Singh	Assistant Professor, Department of BCA
9	Rajiv Ranjan Tripathi	Assistant Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
10	Suryabhan Singh	Assistant Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
11	Avinash Singh	Assistant Professor, Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur
12	Meenakshi John	Assistant Professor, St.Andrews College, Gorakhpur

7. **Adopted Students :** Each & every dept. of the college adoptes five students to look after their academic & personality development. An emotional & sentimental relationship is developed just like parents & child. Though the dept. is always in contact with the adopted students, but this year dept. will try to sit together at least once in month with the adopted students in a group. Maximum students participate in the Swaikchik Shramdan & takes part either in N.C.C., N.S.S. or Rovers Rangers too.

8. **Adopted village Badi Jamunia visit :** Beautiful scenes of nature, fresh-air, hospitable people, quiet & peaceful life-all these things are the real beauty of a village. This time Dept. has decided to introduce the students to the villagers with a new perspective. Dept. will visit the village just as a picnic spot where students will not only observe the natural way of life but also will be inspired for the community social works. Dept. will visit adopted village in the month of:
   - 24 September, 2023
   - 26 February, 2024
   - 14 April, 2024
   - 5 May, 2024

   All the students of the department support & participate in the visits & camps organised by the dept..

9. **Teaching Methodology :** The department faculties adopts following teaching methods while teaching the students:
   - **Pre-declared Teaching Plan :** Pre-prepared and pre-declared teaching-plan on website of the College. The teaching plan of each subject is prepared and uploaded on the website prior to the commencement of classes. This makes the students aware what is going to be taught in class on that day. So heèshe comes prepared for the lecture.
   - **Abstract of Lecture :** Lecture abstract is made available to each student of the class through teacher's blog. This helps the students in getting a better and clear understanding and command on the topic. The faculty is also benefitted through this method.
   - **PPT preentation :** The department encourages teachers to have maximum number of classes through Power Point slides.
   - **Monthly Evaluation :** Monthly tests in each paper of each subject, evaluation, answers shown to students indicating their weakness and strength. monthly evaluation will be taken by Google form in last week of every month by MCQ mehod.

- **Group Discussion :** Group work is an ffeective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make decisions. It allows students to teach and learn from others.

10. **Library :** Dept. visits & spends at least fifty minutes in the library everyday & promotes students too to visit library & provides them lists of books to access some supplementary books. Dept. has its departmental library too but very few books are available in the departmental library as Dept. is attached to central library.

11. **Value added Course -** 'Rashtrasant Mahant Avaidyanath Nihshulk Computer Prashikshar Certificate course' Rashtrasant MahantAvaidyanath Nihshulk Computer Prashikshar Certificate course is organised by Maharana Pratap P.G. College, Jungle Dhusar for the poor students from nearby villages free of cost on the basis of first come first serve. This course is designed for three-month period so that our students can get knowledge aboutthe basics of the computer.

    Objective : Our objective is to serve the knowledge and interest to the poor students who have actually not enough infrastructure and condition to ffaord the computer classes which is very important for today's era.

    Programmed Outcomes : After this certification course our students well cleared the concept of Basic of computer, Microsoft word, MS paint, Microsoft excel and the basic of internet. After this programmed all the students get the course certificate from our college

12. **Contribution in other fields :** Our Department Take Care the all activity regarding Information Technology and also our department planJob Fair for all students of Our College.

13. **Lab Manuals :** The department faculties have already prepared B.A. Lab manuals.

B.C.A. Department

1. **All classes through ICT based Education :** The department this year plans to cover all the Theory and Practical Classes based on university syllabus through ICt~ based Education. All the classes will be held through ICT based tools such as PPT, Lap top and Pen drives. The department will also show simulations of Practicals through Audio/Visual methods in Practical classes.

2. **Cultivation of Research Habit among Faculty and students :** The department this year plans to publish at least one research paper by each faculty. The department this year also plans to send department students and faculties in various Seminars and Presentations for their active participation.

3. **Pre declared Lesson Plans :** Lesson plans of each subjectèpaper are prepared, reviewed and finalized date-wise keeping working days. The teaching plan is then uploaded on college website. Students will get teaching plan from the following website address: mpm.ac.in

S.No.	Class	Theory/Practical
1	B.C.A. I Sem	Theory
2	B.C.A. I Sem (P)	Practical
3	B.C.A. II Sem	Theory
4	B.C.A. II Sem (P)	Practical

The main aim of pre declared Teaching plan is that the students be aware of what the concern faculty is going to teach in todays class. If he/she knows this thing, then they can come prepared for lecture and can get better understanding of subject. They also feel more confident while attending the lectures. The lecture of UG first sem will start on 18th September 2023 and Second sem starts on 16th January 2024 in the current academic session.

4. **Teachers Feedback Form (Sikshak Pratipushti Prapatra) :** TThe department plans to take feedback from students, two times in the current academic session. The feedback will be taken on prescribed format available

on the website of the college. The first feedback will be taken in the month of November and second in the month of June.

The Teachers feedback form is part of our regular ffeort to maintain quality instruction. Our faculty use responses to these questions to become better teachers.

5. **Guest Lectures :** Guest lecturers help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lecturers can be used to make classes more approachable and appealing to students.

Guest Lecture

27th March, 24, Wednesday   20th Apr, 24, Saturday   22nd May, 24, Wednesday

6. **Workshop, Seminar, Webinar & Conferences :** Seminars, workshops and conferences hold great importance of life of a student. They are platforms not only to learn new aspects, others perspectives and latest information, but also a good way of networking. There are many benefits which one get from attending these first being confidence then networking, information and motivation.
   - As we know that confidence is very important for everyone at each stage of life, which somewhere a science student (who has not taken part in any stage activity or any debate but has a good academic record) lacks as he or she did not have many opportunities to speak in front of audience. So, by attending these types of seminars and conferences and interacting with the leaders of their field or by presenting a poster in conference boosts up the confidence of a student which helps him or her during an interview.
   - Networking is an important part of any individual life. In workshops students and teachers from dffierent institutions take part. Meeting new people and making new friends can help the student to take guidance and encourage new way of thinking. If a student wants to continue his or her career in scientific research, then meeting people related to it in conferences can be very beneficial as there are many scientists who attend these conferences.

Proposed Seminar

19th October, 2023   Career Counseling in Information Technology

Proposed Webinar

16th March, 2024   National Webinar Linux Operating System

Workshop

5th April, 2024   Seven Days Workshop on HTML, CSS & Java Script

Competitions : Competitions ffoer a chance for participants to gain substantial experience, showcase skills, analyze and evaluate outcomes and uncover personal aptitude. Competitions also encourage students to adopt innovative techniques and develop their ideas and skills.

1st Nov., 2023	Computer Quiz Competition
16th January, 2024	Computer Quiz Competition
12th March, 2024	Poster Making Competition

Proposed Speakers for Guest Lecture :

1	Dr. Suryakant Pathak	Director, KIPM, Gorakhpur
2	Dr. Latendra Srivastava	Assistant Professor-CS, BIT, GIDA, Gorakhpur
3	Dr. Manish Gupta	Assistant Professor-CS, BIT, GIDA, Gorakhpur
4	Dr. Manoj Mishra	Assistant Professor, ITM, GIDA Gorakhpur
5	Shri Harishankar Gupta	Assistant Professor, Department of BCA

6	Dr. Arvind Maurya	Assistant Professor, Department of Computer Science
7	Dr. Shailesh Singh	Assistant Professor, Department of Political Science
8	Smt. Anuradha Singh	Assistant Professor, Department of BCA
9	Rajiv Ranjan Tripathi	Assistant Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
10	Suryabhan Singh	Assistant Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
11	Avinash Singh	Assistant Professor, Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur
12	Meenakshi John	Assistant Professor, St.Andrews College, Gorakhpur

7. **Adopted Students :** Each & every dept. of the college adoptes five students to look after their academic & personality development. An emotional & sentimental relationship is developed just like parents & child. Though the dept. is always in contact with the adopted students, but this year dept. will try to sit together at least once in month with the adopted students in a group. Maximum students participate in the Swaikchik Shramdan & takes part either in N.C.C., N.S.S. or Rovers Rangers too.

8. **Adopted village Badi Jamunia visit :** Beautiful scenes of nature, fresh-air, hospitable people, quiet & peaceful life-all these things are the real beauty of a village. This time Dept. has decided to introduce the students to the villagers with a new perspective. Dept. will visit the village just as a picnic spot where students will not only observe the natural way of life but also will be inspired for the community social works. Dept. will visit adopted village in the month of:
   - 24 September, 2023
   - 26 February, 2024
   - 14 April, 2024
   - 5 May, 2024

   All the students of the department support & participate in the visits & camps organised by the dept..

9. **Teaching Methodology :** The department faculties adopts following teaching methods while teaching the students:
   - **Pre-declared Teaching Plan :** Pre-prepared and pre-declared teaching-plan on website of the College. The teaching plan of each subject is prepared and uploaded on the website prior to the commencement of classes. This makes the students aware what is going to be taught in class on that day. So heèshe comes prepared for the lecture.
   - **Abstract of Lecture :** Lecture abstract is made available to each student of the class through teacher's blog. This helps the students in getting a better and clear understanding and command on the topic. The faculty is also benefitted through this method.
   - **PPT preentation :** The department encourages teachers to have maximum number of classes through Power Point slides.
   - **Monthly Evaluation :** Monthly tests in each paper of each subject, evaluation, answers shown to students indicating their weakness and strength. monthly evaluation will be taken by Google form in last week of every month by MCQ mehod.
   - **Group Discussion :** Group work is an ffeective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make decisions. It allows students to teach and learn from others.

10. **Library :** Dept. visits & spends at least fifty minutes in the library everyday & promotes students too to visit library & provides them lists of books to access some supplementary books. Dept. has its departmental library too but very few books are available in the departmental library as Dept. is attached to central library.

11. **Value added Course -** 'Rashtrasant Mahant Avaidyanath Nihshulk Computer Prashikshar Certificate course' Rashtrasant MahantAvaidyanath Nihshulk Computer Prashikshar Certificate course is organised by Maharana Pratap P.G. College, Jungle Dhusar for the poor students from nearby villages free of cost on the basis of first come first serve. This course is designed for three-month period so that our students can get

knowledge aboutthe basics of the computer.

Objective : Our objective is to serve the knowledge and interest to the poor students who have actually not enough infrastructure and condition to ffaord the computer classes which is very important for today's era.

Programmed Outcomes : After this certification course our students well cleared the concept of Basic of computer, Microsoft word, MS paint, Microsoft excel and the basic of internet. After this programmed all the students get the course certificate from our college

12. **Contribution in other fields :** Our Department Take Care the all activity regarding Information Technology and also our department planJob Fair for all students of Our College.
13. **Lab Manuals :** The department faculties have already prepared B.A. Lab manuals.

Psychology Department

The annual departmental plan of the psychology department has been prepared keeping in mind the personal, educational, behavioural and social enhancement of the students. For this work, after reviewing the progress report of the students, the ffeorts of the teachers regarding them have been outlined. The annual plan for lectures, seminars, workshops, competitions etc. is made keeping in mind the curriculum plan.

Since its inception, the educational objective of the Department of Psychology has been full of various dimensions like positive, developmental, interesting, innovative etc. All the teachers of the department are committed to fulfill these objectives. The heart of the action plan of the Department of Psychology is always to come true to the ground of reality. Departmental action plan of Psychology Department are –

Departmental Action Plans :

1. **Faculty Information :** Faculty information includes details about individual faculty members, such as their names, academic qualifications, areas of expertise, research interest, teaching experience and professional achievements. Updated academic detail of each faculty member of psychology will be uploaded on college website.

S.No.	Members of the Department	Designation
1	Dr. Venkat Raman	In charge
2	Dr. Abhay Pratap Singh	Assistant Professor
3	Mr. Mukesh Sharma	Lab Assistant

2. **Start of the Session :** After the completion of the admission process by July 30, it has been decided to conduct the classes of first semester from August 01. Classes for the third semester and fifth semester will be start from 17th July and will be completed as per the course plan upto 31st October.
3. **Time Table :** Every class in the college will be conduct according to the time table (Session – 2023-24).
4. **Practical Classes :** The practical classes for the undergraduate classes will start from August 17. Field work will be done after completing the laboratory work.
5. **Laboratory :** The laboratory will be kept updated from the start of the session. The cleanliness and safety of the laboratory will be ensured. For the purchase of necessary equipment and other materials for the laboratory, the demand letter will be sent to the principal through the laboratory in-charge. Experimental equipment will be entered in the stock register, the test and verification of the stock register will be done by the laboratory in-charge and principal in the end of every session.
6. **Teaching – Learning Process :** It will be the goal of the department that the teaching-learning process can be effective and high quality. According to the syllabus plan, the syllabus of all classes will be completed as per course plan, if due to any reason the syllabus of any question paper of any class will not be completed within time, then the concerned Teacher will complete the syllabus by teaching additional classes on the basis of the permission of the principal.

7. **Course Plan :** Under this scheme the course plan is made well before the start of academic session and it is open to everyone on the website of the college. In course plan the title and theme of the theory as well as practical classes are declared for everyday and students are well aware of it before coming to the college. In this session it was also uploaded on website. Classes of B.A./B.Sc. III and V Semester are proposed from 17 July 2023 while B.A./B.Sc. I semester are proposed from August 01, 2023. Minor course related classes will taught in weekly class teaching dates through class teaching method. Semester-wise psychology (major subject) course title, code & credit are given below.

Paper No.	Course title	Course code	Credit
B.A./B.Sc. I semester (Psychology)			
01	Introduction to Psychology	PSY101	2+0
02	Basic Psychological Process	PSY102	4+0
03	Lab Work	PSY103	0+2
B.A./B.Sc. II semester (Psychology)			
01	Basic Research Methodology and Statistics	PSY104	4+0
02	Lab Work/Psychological Testing	PSY105	0+2
B.A./B.Sc. III semester (Psychology)			
01	Psychology of Social Behaviour	PSY201	4+0
02	Lab work and measurement of social behaviour	PSY202	0+2
B.A./B.Sc. IV semester (Psychology)			
01	Abnormal Psychology	PSY203	4+0
02	Assessment/Testing	PSY204	0+2
B.A./B.Sc. V semester (Psychology)			
01	Life span human development	PSY301	4+0
02	Positive psychology	PSY302	4+0
03	Lab work/Survey/Field Visit	PSY303	0+2
B.A./B.Sc. VI semester (Psychology)			
01	Community and health psychology	PSY304	4+0
02	Counseling Psychology	PSY305	4+0
03	Survey/Field Visit/Project work	PSY306	0+2

Minor Subject (Psychology)	Semester 1	Semester 2	Semester 3	Semester 4	Semester 5	Semester 6
Course code	PSY100	PHI100	COMP203	COMM203	PLC101	PLC101
Course title	Communication skill and personality development	Introduction to Nathpanth	Animation	Finance & Banking	Industrial Training/ Project	Industrial Training/ Project

8. **Innovations in Class Teaching :** The use of smart boards, projectors, charts, models, etc., as aids in classroom teaching, will continue as in the previous sessions. All classes will be conducted through projectors. The lectures will be prepared and uploaded on the teacher blog of the college website. Apart from this, the departmental teachers will also put other text materials which will be useful for the students on their own blogs. Efforts will be made to provide information about other subjects to the students of psychology subject under the inter-disciplinary method. In each class, in the order of informal conversation by the departmental teachers, discipline, nation, society and college will be discussed in the context of life vision.

The following teaching methods will be used by Department of Psychology in classroom teaching:

	Teaching Methods	
1.	**Live Classes**	e-Learning platform will be used in which live class conduct and interaction with students will be done through video conferencing.
2.	**Power Point Presentation**	In this method, the class will be conducted with the help of projector by presenting the PPT prepared on various topics of the syllabus.
3.	**Lecture/Explanation Method**	Like in the previous sessions, the teachers will use the method of lecture/ explanation to explain the various topics, facts and explain the contents in sequential and logical manner.
4.	**Participatory Method**	The teaching process is made ffeective and purposeful by making full active participation of teacher – student during class.
5.	**Inclusive education technique**	In the classroom, possible ffeorts are made to integrate the students with the mainstream keeping in view the specific needs of the students such as physical, intellectual, cognitive and socio – cultural etc.
6.	**Learning by doing**	By doing learning, complex tasks can be learned easily, so in psychology teaching, students are provided with the opportunity to learn by doing dffierent tasks directly.
7.	**Group Discussion**	Group work is an ffeective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make decisions. It allows students to teach and learn from others.
8.	**Class Teaching**	Class Teaching helps students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.

- **Weekly Class Teaching :** In this scheme every 6th day of the class is attributed to the class teaching made by the students. Class Teaching helps them in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability. For class teaching, on the first day of the beginning of the session i.e. 5 days before the class teaching, the names and subjects of the students teaching the class will be decided and declared in the class. Preparation of students for classroom teaching will be done outside the classroom. On the day of class teaching, one by one the students will be taught the class on a predetermined topic related to minor courses. The students who have taught the class will not be given a second chance until one cycle of all the students is completed. The details of the students teaching the class will be kept by the departmental teachers with giving them marks in round of 10 marks. In class teaching, students will be motivated to present their subject matter properly.
  Like previous years, this year also this scheme will continue.(See Table No.1)

Class	Class Teaching			
(Semester)	July	August	September	October
B.A./B.Sc. I	NA	07,14,24	09,16,23	03,10,18
B.A./B.Sc. III	22	07,14,24	09,16	03,10,18
B.A./B.Sc. V	22	07,14,24	09,16	03,10,18

9. **Monthly Evaluation (Assessment) :** Monthly test will be organize for the evaluation of the academic performance of the students. In order to know the desired behavioral changes of the students, a structural assessment is designed on the subject matter taught in each month regarding minor course, in which quantitative assessment of student`s achievement and ability is done by multiple choice and essay type questions with the help of Google Form. Like previous years, this year also this scheme will continue. (See Table No.2)

Class	Monthly Evaluation			
(Semester)	July	August	September	October
B.A./B.Sc. I	NA	30	26	NA
B.A./B.Sc. III	31	30	23	31
B.A./B.Sc. V	31	30	23	31

10. **Summary of the Lesson :** Students will not be given a photocopy of their lecture in every class by the teacher. As an alternative arrangement, students can get the course material of the subject through PPt~ uploaded on the teacher blog of the college website.

- **Progress Report** : It is a record of the activities of students. Basically the records of the students will be maintaine in progress report i.e., attendance of the student, participation in class teaching, monthly evaluation, their character and behavior in the classroom & college premises and performance in university exam etc.. Progress report will be uploaded on the website by 10th of every month.
- **Analysis of Progress Report :** The analysis of Progress Report will prepare in the end of the session. It is annexed with Progress Report. Through this report the performance of entire classes and achievement are analyzed and it becomes the base of our performance for upcoming academic session.
- **Self-Assessment Report :** SAR is a technique of self-evaluation by the faculty members. All faculty members follow it. SAR of every month is submitted by the 2nd day of the next month. This SAR is the list of duties and responsibilities performed by faculty members. It also includes the innovation, if any, made individually or in collaboration with other faculty members. It is a means of evaluation of continuous progress in the performance. SAR is observed by the Principal of the college. From previous session SAR is filled online at the college website. In this session it will also continue.
- **Faculty Feedback Report :** It is a technique to get the response from the students about the faculty members. In this process the students are given a particular form to fill about the academic performance and personal conduct of the faculty. In this session, Faculty Feedback Report was collected with the help of google form. Through this technique the faculty members improves their depth of knowledge, method of class teaching and social behavior. This activity is performed twice in a year (September & January) and the copy of it is kept in the ffoice for the observation by the Principal.
- **Adopted Students :** It is the scheme in which every faculty member is expected to adopt five students at least. These students belong to NSS, hostel, Rover Rangers, and class representatives. The faculty members are expected to monitor and interact with them regularly and help them in personality development. The adopted students of Dr. Venkat Raman are –

1.	Archna Sahni	B.A. V Sem	N.S.S.
2.	Sushma Kumari	B.A. V Sem	N.S.S.
3.	Jyoti Sahni	B.A. V Sem	N.S.S.
4.	Sonu Nishad	B.A. V Sem	N.S.S.
5.	Upendra Kumar	B.A. V Sem	N.S.S.

The adopted students of Dr. Abhay Pratap Singh are –

1.	Akansha Kumari	B.A. V Sem	N.S.S.
2.	Mamta Mishra	B.A. V Sem	N.S.S.
3.	Shivani Maddhesiya	B.A. V Sem	N.S.S.
4.	Anand Raj	B.A. V Sem	N.S.S.
5.	Vacant		

- **Adopted Village :** For the understanding of village problems and interact with local people faculty members

and departmental students will visit adopted village nearby the college. The Department of Psychology has adopted the village Chhoti Jamunahiya which are about 3km. away from the college. Department are expected to understand the life and problems of the villagers and, if possible, do something better for them. The villagers are also made aware of government schemes so that they can get the maximum benefits. In this session, village tour was done on August 20, December 17, March 24 and April 04.

- **Village Tour schedule :**

Date	Day	Time	Program
20-08-2023	Sunday	10:00 A.M. onwards	Village Tour
17-12-2023	Sunday	10:00 A.M. onwards	Village Tour
24-03-2024	Sunday	10:00 A.M. onwards	Village Tour
12-05-2024	Sunday	10:00 A.M. onwards	Village Tour

- **Voluntary Contribution of Labour :** In this activity the faculty members and students contribute their labour for cleanliness and making eco-friendly environment of the college. This scheme is voluntary and performed on every weekend. It continues for one and half an hour on every weekend. In this session also this scheme will continue as before.

11. **Remedial Course :** At the end of academic session remedial course is conducted to enhance the proper understanding of the subjects and allied themes. In this course the focus is given on those students who join the college late. Their unattended course is completed and their doubts are made clear. Exam related doubts are also made clear to the students.

12. **Departmental Blog :** From last two years departmental blogs are being updated by the department. Every faculty members has been given their user id and password to update the blogs. On the blogs audio-visual study materials like PPT, PDF, Doc., YouTube clips are made available to the students. On the departmental blogs more than 150 PPT and PDF study materials are available for the students. They can also access the research papers of the faculty members. It will be updated from time to time in this session also.

13. **Alumni :** Department of Psychology keeps the record of pass-out students and tries to remain in contacts with them. The department is having a list of such students and it is updated every year. The existing and new students get benefits due to the presence of old students, so this scheme will continue to run smoothly in this session as well.

14. **Guidance and Counselling Services :** The Department will arrange the service of Guidance and Psychological Counselling for College Students, Faculty and Stffa under Counselling Cell. The aims of guidance and counselling programs are to assist individuals to develop the ability to understand them, to solve their own problems, and to make appropriate adjustments to their environment. The objectives of guidance programme students are:
    (i) Help students to make appropriate choice of course(s) in accordance with their abilities and interest.
    (ii) Help them to plan their career based on the choice of course.
    (iii) Make them aware of various job opportunities related to various courses.

15. **Training of Counselling skills :** Counseling skills training will be arranged for the students of psychology department. It help them to become a good counselor in future.

16. **Discipline :** The teachers of psychology department will take the responsibility of discipline around the psychology department.

17. **Library :** According to the plan of the college, every teacher will make good use of his free time in the library to increase his talent and stay updated. In this regard every faculty of the department studies sitting in the library and registers their presence on the library register, this sequence will be continued by the faculty of the department this year as well.

18. **NAAC & IQAC :** The department will continue to make available the records sought by NAAc~ from time to time.

19. **Prayer Meeting :** Every day a prayer meeting is organçed in the college from 9:20 am to 9:40 am, in which the teachers of the department compulsorily participate; this scheme will be applicable this year also.
20. **E- Content on Government Digital Library :** The e-content was uploaded on the digital library by the faculty member of psychology department in the last session which will be applicable in this session also.
21. **Uses of Smart Board :** Like the previous session, in this session also the smart board will be used by the faculty of the department for teaching work.
22. **Seminar, Workshop & Lectures :** Guest lecturers help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lecturers can be used to make classes more approachable and appealing to students. In workshop by learning about new topics and meeting leaders in their field student feels encouraged and motivated. Listening to any prominent personality in workshop helps the student to gain information about their way of work or how things take place. In this regard Department of Psychology has organçed several workshops and guest lecturers in this session.

Date	Day	Time	Program
14-09-2023	Thursday	12:30 – 02:10 P.M.	Workshop
27-09-20	Wednesday	09:40 – 10:30 A.M.	One Day Seminar
11-10-2023	Thursday	11:30 – 01:10 P.M.	One Day Seminar
18-01-2024	Thursday	09:40 – 10:30 P.M.	One Day Seminar

23. **Lecture Competition/Competition**

For the enhancement knowledge and verbal ability of students department will organize lecture competition. It also helps to develop the self-confidence of students. Competition allows them to satisfy the need to win, competition provides the opportunity or reason for improving their performance, and competition motivates them to put forth greater effort that can result in high. Behind these objectives.

February 2024

Date	Day	Time	Program
22-02-2024	Thursday	12:30 – 02:10 P.M.	Lecture Competition

24. **List of Expected Guest on Workshop, Invited Lecture and Lecture Competition**

1.	Dr. Sheela Singh	Associate Professor (Retd.) Digvijinath P.G. College, Gorakhpur
2.	Prof. Aubhuti Dubey	Professor, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur
3.	Prof. Dhanjay Kumar	Professor, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur
4.	Dr. Sushil Tiwari	Associate Professor (Retd.) St. Andrew`s College, Gorakhpur
5.	Dr. Premlata Verma	Associate Professor (Retd.) Bapu P. G. College, Pipiganj, Gorakhpur
6.	Dr. Vivek Shahi	Assistant Professor, Digvijinath P.G. College, Gorakhpur
7.	Dr. Vinod Gupta	Assistant Professor, D.A.V.P.G. College, Gorakhpur
8.	Dr. Satya Prakash	Assistant Profesor, Buddha P. G. College, Kushinagar

Note : It is possible to change the dates, time and name of Gust of the above departmental programs according to the current circumstances.

अर्थशास्त्र विभाग

गत सत्र 2022-23 के अनुभवों एवं उपलब्धियों के आधार पर वर्तमान सत्र में योजना बैठक में चर्चा के उपरान्त निम्न बिन्दुओं पर योजनाएं बनायी जा रही है-

1. **शिक्षक** - डॉ. मंजेश्वर

2. **पाठ्यक्रम** -

Year	Sem.	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	Credits
First	I	ECO101	Basics of Economics		2
Year		ECO102	Principles of Microeconomics: Part I	Theory	3
		ECO103	Principles of Microeconomics: Part II	Theory	3
	II	ECO104	Principles of Macroeconomics: Part I	Theory	3
		ECO105	Principles of Macroeconomics: Part II	Theory	3
Second	III	ECO201	History of Economic Thought : Part I	Theory	3
Year		ECO202	History of Economic Thought : Part II	Theory	3
	IV	ECO203	Money, Banking and Public Finance : Part I	Theory	3
		ECO204	Money, Banking and Public Finance : Part II	Theory	3
Third	V	ECO301	Economic Growth and Development : Part I	Theory	3
Year		ECO302	Economic Growth and Development : Part II	Theory	2
Optional Papers (Any One)					
	V	ECO303	Environmental Economics : Part I	Theory	3
		ECO304	Environmental Economics : Part II		2
OR					
		ECO305	International Economics : Part I	Theory	3
		ECO306	International Economics : Part II	Theory	2
	V	ECO307	Elementary Statistics Base Project (Qualifying Course)	Practical	3
	VI	ECO308	Indian Economy and Economy of Uttar Pradesh : Part I	Theory	3
		ECO309	Indian Economy and Economy of Uttar Pradesh : Part II	Theory	2
Optional Papers (Any One)					
	VI	ECO310	Agriculture Economics : Part I	Theory	3
		ECO311	Agriculture Economics : Part II	Theory	2
OR					
		ECO312	Elementary Mathematics : Part I	Theory	3
		ECO313	Elementary Mathematics : Part II	Theory	2
	VI	ECO314	Dissertation/Project On the Local Issues with Economic Focus Plus Presentation on PPT of the Dissertation (Qualifying Course)	Practical	3

3. **पाठ्यक्रम योजना** - अर्थशास्त्र विषय की पाठ्यक्रम योजना जुलाई माह में प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर पूर्व बनाकर दे दिया जायेगा जिससे कि सत्र के प्रारम्भ में वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके तथा नवम्बर माह

में द्वितीय, चतुर्थ व षष्ठम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम योजना बनाकर वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों तक दिनांक के आधार पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तिथिवार बाटकर उपलब्ध कराना। विद्यार्थी सत्र के प्रारम्भ में ही यह जान सकता है कि किस तिथि को किस शिक्षक द्वारा किस शिर्षक पर पढ़ाया जायेगा। जिससे वह उस शीर्षक को पहले ही घर पर पढ़कर तैयार होकर कक्षा में बैठेगा। वर्तमान सत्र में कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जायेगा। इसकी प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

4. **स्नातक से परास्नातक** - सत्र 2022-23 में स्नातक पूर्ण कर चुके विद्यार्थी जो परास्नातक में प्रवेश लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ा रहे है। उनकी सूची का संकलन करके विद्यार्थियों के सहयोग हेतु उनके सम्पर्क में बने रहना जिससे उनको पाठ्य सामग्री सहित उचित सुझाव दिया जा सके।

5. **प्रगति आख्या** - विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर वेबसाईट के माध्यम से प्रस्तुत किया जायेगा। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन (माइनर की कक्षाएँ) एवं मासिक मूल्यांकन के साथ-साथ आचरण-व्यवहार के अंको का उल्लेख किया जायेगा। प्रगति आख्या किसी विद्यार्थी द्वारा सम्पूर्ण माह में किये गये गतिविधियों का संकलन होता है जिसे देखकर विद्यार्थियों में सुधार हेतु कार्य किया जायेगा।

6. **विभागीय कार्यक्रम** -

11 अगस्त, 2023	व्याख्यान प्रतियोगिता
13 सितम्बर, 2023	विशिष्ट व्याख्यान
07 अक्टूबर, 2023	विशिष्ट व्याख्यान
18 अप्रैल, 2024	व्याख्यान प्रतियोगिता

7. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** - स्वमूल्यांकन प्रपत्र द्वारा अगले माह के प्रथम सप्ताह के अन्त तक उस माह में अपने कार्यो एवं सम्पूर्ण दायित्वों का विवरण यथा-पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान, निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, स्वप्रेरणा से किये गये कार्य इत्यादि का उल्लेख निर्धारित प्रपत्र में आनलाईन भरकर प्राचार्य को उपलब्ध कराया जायेगा। स्वमूल्यांकन प्रपत्र के माध्यम से शिक्षक पिछले महीने की पूरी गतिविधि को जानकर अपने आचरण व्यवहार तथा समय की महत्ता को समझते हुए उसे सुधारने का प्रयास करेंगे।

8. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - महाविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रारूप- "शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र" के माध्यम से सत्र में दो बार विषय सेमेस्टर सितम्बर व सम सेमेस्टर फरवरी विद्यार्थियों से पठन-पाठन के सन्दर्भ में फीडबैक लिया जायेगा। विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त सुझावों को यथा सम्भव शिक्षक द्वारा लागू करने का प्रयास किया जायेगा।

9. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन/माइनर कोर्स कक्षा संचालन** - सप्ताह में एक दिन शिक्षक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षा पढ़ाया जायेगा सभी विद्यार्थी पूर्व निर्धारित शीर्षक पर कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास करेंगे। कक्षाध्यापन में माइनर के पाठ्यक्रम से सम्बन्धित शिर्षक दिये जायेंगे। जो विद्यार्थियों के परीक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। साप्ताहिक कक्षाध्यापन के माध्यम से विद्यार्थी के अन्दर कक्षा में सबके सामने खड़े होकर अपनी बात कहने की क्षमता विकसीत करना है। वर्तमान सत्र में भी इसे शत-प्रतिशत लागू किया जायेगा।

प्रत्येक माह में निर्धारित साप्ताहिक कक्षाध्यापन/माइनर कोर्स कक्षा संचालन -

कक्षा	माइनर कोर्स कक्षा संचालन की तिथियां					
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	04,11,19	05,14,21	07,16	16	03
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	20,27	04,11,19	05,14,21	07,16	08	07
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	20,27	04,11,19	05,14,21	07,16	08	07

कक्षा	माइनर कोर्स कक्षा संचालन की तिथियां				
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	NA	5,12,20	6,14	2,9,18,25	07
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	NA	5,12,20	6,14	2,9,18,25	07
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	NA	5,12,20	6,14	2,9,18,25	07

10. **मासिक मूल्यांकन** - प्रत्येक माह के अन्त में विभाग के शिक्षक द्वारा विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले लघुउत्तरीय व वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों का माहवार वितरित कर ऑफलाईन/आनलाईन परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जायेगा। जिससे कि विद्यार्थी का सभी प्रश्न पत्र जो सम्भावित तौर पर विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले हैं पहले ही तैयार हो सके। मासिक मूल्यांकन के दौरान उत्तर लिखने के शैली की साथ-साथ लिखावट भी सुन्दर होता है।

प्रत्येक माह में निर्धारित मासिक मूल्यांकन की तिथि :

कक्षा	मासिक मूल्यांकन					
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	28	29	30	25	13
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	NA	28	29	30	22	13
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	NA	28	29	30	22	13

कक्षा	माइनर कोर्स कक्षा संचालन की तिथियां				
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	NA	28	21	30	14
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	NA	28	21	30	14
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	NA	28	21	30	14

11. **दायित्व सहकार्य** - गत सत्र (2022-23) की भांति वर्तमान सत्र में भी "उन्नत भारत अभियान" के नोडल अधिकारी के रूप में पांच गांव (मंझरिया, बड़ी रेतवहिया, छोटी रेतवहिया, हसनगंज एवं ककरहिया) में सामाजिक जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए समाज को सरकार द्वारा उपलब्ध करायी गई

विकासोन्मुख योजनाओं से जोड़ना।

12. **शिक्षक ब्लाग** – विभाग के शिक्षक का पाठ्यक्रम से सम्बन्धित पावर-प्वाइंट ब्लाग पर अपलोड है साथ ही साथ किताबों व शोध पत्रों की सॉफ्ट कापी अलग से उपलब्ध करायी गयी है। वर्तमान सत्र में शोध पत्रों के साथ-साथ अन्य पुस्तकों की सूची भी अपलोड किया जायेगा जिससे कि विद्यार्थियों को आसानी से पाठ्य-सामग्री उपलब्ध हो सके।
13. **विद्यार्थियों को गोद लेना** – विभाग में पांच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनका उन्नयन करने का प्रयास किया जाता है तथा इनका पूर्व परिचयात्मक विवरण फोटो सहित इस हेतु बनायी गई। पंजिका पर दर्जा किया जाता है। स्नातक पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों के स्थान पर वर्तमान सत्र में पांच अन्य विद्यार्थियों का चयन किया गया है। गोद लिये गये विद्यार्थियों का पठन-पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए पूरी जिम्मेदारी के साथ उनके व्यक्तित्व विकास हेतु प्रयास किया जायेगा।

क्र.सं.	नाम/आई.डी. नं.	विषय	कक्षा	मोबाईल
1.	अभय शुक्ला/MPPGBAS200815	भूगोल, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र	पंचम सेमेस्टर	8595175686
2.	ईशा गुप्ता/MPPGBAS210370	भूगोल, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र	तृतीय सेमेस्टर	9161253275
3.	साक्षी कुमारी/MPPGBAS210030	भूगोल, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र	तृतीय सेमेस्टर	8577824048
4.	विनय प्रताप सिंह/MPPGBAS210393	समाज, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र	पंचम सेमेस्टर	6392442515
5.	शीतल शर्मा/MPPGBAS210003	समाज, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र	तृतीय सेमेस्टर	8953569875

14. **विभाग द्वारा गोद लिये गये गाँव** – गत सत्र की भांति वर्तमान सत्र में भी विभाग के विद्यार्थियों के साथ अपने गोद लिये गये गाँव (महुंआचाफी) में चार बार जनजागरूक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।
15. **विभागीय लाइब्रेरी** – प्रत्येक वर्ष की भांति सत्र 2023-24 में भी विद्यार्थियों को सेन्ट्रल लाइब्रेरी के अतिरिक्त विभागीय लाइब्रेरी से पुस्तक उपलब्ध कराया जायेगा।
16. **स्वैच्छिक श्रमदान** – विभाग के शिक्षक प्रत्येक वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान में भाग लेंगे।
17. **पठन-पाठन** – प्रथम सेमेस्टर के कक्षा संचालन के लिए 4+1+1 का सिद्धान्त लागू करते हुए बेसिक का पाठ्यक्रम शुक्रवार व शनिवार को अतिरिक्त कक्षा संचालन जबकि अन्य सभी सेमेस्टर के लिए 4+2 के सिद्धान्त पर पाठ्यक्रम बनाकर कक्षा का संचालन किया जायेगा। सभी सेमेस्टर के माइनर का पाठ्यक्रम कक्षाध्यापन तिथि (पाठ्यक्रम योजना) में विद्यार्थियों को शीर्षक से सम्बन्धित पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराकर कक्षाध्यापन के रूप में माइनर के पाठ्यक्रम की पढ़ाई पूरी की जायेगी।
18. **प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएं** – पठन-पाठन में आधुनिक तकनीकों के प्रयोग के साथ-साथ प्रोजेक्टर का कक्षा व्याख्यान में प्रयोग किया जायेगा जिससे कि अधिक से अधिक प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएं चलाई जा सकें।
19. **उपचारात्मक कक्षाएं** – विभाग के विद्यार्थियों के लिए आवश्यकतानुसार समय-समय पर विषय सम्बन्धी समस्याओं के निवारण हेतु उपचारात्मक कक्षाएं चलायी जायेंगी।
20. **परिचर्चा** – पाठ्यक्रम के अतिरिक्त वर्तमान आर्थिक दशाओं, प्रणालियों एवं मौद्रिक तथा उसकी विशेषताओं के साथ-साथ उन सभी अंगो की चर्चा की जायेगी जिनका सम्बन्ध प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थियों के कल्याण से है।

21. **विभागीय रपट** - विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन सम्बन्धी अनुभवों, उपलब्धियों सहित गत सत्र 2022-23 का विभागीय रपट ब्लाग पर उपलब्ध है तथा वर्तमान सत्र का विभागीय रपट जुलाई 2024 के पूर्व ब्लाग पर अपलोड कर दिया जायेगा।
22. **ई-कन्टेन्ट** - सत्र 2023-24 में उत्तर प्रदेश सरकार के उत्तर प्रदेश डिजिटल लाइब्रेरी पर ई-कन्टेन्ट की संख्या बढ़ाकर 80 करने का प्रयास किया जायेगा।

नोटः उपरोक्त कार्यक्रमों की तिथियों में परिवर्तन हो सकता है।

शारीरिक शिक्षा विभाग

1. **शिक्षक बायोडाटा** - वर्तमान सत्र में 2023-24 में विभाग में एक शिक्षक कार्यरत है। शिक्षक का बायोडाटा महाविद्यालय की वेबसाइट उचउण्बण्पद पर उपलब्ध है।

शिक्षक	- डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल
पद	- प्रभारी एवं सहायक आचार्य
अनुभव	- 23 वर्ष

2. **पाठ्यक्रम योजना** - सत्ररम्भ में महाविद्यालय की वेबसाइट पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्य योजना को अद्यतन उद्धरित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि पठन-पाठन का कार्य नियमित व सुचारू रूप से महाविद्यालय के शैक्षणिक पंचाग में निर्धारित दिवस के अनुरूप पूर्ण किया जा सके।
3. **माइनर की कक्षाएं/कक्षाध्यापन** - एक सप्ताह के छठे दिन माइनर कोर्स पढ़ाया जायेगा एवं उससे सम्बन्धित कक्षा अध्यापन कराया जायेगा।

   उद्देश्य - 1. विद्यार्थी को उनके विषय वस्तु को प्रस्तुत करने की शैली का विकास करना।

   2. विद्यार्थी के व्यक्तित्व को विकसित करना।

   कार्यपद्धति - इस प्रक्रिया से कक्षाध्यापन की तिथि जो पाठ योजना में अंकित है से पूर्व विद्यार्थी को माइनर विषय से संबंधित शीर्षक आंवटित कर दिया जाता है। उसी शीर्षक पर कक्षाध्यापन कराया जाता है।
4. **मासिक मूल्यांकन** - सत्र 2023-24 में प्रतिमाह के अन्त में मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा। मासिक मूल्यांकन में उस माह के पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न विद्यार्थियों को दिये जायेंगे। विद्यार्थी अगले दिन (कार्य दिवस) पर कक्षा में उत्तर पुस्तिका जमा करेगा।
5. **प्रगति आख्या** - प्रगति आख्या में कक्षा के प्रत्येक छात्र/छात्रा के कक्षागत गतिविधियों एवं आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इसमें छात्र/छात्राओं के गुण, योग्यता एवं विशेषता के परिमाणात्मक तथा गुणात्मक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त होती है।
6. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** - इस प्रपत्र में शिक्षक द्वारा तैयार की गई योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, वांछनीय दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। यह प्रपत्र प्रत्येक शिक्षक द्वारा प्रत्येक माह के 02 तारीख तक स्वयं भरकर जमा करना होता है।
7. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - यह प्रपत्र शिक्षकों के व्यक्तिव एवं पठन-पाठन में निरन्तर सुधार से सम्बन्धित है जो छात्र/छात्राओं द्वारा सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में अपनी प्रतिपुष्टि के रूप में दर्ज करायी जाती है।

8. **स्वैच्छिक श्रमदान** - महाविद्यालय में प्रत्येक सप्ताह के शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान करने का भी प्रकल्प है। जिसके अन्तर्गत विद्यार्थियों एवं शिक्षिको द्वारा सहभाग किया जाता है ताकि महाविद्यालय से कार्य करने वाले चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों, शिक्षकों एवं प्राचार्य के मध्य समानता का भाव उत्पन्न हो सके।
9. **गोद लिये गये विद्यार्थी** - महाविद्यालय की परम्परा अनुसार प्रत्येक शिक्षक महाविद्यालय के पाँच विद्यार्थियों को गोद लेते हैं और उनके व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान व सहयोग देते हैं।

क्र.सं.	नाम	कक्षा	मो. नम्बर
1.	कृष्णा मिश्रा	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	838525021
2.	प्रदीप कुमार गौतम	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	8417034994
3.	राहुल कुमार यादव	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	9336675173
4.	अरून कुमार मिश्रा	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	9335532981
5.	सलोनी मल्ल	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	9336435331

10. **नैक** - नैक एक संस्थान है जो भारत के उच्च शिक्षा तथा अन्य शिक्षा संस्थानों का आंकलन तथा प्रत्यायन का कार्य करती है जिसके अन्तर्गत हमारे महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक एवं कौशल सम्बन्धी गतिविधियों को संचालित करके गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जाता है एवं महाविद्यालय के नैक प्रभारी द्वारा समय-समय पर मांगे गए प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराया जाता है।
11. **विशिष्ट व्याख्यान** - गेस्ट लेक्चर से विद्यार्थियों को कफी कुछ सीखने को मिलना है। नयी-नयी तकनीक नये तरीके आदि विद्यार्थी सीखते हैं। इसके लिए विद्यार्थियों में काफी उत्साह रहता है। उन्हें प्रोफेसर द्वारा पढ़ने का मौका मिलता है। जिससे वे काफी कुछ सीख सकते है।

29 अगस्त, 2023	राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यान चन्द्र जयन्ती)	श्री अमर सिंह, सेन्ट जोसफ कालेज, सिविल लाइन, गोरखपुर
20 अक्टूबर, 2023	खेल का जीवन में महत्व	श्री हरिकेश यादव महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

गृह विज्ञान विभाग

1. **पाठ्यक्रम योजना** - सत्ररम्भ में महाविद्यालय की वेबसाइट पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्य योजना को अद्यतन उद्धरित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि पठन-पाठन का कार्य नियमित व सुचारू रूप से महाविद्यालय के शैक्षणिक पंचाग में निर्धारित दिवस के अनुरूप पूर्ण किया जा सके।
2. **माइनर कक्षा/कक्षाअध्यापन** - माइनर पाठ्यक्रम से सम्बन्धित पाठ्यवस्तु से एक सप्ताह पूर्व विद्यार्थियों की कक्षाध्यापन के माध्यम से कक्षाएं चलायी जायेगी। कक्षा पूर्ण होने से पूर्व 10 मिनट का समय लेकर विद्यार्थी द्वारा पढ़ाये गये विषय की शिक्षक द्वारा समीक्षा कर सुधारात्मक प्रयास किये जायेंगे।
3. **मासिक मूल्यांकन** - प्रत्येक महीने में पढ़ाये गये व्याख्यान से टिप्पणी एवं बहुविकल्पीय प्रश्न विद्यार्थियों को गृहकार्य में देकर मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा। तत्पश्चात उनके द्वारा दिये गये उत्तर का मूल्यांकन कर प्रत्येक माह के अन्त में प्रगति आख्या में अंकित किया जायेगा।

4. **प्रगति आख्या** – प्रगति आख्या में कक्षा के प्रत्येक छात्रा के कक्षागत गतिविधियों एवं आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इसमें छात्रा के गुण, योग्यता एवं विशेषता के परिमाणात्मक तथा गुणात्मक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त होती है।

5. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – इस प्रपत्र में शिक्षक द्वारा तैयार की गई योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, वांछनीय दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। यह प्रपत्र प्रत्येक शिक्षक द्वारा प्रत्येक माह के 02 तारीख तक स्वयं भरकर जमा करना होता है।

6. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – यह प्रपत्र शिक्षकों के व्यक्तिव एवं पठन-पाठन में निरन्तर सुधार से सम्बन्धित है जो छात्राओं द्वारा सत्र में दो बार सितम्बर एवं मार्च माह में अपनी प्रतिपुष्टि के रूप में दर्ज करायी जाती है। सत्र के अन्त में दोनों माह की प्रतिपुष्टियों की विभागाध्यक्ष द्वारा समीक्षा की जाती है।

7. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय में प्रत्येक सप्ताह के शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान करने का भी प्रकल्प है। जिसके अन्तर्गत छात्राओं एवं शिक्षिको द्वारा सहभाग किया जाता है ताकि महाविद्यालय से कार्य करने वाले चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों, शिक्षकों एवं प्राचार्य के मध्य समानता का भाव उत्पन्न हो सके।

8. **साप्ताहिक शिक्षक बैठक** – विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक बुधवार को पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ, शिक्षण व्यूह रचना आदि विषयों की समीक्षा कर आगामी सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु साप्ताहिक बैठक होता है।

9. **कास्मेटोलॉजी एण्ड सेल्फ केयर – उद्देश्य**– महाविद्यालय में कास्मेटोलॉजी एण्ड सेल्फ केयर त्रैमासिक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का गृह विज्ञान विभाग द्वारा संचालन किया जा रहा है। ताकि छात्राएं रोजगार कौशल को विकसित करके अपने व अपने परिवार को आर्थिक रूप से मजबूती तथा अच्छा स्वास्थ्य प्रदान कर सकें।

   संचालन विधि – कास्मेटोलॉजी एण्ड सेल्फकेयर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम 1 सितम्बर से प्रारम्भ होकर 30 नवम्बर तक पूर्ण करा लिया जायेगा। इसकी कक्षाएँ शुक्रवार एवं शनिवार को सातवीं घण्टी में गृह विज्ञान प्रयोगशाला में संचालित की जायेगी। पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर जनवरी माह के अन्त तक सैद्धान्तिक व प्रायोगिक परीक्षांए आयोजित होगी। जिसमें सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को महाविद्यालय के समावर्तन समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा।

10. **निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण** – योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र वर्तमान में गृह विज्ञान विभाग द्वारा संचालित है। इस निरौपचारिक शिक्षा का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर रोजगार सृजन के अवसर प्रदान करना है। इसके अन्तर्गत ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग का 01 माह तक निःशुल्क प्रशिक्षण-दिया जाता है। प्रशिक्षणोपरान्त फरवरी माह में लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है।

11. **गोद लिया गया गाँव** – गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'नवका टोला' गाँव अधिगृहित किया गया है जो कि छोटी रेतवईयाँ धोधड़ा गाँव के समीप है। छात्राएँ तथा शिक्षिकाएँ साथ में निर्धारित तिथि एवं समय पर गाँव में जाकर वहाँ के लोगों से वार्तालाप करके उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास करती हैं, जिससे छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके।

12. **गोद लिये गये विद्यार्थी – रितिका त्रिपाठी, इशिका श्रीवास्तव, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर**– महाविद्यालय की

परम्परा अनुसार प्रत्येक शिक्षक महाविद्यालय के पाँच विद्यार्थियों को गोद लेते हैं और उनके व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान व सहयोग देते है।

13. **नैक** – नैक एक संस्थान है जो भारत के उच्च शिक्षा तथा अन्य शिक्षा संस्थानों का आंकलन तथा प्रत्यायन का कार्य करती है जिसके अन्तर्गत हमारे महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक एवं कौशल सम्बन्धी गतिविधियों को संचालित करके गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जाता है एवं महाविद्यालय के नैक प्रभारी द्वारा समय-समय पर मांगे गए प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराया जाता है।
14. **एन.एस.एस. एवं एन.सी.सी.** – महाविद्यालय में एन.एस.एस, एन.सी.सी. जैसे प्रकल्पों का भी प्रावधान है जिसके तहत विभाग की लगभग 10 छात्राएँ एन.एस.एस. में तथा 5-6 छात्राएँ एन.सी.सी. में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। विभाग द्वारा छात्राओं को अधिक से अधिक इन प्रकल्पों में प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है और आगे भी निरन्तर रूप से किया जाता रहेगा।
15. **विभागीय पुस्तकालय** – छात्राओं की तत्कालिक पुस्तकीय समस्याओं के समाधान हेतु विभागीय पुस्तकालय का भी प्रकल्प है, जिसके अन्तर्गत गृह विज्ञान विषय के पाँचों शाखाओं की कुल 15 पुस्तकें हैं। इसके अतिरिक्त नेट/जे.आर.एफ. तथा टीईटी/सीटीईटी जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित करने व तैयारी हेतु भी पुस्तिकाओं की व्यवस्था है।
16. **विभागीय कार्यभार** – विभागीय कार्यों को नियमित व सुचारू रूप से चलाने के लिए इस सत्र में विभाग की सभी शिक्षिकाओं को बराबर कार्यभार वितरित किया गया है जिससे कि शिक्षण-प्रशिक्षण एवं अन्य कार्यक्रमों में गुणवत्ता की कमी न आये। इस विभागीय कार्यभार की प्रणाली को आगे भी उतरोत्तर उद्धित किया जाता रहेगा।
17. **प्रयोगशाला सहायिका** – गृह विज्ञान प्रयोगशाला की उचित देखभाल व सुचारू कार्य संचालन के लिए लैब सहायिका का भी प्रावधान है। जिनका मुख्य कार्य लैब सम्बन्धित सामग्रियों, सफाई और व्यवस्था की देख-रेख करना है।

शिक्षण-विधियाँ

शिक्षण-विधि	सत्र 2023-24 में प्रस्तावित लक्ष्य
1. रीयल टाइम कम्युनिकेशन	इस विधि में ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म पर वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से जीवन्त कक्षा संचालन एवं छात्राओं से संवाद स्थापित किया जाता है। दिनांक 17.07.23 को बी.ए. पंचम सेमेस्टर – डॉ. दीपशिखा नागवंशी दिनांक 22.08.23 को बी.ए. प्रथम सेमेस्टर – सुश्री रीतिका त्रिपाठी दिनांक 18.09.23 को एम.ए. प्रथम सेमेस्टर – डॉ. दीपशिखा नागवंशी दिनांक 04.10.23 को एम.ए. तृतीय सेमेस्टर – सुश्री रीतिका त्रिपाठी दिनांक 26.11.23 को बी.ए. तृतीय सेमेस्टर – सुश्री अर्चिता चौरसिया
2. पॉवर प्वाइण्ट प्रस्तुतीकरण	इस विधि में प्रोजेक्टर विधि द्वारा पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरणों पर तैयार पी.पी.टी. का प्रस्तुतीकरण शिक्षक द्वारा किया जायेगा।
3. व्याख्यान विधि	विगत सत्रों की भाँति शिक्षक विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, क्रमिक एवं

	तार्किक रूप से विषय-वस्तु का प्रकट करने हेतु व्याख्यान विधि का प्रयोग करेंगे।
4. योजना या प्रोजेक्ट विधि	इस विधि के तहत प्रत्येक छात्रा को प्रत्येक विषय का टॉपिक दिया जायेगा, जिस पर वह स्वयं हल निकालकर असाइनमेण्ट बनायेंगी, जिससे उनकी समस्या समाधान की तात्कालिक कौशल का विकास होगा।
5. सहभागी विधि कक्षा शिक्षण के दौरान	शिक्षिकाएँ छात्राओं की पूर्ण सक्रिय सहभागिता कराकर शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली व उद्देश्यपूर्ण बनायेंगी।
6. समावेशी विधि	कक्षा में शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि विशिष्ट जरूरतों वाली छात्राओं को ध्यान में रखते हुए उन्हे मुख्य धारा से जोड़ने का सम्भावित प्रयास किया जाता है।
7. प्रदर्शन विधि	गृहविज्ञान एक व्यावहारिक विषय है जिसे केवल व्याख्यान विधि द्वारा पढ़ाना पर्याप्त नहीं है। अतः प्रदर्शन विधि द्वारा किसी संरचना, कार्य, प्रणाली, तथ्य, प्रक्रिया विधि को स्पष्ट किया जाता है जिससे छात्राएं निरिक्षण परीक्षण, अनुकरण आदि द्वारा जटिल प्रक्रिया का सरलता से बोध करती है।
8. करके सीखना	स्मृति का स्थान मस्तिष्क में नहीं वरन् शरीर के अवयवों में होता है। अतः गृह विज्ञान शिक्षण में छात्राओं को विभिन्न कार्यो को प्रत्यक्ष रूप से सीखने का अवसर प्रदान किया जाता है।
9. अन्वेषण/शोध विधि	एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्राओं में अन्वेषण एवं शोध की भावना के विकास हेतु उनके समक्ष एक समस्या प्रकट की जाती हैं। जिसके समाधान हेतु उनमें प्रेक्षण, चिंतन, तार्किकता की क्षमता का विकास होता है। इसमें शिक्षक की भूमिका मार्गदर्शक की तरह होती है।
10. शैक्षिक भ्रमण	बी.ए. अन्तिम वर्ष एवं एम.ए. की छात्राओं को पाठ्यक्रम सम्बन्धित स्थल पर भ्रमण कर वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर दिया जाता है। यह छात्राओं के लिए रोचक गतिविधियों में से एक है।
11. ग्रामीण भ्रमण	छात्राओं को ग्रामीण परिवेश के जीवन शैली, मनोवृत्ति, रोजगार, चुनौतियां, अवसर आदि पर विचार, चिंतन, मनन करने का अवसर दिया जाता है।

कार्यशाला एवं व्याख्यान

अगस्त 2023

दिनांक	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता/अतिथि
01.08.2023	'विश्व स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम Lecture on Exclusive Breast Feeding	
02.08.2023	Logo Making Competition	
03.08.2023	भाषण प्रतियोगिता	

04.08.2023	रंगोली विषय – Step up For Breast feeding	
05.08.2023	Food making Competition Sub – Lactating woman & Diet	
07.08.2023	'विश्व स्तनपान सप्ताह' (विशिष्ट व्याख्यान) विषय – कामकाजी महिलाओं हेतू स्तनपान प्रबन्धन	डॉ. विजय कुमार चौधरी, उप-प्राचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
08.08.2023	राखी मेकिंग प्रतियोगिता	

सितम्बर 2023

दिनांक	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता/अतिथि
01.09.2023	'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' उद्घाटन कार्यक्रम	
02.09.2023	विशिष्ट व्याख्यान- 'सभी के लिए पोषण: एक साथ स्वस्थ भारत की ओर'	श्रीमती शिप्रा सिंह, विभाग प्रभारी, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
04.09.2023	Nutritious Millets laddoo making competition	Nutrition week related Quiz compition
05.09.2023	Innovative styling of salad dressing	
06.09.2023	One Day workshop on diet plan	Dr. Deepshikha Nagvanshi
07.09.2023	'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' समापन कार्यक्रम फूड विदाउट फायर प्रतियोगिता	संयोजक – सुश्री रीतिका त्रिपाठी
29.09.2023	World Heart Day	विशिष्ट व्याख्यान डॉ. अजहर अली खां

अक्टूबर 2023

दिनांक	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता/अतिथि
10.10.2023	विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस	विशिष्ट व्याख्यान सुश्री आकांक्षा पाण्डेय
16.10.2023	दो दिवसीय 'सिलाई-कढ़ाई' कार्यशाला	श्रीमती कमलावती
20.10.2023	विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस	शोध व्याख्यान

नवम्बर 2023

दिनांक	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता/अतिथि
07.11.2023	शिशु सुरक्षा दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान गोरखनाथ, के.वी.के., गोरखपुर	डॉ. श्वेता सिंह, एस.एम.एस., महायोगी
25.11.2023	महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान	श्री हरिनाथ सिंह, एडवोकेट, लखनऊ हाईकोर्ट

फरवरी 2024

दिनांक	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता/अतिथि
13.02.2024	राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'निबन्ध प्रतियोगिता/शोध व्याख्यान प्रतियोगिता'	

मार्च 2024

दिनांक	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता/अतिथि
08.03.2024	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता'	

नोट : उपरोक्त कार्यक्रमों में तिथि समय अथवा अतिथि में सम्भावित परिवर्तन किया जा सकता है। (Save Soil Compaign के अन्तर्गत Terrace Farming Workshop (3 days) मार्च/अप्रैल में कार्यदिवस तिथि आने के बाद निर्धारित होगा)

कक्षाध्यापन की तिथियाँ

	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	7,14,23	9,16,23	9,17
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	15,22	7,19,23	9,16,23	9,17
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	15,22	7,14,23	9,16,23	9,17
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	7,14,23	9,16,23	9,17
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	15,22	7,14,23	9,16,23	9,17

	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर		7,15,22	7,15,22	6,15,23	7,14
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर		7,15,22	12,19	8,19,26	3,10
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर		10,19	4,15,18	4,9,19,24	3,8
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर	22,29	7,15,22	7,15,22	6,15,23	7,14
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	22,29	7,15,22	7,15,22	6,15,23	7,14

मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ

	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	30	30	31
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	31	30	30	31
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	31	30	30	31
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	30	30	31
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	31	30	30	31

	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	29	30	30
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	29	30	30
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	29	30	30
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर	29	30	30
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	29	30	30

नोट – विशिष्ट परिस्थितियों में उपरोक्त कार्यक्रमों की तिथि, समय एवं अतिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग की विभागीय योजना का निर्माण विद्यार्थियों की प्रगति-रिपोर्ट में दर्ज उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन, विश्वविद्यालय परीक्षा के विवरण के साथ आचरण एवं व्यवहार का भी मूल्यांकन करके प्रगति-रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों की समीक्षा के पश्चात् उनके बारे में अपने प्रयत्नों की रूपरेखा बनायी गयी है। व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रतियोगिताएं इत्यादि की वार्षिक योजना, पाठ्यक्रम योजना को ध्यान में रख कर बनायी गयी है। आरम्भ से ही भूगोल विभाग का शैक्षणिक उद्देश्य सकारात्मक, विकासात्मक, सुरुचिपूर्ण, अभिनवगामी आदि विविध आयामों से परिपूर्ण रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्णता हेतु विभाग के सभी शिक्षक प्रतिबद्ध है। भूगोल विभाग की कार्ययोजना का मर्म सदैव वास्तविकता के धरातल पर खरा उतरना है। कार्ययोजना केवल 'पन्नों पर नहीं वरन् धरातल पर' विभाग का ध्येय है।

1. **शिक्षक-**
   * विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी
   * सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव
   * सहायक आचार्य डॉ. नीलम गुप्ता
   * सहायक आचार्य श्री अरविन्द मौर्य

2. **विभागीय कार्य विभाजन** – 6-8 मई 2023 को विभागीय कार्यो का वर्तमान सत्र में कुशलता पूर्वक संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक बैठक सम्पन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से विभागीय शिक्षकों के दायित्व को निर्धारित किये गये। दायित्व वितरण का कार्य विभाग की शिक्षिका डॉ. शालू श्रीवास्तवा ने किया।

डॉ. विजय कुमार चौधरी

- विभागीय बैठकों का आयोजन
- समय-सारणी तैयार करना
- पठन पाठन
- तकनीकी प्रसार
- शैक्षणिक भ्रमण यात्रा
- पाठ्यक्रम योजना निर्माण
- विभागीय रिपोर्ट तैयार करना
- विभागीय योजना
- फैकल्टी डेवेलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

डॉ. शालू श्रीवास्तवा

- विभागीय स्वच्छता
- विभागीय कार्य निरीक्षण
- पूरक पाठ्यक्रम
- बी.ए./बी.एस-सी. पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
- विभागीय कार्य विभाजन
- महत्वपूर्ण भौगोलिक तिथियों का आयोजन

- विभागीय रिपोर्ट
- महाविद्यालय स्तरीय सेमीनार आयोजन
- स्वमूल्यांकन प्रपत्र तैयारी में सहयोग एवं एकत्र करना
- साप्ताहिक व्याख्यान आयोजन–स्नातकोत्तर स्तर (प्रत्येक शनिवार सातवीं घंटी में)
- आई.क्यू.ए.सी. द्वारा मांगी गयी सूचनाएं उपलब्ध कराना
- बी.ए./बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर में बेसिक का प्रोजेक्ट/असाइनमेंट
- बी.ए./बी.एस–सी. पंचम एवं षष्टम सेमेस्टर के प्रोजेक्ट/आसाइनमेंट

डॉ. नीलम गुप्ता

- प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला उपकरण रख–रखाव (प्रयोगशाला सहायक के साथ)
- शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाना
- नवाचार एवं मौलिक प्रयोग
- पाठ्यक्रम संकलन
- स्नातकोत्तर कक्षाओं की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
- मानचित्र कार्यशाला
- मैप ड्राइंग प्रतियोगिता
- विभागीय पुस्तकालय
- पाठ्य पुस्तकों की सूची अद्यतन करना
- शिक्षक बायोडाटा
- विभागीय ब्लांग आख्या
- विभागीय गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम
- बी.ए./बी.एस–सी. तृतीय एव चतुर्थ सेमेस्टर की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
- बी.ए./बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर असाइमेंट एंवं प्रोजेक्ट
- बी.ए./बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर ग्रुप संयोजन
- एक पौधा भविष्य के नाम कार्यक्रम

श्री अरविन्द कुमार मौर्य

- सेमेस्टर प्रतिवर्ष प्रश्नपत्र विशिष्ट व्याख्यान आयोजन
- विभागीय पूर्व विद्यार्थी
- दायित्व सह कार्य रिपोर्ट
- भूगोल प्रदर्शनी
- लैब मैन्युअल
- स्वैच्छिक श्रमदान प्रोत्साहन
- अभिगृहित ग्राम रिपोर्ट
- भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता
- बी.ए./बी.एस–सी. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
- बी.ए./बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का पंजीकरण
- समाचार लेखन
- नैक/ आई क्यू ए सी सूचनाएं
- बी.ए./बी.एस–सी. प्रथम वर्ष, प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर प्रोजेक्ट एवं असाइमेंट (GEO 102)

उपरोक्त कार्यो के अतिरिक्त विभाग एवं विभाग समीप के अनुशासन का दायित्व सभी शिक्षकों का होगा।

3. **सत्रारम्भ**

- 17 जुलाई से स्नातक तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 17 जुलाई से स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 01 अगस्त से स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 16 अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।

4. **समय-सारणी** – स्नातकोत्तर कक्षाओं की समय–सारणी (सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक) विभागाध्यक्ष द्वारा अद्यतन कर लिया गया है। समय–सारणी बनाते समय गत–सत्र में आई कठिनाइयों का निवारण कर लिया गया है। जबकि स्नातक कक्षाओं की समय–सारणी का निर्माण महाविद्यालय द्वारा गठित समिति करती है।

पाठ्यक्रम बी.ए. प्रोग्राम

प्रथम सेमेस्टर	कोर्स कोड	कोर्स नाम	क्रेडिट
	GEO 101	Basic Of Geography	2+0
	GEO 102	Physical Geography	4+0
	GEO 103	Elements Of Map Reading And Interpretation	0+2
द्वितीय सेमेस्टर	कोर्स कोड		
	GEO 104	Human Geography	4+0
	GEO 105	Thematic Weather And Geological Maps	0+2
तृतीय सेमेस्टर	कोर्स कोड		
	GEO 201	Environment Disaster Management And Climate Change	4+0
	GEO 202	Geography Statistical Techniques In	0+2
चतुर्थ सेमेस्टर	कोर्स कोड		
	GEO 203	Economic Geography	4+0
	GEO 204	Surveying	0+2
पंचम सेमेस्टर	कोर्स कोड		
	GEO 301	Regional Geography	4+0
	GEO 302	Basic Of Remote Sensing And GIS	4+0
	GEO 303	Tour And Tour Report	0+2
	GEO 304	Project Report-I	0+3
षष्ठ्म सेमेस्टर	कोर्स कोड		
	GEO 305	Geography Of India	4+0
	GEO 306	Evolution Of Geographical Thoughts	4+0
	GEO 307	Remote Sensing And GIS	0+2
	GEO 308	Project Report-2	0+3

5. **प्रायोगिक कक्षाएं** – स्नातक एवं स्नाकोत्तर कक्षाओं की प्रयोगिक कक्षाएं 16 अगस्त से प्रारम्भ होंगी। स्नातक पंचम सेमेस्टर एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा तीन दिवसों तक सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण कराकर रिपोर्ट तैयार कराया जायेगा। स्नातक पंचम एवं स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण कराया जायेगा। जो सेमेस्टर पाठ्यक्रम के अनुसार अनिवार्य है

6. **पठन-पाठन** – विभाग का ध्येय 'पन्नों पर नहीं वरन् धरातल पर' है। सत्त प्रयत्न किया जायेगा कि पठन–पाठन प्रभावी एवं उच्च कोटि का हो। पाठ्यक्रम योजना का शतप्रतिशत पालन की पूर्व की भाँति लागू रहेगा।

7. **विभागीय पुस्तकालय** – विभागीय पुस्तकालय प्रभारी द्वारा विभागीय पुस्तकों का रख–रखाव एवं विद्यार्थियों में आवंटन किया जायेगा। वर्तमान सत्र के लिए आवश्यकतानुसार नये लेखकों की पुस्तकों की व्यवस्था किया जायेगा।

8. **प्रयोगशाला** – प्रयोगशाला अद्यतन रखी जायगी। प्रयोगशाला की स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जायगी। आवश्यकतानुसार प्रयोगशालाओं में आवश्यक प्राथमिक उपचार सामग्री रखा जाना तय किया गया। प्रयोगशाला हेतु आवश्यक उपकरण एवं अन्य सामग्री का क्रय करने के लिए माँग पत्र प्रयोगशाला प्रभारी के माध्यम से प्राचार्य के पास भेजा जायेगा। प्रयोगात्मक उपकरणों को भण्डार पंजिका में दर्ज किया जायेगा। भण्डार पंजिका की जाँच एवं सत्यापन सत्र के अन्त में प्रयोगशाला प्रभारी एवं प्राचार्य से कराया जायेगा।

प्रयोगशाला नवीनीकरण –

1. गोरखपुर अवस्थित मानचित्र
2. दीवारों पर सर्वेक्षण उपकरणों के चित्र
3. महाविद्यालय की अवस्थित मानचित्र (गोरखपुर में)
4. कणादि मुनि का चित्र के साथ परिचय
5. प्रयोगशाला की छत पर पूरे ब्रह्मण्ड का चित्रांकन
6. प्रमुख भौगोलिक दिवसों का चार्ट
7. प्रमुख भूगोलवेताओं का सामान्य परिचय (चित्र सहित)
8. सौर मण्डल का थ्री डी मॉडल
9. भारत एवं विश्व की प्रमुख जनजातियों का चित्र
10. सूचना पट्ट-बोर्ड

9. **कक्षाध्यापन में अभिनव प्रयोग** – कक्षाध्यापन में सहायक सामग्री के रूप में ग्रीन बोर्ड, प्रोजेक्टर, चार्ट, मानचित्र, मॉडल, इत्यादि का प्रयोग पूर्ववत चलता रहेगा। सभी कक्षाएं प्रोजेक्टर के माध्यम से चलेंगी। सभी प्रश्नपत्रों के व्याख्यान का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय के वेबसाइट के शिक्षक ब्लॉग अपलोड किया जायेगा। इसके अतिरिक्त अन्य पाठ्य सामग्री जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा उसे भी विभागीय शिक्षक अपने-अपने ब्लॉग पर डालेंगे। विभाग में प्रतिमाह कम से कम एक व्याख्यान विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के शिक्षकों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के शीर्षक पर कराया जायेगा। अन्तरानुशासनात्मक पद्धति के अन्तर्गत भूगोल विषय के विद्यार्थियों को दूसरे विषय की जानकारी प्रदान कराने का प्रयास किया जायेगा। प्रत्येक कक्षा में विभागीय शिक्षकों द्वारा अनौपचारिक बातचीत के क्रम में अनुशासन, समाज, राष्ट्र की चर्चा जीवनदृष्टि के सन्दर्भ में की जायेगी।

10. **माइनर कक्षाएं** – माइनर की कक्षाएं साप्ताहिक कक्षाध्यापन के रूप में संचालित होगी जिसका विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति के वाचिक/मौखिक क्षमता का विकास तथा विषय में अभिरूचि विकास प्रश्नोत्तर के माध्यम से तर्क, विचार, चिन्तन को सशक्त बनाना है। माइनर की कक्षा हेतु माइनर की कक्षा से 5 दिन पूर्व माइनर की कक्षा पढाने वाले विद्यार्थियों के नाम तथा विषय कक्षा में तय करके घोषित कर दिया जायेगा। माइनर के लिए विद्यार्थियों की तैयारी कक्षा के बाहर करायी जायेगी। माइनर के दिन एक-एक कर विद्यार्थियों से पूर्व निर्धारित विषय पर माइनर की कक्षा पढ़ाया कराया जायेगा करने के लिए प्रेरित किया जायेगा। सत्र 2023-2024 में साप्ताहिक कक्षाध्यापन की तिथियाँ निम्नवत् हैं-

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए./बी.एस-सी. प्रथम सेमे.	NA	6,14,23	9,16	9	NA	NA	NA
बी.ए./बी.एस-सी. तृतीय सेमे.	21,31	7,14,23	9,16	3,10	NA	NA	NA
बी.ए./बी.एस-सी. पंचम सेमे.	22,31	7,14,23	8,16	3,10,15	NA	NA	NA
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	7,12,19	4,13,19	9	NA	NA	NA
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	15,21,27	3,10,17	1,11,16	22,13,20	NA	NA	NA

कक्षा	कक्षाध्यापन				
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए./बी.एस-सी. द्वितीय सेमे.	7,15	1,9,27	4,12,20	NA	NA
बी.ए./बी.एस-सी. चतुर्थ सेमे.	22	7,15,22	09,16	1,7,12	3,7

बी.ए./बी.एस-सी. षष्ठम सेमे.	7,15	1,9,27	4,12,20	40	NA
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर	22,31	15,22	1,16	12	NA
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	NA	7,15,22	1,9,16	4,12,20	4,11

11. **प्रार्थना सभा** - प्रार्थना सभा में पूर्व की भांति राष्ट्रगान, ईश वन्दना, सरस्वती वन्दना और राष्ट्रगीत के साथ महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान यथावत् सम्पन्न होगा जबकि निर्धारित तिथियों में श्रीमद्भगवतगीता का वाचन हेतु श्लोक चयनित करके लिपिबद्ध करके इन्हीं श्लोकों का वाचन हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत जाता है। प्रत्येक शनिवार प्रार्थना सभा में प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होता है। प्रार्थना सभा के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया जायेगा।

12. **शिक्षक आचार संहिता** - वर्षिक योजना बैठक में सत्र 2023-24 हेतु सर्वसम्मति से शिक्षक आचार संहिता अद्यतन की गयी। विभाग के शिक्षकों द्वारा आचार संहिता स्वप्रेरणा से अपने-अपने ऊपर लागू करेगें। यद्यपि शिक्षक आचार संहिता महाविद्यालय प्रशासन द्वारा मान्य नहीं रहेगी। शिक्षकों द्वारा स्वयं आचार संहिता का पालन न करने पर आचार संहिता उस शिक्षक पर स्वत: लागू हो जाएगी।

13. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र विद्यार्थियों द्वारा भरा जाने वाला एक प्रपत्र है। विद्यार्थियों के अभिमत शिक्षक के व्यक्तित्त्व विकास का माध्यम बनते हैं। वर्ष में दो बार विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक अपने बारे में शिक्षक-प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवातें हैं। इस प्रपत्र के आधार पर शिक्षक अपना स्वमूल्यांकन करते हैं।

14. **शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र** - योजना बैठक में शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र पर विचार-विमर्श कर सर्वसम्मति से लागू होता है। विभागीय शिक्षकों द्वारा प्रत्येक माह का शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन भरा जायेगा। जो शिक्षकों द्वारा प्रतिमाह स्वमूल्यांकन करके स्व-विकास का सशक्त माध्यम बनता है।

15. **पाठ्यक्रम योजना** - विभाग द्वारा प्रत्येक प्रश्नपत्र की पाठ्यक्रम योजना निर्धारित प्रारूप पर बनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य समय से पाठ्यक्रम पूर्ण करना है तथा विद्यार्थी को पहले से पता रहे कि वह अपनी कक्षा में किस तिथि को क्या पढ़ेगा। पाठ्यक्रम योजना को दिनांक, शिक्षक का नाम, प्रश्नपत्र, शीर्षक के साथ प्रथम सेमेस्टर के लिए 4+1+1 तथा अन्य सभी सेमेस्टरों के लिए 4+2 के सिद्धान्त पर तैयार किया गया है। जिसको महाविद्यालय की बेवसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

16. **गोद लिए गए विद्यार्थी** - विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। गोद लिए गये विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं आचरण-व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी गोद लिए शिक्षक की होती है। शिक्षक द्वारा इन पाँचों विद्यार्थियों के पूर्ण परिचयात्मक विवरण फोटो सहित इस हेतु बनायी गई पंजिका पर दर्ज होता है। शिक्षक गोद लिए विद्यार्थी के साथ आत्मीय सम्बन्ध विकसित करेंगे। ये विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, छात्रावासी या कक्षा प्रतिनिधि में से ही होते हैं। स्नातक पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों के रिक्त स्थानों पर स्नातक प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी को ही गोद लिया जायेगा।

गोद लिए गये विद्यार्थियों की सूची

डॉ. विजय कुमार चौधरी

क्रम सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1	शिवानन्द निषाद	एम.ए. तृतीय	8795409287
2	प्रतिमा सिंह	एम.ए. तृतीय	8418901805

नोट - वर्तमान सत्र में तीन रिक्त स्थान पर प्रथम सेमेस्टर गोद लिया जायेंगे।

डॉ. शालू श्रीवास्तव

क्रम सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1	अंशिका गुप्ता	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	9580722125
2	बबली रावत	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	9670942358
3	करिश्मा रावत	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	9125532040
4	खुशबू कुमारी	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	9572617703
5	निशा	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	9118062481

डॉ. नीलम गुप्ता

क्रम सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1	आरती	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	9335307633
2	नेहा सिंह	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	8429500642
3	संगम	एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर	7880732632
4	सपना भारद्वाज	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	8808583640
5	सविता चौरसिया	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	6238230387

श्री अरविन्द कुमार मौर्य

क्रम सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1	श्री विनय कुमार	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	8576006235
2	कुमारी सुमन विश्वकर्मा	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	8881441145
3.	कुमारी रितिका वर्मा	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	8858165852
4.	सचिन	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	7607766011
5.	दीप चन्द	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	6394454462

नोट - वर्तमान सत्र से बी.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को गोद लिया जाएगा।

17. **गोद लिए गया गाँव** - भूगोल विभाग द्वारा जंगल औराही गाँव को गोद लिया गया है। विभाग तथा महाविद्यालय का आत्मीय सम्बन्ध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सीखाना इसका प्रमुख उद्देश्य है। विभाग द्वारा जंगल औराही गाँव का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण कराकर सम्पूर्ण विवरण रखा जायेगा। गाँव में जन-जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करेगा। इस सत्र में चार बार विभाग के शिक्षक-विद्यार्थी (12 अगस्त 2023, 22 अक्टूबर 2023, 24 फरवरी 2024 एवं 25 अप्रैल 2024) गाँव में जाएंगे।

18. **मासिक मूल्यांकन** - सत्र 2023-24 में माह के अन्त में मासिक मूल्यांकन आनलाइन/ऑफलाइन कराया

जायेगा। सेमेस्टर प्रणाली के अनुसार प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं लघु उत्तरीय होंगे। मासिक मूल्यांकन के लिए प्रश्नों को तैयार करते समय इसका पूरा ध्यान रखा जायेगा। कि प्रश्न विद्यार्थियों की परीक्षा के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकें।

19. **छात्रसंघ** - अगस्त माह में मासिक मूल्यांकन के आधार पर कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव प्रत्येक कक्षा में किया जायेगा। चुने गये कक्षा प्रतिनिधियों में से छात्रसंघ के पदाधिकारियों का चुनाव विद्यार्थियों के द्वारा मतदान के माध्यम से होगा।

20. **राष्ट्रीय सेवा योजना** - विभाग के प्रत्येक शिक्षक के द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थियों में से अधिकांश विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक होते है। श्रम एवं समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने के लिए स्वयं सेवकों को प्रेरित किया जायेगा।

21. **स्वैच्छिक श्रमदान** - महाविद्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों शिक्षकों एवं कर्मचारियों में श्रम के प्रति समान अवधारणा को विकसित करने के उद्देश्य से इस योजना का संचालन किया जाता है। विभाग के शिक्षकों इस योजना में प्रतिभाग करते हुए विद्यार्थियों को भी प्रेरित करेंगे।

22. **वेबसाइट/शिक्षक ब्लॉग** - विभाग की पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय की वेबसाइट अद्यतन कर दिया गया है तथा अन्य विभागीय सूचनाओं को भी समय-समय पर वेबसाइट पर अपडेट किया जाता रहेगा। इस सत्र में महाविद्यालय की वेबसाइट को और सम्पन्न करने के लिए शिक्षकों के ब्लॉग पर सभी व्याख्यान की पी.पी.टी. बनाकर अपलोड किया जायेगा साथ ही अन्य सम्बन्धित पाठ्य सामग्री को भी ब्लॉग पर अपलोड किये जायेंगे।

23. **तकनीकी प्रसार** - विभागीय शिक्षकों द्वारा लैपटॉप, प्रोजेक्टर, स्मार्ट क्लास, स्काइप, जूम एप आदि का उपयोग किया जाता रहेगा। आवश्यकतानुसार इसका विद्यार्थियों में प्रसार भी किया जायेगा।

24. **नैक/आई क्यू ए सी** - नैक/आई क्यू ए सी से सम्बन्धित सभी सूचनाओं को विभागीय शिक्षकों द्वारा नैक/आई क्यू ए सी प्रभारी को समय से उपलब्ध कराया जायेगा।

महत्वपूर्ण विभागीय कार्यक्रम

1. **विशिष्ट व्याख्यान**

क्रम	माह	तिथि	अतिथि	विषय
1	सितम्बर	13.09.2023	डॉ. प्रमोद कुमार	पृथ्वी एवं जैवमण्डल
2.	फरवरी	20.01.2024	श्री मंजीत कुमार मौर्य	भारतीय कृषि पर जलवायु का प्रभाव
3.	मार्च	10.03.2024	डॉ. नरेन्द्र शर्मा	भारत का पड़ोसी देशों से संबंध

2. **पोस्टर प्रतियोगिता** - पर्यावरणीय मुद्दों एवं घटनाओं के प्रति गहरी रूचि उत्पन्न करने के लिए विभाग द्वारा 28 फरवरी, 2024 को पोस्टर प्रतियोगिता आयोजन किया जायेगा। जिसमें भूगोल विषय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों कक्षा के विद्यार्थी सम्मिलित होगें।

3. **भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता** - सीखने का स्तर हमेशा शिक्षण विधियों पर केन्द्रित होता है। इसको ध्यान

में रखते हुये भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नवीन प्रविधि के माध्यम से भौगोलिक ज्ञान की अभिवृद्धि करना है। इस प्रतियोगिता का प्रथम चरण–04 मार्च, 2024 को आयोजित किया जायेगा। प्रथम चरण में 30–30 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के आधार पर 08 श्रेष्ठतम विद्यार्थियों का चयन करके 04 टीमें बनायी जायेगी। प्रतियोगिता के द्वितीय चरण का आयोजन 01 अप्रैल, 2024 होगा, जिसमें 20 प्रश्नों के आधार पर विजेता टीम का चयन होगा।

4. **मैप ड्राइंग प्रतियोगिता** – विद्यार्थियों में प्रतियोगिता विकसित करने उद्देश्य से गतवर्ष की भाँति इस सत्र में भी मैप ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजन 15 मार्च, 2024 को आयोजित किया जायेगा।
5. **महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार** – भूगोल विभाग अपने स्थापना सत्र से ही महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार का आयोजन करता आ रहा है। इस सत्र में भी 04–05 फरवरी, 2024 होगा।
   नोट : कार्यक्रमों की तिथियों, विषय एवं अतिथि में परिस्थितिजन्य परिर्वतन सम्भव।
6. **मानचित्र कार्यशाला** – स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों द्वारा भारत एवं विश्व मानचित्र पर अगल–अलग पक्षों यथा पर्वत, पठार, नादियां, लौह अयस्क, गेंहू, उद्योग, जनसंख्या घनत्व आदि का प्रदर्शन।
7. **भूगोल प्रदर्शनी** – इसके अंतर्गत भूगोल से सम्बन्धित मॉडल, आरेख रेखाचित्र आदि का प्रदर्शन।
8. **महत्वपूर्ण भौगोलिक तिथियों में परिचयात्मक व्याख्यान** – इसके अन्तर्गत महत्वपूर्ण भौगोलिक तिथियों यथा पृथ्वी दिवस, पर्यावरण दिवस, वन संरक्षण दिवस, ओजोन दिवस आदि के बारे में संक्षिप्त व्याख्यान प्रस्तुत किया जायेगा।
9. **कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यशाला** – कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जिसकी अवधि 7 दिन की होगी, जिसमें विद्यार्थियों को कम्प्यूटर क्रार्टोग्राफी एवं मानचित्रण का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
10. **भविष्य के नाम एक पौधा कार्यक्रम** – इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विभाग के प्रत्येक शिक्षक अपने गोद लिये गये विद्यार्थियों को प्रकृति, पर्यावरण एवं भविष्य की सुरक्षा हेतु प्रत्येक वर्ष एक पौधा देकर कहीं भी उसको लगाने के लिए प्रेरित किया जायेगा।

समाजशास्त्र विभाग

- **स्थापना वर्ष** – 2005
- **संचालित पाठ्यक्रम** – स्नातक (2005 से संचालित) (भाग एक,दो एवं तीन)
  परास्नातक समाजशास्त्र (2018 से संचालित) (भाग एक एवं भाग दो)
- **पाठ्यक्रम का वर्तमान स्वरूप** (सी.बी.सी.एस. प्रणाली) – स्नातक 6 सेमेस्टर
  परास्नातक 4 सेमेस्टर
- **शिक्षक जीवनवृत्त** – विभाग में शिक्षकों की संख्या इस प्रकार है:-
  (क) डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, (विभागाध्यक्ष)
  शैक्षिक योग्यता–एम.ए., पी–एच.डी.
  (ख) श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय, (सहायक आचार्य)
  शैक्षिक योग्यता–एम.ए., बी.एड्., नेट

(ग) डॉ. भावना पाण्डेय, (सहायक आचार्य)
शैक्षिक योग्यता-एम.ए., पी-एच.डी., नेट, बी.एड्.

सम्बन्धित शिक्षक का जीवनवृत्त (बायोडाटा) महाविद्यालय की वेबसाइड पर अपलोड है। शिक्षक जीवनवृत्त प्रत्येक सत्र में अद्यतन किया जाता है।

विभागीय कार्यक्रम

1. **विशिष्ट व्याख्यान**- समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दिनांक 14.03.2024 प्रस्तावित विषय-"सामाजिक मुद्दे एवं चुनौतियां"। विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय, विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
2. **शोध व्याख्यान प्रतियोगिता**- समाजशास्त्र विषय के छात्र/छात्राओं में शोध अभिरूचि बढ़ाने हेतु शोध व्याख्यान प्रतियोगिता दिनांक 18.11.2023 को प्रस्तावित है।
3. **अतिथि व्याख्यान**- समाजशास्त्र विषय के छात्र-छात्राओं हेतु प्रत्येक माह में गत सत्र की भाँति अतिथि व्याख्यान पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रस्तावित है।
4. **अतिथि व्याख्यान हेतु प्रस्तावित अतिथियों के नाम एवं तिथि-**
   - श्री सूरज मिश्र, (सहायक आचार्य, कम्प्यूटर सांइस विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर) 31.07.2023
   - डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल, (सहायक आचार्य, शारीरिक शिक्षा विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर) 26.08.2023
   - डॉ. देव नारायण पाण्डेय (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर) 29.09.2023
   - डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय, (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर) 30.10.2023
   - डॉ. विभाष कुमार मिश्र, (पुस्तकालयाध्यक्ष, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर) 06.11.2023
   - प्रो. ममता मणि त्रिपाठी, (प्राचार्या, उदित नारायण महाविद्यालय, पड़रौना, कुशीनगर) 06.02.2024
5. **कक्षाध्यापन**- विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास के लिए साप्ताहिक कक्षाध्यापन महाविद्यालय की अत्यन्त महत्वाकांक्षी योजना है। विभाग द्वारा पाठ्यक्रम योजना के अनुसार सप्ताह में पाँच दिन के कक्षा के उपरान्त छठे दिन साप्ताहिक कक्षाध्यापन विद्यार्थियों द्वारा कराया जाता है जिसमें पाँच से छः दिन पहले विद्यार्थियों को 'शीर्षक' उपलब्ध करा दिया जाता है एवं निर्धारित तिथि को कक्षाध्यापन कराया जाता है। विद्यार्थी तैयार किये गये शीर्षक को निर्धारित समय में पूर्ण करता है। कक्षाध्यापन का उद्देश्य विद्यार्थियों के मन से झिझक एवं डर को दूर कर उनके अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना है। वर्तमान सत्र से माइनर की कक्षाओं का संचालन कक्षाध्यापन के साथ ही किया जायेगा।

कक्षाध्यापन सूची –

कक्षा	कक्षाध्यापन										
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. प्रथम सेमे.	NA	7,14,23	9,16,23	09,17	-	-	-	-	-	-	
बी.ए. द्वितीय सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	07,15	1,9,16	4,12,20	4
बी.ए. तृतीय सेमे.	22	7,14, 23	9,16,23	09,17	-	-	-	-	-	-	
बी.ए. चतुर्थ सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	07,15	1,9,16	4,12,20	4
बी.ए. पंचम सेमे.	22	7,14, 23	9,16,23	09,17	-	-	-	-	-	-	
बी.ए. षष्ठम सेमे.	NA	7,14,23	9,16,23	09,17	-	-	-	07,15	1,9,16	4,12,20	4
एम.ए. प्रथम सेमे.	NA	7,14,23	9,16,23	09,17	-	-	-	-	-		
एम.ए. द्वितीय सेमे.	-	-	-	-	-	-	22	07,15	1,9,16	4,12,20	4
एम.ए. तृतीय सेमे.	22	7,14,23	9,16,23	09,17	-	-	-	-	-		
एम.ए. चतुर्थ सेमे.	-	-	-	-	-	-	22	07,15	1,9,16	4,12,20	4

6. **मासिक मूल्यांकन**– विभाग द्वारा प्रत्येक माह में पाठ्यक्रम योजना के अनुसार पढ़ाये गये व्याख्यान से दीर्घउत्तरीय 3 (तीन) एवं बहुविकल्पीय आधारित प्रश्न देकर विद्यार्थियों को निर्धारित कक्षा की घण्टी में जमा करके उसका मूल्यांकन किया जाता है और सभी विद्यार्थियों को उनके अंक बता दिये जाते हैं एवं उसका विवरण प्रगति आख्या पर अंकित कर दिया जाता है। मासिक मुल्यांकन इस सत्र से ऑनलाइन विधि से होगा। जिसे गूगल फार्म/अन्य तकनीकी द्वारा विद्यार्थियों को उनके कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप पर भेज दिया जायेगा।

मासिक मूल्यांकन सूची –

कक्षा	मासिक मूल्यांकन										
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. प्रथम सेमे.	छा।	30	30	31	–	–	–	–	–	–	–
बी.ए. द्वितीय सेमे.	–	–	–	–	–	–	–	22	27	27	11
बी.ए. तृतीय सेमे.	31	30	30	31	–	–	–	–	–	–	–
बी.ए. चतुर्थ सेमे.	–	–	–	–	–	–	–	22	27	27	11
बी.ए. पंचम सेमे.	31	30	30	31	–	–	–	–	–	–	–
बी.ए. षष्ठम सेमे.	–	–	–	–	–	–	31	22	27	27	11
एम.ए. प्रथम सेमे.	NA	31	30	31	–	–	–	–	–	–	–
एम.ए. द्वितीय सेमे.	–	–	–	–	–	–	31	22	27	27	11
एम.ए. तृतीय सेमे.	31	30	30	31	–	–	–	–	–	–	–
एम.ए. चतुर्थ सेमे.	–	–	–	–	–	–	31	22	27	27	11

7. **ग्राम्य दर्शन**– इस योजना के अन्तर्गत विभाग के शिक्षक गोद लिए गए गाँव का भ्रमण करने विद्यार्थियों के साथ जाते हैं। ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा, सरकारी योजनाओं के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया जाता है। गत वर्ष की भाँति विभाग इस वर्ष निर्धारित कार्यक्रमों के साथ ग्रामीणो में जागरूकता के कार्यक्रम प्रस्तावित तिथियों के अनुसार करेगा।

   ग्राम्य दर्शन की प्रस्तावित तिथियाँ–
   1. 06 अगस्त, 2023 (माह का प्रथम रविवार)
   2. 28 अक्टूबर, 2023 (महर्षि वाल्मिकी जयन्ती)
   3. 24 फरवरी, 2024 (संत रविदास जयन्ती)
   4. 05 मई, 2024 (माह का प्रथम रविवार)

8. **कार्यशाला**– वर्तमान सत्र में विभाग द्वारा सप्तदिवसीय कार्यशाला की योजना है जो दिनांक–16.10.2023 से 22.10.2023 तक प्रस्तावित है।

9. **पाठ्यक्रम योजना**– विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम योजना (सेमेस्टर प्रणाली) के अनुसार सभी कक्षाएं संचालित होती हैं। विगत वर्षों में 16 जुलाई से स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं परास्नातक अन्तिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हो जाती रही है, तथा 1 अगस्त से स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ होती रही हैं। वर्तमान सत्र में 17 जुलाई से बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, पंचम सेमेस्टर एवं एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ हो रही है तथा स्नातक एवं परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 01 अगस्त से संचालित होंगी।

10. **समय-सारणी**– विभाग की कक्षायें पूर्णत: समय-सारणी के अनुसार संचालित होती हैं।

11. **पठन-पाठन**– समाजशास्त्र विभाग में सामान्यत: निम्नलिखित शिक्षण विधियों से पठन-पाठन कराया जाता है–
    - व्याख्यान विधि
    - प्रश्नोत्तर विधि
    - समूह चर्चा
    - प्रोजेक्टर (PPT)

12. **विभागीय पुस्तकालय**– विभाग में पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है। इसमें शिक्षकों के पुस्तक लेन-देन से संबंधित साथ-साथ विद्यार्थियों को भी पुस्तक पढने की सुविधा प्रदान की जाती है। पंजिका विभाग में उपलब्ध है। विभागीय शिक्षक प्रतिदिन केन्द्रीय पुस्तकालय में अध्ययन हेतु जाते है।

13. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र**– विभाग द्वारा प्रत्येक सत्र में सितम्बर एवं जनवरी माह में शिक्षक उन्नयन हेतु विद्यार्थियों के सुझावों के आधार या शिक्षक मूल्यांकन सुधार करता है।

14. **शिक्षक स्वमूल्यांकन**– विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा प्रत्येक माह 02 तारीख तक शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरा जाता है। जिसमें शिक्षक के आने जाने का समय, किसी कार्यक्रम में स्वप्रेरणा से सहयोग, सम्बन्धित दायित्व निर्वहन आदि बातों का उल्लेख किया जाता है।

15. **यूट्यूब/फेसबुक/सोशल मीडिया**– विभाग द्वारा महाविद्यालय के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों एवं आयोजनों का जो महाविद्यालय यूट्यूब व फेसबुक के माध्यम से सीधा प्रसारण होता है, विद्यार्थियों के कक्षा समूह पर लिंक भेजकर सम्बन्धित आयोजनों एवं कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए प्रेरित करता है।

16. **ब्लाग रिपोर्ट**– विगत सत्र में प्रोजेक्टर द्वारा कुछ कक्षाएं विभाग के शिक्षकों द्वारा चलाई गई है। इस सत्र में सभी कक्षाएं प्रोजेक्टर पर पढ़ाने की योजना है। महाविद्यालय के वेबसाइट पर शिक्षक ब्लॉग पर विभाग के शिक्षकों द्वारा पी.पी.टी./ई-कन्टेन्ट अपलोड किया जाता है। जिसका उपयोग विद्यार्थी कभी भी डाउनलोड करके

पढ़ सकते है।

17. **प्रगति आख्या**- इसके अन्तर्गत पढ़ाये गये व्याख्यानों की संख्या, छात्र उपस्थिति, कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन का अंक, आचरण व्यवहार विश्वविद्यालय परीक्षा के अंकों का विवरण भरा जाता है। इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थी के पठन-पाठन की गतिविधियों का निरीक्षण कर सुझाव देना है। इस सत्र से प्रगति आख्या पूर्णतः आनलाईन भरी जा रही है।
18. **विश्वविद्यालय परीक्षा**- इसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय परीक्षा (मिडटर्म एंड इण्ड टर्म) के मानक पर प्रश्नों को बनाकर आगामी परीक्षा की तैयारी के लिए प्रश्नों का स्वरूप दे दिया जाता है जिससे विद्यार्थी आगामी परीक्षा के लिए अच्छे से तैयार हो सके।
19. **परीक्षफल विश्लेषण**- परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर विद्यार्थियों का विश्लेषण किया जाता है जिसकी सूचना विभागीय रिपोर्ट में प्रस्तुत हैं।
20. **गोद लिए गये विद्यार्थी**- विभाग का प्रत्येक शिक्षक प्रथम सेमेस्टर के पाँच विद्यार्थियों को गोद लेता है। ये विद्यार्थियों इस शिक्षक के गोद में अपनी पढ़ाई पूरी करने तक रहते है। यदि उनका आचरण, व्यवहार ठीक नहीं रहता है तो उन्हें परिवर्तित् कर दिया जाता है। उसके स्थान पर दूसरे विद्यार्थी का चयन कर लिया जाता है।

गोद लिए गए विद्यार्थियों का विवरण

शिक्षक : **डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय**	शिक्षक : **श्री रितेन्द्र नाथ पाण्डेय**	शिक्षक : **डॉ. भावना पाण्डेय**
रजनीश कुमार	आदित्य कुमार	आशुतोष यादव
संजना सिंह	मन्धया प्रजापति	सावित्री प्रजापति
नीलेश सिंह	विश्वजीत शर्मा	शालिनी मिश्रा
विनय कुमार गुप्ता	प्रियंका	शिवांगी राय
अमित कुमार गुप्ता	चन्दन कुमार गौंड	रिमझिम मद्धेशिया

विद्यार्थियों को गोद लेने का उद्देश्य अभिभावक के रूप में व्यक्तिगत रूप से जुड़े रहना, उनकी समस्या जानना एवं उचित समाधान करना, सामूहिक, रचनात्मक कार्यो के साथ ही विभाग एवं महाविद्यालय के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से सहभाग के लिए प्रेरित करना, एवं स्वच्छता तथा अनुशासन को बनाये रखना। विभागीय शिक्षकों द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थियों के साथ प्रत्येक माह में एक बार बैठक निर्धारित है।

21. **विद्यार्थी पृष्ठ पोषण विश्लेषण**- निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्ण हो जाने के पश्चात कक्षाओं में विद्यार्थियों की त्रुटियों आदि से अवगत कराया जाता है, ताकि विद्यार्थी उन्हे सुधार सके साथ ही इस प्रक्रिया में छात्रों की अच्छी विशेषताए, अच्छे कार्य एवं उनके गुणो व अच्छाइयों के बारे में बात करके उन्हें उससे अवगत कराया जाता है।
22. **प्रार्थना सभा**- महाविद्यालय में प्रार्थना सभा प्रत्येक दिन 09:25 से 09:40 तक आयोजित की जाती है जिसमें विभाग के शिक्षक अनिवार्य रूप से उपस्थित होते है। साथ ही विभाग के सभी विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा में उपस्थित होने के लिए प्रेरित करते है। महाविद्यालय की परम्परानुसार प्रार्थना सभा प्रत्येक सत्र में 01 अगस्त से 30 अप्रैल तक सम्पन्न की जाती है। इसका उद्देश्य राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईश वन्दना, गीता

उपदेश के माध्यम से राष्ट्रप्रेम एव भक्ति भावना का भाव जागृत करना है तथा प्रत्येक कार्यदिवस में पड़ने वाले महापुरुषों की जन्मतिथि एवं पुण्यतिथि तथा अन्य महत्वपूर्ण दिवसों पर उद्‌बोधन के माध्यम से प्रेरित किया जाता है।

23. **स्वैच्छिक श्रमदान**– इसके अन्तर्गत सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को कक्षाएं 40 मिनट की चलती है। मध्यावकाश स्थागित रहता है। इस दिन 01 घण्टे 10 मिनट के समय में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ विभाग के सभी शिक्षक विद्यार्थियों को स्वैच्छिक श्रमदान करते है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।
24. **नि:शुल्क चिकित्सा**– महाविद्यालय में प्रत्येक सप्ताह में दो दिन चिकित्सा शिविर का आयोजन होता है। विभाग के शिक्षकों द्वारा महाविद्यालय के आस-पास के गांवों में स्वास्थ्य लाभ हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाता है।
25. **राष्ट्रीय सेवा योजना**– महाविद्यालय की स्थापना काल से ही यह योजना लागू है। विभाग के शिक्षक समाजशास्त्र विषय के विद्यार्थियों को इसकी सदस्यता ग्रहण करने के लिए प्रेरित करते है।
26. **रोवर्स रेंजर्स**– महाविद्यालय में गत वर्ष की भांति यह योजना लागू है। विभाग के शिक्षक समाजशास्त्र विषय के विद्यार्थियों को इसकी सदस्यता ग्रहण करने के लिए प्रेरित करते हैं।
27. **दायित्व सह कार्य**– महाविद्यालय के स्थापना काल से ही शिक्षण कार्य के अतिरिक्त समस्त आचार्यो को कुछ दायित्वों को दिया जाता है। जिसमें विभाग के शिक्षकों का दायित्व इस प्रकार है:– डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय (पुस्तकालय प्रभारी), श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय (स्वच्छता प्रभारी) एवं डॉ. भावना पाण्डेय (वार्षिक युवा महोत्सव प्रभारी)।
28. **राष्ट्रीय संगोष्ठी**– विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने की योजना है।
29. **शिक्षक स्वयं प्रतिमान बनें**– उपर्युक्त के अतिरिक्त, शिक्षक आचार संहिता का पालन करना, महाविद्यालय में अनुशासन बनाये रखना, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना, बिजली पानी की बचत, परिसर संस्कृति के अनुरूप शिक्षक, विद्यार्थी आचरण/व्यवहार बनाये रखना आदि के लिए शिक्षक द्वारा समय-समय पर प्रेरणा दी जाती है।
30. **विभागीय मासिक समीक्षा बैठक**– विभाग द्वारा प्रत्येक माह के अन्तिम कार्य दिवस में विभाग की समीक्षा एवं अगले माह की कार्य योजना से सम्बन्धित बैठक होती है। यह योजना वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।
31. **स्नातक से परास्नातक**– स्नातक कक्षा से उत्तीर्ण विद्यार्थी जो परास्नातक समाजशास्त्र में महाविद्यालय/अन्यत पंजीकृत होते है। उन विद्यार्थियों से संबंधित जानकारी विभाग में उपलब्ध है।
32. **स्वैच्छिक विद्यार्थी आर्थिक सहायता**– विभाग द्वारा महाविद्यालय के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी की जरूरत पड़ने पर सहायता की जाती है। जो आगामी सत्रों में संचालित रहेगी। विगत सत्र में डॉ. भावना पाण्डेय जी द्वारा बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थी राहुल प्रजापति की परीक्षा शुल्क 2000 रू. तथा पुस्तक खरीदने हेतु विज्ञान विभाग की छात्रों को 250 रूपये दिया गया है।

नोट– उपर्युक्त कार्यक्रम की तिथि/अतिथि के सन्दर्भ में समय एवं विशेष परिस्थिति के आधार पर परिवर्तन हो सकता है। यह सभी कार्यक्रम विभाग द्वारा प्रस्तावित है।

Department of English Literature

1. **Classes according to time table -** College has allotted II period for the B.A. I Semester in Chhatrapati Shivaji kaksh, VI period for B.A.Vth Semester in Swami Dayanand Sarswati kaksh & Dept. will take all the classes at the allotted time in the allotted kaksh. VII B.A. IIIrd Sem in Kautilaya kaksha IV, 1st Sem Kshatrapati Shiva ji is Minor Period.

2. **Lesson Plan -** Dept. teaches according to the lesson plan. Last year 110 working days for B.A. Ist Semester, 67 working days for B.A IInd Semester, 114 working days for IIIrd Semester and 64 working days for B.A. IVth Semester, But Department had taken 64 classes in B.A. Ist Semester, 60 classes in B.A. IInd Semester, 81 classes in B.A. IIIrd Semester and 57 classes in IVth Semester.

   This year classes of B.A. IIIrd Sem and B.A. Vth Semester classes have been started from 10th July 2023. Department will try to complete the syllabus according to lesson plan on time. Extra classes will be managed during the working days & hours.

3. **Minor Class/Class Teaching -** Classes will be conducted through classroom teaching by enrolling student one week before the syllabus related to the minor course. By taking 10 minutes before the completion of the class. corrective efforts will be made by reviearing the subject Taught by the Student by the Teachers.

Class	Minor Class Schedule							
	July	August	September	October	November	December	January	Febuary
B.A. I Sem.	NA	7,14,23	9,16,23	10,18				
B.A. III Sem.	24	7,14,23	9,16,23	10,18	NA	NA	NA	NA
B.A. V Sem.	24	7,14,23	9,16,23	9,17				

Class	Minor Class Schedule			
	Febuary	March	April	May
B.A. II Sem.	7,15,22	7,15,22	6,15,23	7,14
B.A. IV Sem.	7,15,22	7,15,22	6,15,23	7,14
B.A. VI Sem.	7,15,22	7,15,22	6,15,23	7,14

4. **Monthly Evaluation -** Written and multiple choice question form the lectures taught in each month will be given as home work to the students after that the answer given by the them will be evaluated and marked in the progress report of every month.

Class	Monthly Evaluation Schedule			
	July	August	September	October
B.A. I Sem.	NA	30	30	31
B.A. III Sem.	31	30	30	31
B.A. V Sem.	31	28	29	30

Class	Monthly Evaluation Schedule			
	Febuary	March	April	May
B.A. II Sem.	29	30	30	NA
B.A. IV Sem.	29	30	30	NA
B.A. VI Sem.	29	30	30	NA

5. **Power-point classes -** This year Dept. has decided to take Maximum as sequi semester of topic classes on projector through PPT presentation too. Though dept. has uploaded the complete syllabus of B.A. I, II, III, IV and V Semester on the Departmental Blog in the notes form last year. Department will ask students to access the blog. The students who want to take the benefit of power point class as well as notes online they have to access the blog of the department.

6. **Teaching Methodology**
   - Chalk & talk
   - Book Reading
   - Power-Point
   - Explanation Method
   - Participatory Method
   - Class Teaching
   - Group Discussion
   - Real time question
   - Problem solving sessions
   - Competition

7. **Guest Lectures**

   "Something different than the usual always seems interesting!"

   Guest lectures & workshops enhances the educational experience of the students. It provides them opportunity to learn new, when students are guided by the professors or the guest lectures they learn a ton, with such aim Dept. has planned to organise guest lectures workshop for the students on:

Date	Topic	Lecturer
31-10-2023	Core skills in electronic Medial	Dr. Sudheer Narayan Singh, H.O.D. Department of Humanities & Management Science, MMMUT, Gorakhpur
09-02-2024	Literature Film & Society	Dr. Aseem Tripathi, H.O.D. Department of English, K.S. Saket P.G. College Ayodhya
09-02-2024	Growth of Indo-Anglian literature	Prof. Shikha Singh, Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur

8. **Proposed 7 Days Workshop**

   6th-12thFeb. 2023 (Monday-Sunday)

Date	**Topic**	**Lecturer**
06-02-2024	Inauguration ceremony & An Introduction to criticism & growth of criticism	Dr. Shikha Malviya, H.O.D., Dept. of English Lit., Brij Bihari Degree College, Kausikala, Mathura
07-02-2024	Biographicial criticism	Dr. Mohd. Faiz Asst. Prof. Upadhi Degree College, Pilibhit
02-2024	Comparative criticism & Chicago school of criticism	Dr. Mohd. Faiz Asst. Prof. Upadhi Degree College, Pilibhit
09-02-2024	Psychological criticism	Dr. Mohd. Faiz Asst. Prof. Upadhi Degree College, Pilibhit
10-02-2024	Myth & feminist criticism	Dr. Mohd. Faiz Asst. Prof. Upadhi Degree College, Pilibhit
11-02-2024	New criticism	Dr. Shikha Malviya, H.O.D., Dept. of English Lit., Brij Bihari Degree College, Kausikala, Mathura

9. **Proposed Subject Experts**
   - Prof. Alok, H.O.D., Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
   - Prof. Ajay Shukla, Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
   - Prof. Shikha Singh, Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
   - Dr. Anugrah Tiwari, Associate Prof. Dept. of English Lit., St. Andrews College, Gorakhpur

- Dr. Pankaj Kumar Singh, Asst.Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
- Dr. Sudheer Narayan Singh, H.O.D. Department of Humanities & Management Science, MMMUT, Gorakhpur
- Dr. Rajesh Srivastava, Asst.Prof. Dept. of English Lit., Govt. P.G. College, Dhara, Kushinagar.

Date & Guest can be changed according to the current situation & avaibility of the guest lecturer.

10. **Competitions -** Competition not only promotes, improved teamwork & collaboration & enhances social emotional learning, but also develops academic heroes, beneficial peer comparisons & increase intrinsic motivation. So to bring all these, Dept. will organise some competitions as:

Date	Competition	Topic
23-11-2023	Elocution Competition	The Impact of Technology on Literature and Society
20-12-2023	Essay Competition	Importance of voting in India
04-02-2024	Story-writing competition	Picture will be given
04-02-2024	Lecture competition	-------------------
24-02-2024	Extempore	-----------------

Last year due to covid-19 very few students were regular & so only 30% of students had participated. This year dept. will try to train the students for the proper use of technology so they can participate even online & will inspire all the students to participate.

11. **Problem Solving class & Remedial Class -** V Period will be declared as Problem solving class for the Students of B.A. I, II, III and IV Semester. The period of 15th Feb-24th Feb will be declared as remedial class after pre-university examination to clear their doubts & to discuss their writing skill to get more marks.
12. **Shikshak Pratipusthi Prapatra -** This year too Dept. will take feedback of students on prescribed format twice in a year i.e. in the month of September & January to improve the teaching methodology & to know what are the expectations of the students from the class & college. Last year 100% regular students had filled feedback form.
13. **Self-assessment & progress report -** Dept. fills self-assessment form each & every month's last day with the progress report of the students online. It allows us to create critical reflective practice in our own actions. It strengthens & aware about the responsibilities over own work & increase control & ownership of our professional development.

    This year too dept. will continue and try to submit both either on the last day of the month or the first day of the upcoming month as dept. has done since 2006.
14. **Value added Course -** Dept. had conducted spoken classes free of cost since 2007-2022 but due to Covid-19 last year (session 2020-2021) Dept. had postponed the scheme. This year dept. will try to conduct spoken classes from Nov 21-Feb 23 and Speaking and Writing effective.
15. **Library -** Dept. visits & spends at least half an hour to forty minutes in the library everyday & promotes students too to visit library & provide them lists of books to access some supplementary books. Dept. has its departmental library too but very few books are available in the departmental library as Dept. is attached to central library.
16. **Students Adoption by faculties -** The faculty member of the department will adopt 5 students and look after their overall academic and personality development aspect of students. They will play the role of parents and help the students excel in moral as well professional field. Each teacher makes a complete record of all the adopted students which includes complete biodata, academic records, family background and photograph etc.

The aim of this scheme is to develop a harmonious relation with the adopted students which in terms builds a confidence on teachers in students.

17. **Students currently Adopted by faculties**

S.No.	Name of Students	Mobile Number	Class	Adopted by
1	Sneha Gautam	8299231945	B.A. II Semester	Shivani Singh
2	Vivek Kumar Nishad	9005460291	B.A. II Semester	Shivani Singh
3	Shivam Kumar	9795026096	B.A. IV Semester	Shivani Singh
4	Amrita Chauhan	9793979693	B.A. II Semester	Shivani Singh
5	Radhika Gupta	8418089832	B.A. II Semester	Shivani Singh

18. **Visit to Village -** One Village Kakrahiya was adopted by the department to uplift the educational and sacio-economic status of the villagers. The department will organçe campusè visits in the village four times in year at these pre-determined dates

- 8th August, 2023
- 24th October, 2023
- 28th February, 2024
- 06th May, 2024

The department organizes the campus in the following broad areas to develop the village community: -

- Public Awareness Rally about AIDS.
- Prevention of Anemia disease in rural women and girl.
- Millets
- Voting Awareness- Jagriti.

19. **Blog -** Last year dept. had uploaded Departmental report, one research paper & 100% of syllabus of B.A. I, II & III year and Pre-University Question Papers on the blog which is provided by the college on the college website. This year dept. will try to upload all the research paper on the blog.

20. **Swachhik Shramdan -** Dept. along with 60% students of the dept. participate in swachhik shramdan to develop the habit of cleanliness & to make Students feel that labourers are in no way inferior to us & not any job is inferior than the other one. Apart from this shramdan provides our mind the pleasure of satisfaction, our personality of idealness& benefits the body in so many ways.

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग

1. **उद्देश्य** – इतिहास का सम्बन्ध समय से है और समय शाश्वत सत्य है। विभाग का प्राथमिक उद्देश्य अपने विभागीय विद्यार्थियों को कल, आज और सम्भावित कल की संस्कृति, सभ्यता, परम्परा, ज्ञान–विज्ञान, लोक कला के साथ–साथ तत्कालीन स्थितियां–परिस्थितियां आदि का शिक्षण व ज्ञान देकर वर्तमान की प्रगतिशीलता और समय की सातत्य डोर से उन्हें बाँधे रखना है।

2. **शिक्षक जीवनवृत्त (अद्यतन)** – विभाग में कार्यरत शिक्षकों का पूर्ण एवं अद्यतन बायोडाटा ए.पी.आई. स्कोर सहित निर्मित है, जो विभाग में अवलोकनार्थ संरक्षित रखे हुए। किसी भी सक्षम अधिकारी द्वारा विभागीय शिक्षकों का बायोडाटा किसी भी समय अवलोकन/परीक्षण किया जा सकता है। शिक्षकों द्वारा अपना बायोडाटा सत्र के अन्त में प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाता है।

3. **पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षा संचालन** – नियोजित रूप से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम को पढ़ाने के उद्देश्य से विभाग में सुनिश्चित पाठ्यक्रम योजना प्रत्येक विभागों द्वारा बनायी जाती है। पाठ्यक्रम योजना के अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम को कार्यदिवसों के अनुरूप बाँट दिया जाता है। पाठ्यक्रम योजना

3+2+1 की योजना पर कार्य करती है। अर्थात 03 दिन एक प्रश्नपत्र, 02 दिन दूसरा प्रश्नपत्र तथा 01 दिन कक्षाध्यापन/मासिक मूल्यांकन कक्षा का संचालन होता है। इस सत्र में कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन की कक्षा में माइनर कोर्स के संचालन की योजना है। कक्षाध्यापन का स्वरूप आगे विवेचित है। मासिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 03 निबन्धात्मक प्रश्न हल करने हेतु विद्यार्थियों को प्रश्न-पत्र के माध्यम से दे दिया जाएगा, जिसका उत्तर विद्यार्थी अपने घर से लिखकर लाएगा। उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन शिक्षकों द्वारा कर के विद्यार्थी को सुधारात्मक सुझाव दिया जाएगा। इस प्रकार मासिक मूल्यांकन कक्षा में भी हम माइन कोर्स की कक्षा संचालित करेंगे। पाठ्यक्रम योजना में विभाग के किस कार्यदिवस में किस शिक्षक को कौन सा प्रकरण पढ़ाना है, यह पूर्व निर्धारित रहता है। इस प्रकार पाठ्यक्रम योजना बनाने का उद्देश्य स्पष्ट तौर पर सत्र भर "पूर्व योजना-पूर्ण योजना" के सिद्धान्त पर अनुशासित रूप से कक्षाओं का संचालन करना है। प्रतिवर्ष की ही भाँति विभाग द्वारा इस सत्र (2023-24) की पाठ्यक्रम योजना मई माह में निर्मित कर ली गई है। वर्तमान सत्र में बी.ए. तृतीय एवं पंचम तथा एम.ए.तृतीय सेमेस्टर की कक्षा विभाग द्वारा 17 जुलाई से ही प्रारम्भ कर दिया जायेगा। 1 अगस्त से बी.ए. प्रथम सेमेस्टर एवं एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ हो जायेगी। स्नातक तृतीय, चतुर्थ तथा षष्ठम सेमेस्टर एवं परास्नातक द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षाएं 16 जनवरी, 2024 से प्रारम्भ होगी। विभागीय पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध होने के साथ-साथ विभाग के विद्यार्थियों को भी कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से उपलब्ध करा दिया जायेगा।

4. **कक्षाध्यापन/माइनर कोर्स की कक्षाओं का संचालन** - विद्यार्थियों में सम्प्रेषण क्षमता तथा अभिव्यक्ति कौशल के विकास के उद्देश्य से विभाग द्वारा सप्ताह में एक दिन विद्यार्थियों द्वारा कक्षा का संचालन कराया जाता है, जिसे हम महाविद्यालय प्रशासन की भाषा में विद्यार्थी कक्षाध्यापन कहते है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षक प्रत्येक कक्षा में उपस्थित विद्यार्थियों के अनुक्रमांक के बढ़ते क्रम में 05/10 विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें कक्षाध्यापन का शीर्षक स्वेच्छा से चुनने को कहता है। विद्यार्थी शीर्षक न चुन सके तो शिक्षक स्वयं शीर्षक देता है। तत्पश्चात समय की उपलब्धता के आधार पर उनका व्याख्यान शीर्षक प्रस्तुतिकरण योग्य तैयार करवाता है तथा स्वयं 05 दिन कक्षा में पढ़ाने के उपरान्त छठवें दिन निर्धारित विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन कराया जाता। वर्तमान सत्र में माइनर विषयों की कक्षाओं का भी नियमित संचालन होना है। ये कक्षाऐं कक्षाध्यापन के स्थान पर ही चलेंगी। इस हेतु शिक्षक विद्यार्थियों को माइनर विषयों के चुनिंदा (पाठयक्रम से सम्बन्धित) प्रकरण देंगे जिन्हें विद्यार्थी पूरी तरह से तैयार कर कक्षाध्यापन के समय उसे ही पढ़ायेंगे। अंत में शिक्षक 10 मिनट में उक्त् प्रकरणों को विश्लेषित करते हुए अपनी प्रस्तुति देंगे। इस प्रकार कक्षाध्यापन की कक्षा में माइनर कोर्स पूर्ण करने की विभाग की योजना है।

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	लागू नहीं	9,17	2,12,19	05,12
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	26	03,10,18	4,13,20	06,13
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	26	03,10,18	4,13,20	06,13
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	लागू नहीं	09,17	2,12,19	05,12
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	26	03,10,18	4,13,20	06,13

कक्षा	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	लागू नहीं	09,17	04,12,19	06,15,23
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	लागू नहीं	07,15	01,09,16	04,12,20
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	लागू नहीं	08,16	02,11,18	05,13,22
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर	22	07,15	01,09,16	04,12,20
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	22	07,15	01,09,16	04,12,20

5. **मासिक मूल्यांकन** - प्रत्येक मास के अन्त में विद्यार्थियों की विषय-ग्राह्यता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से प्रत्येक कक्षा में मासिक मूल्यांकन उपरोक्त निर्धारित प्रारूप के आधार पर किया जायेगा। मासिक मूल्यांकन के प्रश्न-पत्र उसी माह में पढ़ाये गये विषय-वस्तुओं के आधार पर ही निर्मित होंगे। इस सत्र में प्रस्तावित मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ अग्रंकित हैं-

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	लागू नहीं	25	26	20
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	लागू नहीं	26	27	21
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	लागू नहीं	26	27	21
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	लागू नहीं	25	26	20
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	लागू नहीं	26	27	21

कक्षा	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	लागू नहीं	26	30	30
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	लागू नहीं	22	27	27
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	लागू नहीं	23	28	29
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर	31	22	27	27
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	31	07,15	01,09,16	27

6. **प्रगति आख्या** - प्राचीन इतिहास विषय की प्रत्येक कक्षा में पढ़ रहे समस्त विद्यार्थियों की कक्षा में कुल उपस्थिति, उनका आचरण-व्यवहार, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन में उनका प्रदर्शन इत्यादि का विवरण प्रत्येक माह, माह के अन्त में ऑनलाइन/ऑफलाइन प्रगति आख्या में संकलित किया जायेगा। सत्र के अन्त में इसका विश्लेषणात्मक अध्ययन भी किया जाएगा।

7. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** - विभागीय शिक्षकों द्वारा प्रत्येक माह ऑनलाइन/ऑफलाइन शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लॉग के अन्तर्गत अपलोड कर दिया जाएगा। स्वमूल्यांकन प्रपत्र की एक छायाप्रति शिक्षक अपने पास भी विभाग में रखेगा। इस शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र में शिक्षक अपनी

गत मास की मासिक गतिविधियों यथा- किस कक्षा में कितना व्याख्यान पढ़ाये, कितने कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन कराए, कितने दिन महाविद्यालय विलम्ब से आये, कितने दिन महाविद्यालय से समय से पूर्व चले गये, दिये गये उत्तदायित्वों का निर्वहन कैसे किया, महाविद्यालय के योजनाओं एवं कार्यक्रमों में कैसे सहभाग किया, इत्यादि का विवरण दर्ज होगा। सत्र के अन्त में शिक्षक द्वारा इस स्वमूल्यांकन प्रपत्र का विश्लेषण कर आने वाले सत्र में परिलक्षित कमियों, दोषों का निवारण भी किया जायेगा।

8. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - इस प्रपत्र के माध्यम से शिक्षक अपने व्यवहार, आचरण, शिक्षण विधि, विषय ज्ञान एवं सम्प्रेषण कौशल का मूल्यांकन विद्यार्थियों द्वारा सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में कराता है। वर्तमान सत्र में भी यदि परिस्थितियाँ अनुकूल रहीं तो सितम्बर एवं दिसम्बर माह में यह प्रपत्र भरवाया जायेगा। साथ ही प्रपत्र में प्राप्त नकारात्मक बिन्दुओं पर आत्मचिन्तन एवं आत्मविश्लेषण कर भविष्य में उसे सुधारने का प्रयास किया जायेगा।

9. **स्वैच्छिक श्रमदान** - महाविद्यालय में संचालित स्वैच्छिक श्रमदान प्रकल्प में विभाग द्वारा विगत सत्रों में भी सक्रिय सहभाग किया जाता रहा है। इस सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में विभाग अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित यथासम्भव सम्मिलित रहेगा।

10. **शिक्षण विधियाँ** - पाठ्य विषय को ग्राह्य एवं रुचिकर बनाने के उद्देश्य से कक्षाओं में विविध शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग किया जायेगा। कुछ प्रमुख प्रविधियाँ निम्नवत् हैं:

    1. व्याख्यान विधि द्वारा शिक्षण
    2. प्रश्नोत्तरी विधि द्वारा शिक्षण
    3. समूह परिचर्चा विधि द्वारा शिक्षण
    4. मानचित्रों द्वारा शिक्षण
    5. वंशावली चार्टों द्वारा शिक्षण
    6. प्रदर्शन विधि द्वारा (मुद्रा प्रदर्शन बोर्ड) शिक्षण
    7. शैक्षिक भ्रमण विधि द्वारा शिक्षण

    उपर्युक्त शिक्षण विधियाँ विद्यार्थियों के मानसिक विकास के साथ-साथ उनमें तार्किकता के सृजन, चिन्तन, बौद्धिकता, विषयग्राह्यता और तकनीकी कुशलता को विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगी। इस सत्र में भी विगत वर्ष की ही भांति विभाग द्वारा सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम योजनानुसार समस्त प्रश्नपत्रों का पी.पी.टी. बनाकर सभी कक्षाओं को प्रोजेक्टर से पढ़ाने की योजना है।

11. **विभागीय कार्यक्रम**

    विगत सत्रों की ही भाँति इस सत्र में भी विभाग द्वारा विभाग एवं महाविद्यालय स्तर पर कुछ कार्यक्रम कराने की योजना है। इनमें से कुछ कार्यक्रम परम्परागत स्वरूप पर होंगे, जबकि कुछ नवीन प्रयोगों पर आधारित। विभाग द्वारा इस सत्र में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की सम्भावित सूची निम्नवत् है।

    अतिथि व्याख्यान - विभाग की यह सुदीर्घ परम्परा रही है कि विभाग प्रतिवर्ष कुछ चुनिंदा विषयों पर विशिष्ट व्याख्यान के रूप में बाह्य विषय विशेषज्ञों का मार्ग दर्शन अपने विद्यार्थियों को उपलब्ध कराता है। इस वर्ष भी

कुछ महत्वपूर्ण अतिथि व्याख्यान का आयोजन विद्यार्थियों हेतु कराने की योजना है। जिसका विवरण अग्रलिखित है।

क्र.सं.	तिथि	विषय	वक्ता
1	28-07-2023	डॉ. परमेश्वरी लाल गुप्त पुण्यतिथि कार्यक्रम (विशेष व्याख्यान) पूर्व संध्या पर	प्रो. विपुला दुबे, आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
2	31-07-2023	प्रो. दामोदर धर्मानन्द कोसम्बी जयन्ती कार्यक्रम (विशेष व्याख्यान)	डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह, अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं सांस्कृतिक विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
3	04-08-2023	काशी प्रसाद जायसवाल पुण्यतिथि कार्यक्रम (विशेष व्याख्यान)	प्रो. राजवन्त राव, पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
4	07-08-2023	डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल जयन्ती कार्यक्रम (विशेष व्याख्यान)	प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी, आचार्य, प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी - आगामी 01, 02 एवं 03 मार्च, 2024 को विभाग द्वारा 'भारत नेपाल अन्तर्सम्बन्धों की विकास यात्रा अतीत से वर्तमान तक' विषय एक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी करवाने की योजना है। इस हेतु प्रस्ताव बना लिया गया है। शीघ्र आर्थिक अनुदानार्थ इस प्रस्ताव को भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (ICHR) नई दिल्ली एवं अन्य समर्थ संस्थाओं को भेज दिया जाएगा।

व्याख्यान प्रतियोगिता - विद्यार्थियों में अभिरूचि क्षमता एवं सम्प्रेषण कौशल के विकास हेतु एक विभाग स्तरीय व्याख्यान प्रतियोगिता के आयोजन की योजना है। यह प्रतियोगिता 10 अप्रैल, 2024 को होगी।

वंशावली चार्ट निर्माण प्रतियोगिता - यह प्रतियोगिता 12 अप्रैल, 2024 को आयोजित होगी। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के इतिहास विषयक कालानुक्रम को समझने में सहायक होती है।

12. **ग्राम्य दर्शन** - प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा महाविद्यालय से सटे ग्राम- छोटी रेतवहियाँ को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लिये जाने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जागरूकता, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संचालित कर उन्हें भी समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर देना है। इस वर्ष विभाग द्वारा गोद लिये गाँव छोटी रेतवहियाँ में विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण एवं जनजागरूकता हेतु 4 बार ग्राम भ्रमण किया जायेगा।

13. **गोद लिए गए विद्यार्थी** - विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए विभाग का प्रत्येक शिक्षक 5 विद्यार्थियों को गोद लेता है। गोद लिये गये विद्यार्थी प्रायः प्रथम वर्ष के होते हैं। विभाग द्वारा इन विद्यार्थियों के पठन-पाठन से लेकर समग्र जिम्मेदारी एवं जवाबदेही सम्बन्धित विभागीय शिक्षक की होती है। गोद लिये विद्यार्थी एवं सम्बन्धित शिक्षक का सम्बन्ध पिता-पुत्र/पिता-पुत्री के समान होता है। शिक्षक समय-समय पर अपने गोद लिये गये विद्यार्थी के साथ उन्मुक्त वार्ता करता है, उनकी समस्याओं को सुनता है तथा यथाशक्ति

उसका निराकरण करता है। वर्तमान सत्र में मेरे (डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह) द्वारा पाँच विद्यार्थी गोद लिये जायेगे। विभागीय सहयोगी डॉ. सुबोध कुमार मिश्र द्वारा स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के पाँच विद्यार्थी पूर्व में ही गोद लिये गये है जो वर्तमान सत्र में भी उनके पाल्य बने रहेंगे।

डॉ. सुबोध कुमार मिश्र द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थियों विवरण अग्रलिखित है-

नाम	कक्षा	कालेज आई.डी.	मोबाईल नं.
श्री अभय राज वर्मा	M.A. III Sem	MPPGMAY220004	9451812798
श्री विकास चौधरी	M.A. III Sem	MPPGMAY220005	8382943696
श्री कमलेश साहनी	M.A. III Sem	MPPGMAY220006	9648598790
श्री अभिषेक कुमार सिंह	M.A. III Sem	MPPGMAY220001	8081538248
श्री सुधीर कुमार सिंह	M.A. III Sem	MPPGMAY220010	8423404604

डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थियों विवरण अग्रलिखित है-

नाम	कक्षा	कालेज आई.डी.	मोबाईल नं.
श्री अजय कुमार	M.A. II Sem	MPPGMAY230002	6393742710
सुश्री दामिनी	M.A. II Sem	MPPGMAY230003	9198432214
सुश्री दिव्यांशी साहनी	M.A. II Sem	MPPGMAY230010	7054977282
श्री विनय कुमार	B.A. IV Sem	MPPGBAS220408	8576051112
श्री सूरज चौहान	B.A. II Sem	MPPGBAS230150	8112526170

14. **विभागीय पुस्तकालय** - विभाग ने केन्द्रीय ग्रन्थालय के अतिरिक्त अपने स्तर पर एक विभागीय पुस्तकालय का प्रबन्ध किया है। विभागीय पुस्कालय में वर्तमान समय में 110 पुस्तकें हैं। विभाग के पास इन पुस्तकों की सूची उपलब्ध है। विभाग अपने स्तर पर विषय के विद्यार्थियों को निश्चित नियमों के अन्तर्गत पुस्तक निर्गत करता है। विभाग के शिक्षक स्वयं यथासम्भव प्रतिदिन केन्द्रीय पुस्तकालय में जाते है तथा अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेंरित करते है। इस वर्ष विभागीय पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।
15. **परीक्षाफल विश्लेषण** - विभाग अपनी क्रियात्मक गतिविधियों को मात्र विद्यार्थियों के पठन-पाठन तथा व्यवहारिक समयानुकूल ज्ञान देने तक ही सीमित नहीं रखता है, वरन् प्रतिवर्ष विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों का भी सूक्ष्म विश्लेषण करता है। विभाग द्वारा परीक्षाफल विश्लेषण के अन्तर्गत परीक्षा में कुल सम्मिलित विद्यार्थियों में से कितने विद्यार्थी (छात्र/छात्रा अलग-अलग) प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए और कितने विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हुए का आंकड़ा तैयार किया जाता है। इसके साथ ही अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की असफलता का कारण जानने का भी प्रयास किया जाता है तथा विभाग द्वारा यह योजना भी बनायी जाती है कि अगले सत्र में इस प्रकार योजना क्रियान्वित की जाय कि अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों का आंकड़ा न्यूनतम हो जाय।
16. **स्नातक से परास्नातक** - विद्यार्थी मूल्यांकन के परिप्रेक्ष्य में हमारे महाविद्यालय से शिक्षा पूर्णकर चुके विद्यार्थी आगे की उच्च शिक्षा के अर्जन हेतु क्या कर रहे हैं एवं किस शिक्षण संस्थान में उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु प्रवेशित है इत्यादि का भी विवरण विगत वर्षों की ही भाँति विभाग द्वारा बनाया जायेगा।

17. **वेबसाइट/फेसबुक** - महाविद्यालय प्रशासन अपनी सूचनाओं को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए अपने वेबसाइट तथा फेसबुक पेज का उपयोग करता है। विभाग भी अपनी सूचनाओं को विभागीय विद्यार्थियों को सम्प्रेषित करने के लिए कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के अतिरिक्त महाविद्यालय की वेबसाइट एवं फेसबुक पेज का भी उपयोग करता है।

18. **छात्रसंघ/नैक/एन.सी.सी./एन.एस.एस. में विभाग की भूमिका** - विभाग समय-समय पर महाविद्यालय के विविध शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रकल्पों तथा छात्रसंघ, नैक, एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी अपना योगदान देता है। छात्रसंघ प्रभारी द्वारा निर्गत सूचनाओं को अपने कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप के द्वारा विभाग विद्यार्थियों में सम्प्रेषित करता है। नैक प्रभारी द्वारा समय-समय पर विभाग से मांगे गए शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराता है। एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी प्रतिभाग करने के लिए विभाग अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

19. **परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका** - परिसर अनुशासन को बनाए रखने में विभाग महाविद्यालय के नियन्ता मण्डल का पूर्ण सहयोग करता है। विभाग के शिक्षक महाविद्यालय परिसर में जहाँ भी रहते है, अपने अगल-बगल एक निश्चित सीमा तक की अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध एवं जवाबदेह होते है। विभाग के आस-पास के अनुशासन व्यवस्था की भी पूर्ण जिम्मेदारी विभागीय शिक्षक की होगी।

20. **समय-सारणी** - महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विभाग को समय-सारणी उपलब्ध कराया जाता है। समय-सारणी के अन्तर्गत बी.ए. प्रथम, तृतीय तथा पंचम सेमेस्टर की प्रतिदिन एक-एक कक्षा जबकी एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की तीन-तीन कक्षा संचालित होती है। विभाग द्वारा समय-सारणी का शत-प्रतिशत पालन किया जाता है।

21. **पठन-पाठन, तकनीकी प्रसार एवं शिक्षक ब्लाग, ई-कटेंट** - विभाग कक्षाओं के पठन-पाठन में नित्य नूतन प्रयोग करता रहता है। साथ ही साथ विभाग पठन-पाठन की बहुधा नवीन तकनीकों का भी समावेशन कक्षाओं में करता है। विभाग के शिक्षक प्रकरण अनुकूल विभिन्न शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग करते है। इसके अतिरिक्त विभाग के शिक्षक अपने ब्लाग पर विद्यार्थियों के लिए उपयोगी पाठ्यसामाग्री भी समय-समय पर अपलोड करते रहते है। सत्र 2023-24 में विभाग की यह योजना है कि समस्त कक्षाओं के समस्त प्रश्नपत्रों का सम्पूर्ण पी.पी.टी बनाकर ब्लाग पर अपलोड कर दिया जाए। वर्तमान समय में विभागीय शिक्षक के ब्लाग पर 26 पी.पी.टी. कंटेन्ट, 21 शोध पत्र, 6 नोट्स, सत्र 2020-21 के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के 07 प्रश्नपत्रों सहित अपना अद्यतन बायोडाटा अपलोड है। आगे इस ब्लाग को और अधिक समृद्ध करने की योजना है।

22. **शिक्षक-आचार संहिता** - महाविद्यालय में शिक्षकों के लिए शिक्षक आचार संहिता लागू है जिसका विभाग के द्वारा कड़ाई से अनुपालन किया जाता रहा है और आगे भी किया जाता रहेगा।

23. **शैक्षिक देशाटन** - इस वर्ष विभाग के विद्यार्थियों हेतु एक शैक्षिक देशाटन (निकट के ऐतिहासिक स्थल पर) की योजना है। इस योजनान्तर्गत विभाग के चुनिंदा विद्यार्थियों को एक दिन के टूर पर ले जाया जाएगा।

राजनीतिशास्त्र विभाग

1. **विभागीय शिक्षक विवरण -**

विभाग में कुल तीन शिक्षक कार्यरत हैं–

(क) श्री हरिकेश यादव, विभागाध्यक्ष

(ख) डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय, सहायक आचार्य

(ग) श्री अभिनव त्रिपाठी, सहायक आचार्य

विभागीय शिक्षक अपने बायोडाटा को समृद्ध करेंगे तथा सत्रंत में महाविद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड करेंगे।

2. **पाठ्यक्रम योजना** - सत्र के आरंभ में महाविद्यालय की वेबसाइट पर संपूर्ण पाठ्यक्रम की पाठ्य योजना अद्यतन उद्धृत की जाती है। जिसमें तिथिवार विषय के प्रश्नपत्र से संबंधित शीर्षकों का उल्लेख होता है।इसकी सहायता से विद्यार्थी कक्षा में आने से पहले मानसिक रूप से तैयार रहता है। सत्र 2023-24 की पाठ्यक्रम योजना के अनुसार विषम सेमेस्टर यथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, बी.ए. पंचम तथा एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं 17 जुलाई से वहीं बी.ए. प्रथम सेमेस्टर एवं एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 1 अगस्त से प्रारंभ हुई जो 18 दिसम्बर तक चलीं। वहीं सम सेमेस्टर के परास्नातक की कक्षाएँ 16 जनवरी, 2024 से एवं स्नातक की कक्षाएँ 01 फरवरी, 2024 से प्रारम्भ हुई। सम सेमेस्टर के सभी कक्षाओं की पाठ्यक्रम योजना संबंधित कक्षाओं के प्रारम्भ होने से पूर्व महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी।

3. **कक्षाध्यापन** - विषय में किसी प्रश्नपत्र में पढ़ाए गए पिछले पांच व्याख्यानों के आधार पर प्रत्येक छठे दिन विद्यार्थी द्वारा कक्षाध्यापन कराया जाता है। इससे विद्यार्थियों की मौखिक अभिव्यक्ति, चिंतनशीलता, संवाद कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का सतत विकास होता है। विद्यार्थियों द्वारा कराए गए कक्षाध्यापन का मूल्यांकन ग्रेड के माध्यम से उनके प्रगति आख्या पर दर्ज कर दिया जाता है जो कॉलेज की वेबसाइट पर सार्वजनिक होता है। इसके साथ ही विद्यार्थी के कक्षाध्यापन से संबंधित कमजोर पक्षों को मजबूत बनाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया जाता है। महाविद्यालय की योजना की पूर्ति हेतु (जिसका विवरण माइनर कोर्स के स्तम्भ में दिया गया है) स्नातक स्तर पर विभाग द्वारा परंपरागत कक्षाध्यापन (कक्षाध्यापन राजीनतिशास्त्र विषय के संबंधित प्रश्न-पत्र से कराया जाता है) के स्वरूप को परिवर्तित कर इन कक्षाध्यापन की तिथियों में माइनर कोर्स के कक्षाध्यापन को अधिरोपित किया जाएगा।

विषम के सेमेस्टर के कक्षाध्यापन की तिथियां निम्नलिखित हैं–

कक्षा	कक्षाध्यापन				
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	05,12,26	02,09,16,23	7,13,21	1,8,15
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	22	02,08,16,24	02,12,19,26	7,13,23	2,9,16
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	NA	7,14,24	09,16,23	9,14,23	3,10,17
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	05,11,19,28	12,20	7,13,21	1,8,15
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	22	03,10,18,29	09,16,26	9,14,23	3,10,17

सम सेमेस्टर के कक्षाध्यापन की प्रस्तावित तिथियां निम्नलिखित है–

कक्षा	कक्षाध्यापन				
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	NA	9,17,26	4,12,19,30	6,15,23,30	7,14
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	NA	8,16,23	2,11,18,28	5,13,22,29	6,13
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	NA	7,15,22	1,9,16,27	4,12,20,27	4,11
एम.ए.द्वितीय सेमेस्टर	22,29	7,15,22	7,16,21	6,13,22	6,13
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	23,27	8,16,23	5,13,20	5,13,22	6,14

4. **मासिक मूल्यांकन** – प्रत्येक माह के अंत में विद्यार्थियों की विषय ग्राह्यता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से प्रत्येक कक्षा में मासिक मूल्यांकन निर्धारित प्रश्न पत्रों एवं प्रारूपों के आधार पर किया जाता है। मासिक मूल्यांकन के प्रश्नपत्र उसी माह में पढ़ाए गए विषय वस्तुओं के आधार पर निर्मित किया जाता है। आगामी सम सेमेस्टर में मासिक मूल्यांकन परंपरागत रूप में कक्षाओं के भीतर कराये जाने के स्थान पर गूगल फार्म आदि माध्यमों से ऑनलाइन कराने की योजना है।

विषम सेमेस्टर के मासिक मूल्यांकन की तिथियां निम्नलिखित हैं–

कक्षा	मासिक मूल्यांकन				
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	30	30	21	25
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	31	30	30	31	27
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	31	30	30	31	28
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	30	30	31	29
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	28	30	30	31	30

सम सेमेस्टर के मासिक मूल्यांकन की तिथियां निम्नलिखित हैं–

कक्षा	कक्षाध्यापन				
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	NA	27	27	26	NA
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	NA	28	28	27	NA
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	NA	29	30	29	NA
एम.ए.द्वितीय सेमेस्टर	27	28	28	29	NA
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	29	29	30	30	NA

5. **माइनर विषय का अध्यापन** – राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत सी.बी.सी.एस प्रणाली लागू होने के पश्चात

महाविद्यालय की योजनानुसार प्रत्येक विभाग को सेमेस्टर में एक माइनर कोर्स को पढ़ाना है। विभाग द्वारा पीपीट, सार-संक्षेप आदि विद्यार्थियों को उपलब्ध कराकर पठन-पाठन का कार्य पूर्ण किया जाएगा। जिसका मूल्यांकन, साप्ताहिक कक्षाध्यापन के द्वारा किया जाएगा। विभाग द्वारा पढ़ाये जाने वाले माइनर कोर्स का विवरण निम्नवत् है।

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	Minor Vocational	Education Information Technology (AEDU-101)
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	Minor Vocational	Education Information Technology (AEDU-102)
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	Minor Co- Curriculum	Physical, Education and Yoga (PHED-106)
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	Minor Co- Curriculum	Communication Skills and Personality Devolopment (PSY-100)
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	Minor Vocational	Industrial TrainingèProject (ITRP-301)
बी.ए. षष्टम सेमेस्टर	Minor Vocational	Industrial TrainingèProject (ITRP-302)

6. **प्रगति-आख्या**- इसमें कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी की कक्षागत गतिविधियों यथा कुल कार्यदिवसों में विद्यार्थी की उपस्थिति, कक्षाध्यापन की संख्या, मासिक मूल्यांकन एवं कक्षा में उसके आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इससे विद्यार्थियों के गुण,योग्यता एवं विशेषता के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक उपलब्धी की जानकारी प्राप्त होती है। विषम सेमेस्टर की प्रगति आख्या भरी जा चुकी है, इसे आगामी सम सेमेस्टर में भी जारी रखा जाएगा।

7. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** - यह शिक्षक के आत्म मूल्यांकन से संबंधित प्रपत्र है। जिसमें शिक्षक के स्वप्रेरणा से किए गए कार्य, किसी अन्य शिक्षक का सहयोग करना, अन्य शिक्षकों का सहयोग लेना,कितने कार्य दिवसों पर विलंब से आए, कितने कार्य दिवसों पर समय से पूर्व गए इत्यादि बातों का उल्लेख किया जाता है। यह प्रपत्र शिक्षक द्वारा प्रत्येक माह की 02 तारीख तक ऑनलाइन दर्ज करना होता है इससे शिक्षक द्वारा तैयार की गई योजना, क्रियान्वयन, दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। राजनीतिशास्त्र विभाग महाविद्यालय की इस योजना का परिपालन करता रहा है विषय सेमेस्टर के प्रत्येक माह का स्वमूल्यांकन भरा जा चुका है, आगामी सम सेमेस्टर में भी भरा जाएगा।

8. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - यह प्रपत्र शिक्षकों के व्यक्तित्व एवं पठन-पाठन की गुणवत्ता में सुधार से संबंधित है जो विद्यार्थियों के द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर में एक बार इस प्रकार एक सत्र में कुल 2 बार दर्ज कराया जाता है। सम सेमेस्टर में भी इसे भरवाया जाएगा।

9. **स्वैच्छिक श्रमदान** - महाविद्यालय में संचालित स्वैच्छिक श्रमदान प्रकल्प में विभाग द्वारा विगत सत्रों में सक्रिय सहभाग किया जाता रहा है। इस सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में विभाग अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित 1 बार स्वैच्छिक श्रमदान किया तथा आगे इसे जारी रखा जाएगा।

10. **साप्ताहिक शिक्षक बैठक** - विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक शनिवार को पठन-पाठन एवं अन्य सभी विभागीय गतिविधियों की समीक्षा कर आगत सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु साप्ताहिक बैठक किया गया। आगामी सेमेस्टर में इसे जारी रखा जाएगा।

11. **शिक्षक ब्लॉग** - महाविद्यालय की वेबसाइट पर प्रत्येक शिक्षक का ब्लॉग बना हुआ है जिसमें शिक्षक

पाठ्यक्रम सहित अपने व्याख्यानों शोध पत्रों पाठ्य-सार को क्रम में अपलोड करता है। इसमें शिक्षक द्वारा स्वयं तैयार किया गया पीपीटी, किसी प्रतिष्ठित पत्रिका/समाचारपत्र में छपा कोई लेख, या शोधपत्र शामिल होता है। महाविद्यालय की वेबसाइट पर विद्यार्थियों के लिए यह सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होता है। इसकी सहायता से विद्यार्थी को विश्वसनीय एवं व्यवस्थित पाठ्य-सामग्री उपलब्ध हो जाती है। इसे अद्यतन किया गया है।

12. **विभागीय पुस्तकालय** - विभाग से संबंधित ऐसे विद्यार्थी जो पुस्तकों को खरीदने में सक्षम नहीं है अथवा एकाधिक पुस्तकों के अध्ययन में रुचि रखते हैं। उनके लिए विभाग में कुछ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं रखी जाती हैं। इच्छुक विद्यार्थी से कुछ सामान्य जानकारी लिखित रिकॉर्ड में रखते हुए उन्हें पुस्तकें आवंटित कर दी जाती हैं। विभाग में पुस्तक उपलब्ध ना होने पर उन्हें केंद्रीय पुस्तकालय से पुस्तकें दिलाने का प्रयास किया जाता है। आगामी सत्र में विभागीय पुस्तकालय की पुस्तकों की संख्या में आवश्यक वृद्धि की गयी।

13. **गोद लिए गए विद्यार्थी** - शिक्षक द्वारा अपनी कक्षा के कुछ (लगभग पांच) विद्यार्थी जिनकी गतिविधियां असामान्य हो यथा शिक्षणेत्तर गतिविधियों में रुचि ना रखना कक्षाओं में लगातार अनुपस्थित रहना, को शिक्षक द्वारा गोद लिया जाता है ताकि ऐसे विद्यार्थी का स्वयं की देखरेख में सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। आगामी सेमेस्टर में भी विभागीय शिक्षकों के द्वारा इस योजना का पालन किया जाएगा।

14. **अभिगृहीत ग्राम योजना** - संस्थागत सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा ककरहिया ग्राम अधिगृहित किया गया है विभाग द्वारा ग्रह ग्राम का वर्ष में लगभग चार बार भ्रमण किया जाता है। इस भ्रमण के माध्यम से ग्राम वासियों को उनके नागरिक अधिकारों, कर्तव्यों, सरकार द्वारा चलाई गई विभिन्न योजनाओं आदि के विषय में जागरूक किया जाता है। आगामी सेमेस्टर में राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा निम्न तिथियों पर ग्राम में दर्शन की योजना है–
    1. 06 अगस्त, 2023
    2. 01 अक्टूबर, 2023
    3. 26 फरवरी, 2024
    4. 21 मई, 2024

15. **शैक्षिक भ्रमण** - भ्रमण शक्तिशाली, सकारात्मक शिक्षण उपकरण हैं जो सभी शिक्षार्थियों के सामाजिक, व्यक्तिगत और भावनात्मक विकास को बढ़ाने में मदद करते हैं। शैक्षिक भ्रमण का मूल उद्देश्य छात्रों को वास्तविक परिस्थितियों से जोड़कर उन्हें प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना है।
    विभाग द्वारा आगामी सेमेस्टर में शैक्षिक भ्रमण की योजना अग्रलिखित है–
    1. फरवरी 2024 : उत्तर-प्रदेश विधानसभा, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
    2. मई 2024 : A. भारतीय संसद, नई–दिल्ली
       B. राष्ट्रपति भवन, नई–दिल्ली
       C. प्रधानमंत्री संग्रहालय, नई–दिल्ली

16. **समय सारणी** - समय-सारणी के द्वारा विद्यालय के समस्त कार्यों में नियमितता आती है, अस्त-व्यस्तता समाप्त होती है एवं अनुशासनहीनता खत्म होती है। समय-सारणी के द्वारा विभिन्न कार्यों में सामंजस्य स्थापित होता है। छात्र तथा अध्यापक दोनों को ही समय की उपलब्धता का ज्ञान रहता है। स्नातक स्तर पर विभाग

महाविद्यालय की समय सारणी का अनुपालन करता है जबकि परास्नातक स्तर पर विभाग स्वमं समय-सारणी तैयार करता है।

17. **कार्यशाला व्याख्यान संगोष्ठी एवं अन्य विभागीय कार्यक्रम** - विद्यार्थियों में पाठ्यक्रमेत्तर ज्ञानार्जन, समसामयिक घटनाओं पर विश्लेषण, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा आदि उद्देश्य से विभाग द्वारा समय-समय पर कार्यशाला, व्याख्यान, संगोष्ठी, प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन किया जाता है विभाग द्वारा में निम्न तिथियों पर उपरोक्त कार्यक्रम प्रस्तावित है-

क्र.सं.	दिनांक	दिन	शीर्षक	विशेषज्ञ	स्वरूप
1.	11.07.2023	मंगलवार	लैंगिक समानता की शक्ति को उजागर करना	–	निबंध लेखन प्रतियोगिता
2.	24.04.2024	बुधवार	ग्रामीण विकास में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका	डॉ. अमित उपाध्याय, सहा. आचार्य, रा.वि. दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर	विशिष्ट व्याख्यान
3.	09.05.2024	बृहस्पतिवार	राष्ट्ररत्न महाराणा प्रताप	डॉ. अविनाश सिंह सहा. आचार्य सिद्धार्थ विश्वविद्यालय	विशिष्ट व्याख्यान

शिक्षण विधियाँ

1. **व्याख्यान विधि** - शिक्षक द्वारा विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, तार्किक रूप से विषय वस्तु का प्रकट करने हेतु शिक्षण की पारंपरिक विधि व्याख्यान विधि का प्रयोग किया जाएगा।
2. **पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण** - इस विधि में प्रोजेक्टर के द्वारा पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरणों पर तैयार पीपीटी का प्रस्तुतीकरण कर शिक्षक द्वारा व्याख्या की जाएगी जिससे तथ्यों एवं आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सके साथ ही साथ चलचित्र आदि के माध्यम से पठन-पाठन सुगम्य बनाने का प्रयास किया जाएगा।
3. **सहभागी विधि** - कक्षा शिक्षण के दौरान शिक्षक विद्यार्थियों की पूर्ण सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कर शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली एवं उद्देश्य पूर्ण बनाया जाएगा।
4. **ऑनलाइन शिक्षण** - ऑनलाइन शिक्षण एक ऐसी शिक्षण विधि है जो तकनीकी पर आधारित हैं। इससे घर बैठे इन्टरनेट या अन्य संचार माध्यमों के जरिये शिक्षा ली जाती है। ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली परंपरागत शिक्षा प्रणाली से थोड़ी अलग हैं। परंपरागत शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थी कॉलेज में बैठ के शिक्षक से शिक्षा लेते है जबकि ऑनलाइन शिक्षा में आप घर या किसी भी जगह पर इन्टरनेट और मोबाइल अथवा कंप्युटर की मदद से कहीं भी और कभी भी प्रकार की शिक्षा ले सकते हैं। कोरोनावायरस महामारी ने ऑनलाइन शिक्षण विधि की महत्ता सामने आई इस दौरान जब दुनिया के सभी शैक्षिक संस्थान बंद चल रहे थे तब महाविद्यालय एवं विभाग द्वारा ऑनलाइन शिक्षण का प्रयोग कर शिक्षण कार्य को अनवरत जारी रखा गया। वर्तमान समय में भी संगोष्ठियों, अतिरिक्त कक्षाओं आदि के लिए इस विधि का प्रयोग किया जाता है। आगामी सत्र में भी विभाग की यह योजना लागू रहेगी।

मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास

उद्देश्य – इतिहास का सम्बन्ध समय से है और समय शाश्वत सत्य है। विभाग का उद्देश्य अपने विभागीय विद्यार्थियों को कल, आज और सम्भावित कल की संस्कृति, सभ्यता, परम्परा, ज्ञान-विज्ञान, लोक कला के साथ-साथ तत्कालीन स्थितियों-परिस्थितियों आदि का शिक्षण व ज्ञान देकर वर्तमान की प्रगतिशीलता और समय की सातत्य डोर से उन्हें बाँधे रखना है।

विभागीय शिक्षक – विभाग में दो शिक्षक कार्यरत हैं।

(क) श्री अनूप कुमार पाण्डेय – विभागाध्यक्ष

(ख) डॉ. अर्चना गुप्ता – सहायक आचार्य

विभाग के सभी शिक्षक अपने बायोडाटा के समृद्ध करेंगे तथा सत्रान्त में महाविद्यालय के वेबसाइट पर अद्यतन करेंगे।

1. **पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षा संचालन** – सत्र के आरम्भ में महाविद्यालय की वेबसाइट पर सी.बी.सी.एस. प्रारूप पर आधारित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पाठ्य योजना अद्यतन उद्धत की जाती है। जिसमें तिथिवार विषय के प्रश्नपत्र से सम्बन्धित शीर्षकों का उल्लेख होता है। इसकी सहायता से विद्यार्थी कक्षा में आने से पहले मानसिक रूप से तैयार रहता है। सत्र 2023-24 की पाठ्यक्रम योजना के अनुसार विषम सेमेस्टर जैसे- बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, बी.ए. पंचम सेमेस्टर तथा एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं 17 जुलाई से वही बी.ए. प्रथम सेमेस्टरर एवं एम.ए प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 01 अगस्त से प्रारम्भ होगी जो कि 03 अक्टूबर तक चलेंगी, पुनः सम सेमेस्टर जैसे- एम.ए. द्वितीय एव चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षाएं 16 जनवरी से प्रारम्भ होकर 15 मई तक चलेंगी तथा बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर, चतुर्थ सेमेस्टर एवं षष्टम सेमेस्टर की कक्षाएं 01 फरवरी, 2024 से 15 मई, 2024 तक चलेंगी, जिसकी सूचना विद्यार्थियों को उनके कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप पर दी जा चुकी है। विभाग के सभी कक्षाओं की पाठ्यक्रम योजना सम्बन्धित कक्षाओं के प्रारम्भ होने से पूर्व महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी।

2. **कक्षाध्यापन – (उद्देश्य)** – विद्यार्थियों में सम्प्रेषण कौशल तथा अभिव्यक्ति कौशल के विकास के उद्द्दश्य से विभाग द्वारा सप्ताह में एक दिन विद्यार्थियों द्वरा कक्षा का संचालन कराया जाता है जिसे हम महाविद्यालय प्रशासन की भाषा में विद्यार्थी कक्षाध्यापन कहते हैं। वर्तमान सत्र 2023-24 के कक्षाध्यापन प्रक्रिया में विद्यार्थियों द्वारा चुने गये शीर्षक सी.बी.सी.एस. प्रणाली के अर्न्तगत लागू किय गये "माइनर" विषय से लिए जायेंगे। यदि विद्यार्थी शीषर्क चुनने में असमर्थ होगा तो शिक्षक द्वारा शीर्षक दिया जायेगा। इस प्रकार सप्ताह में एक दिन कक्षाध्यापन की तर्ज पर माईनर विषय को संचालिक करने की योजना है। कक्षाध्यापन के दौरान शिक्षक प्रस्तुतीकरण देने वाले विद्यार्थी का विश्लेषण कर उसे ग्रेड देता है तथा अपने प्रगति आख्या में उक्त विद्यार्थी के खाते में कक्षाध्यापन दर्ज कर लेता है। साथ ही विद्यार्थी के कमजोर पक्षों को मजबूत बनाने हेतु उचित दिशा निर्देश भी देता है। इस सत्र में प्रस्तावित –

   कक्षाध्यापन की तिथियां अग्रलिखित है।

कक्षा		कक्षाध्यापन				
		जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर
1	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	5,12,22	9,16,23	7,16,30	
2	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	15,22	5,12,22	9,16,23	7,16,30	
3	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	15,22	5,12,22	9,16,23	7,16,30	7, 15, 2
4	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	5,12,22	9,16,23	7,16,30	5,14
5	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	15,22	5,12,22	9,16,23	7,16,30	2, 11

कक्षा		कक्षाध्यापन				
		जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
1	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	NA	10,17,28	9,16,28	6,13,20,27	4,11
2	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	NA	10,17,28	9,16,28	6,13,20,27	4,11
3	बी.ए. षष्टम सेमेस्टर	NA	10,17,28	9,16,28	6,13,20,27	4,11
4	एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर	20, 27	3,10,17,28	9,16,28	6,13,20,27	4,10
5	एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	20,27	3,10,17,28	9,16,28	6,13,20,27	4,10

3. **मासिक मूल्यांकन** - प्रत्येक मास के अन्त में विद्यार्थियों की विषय-ग्राह्यता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से प्रत्येक कक्षा में मासिक मूल्यांकन निर्धारित प्रश्न-पत्रों/प्रारूपों के आधार पर किया जायेगा। मासिक मूल्यांकन के प्रश्न-पत्र उसी माह में पढ़ाये गये विषय-वस्तुओं के आधार पर ही निर्मित होंगे। जिसे निर्धारित तिथि पर विद्यार्थियों को गृहकार्य के रूप में दिया जायेगा तथा अगले कार्य दिवस पर सभी उत्तर प्रपत्रों को जमा कर शिक्षकों द्वारा उसका मूल्यांकन किया जायेगा। इस सत्र में प्रस्तावित मासिक मूल्यांकन की तिथियां अग्रलिखित है।

कक्षा		मासिक मूल्यांकन			
		जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
1	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	30	30	31
2	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	31	30	30	31
3	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	31	30	30	31
4	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	30	30	31
5	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	31	30	30	31

कक्षा	मासिक मूल्यांकन				
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
1 बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	NA	29	30	30	11
2 बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	NA	29	30	30	15
3 बी.ए. षष्टम सेमेस्टर	NA	29	30	30	15
4 एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर	31	29	30	30	15
5 एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	31	29	30	30	15

4. **प्रगति आख्या** – मध्यकालीन इतिहास विषय की प्रत्येक कक्षा में पढ़ रहे समस्त विद्यार्थियों की कक्षा में कुल उपस्थिति, उनका आचरण–व्यवहार, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन में उनका प्रदर्शन इत्यादि का विवरण प्रत्येक माह, माह के अन्त में आनलाइन प्रगति आख्या में संकलित किया जायेगा। सत्र के अन्त में इसका विश्लेषणात्मक अध्ययन भी किया जाएगा।

5. **स्व–मूल्यांकन प्रपत्र** – विभागीय शिक्षक द्वारा प्रतिमाह आनलाइन शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लाग के अन्तर्गत अपलोड कर दिया जाएगा। जिसकी एक प्रिंट आउट शिक्षक अपने पास और एक विभाग में रखेगा। इस शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र में शिक्षक अपनी गत मास की मासिक गतिविधियों यथा– किस कक्षा में कितना व्याख्यान पढ़ाये, कितने कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन कराए, कितने दिन महाविद्यालय विलम्ब से आये, कितने दिन महाविद्यालय से समय से पूर्व चले गये, दिये गये उत्तदायित्वों का निर्वहन कैसे किया, महाविद्यालय के योजनाओं एवं कार्यक्रमों में कैसे सहभाग किया, इत्यादि का विवरण दर्ज होगा। प्रत्येक माह का एवं मूल्यांकन प्रपत्र अगले सत्र 02 तारीख तक विभाग में जमा हो जायेगा। सत्र के अन्त में शिक्षक द्वारा इस स्वमूल्यांकन प्रपत्र का विश्लेषण कर आने वाले सत्र में परिलक्षित कमियों, दोषों का निवारण भी किया जायेगा।

6. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – आत्ममूल्यांकन एवं सुधारात्मक प्रवृत्ति हेतु छात्र/छात्राओं द्वारा दिसम्बर/जनवरी के किसी भी कार्यादिवस छात्र/छात्राओं की अधिकतम संख्या को देखते हुए उनसे पूर्व निर्धारित प्रोफार्मा पर शिक्षक अभिमत लिया जाएगा।

7. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय में संचालित स्वैच्छिक श्रमदान प्रकल्प में विभाग द्वारा विगत सत्रों में भी सक्रिय सहभाग किया जाता रहा है। इस सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में विभाग अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित यथासम्भव सम्मिलित रहेगा।

8. **शिक्षण विधियाँ** – पाठ्य विषय को ग्राह्य एवं रुचिकर बनाने के उद्देश्य से कक्षाओं में विविध शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग किया जायेगा। कुछ प्रमुख प्रविधियाँ निम्नवत् हैं: –
   - व्याख्यान विधि द्वारा शिक्षण
   - प्रश्नोत्तरी विधि द्वारा शिक्षण

- समूह परिचर्चा विधि द्वारा शिक्षण
- पॉवर-प्वाइण्ट विधि द्वारा शिक्षण
- प्रोजेक्टर के प्रयोग द्वारा शिक्षण
- मानचित्रों द्वारा शिक्षण
- वंशावली चार्टों द्वारा शिक्षण
- ऑडियो-वीडियो (दृश्य-श्रव्य) विधि द्वारा शिक्षण
- प्रदर्शन विधि द्वारा (मुद्रा प्रदर्शन बोर्ड) शिक्षण
- शैक्षिक भ्रमण विधि द्वारा शिक्षण

उपर्युक्त शिक्षण विधियाँ विद्यार्थियों के मानसिक विकास के साथ-साथ उनमें तार्किकता के सृजन, चिन्तन, बौद्धिकता, विषयग्राह्यता और तकनीकी कुशलता को विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगी। इस सत्र में भी विगत वर्ष की ही भांति विभाग द्वारा सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम योजनानुसार समस्त प्रश्नपत्रों का पी.पी.टी. बनाकर सभी कक्षाओं को प्रोजेक्टर से पढ़ाने की योजना है।

विभागीय कार्यक्रम

विगत सत्रों की ही भाँति इस सत्र में भी विभाग द्वारा विभाग एवं महाविद्यालय स्तर पर कुछ कार्यक्रम कराने की योजना है। इनमें से कुछ कार्यक्रम परम्परागत स्वरूप पर होंगे, जबकि कुछ नवीन प्रयोगों पर आधारित। विभाग द्वारा इस सत्र में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की सम्भावित सूची निम्नवत् है।

विशिष्ट व्याख्यान/अतिथि व्याख्यान :-

- **03 फरवरी, 2024 दिन- शनिवार**, **विषय**:- चौरी-चौरा घटना दिवस की पूर्व संध्या पर, **वक्ता**:- प्रो. मनोज तिवारी, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- **07 फरवरी, 2024 दिन- बुधवार, विषय**:- सचिन्द्र नाथ सान्याल बलिदान दिवस, **वक्ता**:- डॉ. अल्का सिंह, इमामबाड़ा डिग्री कालेज, गोरखपुर
- **23 मार्च, 2024 दिन- शनिवार**, **विषय**:- भगत सिंह शहीदी दिवस, **वक्ता**:- डॉ. आशीष सिंह, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- **08 अप्रैल, 2024 दिन- सोमवार, विषय**:- मंगल पाण्डेय शहीदी दिवस, **वक्ता**:- डॉ. श्वेता, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- **09 मई, 2024 दिन- बृहस्पतिवार, विषय**:-महाराणा प्रताप जयन्ती, **वक्ता**:- डॉ. सरिता सिंह, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु

नोट- कार्यक्रम से सम्बन्धित तिथि, व्याख्याता एवं व्याख्यान शीर्षक सम्भावित है। विषम परिस्थितियों में इनमें परिवर्तन सम्भव है।

1. **शोध व्याख्यान प्रतियोगिता** – विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति क्षमता एवं सम्प्रेषण कौशल के विकास हेतु एक विभाग स्तरीय व्याख्यान प्रतियोगिता के आयोजन की भी योजना है। यह प्रतियोगिता 26 फरवरी, 2024 को प्रस्तावित है। समय एवं परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए इस आयोजन की तिथि एवं प्रारूप में भी परिवर्तन सम्भव है।

2. **कार्यशाला** –

   मार्च/अप्रैल (बी.ए., द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर तथा एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर)

   विषय: "भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन एवं गोरखपुर परिक्षेत्र के गुमनाम शहीद"

3. **उपचारात्मक कक्षाएं** – विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम आने के उपरान्त मई माह में 01 से 15 तक शैक्षिक दृष्टिकोण से आशानुरूप प्रदर्शन न कर पाने वाले विद्यार्थियों हेतु उपचारात्मक कक्षाएं संचालित करने की योजना है।

4. **शैक्षिक भ्रमण** – विभाग द्वारा कुछ चुने हुए विद्यार्थियों को विषय की रोचकता को बढ़ाने एवं सम्बन्धित स्थलों का वास्तविक ज्ञान परिमार्जित करने के उद्देश्य से शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया जायेगा। यह शैक्षिक भ्रमण एक दिवसीय होगा। इस शैक्षिक भ्रमण के अन्तर्गत कुशीनगर, चौरीचौरा अथवा बौद्ध संग्रहालय गोरखपुर में से किसी एक स्थान का भ्रमण कराया जायेगा। यह शैक्षिक भ्रमण 17 फरवरी, 2024 को प्रस्तावित है।

5. **ग्राम्य-दर्शन** – इतिहास विभाग द्वारा महाविद्यालय से सटे ग्राम–ककरहियाँ, जंगल धूसड़, गोरखपुर को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लिये जाने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जागरूकता, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संचालित कर उन्हें भी समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर देना है। इस वर्ष विभाग द्वारा गोद लिये गाँव ककरहियाँ में विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण एवं जनजागरूकता के लिए 4 तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं। ये 4 तिथियाँ हैं–

   - 06 अगस्त 2022
   - 01 अक्टूबर 2022
   - 03 मार्च 2024
   - 21 अप्रैल 2024

   नोट – विषम परिस्थितियों में इन तिथियों में भी परिवर्तन सम्भव है।

6. **गोद लिए गए विद्यार्थी** – विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए विभाग का प्रत्येक शिक्षक 5 विद्यार्थियों को गोद लेता है। गोद लिये गये विद्यार्थी प्रायः प्रथम सेमेस्टर के होते हैं। विभाग द्वारा इन विद्यार्थियों के पठन–पाठन से लेकर समग्र जिम्मेदारी एवं जवाबदेही सम्बन्धित विभागीय शिक्षक की होती है। गोद लिये विद्यार्थी एवं सम्बन्धित शिक्षक का सम्बन्ध पिता–पुत्र /पिता–पुत्री के समान होता है। शिक्षक समय–समय पर अपने गोद लिये गये विद्यार्थी के साथ उन्मुक्त वार्ता करता है, उनकी समस्याओं को सुनता है तथा यथाशक्ति उसका निराकरण करता है। वर्तमान सत्र में विभाग के दो शिक्षकों द्वारा 05–क विद्यार्थी गोद लिये गये हैं जो सभी इतिहास विषय के विद्यार्थी हैं। इन विद्यार्थियों का विवरण अग्रलिखित है।

क्र.सं.	नाम	कक्षा	आई.डी.संख्या	मोबाइल नं.
1	भानु प्रताप सिंह	बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	MPPGBAS210673	7079707775
2	कृष्ण कुमार भारती	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	MPPGBAS220315	9415233306
3	आकाश गुप्ता	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	MPPGBAS220307	6386872565
4	अंकित कुमार	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	MPPGBAS220185	8808706116
5	वीरू कुमार निषाद	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	MPPGBAS220139	8881136206
6	अमेरिका निषाद	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	MPPGBAS220335	9026823824
7	कल्याणी निषाद	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	MPPGBAS220231	9621490888
8	अमित यादव	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	MPPGBAS230050	8853577095
9	रंजना	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	MPPGBAS230014	9653076055
10	संजना पासवान	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	MPPGBAS230242	9936254855

7. **विभागीय पुस्तकालय** – विभाग ने केन्द्रीय ग्रन्थालय के अतिरिक्त अपने स्तर पर एक विभागीय पुस्तकालय का प्रबन्ध किया है। विभागीय पुस्कालय में वर्तमान समय में 15 पुस्तकें हैं। विभाग के पास इन पुस्तकों की सूची उपलब्ध है। विभाग अपने स्तर पर विषय के विद्यार्थियों को निश्चित नियमों के अन्तर्गत पुस्तक निर्गत करता है। विभाग के शिक्षक स्वयं यथासम्भव प्रतिदिन केन्द्रीय पुस्तकालय में जाते है तथा अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेंरित करते है।

8. **वेबसाइट फेसबुक** – महाविद्यालय प्रशासन अपनी सूचनाओं को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए अपने वेबसाइट तथा फेसबुक पेज का उपयोग करता है। विभाग भी अपनी सूचनाओं को विभागीय विद्यार्थियों को साप्रेषित करने के लिए कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के अतिरिक्त महाविद्यालय की वेबसाइट एवं फेसबुक पेज का भी उपयोग करता है।

9. **छात्रसंघ/नैक/एन.सी.सी./एन.एस.एस. में विभाग की भूमिका** – विभाग समय-समय पर महाविद्यालय के विविध शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रकल्पों तथा छात्रसंघ, नैक, एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी अपना योगदान देता है। छात्रसंघ प्रभारी द्वारा निर्गत सूचनाओं को अपने कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप के द्वारा विभाग विद्यार्थियों में सम्प्रेषित करता है। नैक प्रभारी द्वारा समय-समय पर विभाग से मांगे गए शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराता है। एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी प्रतिभाग करने के लिए विभाग अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

10. **परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका** – परिसर अनुशासन को बनाए रखने में विभाग महाविद्यालय के नियन्ता मण्डल का पूर्ण सहयोग करता है। विभाग के शिक्षक महाविद्यालय परिसर में जहाँ भी रहते है, अपने अगल-बगल एक निश्चित सीमा तक की अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध एवं जवाबदेह होते है। विभाग के आस-पास के अनुशासन व्यवस्था की भी पूर्ण जिम्मेदारी विभागीय शिक्षक की होती है।

11. **समय-सारणी** – महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विभाग को समय-सारणी उपलब्ध कराया जाता है। समय-सारणी के अन्तर्गत बी.ए. द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्टम सेमेस्टर की प्रतिदिन एक-एक कक्षा तथा एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ

सेमेस्टर की पांच कक्षा प्रतिदिन संचालित होती है। विभाग द्वारा समय-सारणी का शत-प्रतिशत पालन किया जाता है।

12. **पठन-पाठन, तकनीकी प्रसार एवं शिक्षक ब्लाग** - विभाग कक्षाओं के पठन-पाठन में नित्य नूतन प्रयोग करता रहता है। साथ ही साथ विभाग पठन-पाठन की बहुधा नवीन तकनीकों का भी समावेशन कक्षाओं में करता है। विभाग के शिक्षक विभिन्न शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग करते है। इसके अतिरिक्त विभाग के शिक्षक अपने ब्लाग पर विद्यार्थियों के लिए उपयोगी पाठ्यसामाग्री भी समय-समय पर अपलोड करते चलते है। सत्र 2023-24 में विभाग की यह योजना है कि समस्त कक्षाओं के समस्त प्रश्नपत्रों का सम्पूर्ण पी.पी.टी बनाकर ब्लाग पर अपलोड कर दिया जाए। वर्तमान समय में विभागीय शिक्षक के ब्लाग पर 05 पी.पी.टी. कंटेन्ट तथा अपना अद्यतन आयोडाटा अपलोड है। आगे इस ब्लाग को और अधिक समृद्ध करने की योजना है।

13. **विभागीय शिक्षक** - सत्रारम्भ के प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में विभागीय शिक्षकों की मासिक बैठक की योजना है। जिसमें विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक माह किये गये पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियों की समीक्षा होती है एवं अगले माह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु विचार विमर्श तथा दायित्व विभाजन होता है।

14. **शिक्षक-आचार संहिता** - महाविद्यालय में शिक्षकों के लिए शिक्षक आचार संहिता लागू है जिसका विभाग के द्वारा कड़ाई से अनुपालन किया जाता रहा है और आगे भी किया जाता रहेगा।

शिक्षाशास्त्र

1. **प्रस्तावना** - शिक्षा पूर्ण मानव क्षमता को प्राप्त करने एवं न्यायसंगत और न्यायपूर्ण समाज के विकास और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए मूलभूत आवश्यकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सार्वभौतिक पहुँच प्रदान करना वैश्विक मंच पर सामाजिक न्याय और समानता, वैज्ञानिक उन्नति, राष्ट्रीय एकीकरण और सांस्कृतिक संरक्षण के संदर्भ में सतत् प्रगति और आर्थिक विकास की कुंजी है। शिक्षा मानव विकास का एक ऐसा माध्यम है। जो किसी भी देश के नागरिकों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

2. **आगामी सत्र हेतु विभागीय योजनाएँ** -

- **प्रार्थना सभा** - प्रार्थना सभा महाविद्यालय की आत्मा है। यह प्रत्येक शैक्षिक दिवस 09:20 से 09:40 तक होता है। इसमें विभाग के प्रत्येक शिक्षक, विद्यार्थी सकारात्मक भाव से उपस्थित होकर प्रार्थना ,वन्दना के साथ अपने दिन की शुरूआत करते हैं। इस सत्र में प्रार्थना सभा प्रभारी बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ती गुप्ता हैं। श्रीमद्भगवत गीता के महत्वपूर्ण श्लोकों का पाठ महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा किया जाता है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
- **महाविद्यालय ब्लाग** - महाविद्यालय के वेबसाइट पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकों के ब्लाग है जिसमें सभी शिक्षक अपने विषय से सम्बन्धित कन्टेट अपडेट करते हैं। यह सभी कन्टेट प्रत्येक सेमेस्टर के अनुसार अपडेट किए गए है। जिसे विद्यार्थी या अन्य कोई भी देख पढ़ सकते हैं। इसका उद्देश्य तकनीकी के माध्यम से अतिरिक्त कन्टेट उपलब्ध कराना है। जिससे अनौपचारिक रूप से भी पाठ्यक्रम का अध्ययन किया जा सके, यह इस सत्र में भी लागू रहेगा।

- **राज्य स्तरीय डिजिटल लाइब्रेरी** - डिजिटल लाइब्रेरी पर महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा पिछले सत्र में ई-कन्टेट अपलोड किया गया था। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
- **पुस्तकालय-वाचनालय** - महाविद्यालय की योजनानुसार प्रत्येक शिक्षक अपने रिक्त समय का सदुपयोग एवं ज्ञान के विकास के लिए पुरस्कालय में जाते है और वहाँ आवागमन पंजिका पर उपस्थिति दर्ज करते है। छात्रों का अध्ययन हेतु डिजिटल प्लेटर्फाम उपलब्ध कराने हेतु शिक्षक द्वारा गोद लिए गये छात्रों को एन-लिस्ट से जोड़ा गया है, जिससे कि महाविद्यालय के ऑनलाइन लाइब्रेरी से जुड़कर अध्ययन कर सकते है। जो इस सत्र में लागू रहेगा।
- **पाठ्यक्रम योजना** - महाविद्यालय की वेबसाइट पर सत्र के प्रारम्भ में सम्पूर्ण वार्षिक पाठ योजना उद्धृत कर दी जाती है। इसका उद्देश्य सम्पूर्ण पाठ्यक्रम योजना बनाकर पूर्व नियोजित ढ़ग से कक्षा का संचालन किया जा सकें। छात्र सेमेस्टर गत चलने वाली पाठ योजना से प्रत्येक कार्य दिवस में पढ़ाये जाने वाले विषय वस्तु से परिचित हो सकें। यह व्यवस्था इस सत्र में भी लागू रहेगा।
- **पठन-पाठन** - स्नातक शिक्षाशास्त्र विषय में तृतीय सेमेस्टर व पंचम सेमेस्टर की कक्षाएं 17 जुलाई से संचालित की जाएगी। स्नातक शिक्षाशास्त्र विषय में प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 01 अगस्त से संचालित की जाएगी।
- **कक्षाध्यापन/माइनर कक्षाएं** - महाविद्यालय के पठन-पाठन कि प्रक्रिया में एक विशेषता यह है कि वर्षीय पाठ्यक्रम में सप्ताह के पांच दिन कक्षा में शिक्षक पढ़ाता था। और छठवे दिन विद्यार्थी कक्षाध्यापन के रूप में कक्षा पढ़ाने का कार्य करता था। परन्तु वर्तमान में सेमेस्टर प्रणाली के लागू होने के कारण पठन-पाठन प्रक्रिया एक महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है जिसमें वर्तमान सेमेस्टर के कक्षाध्यापन की कक्षा को माइनर कक्षा के रूप में लेकर चलाने का कार्य किया जाएगा। इस सत्र में इसे सफलता रूप में लागू करने का पूरा प्रयास किया जाएगा।
- **मासिक मूल्यांकन** - महाविद्यालय के पठन-पाठन योजना में माह के अंत में पढ़ाये गए विषम-वस्तु से सम्बन्धित प्रश्न पत्र माह के अन्तिम सप्ताह में तैयार करके छात्रों की अधिगम उपलब्धि का परीक्षण किया जाता था। प्रश्न पत्र में निर्धारित पूर्णांक के आधार पर बहुविकल्पीय/निबन्धात्मक परीक्षा की जाती थी। परन्तु सेमेस्टर प्रणाली के लागू होने के कारण मासिक मूल्यांकन के स्वरूप में इस सत्र में परिवर्तन किया गया है। अब सेमेस्टर प्रणाली में मासिक मूल्यांकन सप्ताह के अंत में होगा जिसमे 15 बहुविकल्पीय प्रश्न व एक लिखित प्रश्न (टिप्पणी) दिए जाने की योजना सुनिश्चित की गई है।
- **प्रगति आख्या** - स्नातक में शिक्षाशास्त्र विषय पढ़ रहे विद्यार्थियों की प्रत्येक सेमेस्टर के आधार पर अलग-अलग सम्पूर्ण कक्षागत गतिविधियां, उपस्थिति, आचरण व्यवहार मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन का माहवार संकलन किया जाता है। यह प्रत्येक सेमेस्टर में लागू रहेगा।
- **शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र** - शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा हर माह की 10 तारीख तक शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरा जाता है। जिसका उद्देश्य शिक्षक द्वारा स्वयं का आन्तरिक मूल्यांकन करना है।

- **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – प्रत्येक सत्र में दो बार छात्र/छात्राओं से शिक्षक के मूल्यांकन हेतु शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है। इस प्रपत्र का उद्देश्य छात्रों द्वारा दिये गये प्रतिपुष्टि के आधार पर शिक्षक द्वारा अपने शिक्षण प्रविधियों में सुधार के प्रयास किये जाते है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
- **गोद लिये गये विद्यार्थी** – विभाग में प्रत्येक शिक्षक द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थियों के जन्म दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्य महाविद्यालय के अतिरिक्त व्यक्तिगत आधार पर चिन्हित स्थान पर सुनिश्चित कराना। इसका उद्देश्य विद्यार्थी में पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है। शिक्षकों द्वारा यह कार्य इस सत्र में किया जायेगा।
- **गोद लिये गाँव** – महाविद्यालय में सभी विभागों द्वारा आस–पास के गाँव को गोद लेने की प्रथा है। जिसके अन्तर्गत शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा **"हसनगंज"** गाँव को गोद लिया गया है। विभाग समय–समय पर गाँव में जाकर जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न करने का कार्य करता है, यह पुनीत कार्य इस सत्र भी लागू रहेगी।
- **स्वैच्छिक श्रमदान** – विभाग के शिक्षकों के द्वारा महाविद्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है तथा छात्र/छात्राओं को इसके लिए प्रेरित किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्रों में सहनशीलता, विनम्रता को विकसित करना।

3. **शिक्षण विधियाँ-**

- **प्रोजेक्टरयुक्त कक्षाएँ** – गत सत्र बी.ए. शिक्षाशास्त्र विभाग में लगभग कक्षाएँ पावर प्वाइंट पर ली गयी। इस वर्ष भी हम एक कदम और आगे चलने का प्रयास करेगें।
- **व्याख्यान विधि** – शिक्षण विधियों में व्याख्यान के बिना सम्पूर्ण शिक्षण अधूरा है। हम अपनी बी.ए. शिक्षाशास्त्र की कक्षाओं में भी व्याख्यान विधि का प्रयोग करते है। इस वर्ष व्याख्यान मैं शिक्षक छात्र अंत: क्रिया के प्रयोग पर अत्यधिक बल दिया जायेगा।
- **प्रोजेक्ट विधि** – अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने हेतु बी0ए0 शिक्षाशास्त्र की सभी कक्षाओं में प्रोजेक्ट विधि का प्रयोग किया जाता है जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
- **उपचारात्मक अनुदेशन** – मासिक मूल्यांकन परीक्षण में जिस विषय वस्तु पर अच्छी उपलब्धि नहीं दिखाई पड़ती उस विषय पर पुन: उपचारात्मक अनुदेशन किया जाता है इस सत्र में भी लागू रहेगा।

4. **कार्यशाला, व्याख्यान, संगोष्ठी, प्रतियोगिता**

दिनांक	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
08.08.2023	निबन्ध प्रतियोगिता	डॉ. अनूप पाण्डेय
22.09.2023	पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता	
02.12.2023	कम्प्यूटर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता	डॉ. अभिषेक त्रिपाठी
13.02.2024	राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान	डॉ. अनुभा श्रीवास्तव

वाणिज्य विभाग

प्रस्ताविकी- स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रा और स्वाभिमान के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। शिक्षा परिषद और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि महाराणा प्रताप स्नातकोतर महाविद्यालय में अध्ययन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान-विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा को प्राप्त करे। शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछडे पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र गोरखपुर के ग्रामीण अंचल की क्षेत्रीय आवश्यकताओं एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरुप छात्र-छात्राओं में नेतृत्व एवं प्रशासनिक कुशलता के विकास एवं रोजगार प्राप्त करने हेतु सुयोग्य बनाने के उद्देश्य से स्थापना काल से वाणिज्य विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर बी.काम.- तीन वर्षीय पाठ्यक्रम एवं सत्र 2015-16 से एम.काम.- दो वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। वर्तमान सत्र 2023-24 में उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ती हेतु विस्तृत विभागीय कार्यक्रम एवं माहवार कार्य योजना अधोवर्णित है।

माहवार विभागीय कार्यक्रम एवं कार्य योजना

20 जुलाई, 2023	एक दिवसीय कार्यशाला (स्नातक और परास्नातक) विषय-सेमेस्टर प्रणाली में (पठन-पाठन) और परीक्षा की तैयारी	मुख्य वक्ता -श्री नंदन शर्मा संयोजक-श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल संचालन-श्रीमती श्वेता
25 जुलाई, 2023	एक दिवसीय कार्यशाला (स्नातक और परास्नातक) विषय-रोजगार सम्बंधित सूचना को पहचानना और आवेदन करना	मुख्य वक्ता -श्री भारत कुमार संयोजक-श्रीमती श्वेता संचालन-श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
24 अगस्त, 2023	स्वागत समारोह (स्नातक और परास्नातक)	संयोजक-श्री नंदन शर्मा
21 सितम्बर, 2023	केस स्टडी विषय-भारतीय अनुबन्ध अधिनियम 1872 के अन्तर्गत समझौता और अनुबन्ध	संचालन-श्रीमती श्वेता संयोजक - श्रीमती श्वेता आभार ज्ञापन - श्री नन्दन शर्मा
12 अक्टूबर, 2023	बिजनेस मॉडल प्रतियोगिता	संयोजक -श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला संलाचन - श्री वंशदीप रॉय (बी.कॉम प्रथम सेमेस्टर)
09 दिसंबर, 2023	व्यापर मेला	संयोजक - श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
07 फरवरी, 2024	एक दिवसीय सेमिनार विषय- Importance of Skills for Career Growth and Fintech	मुख्य वक्ता - श्री नितीश श्रीवास्तव (पूर्ण इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट) संयोजक - श्री नन्दन शर्मा
22 फरवरी, 2024	एक दिवसीय कार्यशाला विषय-स्वयं के बारे में प्रस्तुति तैयार करना एवं प्लेसमेंट	मुख्य वक्ता -श्री नंदन शर्मा संयोजक -श्री भारत कुमार

4 मार्च, 2024	एक दिवसीय सेमिनार विषय-भारतीय अर्थव्यवस्था एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था	मुख्य अतिथि - विशिष्ट अतिथि - अध्यक्षता-श्री नंदन शर्मा संयोजक-श्रीमती श्वेता
20 मार्च, 2024	एक दिवसीय कार्यशाला विषय-विद्यार्थी तथा व्यवसाय व उद्यम	मुख्य वक्ता-श्री भारत कुमार संयोजक-श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
03 अप्रैल, 2024	एक दिवसीय सेमीनार विषय -आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस और व्यवसाय	मुख्य वक्ता-श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल अध्यक्षता-श्री नंदन शर्मा संयोजक-श्री भारत कुमार
03 मई, 2024	पुरातन छात्र सम्मेलन	संयोजक-श्री नन्दन शर्मा

शिक्षक सूची -

श्री नन्दन शर्मा	-	सहायक आचार्य (प्रभारी)
श्रीमती श्वेता	-	सहायक आचार्य
श्री सिद्धार्थ शुक्ला	-	सहायक आचार्य
श्री भारत कुमार	-	सहायक आचार्य
सुश्री साक्षी चौबे	-	सहायक आचार्य

1. **पाठ्यक्रम योजना** - सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वार्षिक योजना निर्धारण बैठक में विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित शैक्षिक कार्यदिवस ज्ञात होते ही विस्तृत पाठ्यक्रम योजना तैयार कर दी जाती है। योजना के अन्तर्गत प्रत्येक कार्यदिवस में प्रत्येक पाठ्यक्रम में दैनिक व्याख्यान का शीर्षक व संख्या विषयवार उपलब्ध होता है। विद्यार्थी इस योजना में वर्णित शीर्षक का पूर्व अभ्यास कर व्याख्यान में उपस्थित होता है फलस्वरूप ज्ञान अर्जन सहज हो जाता है। इस वर्ष पाठ्यक्रम योजना सम सेमेस्टर तथा विषम सेमेस्टर के लिए अलग-अलग तैयार की गई है। यह योजना महाविद्यालय की वेबसाइट **www.mpm.ac.in** पर अपलोड कर दी गई है। विद्यार्थी इसे कभी भी देखकर इसका अनुसरण कर सकते हैं।

   नोट - सम सेमेस्टर की पाठयक्रम योजना सम सेमेस्टर कक्षा संचालन से पूर्व अपलोड होंगी।

2. **कक्षाध्यापन** - प्रत्येक पाठ्यक्रम/कक्षा में एक सप्ताह में एक के पांच व्याख्यान पूर्ण होने पर छठवें दिवस उस सप्ताह में पढ़े गए शीर्षक/पाठ पर विद्यार्थियों द्वारा अपने सहपाठियों एवं विषय शिक्षक के समक्ष कक्षाध्यापन किया जाता है। विद्यार्थी द्वारा कक्षाध्यापन के दिन शिक्षक भी विद्यार्थी की भूमिका में उपस्थित रहते है। इस विधि से विद्यार्थियों में अर्जित ज्ञान की मौखिक अभिव्यक्ति व सम्प्रेषण कौशल के रूप में विकास के आयाम प्राप्त करने में समर्थन मिलता है। विद्यार्थियों को एक सप्ताह पूर्व पाठ्यक्रम योजना अनुसार शीर्षक तय कर दिये जाते है। विद्यार्थियों को चक्राक्रम के अनुसार कक्षाध्यापन का अवसर दिया जाता है परिणाम स्वरूप प्रत्येक विद्यार्थी को कक्षाध्यापन का अवसर प्राप्त होता है। पाठ्यक्रम योजना अनुसार प्रत्येक पाठ्यक्रम कक्षा की माहवार कक्षाध्यापन तिथियों की तालिका अलग से उपलब्ध कराई जाएगी जिसके अनुसार वर्तमान सत्र में विद्यार्थी कक्षाध्यापन विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।

3. **मासिक मूल्यांकन** - विस्तृत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रत्येक माह के अन्त में प्रत्येक कोर्स/प्रश्नपत्र में

उस माह से पढ़ाए गये अध्याय आधारित प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन किया जाता है। मासिक मूल्यांकन में पूछे गये प्रश्न विश्वविद्यालय द्वारा संचालित मिड टर्म एवं एण्ड टर्म परीक्षा में दिए जाने वाले प्रश्नपत्र का अध्याय आधारित भाग होता है।

4. **मासिक मूल्यांकन परिणाम** – माह के अन्त में प्रत्येक कोर्स/प्रश्नपत्र का मासिक परिणाम महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध आनलाइन प्रगति आख्या पर दर्ज कर दिया जायेगा इस प्रगति आख्या को विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक कभी भी देख कर अपने पाल्यों की स्थिति जान सकते है।

5. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** – प्रत्येक माह के दूसरे कार्यदिवस पर विभाग के शिक्षकों द्वारा किये गए मासिक कार्यो के विषय में मूल्यांकन किया जाता है। इसमें पठन–पाठन की सामान्य समीक्षा के अतिरिक्त स्वप्रेरणा से महाविद्यालय एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं समाज के प्रति किये गये कार्यों का भी उल्लेख किया जाएगा। वर्तमान सत्र में यह प्रपत्र कालेज वेब–साइट के माध्यम से जनसामान्य को समर्पित होगा।

6. **प्रगति आख्या** – प्रत्येक माह में स्व–मूल्यांकन प्रपत्र दर्ज करने के साथ ही विद्यार्थियों की कक्षावार प्रगति आख्या महाविद्यालय की वेबसाइट पर दर्ज कर दी जाएगी। प्रगति आख्या में प्रत्येक माह में शिक्षक व्याख्यान संख्या विद्यार्थियों की व्याख्यान में उपस्थिति साप्ताहिक कक्षाध्यापन में विद्यार्थी की सहभागिता एवं उनके आचरण व्यवहार से सम्बन्धित प्राप्तांक एवं मासिक मूल्यांकन में उसका प्रदर्शन दर्ज किया जायेगा प्रगति आख्या देखकर विद्यार्थियों के अभिभावक घर बैठे ही अपने पाल्यों की प्रगति की समीक्षा कर सकते हैं।

7. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – विभाग द्वारा छात्रों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाएगा। इस सत्र में यह प्रपत्र महाविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से भरवाने के साथ–साथ आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए गूगल फॉर्म्स के माध्यम से प्रतिपुष्टि प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस प्रपत्र में विद्यार्थियों द्वारा दी गई सूचना का प्रयोग शिक्षक अपने व्यक्तित्व में उतार कर अपनी कमियों को दूर करेंगे एवं अपनी–अपनी शिक्षण शैली का परिमार्जन करेंगे। सम और विषम सेमेस्टर के मध्य कम से कम एक बार प्रतिपुष्टि अवश्य प्राप्त की जाएगी।

8. **पुस्तकालय के सम्बन्ध में** – इस सत्र में विभाग में पंजीकृत सभी विद्यार्थियों का पंजीयन सभी विद्यार्थियों का पंजीयन सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केन्द्र (प्छथ्स्प्ठछम्ज्) पर महाविद्यालय की डिजिटल लाईबेरी के माध्यम से कराया जाएगा। साथ ही विद्यार्थी इसका प्रयोग अधिकतम करें सुनिश्चित किया जाएगा।

9. **गोद लिये गये छात्र** – वाणिज्य विभाग द्वारा पंजीकृत छात्रों को गोद लेने की परम्परा विकसित की गई है विभाग का प्रत्येक शिक्षक न्यूनतम 5 विद्यार्थी को गोद लेता है। इस हेतु शिक्षकों द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थी के सभी अकादमिक सामाजिक एवं व्यक्तिगत गतिविधियों एवं सूचनाओं को जाना जाता है और संवाद के माध्यम से सुधार एवं सम्बल प्रदान करने के दृष्टिकोण से उचित मार्गदर्शन किया जाता रहा है। इस वर्ष में भी सभी शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को गोद लेने की प्रक्रिया 05 सितम्बर तक पूर्ण कर ली जाएगी।

10. **प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम** – वाणिज्य विभाग द्वारा मूल्य परक प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा जिसका विवरण निम्न है–

   - **कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम विवरण** – इस पाठ्यक्रम में बी.काम. एवं एम.काम. के पंजीकृत विद्यार्थी आवेदन द्वारा प्रवेश पा सकेंगे। यह प्रशिक्षण सीबीसीएस प्रणाली के अंतर्गत 3 क्रेडिट का होगा जिसमें सामान्य कम्प्यूटर उपयोग से सम्बन्धित पाठ्यक्रम तय करके प्रशिक्षण दिया जाएगा और

परीक्षा द्वारा मूल्यांकन करके प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

नोट– प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम में सीटों की उपलब्धता सीमित की जा सकती है एवं आवश्यक परिचालन शुल्क भी निर्धारित किया जाएगा।

- **लेखांकन प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम विवरण** – इस पाठ्यक्रम में बी.काम. एवं एम.काम. के चयनित एवं पंजीकृत विद्यार्थी प्रवेश पा सकेंगे। इस पाठ्यक्रम की न्यून्तम योग्यता कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम उत्तीर्ण अथवा अन्यत्र से कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र होगी। इस पाठ्यक्रम की अवधि 30 घंटे होगी जिसमे विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यालयी कार्यों को करने का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। परीक्षण द्वारा योग्य विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।
- **'योग, ध्यान और स्वास्थ्य' प्रमाण-पत्र मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विवरण** – यह पाठ्यक्रम सी.बी.सी. एस. प्रणाली पर आधारित होगा जिसका क्रेडिट मान 3 होगा इस पाठ्यक्रम में महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी पंजीकरण प्राप्त कर सकते हैं।
- **'कम्युनिकेशन एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट' मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम** – इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों में संप्रेषण कौशल का विकास करना है यह पाठ्यक्रम सी.बी.सी.एस. प्रणाली पर आधारित होगा जिसका क्रेडिट मान 3 होगा।
- **'श्रीमद भगवत गीता का व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विकास में प्रयोग' मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम** – इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रबंधन कौशल को स्वयं के विचारों व व्यक्तित्व में 'आत्मसात' कर व्यवसाय व्यापार व उद्यमिता में नवीन दृष्टिकोण स्थापित करने में सक्षम होना है। इस पाठ्यक्रम में महाविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थी प्रवेश ले सकता है। यह पाठ्यक्रम सीबीसीएस प्रणाली के अंतर्गत 3 क्रेडिट मान का होगा।

नोट – इस सत्र में प्रमाण पत्र पाठयक्रम का स्वयं (SWAYAM) तथा (NPTEL) पटल पर पंजीकरण का लक्ष्य है।

10. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय द्वारा निर्धारित साप्तादिक स्वैच्छिक श्रमदान के साथ-साथ वाणिज्य विभाग द्वारा गोद लिए गये गाव जंगल तिनकोनिया नं. 02 में साप्ताहिक स्वच्छता, स्वास्थ्य और शैक्षिक अभियान संचालित किया जाएगा। इसका उद्देश्य गोद लिए ग्राम में जीवन स्तर से जुड़ी समस्या का पता करके उत्थान हेतु सकारात्मक प्रयास करना है।
11. **उपचारात्मक कक्षा** – उपचारात्मक कक्षाएं सम्बन्धित विषय अध्यापकों द्वारा पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर संचालित की जाएगी।
12. **विभागीय पूर्व छात्र सम्मेलन** – वाणिज्य विभाग में पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक-आर्थिक पर्यावरण में हो रहे परिवर्तन एवं उसमें छात्र उपयोगी नये विकसित आयामों की जानकारी प्राप्त कर उसे अध्ययन-अध्यापन विधियों में शामिल करना प्रमुख रहेगा।
13. **शिक्षण विधि** – वाणिज्य विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में अग्रलिखित शिक्षण विधियां अपनाई जाएगी जिसका संक्षिप्त विवरण वर्णित है।
    - **प्रोजेक्टर विधि** – इस विधि के अन्तर्गत कक्षा व्याख्यान से सम्बन्धित महत्वपूर्ण एवं विस्तृत बिन्दुओं को पी.पी.टी. एवं पी.डी.एफ. प्रस्तुती के माध्यम से व्याख्या की जाएगी।

- **व्याख्यान विधि** – इस विधि में दैनिक पाठ्यक्रम योजना अनुसार अध्याय शीर्षक पर विभिन्न श्रोतों से पूर्व में व्याख्यान तैयार कर छात्रों के समक्ष इसकी व्याख्या की जाएगी।
- **सामूहिक चर्चा (केस स्टडी) विधि** – इस विधि में विद्यार्थियों के समक्ष महत्वपूर्ण शीर्षक तय कर उन्हें इस पर जानकारी एकत्र करने को निर्देशित किया जाएगा और प्रत्येक सहभागी छात्रों को विद्यार्थी कक्षाध्यापन के समय अपना पक्ष रखने को कहा जाएगा। इस विधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में तर्क क्षमता एवं समस्या की समीक्षा करने की योग्यता का विकास करना होगा।
- **ट्यूटोरियल विधि** – इस विधि में ज्ञान स्थानान्तरण किसी पुस्तक या व्याख्यान की तुलना में अधिक विशिष्ट (समस्या-समाधान परक) वार्तालाप होता है। विद्यार्थियों को ट्यूटोरियल उदाहरण के द्वारा एक निश्चित कार्य को पूरा करेन व ज्ञान स्थानांतरण किया जाएगा।

14. **मासिक शिक्षक बैठक** – विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में प्रत्येक माह के अँतिम कार्यदिवस में विभागीय बैठक कर गत माह में किये गए कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ आगामी माह में सम्पन्न होने वाले कार्यों की समीक्षा एवं निष्पादन योजना तय कर दी जाएगी।
15. **शिक्षक ब्लॉग** – सभी शिक्षकों के द्वारा विषय से सम्बन्धित व्याख्यान के समानान्तर सामग्री को पी.पी.टी. व पी.डी.एफ. रूप में शिक्षक ब्लाग पर कक्षा व्याख्यान की विषय सामग्री। सारांश के रूप में तथा कक्षा पाठ्यक्रम व उपयोगी महाविद्यालय की वेबसाइट एवं यू.पी. डिजिटल लाइब्रेरी पर अपलोड कर दिया जाएगा।
16. **स्मार्ट बोर्ड व कॉलेज यूट्यूब चैनल** – प्रत्येक शिक्षक के द्वारा इस सत्र में कम से कम 5 कक्षा स्मार्ट बोर्ड पर संचालित, करने का प्रयास किया जायेगा व स्मार्ट बोर्ड पर संचालित कक्षा को संरक्षित कर कॉलेज के यूट्यूब चौनल पर अपलोड करना और विद्यार्थियों को चौनल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा।
17. **शैक्षिक भ्रमण** – बी.कॉम. व एम.कॉम. के विद्यार्थियों को सम्बन्धित स्थल पर भ्रमण कर वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर दिया जायेगा।
18. **वार्षिक योजना** – माहवार कक्षाध्यापन व मासिक मूल्यांकन की तिथियों का विवरण –

जुलाई माह-2023

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर	बी.काम. पंचम सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर
कक्षाध्यापन तिथि	20, 21, 22	20, 21, 22	21, 22
मासिक मूल्यांकन	27, 28, 31	27, 28, 31	28, 31

अगस्त माह-2023

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. प्रथम सेमेस्टर	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर	बी.काम. पंचम सेमेस्टर	एम.काम. प्रथम सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर
कक्षाध्यापन तिथि	05,07,12,14, 22,23	04,05,07,11,12, 14,19,22,23	4,05,07,11,12, 14,19,22,25	05,07,12,14 22,23	05,07,12,14, 22,23
मासिक मूल्यांकन	29,30	24,25,26	24,25,26	29,30	28,29

सितम्बर माह–2023

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. प्रथम सेमेस्टर	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर	बी.काम. पंचम सेमेस्टर	एम.काम. प्रथम सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर
कक्षाध्यापन तिथि	08,09,18,17	01,02,04,11,12, 13,18,19,20	01,02,04,11,12, 13,18,19,20	08,09,19,20	05,08,11,12, 18,19
मासिक मूल्यांकन	25,26	25,26,27	25,26,27	26,27	25,26

अक्टूबर–2023

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. प्रथम सेमेस्टर	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर	बी.काम. पंचम सेमेस्टर	एम.काम. प्रथम सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर
कक्षाध्यापन तिथि	08,05,11,12	04,05,06, 11,12,13	04,05,06, 11,12,13	05,06,12,13	04,05,12,12
मासिक मूल्यांकन	19,20	19,20,21	19,20,21	20,21	19,20

जनवरी–2024

कोर्स/पाठ्यक्रम	एम.काम. द्वितीय सेमेस्टर	एम.काम. चतुर्थ सेमेस्टर
कक्षाध्यापन तिथि	24,27	24,27
मासिक मूल्यांकन	30	30

फरवरी–2024

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. द्वितीय सेमेस्टर	बी.काम. चतुर्थ सेमेस्टर	बी.काम. षष्ठम सेमेस्टर	एम.काम. द्वितीय सेमेस्टर	एम.काम. चतुर्थ सेमेस्टर
कक्षाध्यापन तिथि	05,06,08,13, 15,16,21,22,23	05,06,08,13, 15,16,21,22,23	05,06,08,13, 15,16,21,22,23	24,27	
मासिक मूल्यांकन	29	29	29	30,31	

मार्च–2024

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. द्वितीय सेमेस्टर	बी.काम. चतुर्थ सेमेस्टर	बी.काम. षष्ठम सेमेस्टर	एम.काम. द्वितीय सेमेस्टर	एम.काम. चतुर्थ सेमेस्टर
कक्षाध्यापन तिथि	07,09,11, 15,16,18,30	07,09,11, 15,16,18,30	07,09,11, 15,16,18,30	07,09,11, 15,16,18	07,09,11, 15,16,18
मासिक मूल्यांकन	01,02,22,27,28	22,27,28	01,02,22,27,28	27,28	27,28

अप्रैल–2024

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. द्वितीय सेमेस्टर	बी.काम. चतुर्थ सेमेस्टर	बी.काम. षष्ठम सेमेस्टर	एम.काम. द्वितीय सेमेस्टर	एम.काम. चतुर्थ सेमेस्टर
कक्षाध्यापन तिथि	01,02,06,08,09, 15,16,18,23,24,25	06,08,09,15, 16,18,23,24	01,06,08,09, 15,16,18,23,24,25	01,02,04,05, 16,18,20,22	01,02,04,05, 16,18,20,22
मासिक मूल्यांकन	30	25	30	30	30

मई–2024

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. द्वितीय सेमेस्टर	बी.काम. चतुर्थ सेमेस्टर	बी.काम. षष्ठम सेमेस्टर	एम.काम. द्वितीय सेमेस्टर	एम.काम. चतुर्थ सेमेस्टर
कक्षाध्यापन तिथि	01,02,07,08,09	01,02,07,08,09	01,02,07,08,09	01,02,04,06	01,02,04,06
मासिक मूल्यांकन	–	–	–	–	–

बी.एड्. विभाग

प्रस्तावना – ज्ञान की दिशा में अवलोकन, अनुभव और आंकलन मुख्य है जिससे मनुष्य आगे बढ़ता है। अवलोकन प्रारंभ से होता है, जिससे अनुभव प्राप्त होता है। प्रत्येक मनुष्य चाहता है कि आगे अच्छा हो, जिसका दायरा बड़ा हो जाता है, जिसका आकाश विस्तृत हो जाता है। वो अपने से हट कर दूसरों के विषय में सोचने लगता है, यही शिक्षा नीति कहती है कि जो हम कर रहे हैं, उसको कैसे सुधारें। इसमें आवश्यकता होती है, निरंतरता की, निरंतरता से आशा की किरण प्रकट होती है जो मनुष्य के आकलन के लिए उसके बुद्धि को प्रखर करती है। जो मनुष्य का पूर्णत्व है, उसे निखारा जाय। इसी ध्येय के साथ बी.एड्. विभाग की वार्षिक विभागीय कार्य योजना प्रस्तुत है।

आगामी सत्र हेतु विभागीय योजनाएँ –

1. **नव आगन्तुक छात्राध्यापकों का स्वागत** – कार्यशाला विषय (महाविद्यालय की परिसर संस्कृति, भाषा, कार्यपद्धति) एवं सत्ररम्भ सप्तदिवसीय कार्यशाला प्रतिवर्ष बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों द्वारा बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर नवागन्तुक छात्राध्यापकों को तिलक लगाकर एवं रक्षासूत्र बाँधकर स्वागत किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्राध्यापकों को आत्मीयता का बोध कराने व परिसर संस्कृति से परिचित कराना है, जो इस सत्र में भी करने की योजना है।

2. **प्रार्थना सभा** – प्रार्थना सभा महाविद्यालय की आत्मा है। यह प्रत्येक शैक्षिक दिवस 9:20 से 9:40 तक होता है। इसमें विभाग के प्रत्येक शिक्षक-विद्यार्थी सकारात्मक भाव से उपस्थित होकर प्रार्थना, वन्दना के साथ अपने दिन की शुरुआत करते हैं। इस सत्र में प्रार्थना सभा प्रभारी बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ती गुप्ता हैं। श्रीमद्भगवत गीता के महत्वपूर्ण श्लोकों का पाठ एवं विशेष दिवसों पर होने वाले उद्बोधन में बी. एड्. के शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया जाता है। जो इस सत्र में लागू रहेगा।

3. **समय-सारणी** – महाविद्यालय में प्रत्येक कक्षाएं समय-सारणी के अनुसार चलती हैं, जिसमें बी.एड्. विभाग की अपनी समय-सारणी के अनुसार कक्षाएं चलेंगीं।

4. **महाविद्यालय ब्लाग** - महाविद्यालय के वेबसाइट पर सभी शिक्षक के ब्लाग हैं। जिसमें सभी शिक्षक अपने विषय से सम्बन्धित कन्टेंट अपडेट करते हैं। जिसे विद्यार्थी या अन्य कोई भी देख-पढ़ सकते हैं। इसका उद्देश्य तकनीकी के माध्यम से अतिरिक्त कन्टेंट उपलब्ध कराना है। जिससे अनौपचारिक रुप से भी पाठ्यक्रम का अध्ययन किया जा सके, यह इस सत्र में भी लागू रहेगा।

5. **राज्य स्तरीय डिजिटिल लाइब्रेरी** - डिजिटल लाइब्रेरी पर ई-कंटेन्ट महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग द्वारा ई-कंटेन्ट अपलोड किया जाता रहा है, जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।

6. **स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग** - महाविद्यालय प्रत्येक सत्र में तकनीकी के क्षेत्र में नवाचार करता है, जिससे शिक्षक-छात्र अधिगम का विकास हो। इस उद्देश्य के साथ इस सत्र में स्मार्ट बोर्ड के संचालन का प्रयोग प्रत्येक शिक्षक द्वारा किया जाएगा।

7. **पुस्तकालय-वाचनालय** - महाविद्यालय की योजनानुसार प्रत्येक शिक्षक-छात्र अपने रिक्त समय का सदुपयोग एवं ज्ञान के विकास के लिए पुस्तकालय में जाते हैं, और वहाँ आवागमन पंजिका पर उपस्थिति दर्ज करते हैं। विभाग के द्वारा प्रत्येक सत्र बी.एड्. विषय की पुस्तकें पुस्तकालय को दान की जाती हैं। छात्राध्यापकों को भी पुस्तकालय में पुस्तक दान करने के लिए प्रेरित किया जाता है। छात्र एवं शिक्षक को अध्ययन हेतु डिजिटल प्लेटार्म उपलब्ध कराने हेतु छात्राध्यापको को एन-लिस्ट से जोड़ा गया है, जिससे कि महाविद्यालय के ऑनलाइन लाइब्रेरी से जुड़कर अध्ययन कर सकते हैं। जो इस सत्र में भी लागू है।

8. **पाठ्यक्रम योजना** - महाविद्यालय की वेबसाइट पर सत्र के प्रारम्भ में सम्पूर्ण वार्षिक पाठ योजना उद्धरित कर दी जाती है। इसका उद्देश्य सम्पूर्ण पाठ्यक्रम योजना बनाकर पूर्व नियोजित ढ़ग से कक्षा का संचालन किया जा सके। छात्र वार्षिक पाठ योजना से प्रत्येक कार्य दिवस में पढ़ाये जाने वाले विषय से परिचित हो सके। बी.एड्. विभाग की पाठ्यक्रम योजना के अनुसार कक्षाएं 1 अगस्त से प्रारंभ है।

9. **मासिक मूल्यांकन** - प्रत्येक माह में पढ़ाये गये विषय-वस्तु से सम्बन्धित प्रश्नपत्र माह के अन्तिम सप्ताह में तैयार करके छात्रों की अधिगम उपलब्धि का परीक्षण किया जाता है। प्रश्न पत्र में निर्धारित पूर्णांक के आधार पर बहुविकल्पीय/निबन्धात्मक परीक्षा ली जाती है। इसके द्वारा छात्राध्यापकों के सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा को पूरा करने का प्रयास किया जाता है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा। यह परीक्षा ऑफलाइन CBCS पाठ्यक्रम के अनुसार किया जाएगा।

10. **प्रगति आख्या** - बी.एड्. में पढ़ रहे सभी छात्राध्यापकों की एक सत्र की सम्पूर्ण कक्षागत गतिविधियां, आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है एवं सत्र के अन्त में प्रगति आख्या विश्लेषण किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्राध्यापकों के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक मूल्यांकन कर छात्राध्यापकों का सुधारात्मक विश्लेषण करना। इस सत्र में भी लागू रहेगा।

11. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** - प्रत्येक माह के दूसरे दिन तक में शिक्षक स्व-मूल्यांकन प्रपत्र जमा होता है। जिसका उद्देश्य शिक्षक स्वयं की कार्यपद्धति का मूल्यांकन एवं विश्लेषण करें। यह कार्यपद्धति इस सत्र में भी लागू रहेगी।

12. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - इस सत्र में दो बार प्रत्येक शिक्षक का छात्राध्यापकों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है। इस प्रपत्र का उद्देश्य छात्रों द्वारा दिये गये प्रतिपुष्टि के आधार पर शिक्षक द्वारा अपने शिक्षण

प्रविधियों में सुधार के प्रयास किये जाते हैं। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा। वर्तमान सत्र में नवम्बर के प्रथम सप्ताह एवं मार्च के प्रथम सप्ताह में शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जायेगा।

13. **प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम** (पूरक पाठ्यक्रम) - मानवीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु बी.एड्. विभाग में जीवन मूल्य एवं हमारे पूर्वज पाठ्यक्रम चलाये जाते हैं, जिसमें सनातन मूल्यों, भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक-सांस्कृतिक नवाचार लाने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में महती भूमिका निभाने वाले महान पूर्वजों के बारे में अध्ययन-अध्यापन किया जाता है तथा उसके पूर्ण होने के पश्चात छात्राध्यापकों में व्यवहारगत मूल्यों में परिवर्तन हुआ, इसके लिए निबन्धात्मक परीक्षा करायी जाती है एवं उत्तीर्ण छात्राध्यापकों को प्रमाण-पत्र दिये जाते हैं।
14. **अभिगृहित ग्राम (मिशन मंझरिया)** - 2023-24 में "एक विभाग-एक गाँव योजना" को पूर्ववत जारी रखते हुए महाविद्यालय से सटे ग्राम मंझरिया को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के साथ-साथ तकनीकी विकास के प्रति जागरूकता के साथ-साथ केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं से संतृप्त गांव बनाने का मिशन मंझरिया प्रोजेक्ट को एक कदम और आगे बढ़ाने की योजना।
15. **स्वैच्छिक श्रमदान** - महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक शनिवार साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में शिक्षक-छात्राध्यापक प्रतिभाग करते हैं। इसका उद्देश्य शिक्षकों एवं छात्राध्यापकों में श्रम की महत्ता का बोध कराना है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
16. **मासिक समीक्षा बैठक** - प्रत्येक माह विभागीय स्तर पर विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक के साथ मासिक समीक्षा की जाती है इसमें अगले माह की योजना तैयार की जाती है। इस सत्र में भी यह लागू रहेगा।
17. **साप्ताहिक शिक्षक बैठक** - प्रति सप्ताह किये गए पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ नवाचार, आदि की समीक्षा एवं अगले सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक शनिवार को विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में साप्ताहिक शिक्षक बैठक किया जाता है। इस सत्र में भी लागू रहेगा।
18. **आजादी की 75वीं वर्षगांठ एवं 'NEP की समझ' तीन वर्षीय कार्ययोजना का क्रियान्वयन 2020 के अंतर्गत विभागीय कार्यक्रम** - आजादी की 75वीं वर्षगांठ अमृत महोत्सव एवं "छम्च की समझ" तीन वर्षीय कार्ययोजना का क्रियान्वयन 2020 के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग के सभी कार्यक्रम किये जाएंगे।
19. **बी.एड्. स्काउट गाइड परिचयात्मक** - अक्टूबर माह में 30 अक्टूबर 2023 से 03 नवम्बर, 2023 को पाँच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन।
20. **छात्रसंघ** - महाविद्यालय में प्रतिवर्ष छात्रसंघ का चुनाव होता है। इसमें बी.एड्. के छात्राध्यापक प्रतिभाग करते हैं। छात्रसंघ पदाधिकारी के चयन हेतु कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव किया जाता है। इसके चयन का आधार छात्र की उपस्थिति मासिक मूल्यांकन के अंक एवं आचरण व्यवहार के आधार पर किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्रों में लोकतंत्र की भावना एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। जो इस सत्र में लागू रहेगा।
21. **पुरातन छात्र सम्मेलन शिक्षक** - बी.एड्. विभाग के पुरातन विद्यार्थियों को महाविद्यालयी कार्य प्रणाली से जोड़ने एवं उनके सुझावों के आधार पर परिमार्जन के लिए पुरातन छात्र सम्मेलन 26 नवम्बर 2023 को प्रस्तावित है।
22. **शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन** - संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल अवधारणात्मक

क्रियान्वयन के आलोक में पुरातन छात्र सम्मेलन 17 मार्च, 2024 को प्रस्तावित है।

23. **नैक** – महाविद्यालय को नैक द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यायित है। रैंक में और अधिक सुधार हेतु नैक द्वारा दिये गये मानकों को पूरा करने की दिशा में इस सत्र में बी.एड्. विभाग अग्रसर है। विभाग द्वारा आई.क्यू.ए.सी. को सम्पूर्ण नवीन सूचनाएँ नियमित अंतराल पर उपलब्ध कराई जाती है।

24. **उन्नत भारत अभियान** – उन्नत भारत अभियान गाँवों को उन्नत करने की केन्द्र सरकार की एक योजना है। जिसके तहत बी.एड्. विभाग के मिशन मंझारिया में कार्य अग्रसर है।

25. **विभागीय लाइब्रेरी** – विभागीय लाइब्रेरी बी.एड्. शिक्षकों के सहयोग से विकसित की गई है। जिसका उद्देश्य छात्रों के खाली समय का सद्उपयोग करना है।

26. **पूर्व-विद्यार्थी विवरण** – विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष ऐसे विद्यार्थी जो सरकारी नौकरी, पेशा में, और बी.एड्. से आगे शैक्षणिक कार्य करते है उनका विवरण तैयार किया जाता है।

27. **पाठ्यक्रम एवं पाठ्य पुस्तकों** – बी.एड्. विभाग में प्रत्येक वर्ष अद्यतन पुस्तकों को पढ़ने हेतु की सूची (संदर्भ ग्रन्थ सूची) विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाता है। विभागीय स्तर पर अद्यतन संदर्भ ग्रंथ सूची तैयार की जाती है।

28. **गोद लिये गये विद्यार्थी विवरण** – प्रत्येक वर्ष विभागीय शिक्षकों द्वारा पाँच-पाँच विद्यार्थियों को गोद ले कर उनके व्यक्तित्व का चहुँमुखी विकास किया जाता है।

29. **मौलिक प्रयोग एवं नवाचार** – प्रत्येक वर्ष विभागीय शिक्षकों द्वारा विभाग एवं कक्षा स्तर पर नित नये एवं मौलिक प्रयोग किये जाते हैं। इस सत्र में प्रत्येक शनिवार के दिन बी.एड्. विभाग में टीम टीचिंग, ब्रेन स्टार्मिंग, पैनल डिस्कशन कराने की योजना है।

30. **दायित्व सह कार्य रिपोर्ट** – विभागीय शिक्षकों को महाविद्यालय एवं विभाग द्वारा प्राप्त दायित्वों का निर्वहन करने हेतु दायित्व विभाजन किया जाता है। वर्तमान सत्र में बी.एड्. विभाग का सहदायित्व विभाजन सूची निम्नवत् है–

सहदायित्व कार्य विभाजन

1. तकनीकी, रखरखाव, स्वच्छता	– डॉ. अनुभा श्रीवास्तव
2. विभागीय पुस्तकालय एवं अद्यतन संदर्भ ग्रंथ सूची	– श्री जितेन्द्र प्रजापति
3. विभागीय कार्यक्रम	– सुश्री दीप्ति गुप्ता
4. प्रकाशनार्थ लेखन	– श्री शैलेन्द्र सिंह
5. विभागीय रपट लेखन एवं व्यवस्थीकरण	– डॉ. अनुभा श्रीवास्तव
6. चिकित्सा विभाग	– श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह
7. कम्युनिकेशन एण्ड स्टूडेंट वेल्फेयर	– श्रीमती विभा सिंह
8. आई.क्यू.ए.सी.	– श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह
9. शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र एवं गोद लिए विद्यार्थियों की सूची	– श्रीमती विभा सिंह
10. पुरातन छात्र सम्मेलन एंव शिक्षक अभिभावक सम्मेलन	– श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह
11. विभागीय रिपोर्ट, मिशन मंझरिया रिपोर्ट	– श्रीमती शिप्रा सिंह

शिक्षण विधियाँ

1. **प्रोजेक्टरयुक्त कक्षाएँ** – गत सत्र बी.एड्. विभाग में कक्षाएँ पावर प्वाइंट द्वारा ली गयी। इस वर्ष भी हम एक कदम और आगे चलने का प्रयास करेंगें।
2. **व्याख्यान विधि** – शिक्षण विधियों में व्याख्यान के बिना सम्पूर्ण शिक्षण अधूरा है। हम अपनी बी.एड्. की कक्षाओं में भी व्याख्यान विधि का प्रयोग करते हैं, इस वर्ष व्याख्यान में शिक्षक-छात्र अन्तःक्रिया के प्रयोग पर अत्यधिक बल दिया जाएगा।
3. **प्रोजेक्ट विधि** – शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने हेतु बी.एड्. की सभी कक्षाओं में प्रोजेक्ट विधि का प्रयोग किया जाता है जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
4. **सामूहिक परिचर्चा** – बी.एड्. की प्रत्येक कक्षाओं में एक व्याख्यान पूर्ण करने के बाद उस प्रकरण पर छात्राध्यापकों द्वारा सामूहिक चर्चा की जाती है। इस सत्र में भी पूर्ण रूपेण लागू।
5. **समनुदेशन विधि** – बी.एड्. सत्र की प्रत्येक सैद्धन्तिक एवं प्रयोगात्मक कार्य में एसाइनमेंट विधि का प्रयोग किया जाता है जिससे कि व्यक्तिगत शिक्षण विधियों में जो कठिनाई होती है उसको दूर किया जा सके। इस सत्र में भी लागू होगा।
6. **उपचारात्मक अनुदेशन** – मासिक मूल्यांकन परीक्षण में जिस विषय वस्तु पर अच्छी उपलब्धि नहीं दिखाई पड़ती उस विषय पर पुनः उपचारात्मक अनुदेशन किया जाता है। इस सत्र में भी लागू रहेगा।
7. **स्कूल इंटर्नशिप** – बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों का विद्यालयी प्रशिक्षण कार्य प्रत्येक वर्ष की भांति कराने की योजना। इस सत्र में भी लागू रहेगा।
8. **सूक्ष्म शिक्षण** – बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर की कक्षाओं का प्रतिदिन सूक्ष्म शिक्षण कौशल अभ्यास। सत्ररम्भ से ही लागू होगा।
9. **ग्राम्य प्रोजेक्ट** – एक विभाग एक गांव के तर्ज पर इस वर्ष भी ग्राम विकास के लिए अग्रसर रहेंगें।
10. **शैक्षिक भ्रमण** – बी.एड्. छात्राध्यापकों का किसी दर्शनीय स्थल का शैक्षिक भ्रमण। इस सत्र में लागू रहेगा।

कार्यशाला, व्याख्यान, संगोष्ठी

जुलाई-2023

दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता/विद्यार्थी/शिक्षक
03.07.2023	सोमवार	10.00-11.30	गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कार्यक्रम	शिक्षक एवं छात्राध्यापकों द्वारा
04.07.2023	मंगलवार	09.40-10.30	अमृत महोत्सव के अंतर्गत पौधारोपड़	विभागीय शिक्षक द्वारा

अगस्त-2023

दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
08.08.2023	मंगलवार	12.30-01.20	भारत छोड़ो आन्दोलन दिवस पर व्याख्यान	श्री अनूप पाण्डेय
26.08.2023	शनिवार	11.00-11.50	रानी पद्मिनी जौहर दिवस पर काव्य गोष्ठी	बी.एड. छात्राध्यापकों द्वारा
29.08.2023	मंगलवार	12.40-01.20	राष्ट्रीय खेल दिवस पर इनडोर/आउटडोर गेम	बी.एड. छात्राध्यापकों द्वारा

सितम्बर-2023				
दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
05.09.2023	मंगलवार	11.20-12.10	शिक्षक दिवस के अवसर पर व्याख्यान	प्रो. प्रत्यूष दुबे
08.09.2023	शुक्रवार	12.10-01.20	विश्व साक्षरता दिवस पर विचार गोष्ठी	प्रो. सदानन्द गुप्ता
16.09.2023	शानिवार	10.30-11.20	विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा
अक्टूबर-2023				
दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
02.10.2023	सोमवार	09.40-10.30	महात्मा गाँधी जयन्ती के अवसर पर सांस्कृतिक भजन संध्या/सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा
11.10.2023	बुधवार	10.30-11.20	जय प्रकाश नारायण जयन्ती पर विचार गोष्ठी	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा
07.10.2023-08.10.2023	शनिवार रविवार	10.30-11.20	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 संकल्प से सिद्धि तक राष्ट्रीय संगोष्ठी	
नवम्बर-2023				
दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
06.11.2023	सोमवार	11.00-11.50	अभिविन्यास कार्यक्रम	बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर
26.11.2023	रविवार	10.30-02.00	पुरातन छात्र सम्मेलन	
दिसम्बर-2023				
दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
02.12.2023	शनिवार	11.00-11.50	कम्प्यूटर साक्षरता दिवस पर विचार गोष्ठी	
14.12.2023	गुरुवार	12.10-01.10	राष्ट्रीय उर्जा संरक्षण दिवस पर भाषण प्रतियोगिता	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा
15.12.2023-20.12.2023	शुक्रवार से सोमवार	11:30-01:20	पांच दिवसीय कार्यशाला	
15.12.2023	शुक्रवार	11.20-12.00	अधिगम एवं अभिप्रेरणा के सिद्धान्त विषय पर व्याख्यान	डॉ. विनय पाण्डेय
16.12.2023	शनिवार	11.20-12.30	भारत की शिक्षा नीतियों का तुलनात्मक अध्ययन पर व्याख्यान	डॉ. लक्ष्मण सिंह
18.12.2023	सोमवार	12.30-01.20	पर्यावरणीय शिक्षा पर व्याख्यान	डॉ. दिवाकर सिंह
19.12.2023	मंगलवार	12.30-02.10	शिक्षा के भारतीय दर्शन विषय पर व्याख्यान	डॉ. मीतू सिंह
20.12.2023	बुधवार	10.30-02.10	शिक्षा के मूलतत्व विषय पर व्याख्यान	डॉ. प्रीति मिश्रा
26.12.2023 30.12.2023	मंगलवार से शनिवार		स्काउट गाइड परिचयात्मक पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर	श्री अजय कुमार सिंह श्री सूरज चन्द्र

जनवरी-2024				
दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
12.01.2024	गुरुवार	11.00–11.50	राष्ट्रीय युवा दिवस पर व्याख्यान विषय-स्वामी विवेकानन्द (जीवन)	प्रो. बृजेश कुमार पाण्डेय
फरवरी-2024				
13.02.2024	मंगलवार	10.30–11.20	राष्ट्रीय महिला दिवस पर विचार गोष्ठी	छात्राध्यापकों द्वारा
मार्च-2024				
दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
05.03.2024- 07.03.2024	मंगलवार से गुरुवार	11.10–12.30	आर्ट एण्ड क्राफ्ट कार्यशाला	पिडिलाइट कम्पनी द्वारा
07.03.2024 पूर्व संध्या	गुरुवार	11.20–12.10	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर लघु नाटक	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा
08.03.2024	शुक्रवार	11.20–12.10	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर लघु नाटक	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा
09.03.2024	शनिवार	11.20–12.10	वेस्ट मैटेरियल प्रशिक्षण कार्यक्रम	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा
18.03.2024	सोमवार	10.30–12.30	शिक्षक अभिभावक सम्मेलन	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा
21.03.2024	गुरुवार	12.00–01.20	वाद-विवाद प्रतियोगिता	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा
अप्रैल-2024				
दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
05.04.2024	शुक्रवार	10.30–11.20	शैक्षिक प्रदर्शनी	श्रीमती अंजू चौधरी
08.04.2024	सोमवार	10.30–11.20	स्पेश चिल्ड्रेन स्कूल विजिट	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा
09.04.2024	मंगलवार	10.30–11.20	DIET विजिट	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा
10.04.2024- 12.04.2024	बुधवार से शुक्रवार	10.30–11.20	शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय विजिट	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा
18.04.2024- 20.04.2024	गुरुवार से शनिवार	10.30–11.20	तीन दिवसीय योग कार्यशाला	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा

नोट:- आवश्यकतानुसार कार्यक्रम में परिवर्तन संभव

हिन्दी विभाग

1. **प्रस्तावना** – सत्रारम्भ में योजना बैठक के पश्चात् हिन्दी विभाग कक्षा संचालन के साथ-साथ विभाग में होने वाले विभिन्न गतिविधियों जैसे- पाठ्यक्रम योजना, कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, प्रगति आख्या, विभागीय कार्यक्रम, अतिथि व्याख्यान शिक्षण विधि, पुस्तकालय, तकनीकी प्रसार, गोद लिए विद्यार्थी, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र, स्वमूल्यांकन प्रपत्र, पूर्व पंजीकृत विद्यार्थियों की वर्तमान स्थिति की सूची, संदर्भ ग्रंथ सूची आदि

क्रियाकलाप की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की जाती है।

2. **महाविद्यालय की योजना बैठक** – शिक्षा ज्ञान, उचित आचरण, अनुशासन, तकनीकी दक्षता आदि को प्राप्त करने की एक प्रक्रिया है। इस क्रम में पूर्व में बनायी गयी योजनाओं का क्रियान्वयन करते हुए समीक्षात्मक विश्लेषण आगामी नये सत्र की नयी योजना बनायी जाति है ताकि प्रभावी शिक्षण का उद्देश्य प्राप्त किया जा सके।

3. **विभागीय शिक्षक जीवनवृत्त** – महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में दो शिक्षक हैं। जिसमें विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह एवं सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ल हैं। दोनों शिक्षक के जीवन–वृत्त विभागीय रिपोर्ट में व्यवस्थित किए गए है एवं ब्लॉग पर भी मौजूद हैं।

4. **कक्षा प्रतिनिधि** – महाविद्यालय में प्रत्येक सत्र छात्रसंघ चुनाव से पहले कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव होता है। इसके अन्तर्गत पढ़ाये गए पाठ्यक्रम से बहुविकल्पीय प्रश्न पत्रों की परीक्षा कक्षाओं में ही सम्पन्न करायी जाती हैं। प्रत्येक कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थी कक्षा प्रतिनिधि होता है। कक्षा प्रतिनिधि विद्यार्थी कक्षागत योजनाओं तथा समस्या के समाधान में महती भूमिका निभाते हैं।

5. **विभागीय गतिविधियाँ** – प्रत्येक सत्र में हिन्दी विभाग विद्यार्थियों के समुन्नत विकास के लिए, भाषा शिक्षण द्वारा समुचित अवसर प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। इस हेतु विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान, प्रतियोगिताएं कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, मूल्यपरक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम आदि द्वारा विद्यार्थियों के विकास में सहयोग देने का कार्य विभाग के विभिन्न आयोजनों द्वारा किया जाता है। विभाग में प्रगति आख्या द्वारा विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया जाता है। इसके साथ ही विभाग में दो मूल्यपरक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम संचालित होता है जिसका विषय– ''भाषा शिक्षण एवं व्याकरण'' तथा ''हमारे साहित्यकार'' हैं। इस प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का उद्देश्य है विद्यार्थियों को ध्वनियों के ज्ञान के साथ रचना एवं सृजनात्मक प्रवृत्ति का विकास करना तथा उनमें ऐसी क्षमता का विकास करना जिससे वह शुद्ध रूप से लिख एवं पढ़ सके तथा अपने भावों को व्यक्त कर सकें। साथ ही साहित्य एवं साहित्यकार की मार्मिकता को समझ सकें।

6. **नवागन्तुक छात्र-छात्राओं का स्वागत** – प्रत्येक वर्ष महाविद्यालय में सत्रारम्भ के समय प्रार्थना सभा में प्राचार्य जी स्वागत उद्‌बोधन द्वारा महाविद्यालय परिसर संस्कृति से परिचित कराते हुए विद्यार्थियों का स्वागत करते हैं। साथ ही विभाग द्वारा विद्यार्थी को उज्ज्वल भविष्य की ओर उन्मुख्य करते हुए स्वागत एवं विदाई का आयोजन किया जाता है।

7. **विभाग की विशेषताएँ**
    1. प्रत्येक अगले दिवस पर बेहतर से बेहतर अध्यापन करने का अनवरत प्रयास।
    2. तकनीकों का प्रयोग करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण विधि।
    3. अध्ययन–अध्यापन के साथ–साथ आचरण व्यवहार, अनुशासन, महाविद्यालय संस्कृति पर विशेष बल।
    4. सहयोग एवं सामुहिक व्यक्तित्व विकास योजना। इसके अन्तर्गत विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पॉच विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। शिक्षक द्वारा गोद लिए विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास का प्रयत्न किया जाता है।

8. **अधिगृहीत गाँव योजना** – इस योजना के अन्तर्गत विभाग द्वारा बड़ी रेतवहिया गाँव को गोद लिया गया है। विभाग के शिक्षकों के साथ विभाग के विद्यार्थी द्वारा समय–समय पर गाँव में जाकर स्वच्छता, सफाई, स्वास्थ्य,

बीमारियों से सम्बन्धित जागरूकता अभियान चलाया जाता है। जिसमें तख्ती बैनर के साथ रैली, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से साक्षरता, सुरक्षा आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास किया जाता है। विभाग वर्तमान सत्र में निम्नलिखित चार तिथियों में विद्यार्थियों के साथ ग्राम्य दर्शन हेतु जाएगा–

1. 02 सितम्बर 2023
2. 26 नवम्बर 2023
3. 05 फरवरी 2024
4. 07 मई 2024

9. **पठन-पाठन के नये प्रयोग** – विगत सत्रें में कुछ कक्षाएं पी.पी.टी. पर चली हैं। इस सत्र में यथा सम्भव स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग किया जाएगा। विभाग में सामान्य: संवाद शिक्षण विधि, प्रश्नावली शिक्षण विधि, श्यामपट्ट शिक्षण विधि, पी.पी.टी. शिक्षण विधि का प्रयोग किया जाता है। साथ ही वेबसाइड के अन्तर्गत ब्लॉक पर सारांश, नोट्स, शोध पत्र, व्याख्यान उपलब्ध कराया जाता है।

10. **पाठ्यक्रम योजना** – सत्र प्रारम्भ से पूर्व कक्षावार सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का पाठ्यक्रम योजना तैयार कर लिया जाता है। वर्तमान सत्र में जितने कार्य दिवस प्राप्त होते हैं उनमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को विभाजित कर पाठ्यक्रम योजना बना दिया जाता है। महाविद्यालय द्वारा उसे वेबसाइड पर प्रेषित कर दिया जाता है। इस योजना का उद्देश्य है कि पाठ्यक्रम का कोई भी भाग न छूटे और समय से पाठ्यक्रम पूर्ण जो जाय। इसके अन्तर्गत बी.ए. तृतीय, पंचम सेमेस्टर एवं एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की कक्षा 17 जुलाई 2023 से और बी.ए. प्रथम एवं एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 01 अगस्त 2023 से चलेगी। बी.ए. द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्ठम सेमेस्टर की कक्षाएं 1 फरवरी 2024 से तथा परास्नातक द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षाएं 16 जनवरी से चलेंगी।

11. **प्रोजेक्टर योजना एवं प्रोजेक्टर युक्त कक्षा** – महाविद्यालय शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने हेतु लगभग सभी कक्षाओं में पठन-पाठन हेतु प्रोजेक्टर द्वारा पॉवर प्रेजेटेज़न का प्रयोग किया जाता है। विभाग द्वारा भी प्रोजेक्टर पर कक्षाएं चलाने का यथासम्भव प्रयास किया जाएगा।

12. **प्रगति आख्या** – स्नातक से स्नातकोत्तर में पढ़ने वाले सभी छात्र-छात्राओं को पढ़ाए गए व्याख्यानों की संख्या, छात्र उपस्थिति की संख्या, कक्षाध्यान की श्रेणी, मासिक मूल्यांकन का अंक, आचरण, विश्वविद्यालयीय परीक्षा का विवरण दिया जाता है। इस योजना का उद्देश्य छात्र के पठन-पाठन की गतिविधियों का निरीक्षण कर सुधारात्मक सुझाव देना है।

13. **माइनर कक्षाए (कक्षाध्यापन)** – माइनर पाठ्यक्रम से सम्बन्धित पाठ्यवस्तु से एक सप्ताह पूर्व 10 विद्यार्थियों को नामांकित कर कक्षाध्यापन के माध्यम से कक्षाएं चलायी जायेंगी। कक्षा पूर्ण होने से पूर्व 10 मिनट का समय लेकर विद्यार्थी द्वारा पढ़ाए गए विषय की शिक्षक द्वारा समीक्षा कर सुधारात्मक प्रयास किये जायेगें।

कक्षा	कक्षाध्यापन			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	04,11,19	05,14,21	07,16
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	13,20	04,11,19	05,14,21	07,16
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	13,20	04,11,21	05,14,21	07,16
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	04,16,19	05,14,21	07,16
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	13,20	04,11,19	05,14,21	07,16

	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	NA	05,12,20	06,14	02,09,18	02,09
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	NA	05,12,20	06,14	02,09,18	02,09
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	NA	05,12,20	06,14	02,09,18	02,09
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर	19,29	05,12,20	06,14	02,09,18	02,09
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	19,29	05,12,20	06,14	02,09,18	02,09

14. **मासिक मूल्यांकन** – प्रत्येक माह से पढ़ाये गये व्याख्यान से लिखित या बहु विकल्पीय प्रश्न विद्यार्थियों को गृह कार्य के रूप में दिये जाएंगे। तत्पश्चात् उनके द्वारा दिये गये उत्तर का मूल्यांकन कर प्रत्येक माह के प्रगति आख्या में अंकित किया जायेगा। साथ ही कक्षा के दौरान विद्यार्थियों की कमियों को रेखांकित करते हुए सुधार के प्रयास किये जायेगें

कक्षा	मसिक मूल्यांकन			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	28	29	30
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	27	28	29	30
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	27	28	29	30
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	28	29	30
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	27	28	29	30

	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	28	21	25
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	28	21	25
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	28	21	25
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर	28	21	25
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	28	21	25

15. **स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रय** – इसके अन्तर्गत सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को कक्षाएं 40 मिनट की चलती हैं। 1 घण्टे 10 मिनट के समय में हम श्रमदान करते हैं। इस योजना में प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी समूह भाव से कार्य करते हैं। विभाग के शिक्षक विद्यार्थी इस योजना में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से श्रम के प्रति झिझक (संकोच) दूर करना एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी जाती है।

16. **पुरातन विद्यार्थियों की वर्तमान स्थिति की सूची** – विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं के विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने के पश्चात् उनकी आगे की गतिविध्यिों का ब्यौरा विभाग में सुरक्षित रखा जाता है। इसकी सूची विभाग में उपलब्ध है।

17. **विभागीय कार्यक्रम** -

	विषय
• 12 अगस्त, 2023	विशिष्ट व्याख्यान 'साहित्य की पठ्नीयता'
• 26 अगस्त, 2023	विशिष्ट अतिथि व्याख्यान
• 14 सितम्बर, 2023	विशिष्ट व्याख्यान (हिन्दी विभाग) 'हिन्दी दिवस'
• 31 अक्टूबर से 10 नवम्बर तक	मूल्यपरक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम-भाषा, शिक्षण एवं व्याकरण
• 01 नवम्बर, 2023	हिन्दी भाषण प्रतियोगिता
• 03 नवम्बर, 2023	हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता
• 03 नवम्बर, 2023	उदीयमान कवि गोष्ठी
• 21 दिसम्बर, 2023	व्याख्यान प्रतियोगिता
• 10 जनवरी, 2024	विशिष्ट व्याख्यान (अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी दिवस)
• 03 फरवरी, 2024	विशिष्ट व्याख्यान
• 05 फरवरी से 14 फरवरी 2024 तक	मूल्यपरक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम-हमारे साहित्यकार

नोट- प्रत्येक माह में एक या दो व्याख्यान अतिथि शिक्षक पढ़ाये, विभाग इसका प्रयास करेगा।

सम्भावित व्याख्याताओं की सूची -

1. प्रो. कमलेश गुप्त
2. प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह
3. डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी
4. डॉ. विजयानन्द त्रिपाठी
5. प्रो. अरविन्द त्रिपाठी
6. प्रो. प्रत्यूष दूबे
7. प्रो. रामदरश राय
8. डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय
9. प्रो. दीपक प्रकाश त्यागी
10. डॉ. राणा प्रताप तिवारी

नोट - उपर्युक्त कार्यक्रम में निर्धारित तिथि एवं अतिथि में समय एवं विशेष परिस्थिति के अनुसार परिवर्तन हो सकता है।

18. **गोद लिए विद्यार्थी** - प्रत्येक शिक्षक स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं से 5-5 विद्यार्थी को गोद लेता है।

इस सत्र में **डॉ. आरती सिंह** द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थियों के नाम-

• अदिति श्रीवास्तव	मो. नं. 7355370674
• प्रिया पाण्डेय	मो. नं. 8576058054
• तारकेश्वर पाण्डेय	मो. नं. 9026182301
• शब्या प्रजापति	मो. नं. 9555366186
• खुशबू निषाद	मो. नं. 8467079609

नोटः- तीन नये विद्यार्थियों को गोद लेना है।

डॉ. सुधा शुक्ला द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थियों के नाम–

• काजल मद्धेशिया	मो. नं. 9026119646
• ज्ञानेन्द्र पाण्डेय	मो. नं. 9877854251
• अनामिका सिंह	मो. नं. 9569853454
• कमलेश निषाद	मो. नं. 8887622505
• मनीषा मद्धेशिया	मो. नं. 7388263560
• सुनैना प्रजापति	मो. नं. 9198337712

विद्यार्थियों को गोद लेने का उद्देश्य अभिभावक के रूप में व्यक्तिगत रूप से जुड़े रहना, उनकी समस्या सुनना एवं उचित समाधान करना, रचनात्मक कार्यों के साथ विभाग एवं महाविद्यालय की गतिविध्यिों में सहभाग के लिए प्रेरित करना एवं स्वच्छता तथा अनुशासन बनाये रखना है।

19. **सन्दर्भ ग्रन्थ सूची/विभागीय पुस्तकालय** – विभाग में स्नातक से परास्नातक के सभी सेमेस्टर के पाठ्यक्रम से सम्बन्धित संदर्भ ग्रन्थ की सूची रहती है जिसे समय-समय पर विद्यार्थियों के आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध कराये जाते है। इस क्रम में विभाग में एक संक्षिप्त पुस्तकालय है। जिससे शिक्षक स्वयं अध्ययन करता है और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को भी पूरा किया जाता है। महाविद्यालय में एक केन्द्रीय ग्रन्थालय भी है जिसका प्रयोग शिक्षक एवं विद्यार्थी सभी लोग करते है।

20. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र विश्लेषण** – वर्तमान सत्र में दो बार सितम्बर एवं मार्च माह में शिक्षक उन्नयन हेतु विद्यार्थियों द्वारा सम्बन्धित शिक्षक का अवलोकन कर शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भराया जाएगा।

21. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – प्रत्येक महीने के कार्य दिवस के अनुसार पूर्ण किए गए दायित्वों को ध्यान में रखते हुए शिक्षक द्वारा यह प्रपत्र भरा जाता है, और विभाग में सुरक्षित रहता है। वर्तमान सत्र में भी यह योजना यथावत् चलेगी।

22. **प्रगति आख्या विश्लेषण** – महाविद्यालय अपने स्थापना काल से प्रगति आख्या बनता आ रहा है। प्रगति आख्या के अन्तर्गत प्रत्येक सत्र का विषयवार प्रत्येक विद्यार्थी की आख्या प्रस्तुत की जाती है। जिसमें प्रत्येक कक्षा में सत्र 2023-2024 से स्नातक प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम एवं षषटम सेमेस्टर तथा परास्नातक प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों की रिपोर्ट तैयार की जाती है।

प्रगति आख्या में सेमेस्टरवार प्रत्येक विद्यार्थी की कक्षा में उपस्थिति संख्या, मासिक मूल्यांकन का अंक, कक्षाध्यापन की संख्या और आचरण व्यवहार का नम्बर सम्मिलित कर महीने भर का एक समग्र आख्या तैयार करते हैं।

प्रगति आख्या का उद्देश्य यह होता है कि एक विद्यार्थी का महीने भर के अध्ययन के साथ अन्य क्रिया-कलापों में किस प्रकार का योगदान है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक विद्यार्थी की समीक्षा की जा सकती है और समीक्षा में विद्यार्थी का अत्तरोत्तर उन्नति हो रही है या अवनति है। इस बात की जानकारी मिल जाता है। ऐसा करने से उन्नति की स्थिति में पुनर्बलन मिलता है और अवनति की स्थिति में सुधार की पूरी-पूरी गुंजाइश होती है।

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग

1. **विभागीय कार्य योजना का उद्देश्य** - रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा निर्धारित किये गये लक्ष्यों को एक लिखित एवं क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत करना जिससे कि सत्र की समाप्ति पर इसका विश्लेषण एवं मूल्यांकन किया जा सके और विभाग को और ज्यादा समृद्ध बनाया जा सके।
2. **विभागीय शिक्षक:**
   (क) श्री रमाकांत दूबे, प्रभारी एवं सहायक आचार्य
   (ख) श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा, सहायक प्राध्यापक
3. **पाठ्यक्रम योजना** -
   (क) स्नातक द्वितीय सेमेस्टर की कक्षायें 01.08.2023 से प्रारम्भ होकर 15.05.2024 तक पूर्ण हो रही है।
   (ख) पूर्व वर्षों की भाँति इस सत्र की पाठ्यक्रम योजना निर्धारित समय के अन्दर तैयार कर वेबसाइट पर अपलोड करवा दी गयी है।
   (ग) स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं छठे सेमेस्टर की कक्षाएं। 1 फरवरी, 2024 से प्रारम्भ होकर 15 मई, 2024 का पूर्ण हो रही हैं।
4. **मासिक मूल्यांकन** - मासिक मूल्यांकन का उद्देश्य विद्यार्थियों में अध्ययन के स्तर को परखना और उसमें सुधार करना है। इस वर्ष मासिक मूल्यांकन हेतु दो विधियों के प्रयोग की योजना है-
   (क) गुगल फार्म के माध्यम से गृह कार्य
   (ख) विद्यार्थियों को गृह कार्य हेतु कक्षा में प्रश्न दिये जायेंगे। अगले दिन उनका मूल्यांकन कर सुधारात्मक सुझाव दिया जायेगा।

मासिक मूल्यांकन की घोषित तिथियाँ :

कक्षा	मासिक मूल्यांकन		
	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.ए./बी.एस-सी. प्रथम सेमे.	28	29	30
बी.ए./बी.एस-सी. तृतीय सेमे.	28	29	30
बी.ए./बी.एस-सी. पंचम सेमे.	28	29	30

कक्षा	मासिक मूल्यांकन		
	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए./बी.एस–सी. द्वितीय सेमे.	22	27	29
बी.ए./बी.एस–सी. चतुर्थ सेमे.	22	27	29
बी.ए./बी.एस–सी. षष्ठम् सेमे.	22	27	29

5. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन** – साप्ताहिक कक्षाध्यापन का उद्देश्य विद्यार्थियों में विषय की समझ के साथ अभिव्यक्ति के गुणों को विकसित करना है। वार्षिक योजना बैठक के दौरान निर्धारित योजना के अनुसार कक्षाध्यापन की तिथियों में माइनर कोर्स का कक्षाध्यापन चलाया जायेगा।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन की घोषित तिथियाँ :

कक्षा	मासिक मूल्यांकन			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.ए./बी.एस–सी. प्रथम सेमे.		1,8,16,24	05,14,21	07,16
बी.ए./बी.एस–सी. तृतीय सेमे.	24	1,8,16,24	05,14,21	07,16
बी.ए./बी.एस–सी. पंचम सेमे.	24	1,8,16,24	05,14,21	07,16

कक्षा	मासिक मूल्यांकन			
	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए./बी.एस–सी. द्वितीय सेमे.	7,15	01,09,16	05,13,22	06,13
बी.ए./बी.एस–सी. चतुर्थ सेमे.	7,15	01,09,16	05,13,22	06,13
बी.ए./बी.एस–सी. षष्ठम् सेमे.	7,15	01,09,16	05,13,22	06,13

6. **विशिष्ट व्याख्यान** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग की यह परम्परा रही है कि हर सत्र में विशेष तिथियों पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित करता रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विषय से सम्बन्धित नित नवीन आयामों और तत्कालीन प्रासंगिकता के बारे में अवगत कराना है। पूर्व सत्रों की भाँति इस सत्र में भी विशिष्ट व्याख्यान की तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं।

विशिष्ट व्याख्यान विवरण:

तिथि	विषय	मुख्य अतिथि
1) 19 फरवरी 2024	गुरिल्ला युद्धकर्म में छत्रपति शिवाजी का योगदान	डॉ. अभिषेक सिंह, सहायक आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
2) 04 मार्च 2024	राष्ट्रीय सुरक्षा का बदलता परिदृश्य	डॉ. करूणेन्द्र सिंह, सहायक आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

नोट -कार्यक्रम से सम्बन्धित तिथि, व्याख्याता एवं व्याख्यान शीर्षक सम्भावित हैं। विशेष परिस्थितियों में उपरोक्त कार्यक्रम में परिवर्तन किये जा सकते हैं।

7. **विभागीय प्रदर्शनी/रक्षा प्रदर्शनी** - रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग प्रत्येक सत्र में एक रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन करता रहा है। इस सत्र में भी 10 जनवरी 2024 को रक्षा प्रदर्शनी की तिथि निर्धारित की गयी है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में विभिन्न रक्षा उपकरणों के विषय में विशेष जानकारी एवं उसके निर्माण कला में रुचि विकसित करना होता है। इस प्रदर्शनी में अतिथियों को भी आमंत्रित किया जाता है जिनके निर्णय के अनुसार श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र दिया जाता है।

8. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** - महाविद्यालय की महत्त्वपूर्ण योजनाओं में स्व-मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण योजना है जिसमें शिक्षक प्रतिमाह अपने कार्यों का मूल्यांकन स्वयं करते हैं। पिछले सत्र से स्व-मूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन भरा जा रहा है। वर्तमान सत्र में वर्तमान सत्र में स्व:मूल्यांकन प्रपत्र प्रत्येक माह की 02 तारीख तक विभाग के शिक्षकों द्वारा भर दिया जायेगा। सत्र के अन्त में इसकी प्रति विभाग में रख ली जायेगी।

9. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - शिक्षकों को अपने शिक्षण विधि, विषय ज्ञान, सामाजिक व्यवहार, आचरण आदि के उत्तरोत्तर विकास एवं सुधार के लिए प्रत्येक सत्र में दो बार अक्टूबर और अप्रैल में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जाता है। इन प्रपत्रों के विश्लेषण के आधार पर शिक्षक अपने में बदलाव लाने का प्रयास करते हैं। प्रत्येक सत्र की भाँति इस सत्र में भी शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जाना विभागीय कार्ययोजना का एक हिस्सा है जिसे पूरा किया जायेगा। और इसका विश्लेषण कर शिक्षकों के उत्तरोत्तर विकास पर ध्यान दिया जायेगा।

10. **पठन-पाठन, तकनीकी प्रयोग एवं ब्लॉग** - महाविद्यालय एवं विभाग अपने नवीन तकनीकी प्रयोगों के लिए जाना जाता है। इस सत्र में विभाग ने सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इस सत्र में विभाग द्वारा अधिकतम कक्षाएँ प्रोजेक्टर पर चलाये जाने की योजना है। साथ ही समय-समय पर विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए व्हाट्सएप तथा अन्य माध्यमों का प्रयोग भी किया जायेगा। इस सत्र में प्रयास रहेगा कि पठन-पाठन की आधुनिक, व्यावहारिक एवं प्रभावकारी तकनीकों और पद्धतियों को अधिक से अधिक प्रयोग में लाने का प्रयास किया जायेगा।

11. **प्रयोगशाला नियमावली** - रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग की प्रयोगशाला नियमावली निर्धारित की गयी है जिसके तहत विद्यार्थियों को प्रयोगशाला में अपना प्रायोगिक कार्य प्रारम्भ करने से पहले इस नियमावली से अवगत कराया जाता है ताकि कोई दुर्घटना न हो सके। इस सत्र में भी प्रयोगशाला नियमावली अद्यतन कर दी गयी है। किसी नवीन उपकरण के प्रयोग होने पर इस नियमावली को अद्यतन किया जायेगा।

12. **प्रयोगशाला नवीनीकरण** - प्रयोगशाला में स्थित सैण्ड मॉडल को पुनः बनाया जायेगा। प्रयोगशाला को पुनर्व्यवस्थित करने के साथ ही उसको संशोधित रूप में तैयार करने की योजना है।

13. **गोद लिये गये विद्यार्थी** - रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा कम से कम 05 विद्यार्थियों को गोद लेने की परम्परा रही है। प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विद्यार्थियों को गोद लिया जायेगा। गोद लिये जाने का कार्य अगस्त माह में पूरा कर लिया जायेगा। गोद लिये गये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए उनके साथ नियमित संवाद किया जायेगा और उनको सभी प्रकार के सम्भव सहायता उपलब्ध करवाये जायेंगे जिससे कि उनका सम्पूर्ण विकास सम्भव हो सके।

श्री रमाकन्त दूबे				
क्र.सं.	नाम	कक्षा	मो.नं.	पता
1.	बृजेश चौहान	बी.ए. चतुर्थ सेमे.	8840506768	हैदरगंज, जं.धू. गोरखपुर
2.	विकास राजभर	बी.ए. चतुर्थ सेमे.	8933818794	वार्ड. नं. पिपराइच
3.	रवि सिंह	बी.ए. द्वितीय सेमे	9219042017	उस्का, सिंद्धोरिया गोरखपुर
4.	सुनील सहानी	बी.ए. चतुर्थ सेमे.	7852863554	रतनपुर
5.	कृतिका शर्मा	बी.एस–सी. द्वितीय सेमे.	9695510256	रूधौली, भावचक महाराजगंज
श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा				
क्र.सं.	नाम	कक्षा	मो.नं.	पता
1.	आलोक सिंह	बी.एस–सी. द्वितीय सेमे.	9535623960	विजईकाफ, अहिरौली, कुशीनगर
2.	संजीव सिंह	बी.ए. द्वितीय सेमे	7266802755	मलुकही, कुशीनगर
3.	अंशुलता	बी.ए. द्वितीय सेमे		मुगलपुरा, गोरखपुर
4.	ज्योति	बी.ए. द्वितीय सेमे	7992075468	बड़ी जमुनाहिया, हरसेवकपुर नं. 2
5.	तारकेश्वर यादव	बी.ए. द्वितीय सेमे	8953234901	बरडीहा, जगदीशपुर, कुशीनगर

14. **गोद लिये गये गाँव** - रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा महाविद्यालय से लगभग 3 किमी. दूरी पर लालगंज एवं मीरगंज गाँव को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लेने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जन–जागरूकता कार्यक्रम को संचालित करना एवं सरकारी योजनाओं को ग्रामीण लोगों तक सुलभ बनाना है। इस वर्ष भी इस दिशा में काये किया जायेगा।

    इसके लिय दो तिथियां - 24.02.2024 तथा 11.03.2024 निर्धारित है।

15. **विभागीय पुस्तकालय** - रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में एक विभागीय पुस्तकालय की व्यवस्था की गयी है जिसमें विषय से सम्बन्धित सन्दर्भ-ग्रन्थों का संग्रह है। विभाग से विद्यार्थियों को केवल विभाग में बैठकर पढ़ने के लिये पुस्तकें दी जाती हैं। विभागीय पुस्तकालय का अधिकतर प्रयोग शिक्षकों द्वारा किया जाता है। इसके अलावा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के द्वारा महाविद्यालय के केन्द्रीय ग्रन्थालय का प्रयोग नियमित रूप से किया जाता है। इस वर्ष इसे विस्तृत करने की योजना है।

16. **आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र कार्यक्रम** - वर्तमान सत्र में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन विषय से प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकृतिक एवं मानव निर्मित विभिन्न प्रकार की आपदाओं के विषय में विशिष्ट जानकारी प्रदान करना एवं उससे निपटने के लिये उन्हें शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना है। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ने वाले इनके प्रभावों का भी विश्लेषण करना है। इस प्रमाणपत्र कार्यक्रम की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गयी है और इसे महाविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जा चुका है।

17. **एन.सी.सी** - महाविद्यालय में विगत वर्षो से संचालित एन.सी.सी. का प्रभार विभाग के शिक्षक श्री रमाकान्त दूबे को सौंपा गया। चुंकि एन.सी.सी के अधिकतर कार्यक्रम एन.सी.सी. कार्यालय के निर्देशानुसार सुनिश्चित एवं

आयोजित किये जाते है फिर भी महाविद्यालय के कार्यक्रमों में एन.सी.सी. की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक कार्ययोजना तैयार की गयी है जिसका विस्तृत विवरण एन.सी.सी. प्रभारी के पास उपलब्ध है।

भाग - 3 : क्रीड़ा विभाग

सत्र 2023-24 में क्रीड़ा विभाग द्वारा महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन सकुशल सम्पन्न हुआ, जिसका विवरण निम्नवत है:-

- **मेजर ध्यानचन्द्र जयन्ती-विशिष्ट व्याख्यान (29 अगस्त 2023)**
  उद्घाटन समारोह - प्रात: 09.15 बजे
  विषय : 'शिक्षा में खेल का महत्व'

वार्षिक क्रीड़ा समारोह के अन्तर्गत

- **महन्त अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता (01 नवम्बर, 2023)**
  प्रात: 09.30 बजे से
- **महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता (15-16 फरवरी, 2023)**
  प्रात: 11.30 बजे से
- **योगिराज बाबा गंभीर नाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता (01 नवम्बर, 2023)**
  समय 12.00 बजे से
- **योगिराज बाबा गंभीर नाथ स्मृति वालीबॉल प्रतियोगिता (01 नवम्बर, 2023)**
  समय 02.00 बजे

एथलेटिक्स (02 नवम्बर, 2023)

समय 10.00 बजे से 100 मीटर का दौड़ महिला
समय 10:15 बजे से 100 मीटर दौड़ पुरुष
समय 10.30 बजे से 200 मीटर का दौड़ महिला
समय 10:45 बजे से 200 मीटर दौड़ पुरुष
समय 11:00 बजे से 400 मीटर दौड़ महिला
समय 11:15 बजे से 400 मीटर दौड़ पुरुष
समय 01:00 बजे से गोला क्षेपड़
समय 01:30 बजे से चक्का क्षेपड़
समय 02:00 बजे से भाला क्षेपड़

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह (03 नवम्बर, 2023)

समय प्रात: 12.00 बजे से

भाग-4 : राष्ट्रीय सेवा योजना

क्र.सं.	दिनांक/दिवस	कार्यक्रम
1.	03 जून 2023	साइकिल रैली
2.	05 जून 2023	विश्व पर्यावरण दिवस
3.	21 जून 2023	विश्व योग दिवस
4.	01 जुलाई, 2023	वन महोत्सव
5.	02 जुलाई, 2023	वृक्षारोपण
6.	22 जुलाई, 2023	बृहद वृक्षा रोपण
7.	07 अगस्त, 2023	स्वैच्छिक श्रमदान
8.	10 अगस्त, 2023	'मेरी माटी मेरा देश' शपथ ग्रहण समारोह
9	12 अगस्त, 2023	अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस
10.	16 सितम्बर, 2023	विश्व ओजोन संरक्षण दिवस
11.	24 सितम्बर, 2023	राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस
12.	04 अक्टूबर, 2023	स्वैच्छिक श्रमदान
13.	12 अक्टूबर, 2023	मेरी माटी मेरा देश
14.	21 अक्टूबर, 2023	सड़क सुरक्षा अभियान
15.	06 नवम्बर, 2023	मतदाता जागरूकता दिवस
16.	07 नवम्बर, 2023	फाइलेरिया एम.डी. अभियान
17.	09 नवम्बर, 2023	मतदाता जागरूकता रैली
18.	26 नवम्बर, 2023	संविधान दिवस
19.	30 नवम्बर, 2023	यातायात जागरूकता रैली
20.	01 दिसम्बर, 2023	रेड रिबन क्लब-विश्व एड्स दिवस
21.	06 दिसम्बर, 2023	मतदाता जागरूकता - मतदाता पंजीकरण कैंप
22.	24 दिसम्बर, 2023	यातायात जागरूकता रैली - एक दिवसीय विशेष शिविर
23.	12 जनवरी, 2024	राष्ट्रीय युवा दिवस
24.	15 जनवरी, 2024	द्वितीय- एक दिवसीय विशेष शिविर
25.	24 जनवरी, 2024	उत्तर प्रदेश दिवस
26.	25 जनवरी, 2024	राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता शिविर
27.	25 फरवरी, 2024	तृतीय एक दिवसीय विशेष शिविर
28.	27 फरवरी, 2024 - 04 मार्च 2024	सप्त दिवसीय विशेष शिविर
29.	31 मार्च, 2024	चतुर्थ एक दिवसीय विशेष शिविर

भाग-5 : अवकाश सूची : 2023-24

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	घोषित दिन	दिनांक	दिन
1.	ईदुज्जुहा (बकरीद)	01		
2.	नागपंचमी	01	21 अगस्त, 2023	सोमवार
3.	मोहर्रम	01	29 जुलाई, 2023	शनिवार
4.	रक्षाबन्धन		31 अगस्त, 2023	गुरुवार
5.	चेहल्लूम	01	06 सितम्बर, 2023	बुधवार
6.	कृष्ण जन्माष्टमी	01	07 सितम्बर, 2023	गुरुवार
7.	अनन्त चतुर्दशी/ ईद-ए-मिलाब/बारावफ़ात	01	28 सितम्बर, 2023	गुरुवार
8.	पितृ विसर्जन	01	14 अक्टूबर, 2023	शनिवार
9.	दशहरा	04	23 से 28 अक्टूबर, 2023	सोमवार-शनिवार
10	दीपावली	05	08 से 13 नवम्बर, 2023	बुधवार-सोमवार
11.	गोवर्धन पूजा	01	14 नवम्बर, 2023	मगलवार
12.	भैया दूज/चित्रगुप्त पूजा	01	15 नवम्बर, 2023	बुधवार
13.	छठपूजा	01	20 नवम्बर, 2023	सोमवार
14.	कार्तिक एकादशी	01	23 नवम्बर, 2023	गुरुवार
15.	गुरु तेगबहादुर जयन्ती शहीदी दिवस	01	24 नवम्बर, 2023	शुक्रवार
16.	गुरुनानक जयन्ती/कार्तिक पूर्णिमा	01	27 नवम्बर, 2023	सोमवार
17.	डॉ. भीमराव अम्बेडकर परिनिर्वाण दिवस	01	06 दिसम्बर, 2023	बुधवार
18.	क्रिसमस दिवस	01	25 दिसम्बर, 2023	सोमवार
19.	मकर संक्रान्ति	02	15 जनवरी, 2024	सोमवार
20.	मोहम्मद अली जन्मदिवस	01	25 जनवरी, 2024	गुरुवार
21	बुढ़वा मंगल	01	29 जनवरी, 2024	मंगलवार
22	मौनी अमावस्या	01	09 फरवरी, 2024	शुक्रवार
23	संत रविदास जयन्ती/माहपूर्णिमा	01	24 फरवरी, 2024	शनिवार
24	महाशिवरात्रि	01	08 मार्च, 2024	शुक्रवार
25	होली	03	25 मार्च, 2024	सोमवार
26	गुडफ्राइडे/शबेबरात	01	29 मार्च, 2024	शुक्रवार
27	महावीर जयन्ती	01	4 अप्रैल, 2024	गुरुवार
28	डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती	01	14 अप्रैल, 2024	रविवार
29	ईद उल फितर	01	10 अप्रैल, 2024	बुधवार
30	रामनवमी	01	17 अप्रैल, 2024	बुधवार

3. **शिक्षक आचार संहिता** – सत्र 2023-24 हेतु सर्वसम्मति से शिक्षक आचार संहिता अद्यतन की गयी। माना गया कि शिक्षक के लिए आचार संहिता की आवश्यकता नहीं है। शिक्षक आचार संहिता शिक्षक स्वप्रेरणा से अपने-अपने उपर लागू करेगा। अत: स्वीकृत शिक्षक आचार संहिता की महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर कोई मान्यता नहीं रहेगी। किन्तु शिक्षक द्वारा स्वयं पालन न करने पर उक्त शिक्षक पर आचार संहिता महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर स्वत: लागू हो जाएगी।

शिक्षक आचार संहिता 2023-24

- शिक्षक स्वयं विद्यार्थियों के लिए प्रतिमान बनें।
- प्रात: 09:15 पर सभी शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है। विलम्ब से आने पर स्वयं लाल रंग की रेखा खीचकर समय डाल दें, हस्ताक्षर न करें। जाते समय हस्ताक्षर करें तथा समय डालें। तीन दिन विलम्ब होने पर एक दिन आकस्मिक अवकाश मान लिया जायेगा। शिक्षक द्वारा स्वयं इस नियम का पालन न करने पर संस्थाध्यक्ष द्वारा लाल रंग की दो रेखा खींची जा सकती है।
- तीन दिन समय से पूर्व जाने या विलंम्ब से आने पर एक दिन आकास्मिक अवकाश मान लिया जायेगा।
- प्रार्थना सभा 09:20 से 09:40 तक चलेगी। अनुशासन व्यवस्था के अतिरिक्त सभी शिक्षक अनिवार्यत: सम्मिलित होंगे।
- महाविद्यालय परिसर में किसी भी शिक्षक की उपस्थिति के आसपास अनुशासन की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षकों की होगी।
- प्लास्टिक प्रतिबंधित एवं नशा मुक्त परिसर का नियम स्वयं पर लागू करें।
- पाठ्यक्रम योजना का शत-प्रतिशत पालन करें। एक सेमेस्टर पूर्ण होने से पहले अगले सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना प्राचार्य के पास उपलब्ध करा दें।
- प्रायोगिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम शत-प्रतिशत पूर्ण हो। प्रायोगिक कक्षाओं में सभी विद्यार्थियों के कक्षावार मोबाइल नम्बर रखें जायें।
- महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लाग पर पी.पी.टी., सारांश एवं अन्य पाठ्य सामग्री अपलोड करें।
- प्रत्येक व्याख्यान से पूर्व पिछले व्याख्यान पर प्रश्नोत्तर का समय दें।
- कक्षा में मोबाइल लेकर किसी भी कीमत पर न जाएं।
- अधिकतर व्याख्यान प्रोजेक्टर एवं स्मार्ट बोर्ड पर पढ़ाएं जाएं।
- पुस्तकालय की सभी पुस्तकें 02 मई से पूर्व प्रतिवर्ष जमा कर अदेयता प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त कर लें। पुस्तकालय की किसी पुस्तक के बकाया होने की दशा में ग्रीष्मावकाश स्वीकृत नहीं होगा।
- महाविद्यालय के किसी प्रकार के आर्थिक आय-व्यय, अग्रिम आदि का समायोजन 20 मार्च तक अवश्य करा लें।
- जो दायित्त्व सौंपा जाय उसे निर्धारित समय से शत-प्रतिशत पूर्ण करें।
- पूर्व निर्धारित कार्यक्रम हेतु अवकाश एक दिन पूर्व स्वीकृत कराएं। अवकाश स्वीकृत कराए बिना अथवा

बिना किसी सूचना के अनुपस्थित होने पर अवैतनिक अवकाश मान लिया जायेगा।

- बचे हुए आकस्मिक अवकाश का प्रतिदिन के वेतन की दर से नकद भुगतान अगले सत्र के अगस्त माह में कर दिया जायेगा।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रश्नपत्र निर्माण, उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन आदि कार्य शिक्षक के स्वाभाविक दायित्व के अन्तर्गत आएगा, उसके लिए किसी प्रकार का अतिरिक्त भुगतान नहीं होगा।
- विश्वविद्यालय परीक्षा मानकानुसार/नियमानुसार सम्पन्न कराना शिक्षक का उत्तरदायित्व है। अतः परीक्षा के समय शहर छोड़ते समय सूचना अवश्य दें।
- महाविद्यालय के सभी आयोजनों, कार्यक्रमों, राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविरों के उद्‌घाटन, समापन समारोह आदि में शिक्षक की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उचित कारण पर आकस्मिक अवकाश दिया जा सकता है।
- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के समस्त आयोजनों/कार्यक्रमों में प्रबन्ध तन्त्र के निर्देशानुसार उपस्थिति एवं सहयोग अनिवार्य होगा।
- 15 अगस्त, 2 अक्टूबर, 26 जनवरी को सभी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। अनुपस्थित रहने पर आकस्मिक अवकाश माना जायेगा। किन्तु ध्वजारोहण में कहीं भी सम्मिलित होने का प्रमाण–पत्र देना होगा।
- स्वैच्छिक श्रमदान में शिक्षक प्रतीकात्मक रूप से छात्रों का प्रतिमान बनें। विद्यार्थियों को गोद लेने की योजना को भी शिक्षक स्वेच्छानुसार लागू कर सकते हैं। गोद लिये विद्यार्थियों की सूचना अवश्य दे दें।
- समय–समय पर जारी संशोधनों एवं नये निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा।

4/5. **प्रवेश एवं परीक्षा** – प्रवेश समिति एवं परीक्षा समिति का पुनर्गठन किया गया। प्रवेश के सन्दर्भ में गत 14 अप्रैल, 2023 को सम्पन्न समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णय की पुनः पुष्टि की गई। 30 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर 01 अगस्त से स्नातक प्रथम सेमेस्टर स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं संचालित करने का निर्णय लिया गया। 17 जुलाई, 2023 से स्नातक तृतीय सेमेस्टर, स्नातक पंचम सेमेस्टर एवं स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ हो चुकी हैं। पूर्ववत् परीक्षानीति को स्वीकृति प्रदान कर दी गई।

प्रवेश हेतु साक्षात्कार की पूर्व से चली आ रही व्यवस्था के अनुसार छात्र प्रवेश परामर्श समिति का गठन किया जायेगा। जिसमें गत सत्र में विभिन्न विषयों में मासिक मूल्यांकन के आधार पर सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों एक समूह गठित का करके उनकी एक कार्यशाला आयोजित की जायेगी। क्योंकि गत सत्र में राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के क्रियान्वयन के तहत विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं एक साथ सेमेस्टर प्रणाली लागू किया गया। जिसके कारण विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा नहीं हो सकी। इस विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के टापर्स ही उक्त प्रवेश समिति के सदस्य होते है। प्रवेश समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि साक्षात्कार के आधार पर संस्तुत किए गए विद्यार्थी का ही प्रवेश संयोजक/प्राचार्य द्वारा लिया जाएगा। प्रवेश के समय ही प्रवेशार्थी को परिचय पत्र, पुस्तकालय कार्ड आदि उपलब्ध करा दिया जाएगा। प्रवेश सम्बन्धी सभी प्रक्रियाएं एक ही स्थान पर पूर्ण होंगी।

6. **समय-सारणी**– श्रीमती शिप्रा सिंह, उप–प्राचार्य पठन–पाठन द्वारा समय–सारणी अद्यतन कर प्रवेश प्रारम्भ होने से पूर्व महाविद्यालय की वेबसाइट, विद्यार्थियों (स्नातक तृतीय सेमेस्टर, पंचम सेमेस्टर एवं स्नातकोत्तर तृतीय

सेमेस्टर) के कक्षा व्हाट्सप ग्रुप पर भेज दिया जायेगा। 01 अगस्त, 2023 से पूर्व स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप पर भेज दिया जायेगा तथा सूचना पट पर भी चस्पा कर दिया जायेगा। समय-सारणी बनाते समय गत-सत्र में आई कठिनाइयों का निवारण अवश्य कर लिया जाय।

7. **पठन-पाठन**- महाविद्यालय का ध्येय ही गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना है। इस कारण से पठन-पाठन प्रभावी एवं उच्च कोटि का हो सके, इसके लिए पाठ्यक्रम योजना का शतप्रतिशत पालन, विभिन्न नवाचारों के साथ कक्षा संचालन, प्रोजेक्ट, स्मार्ट बोर्ड युक्त शिक्षण, माइनर कक्षाओं के माध्यम से साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन (ऑनलाइन/ऑफलाइन) करने की सुनिश्चित व्यवस्था लागू की गई है। निर्धारित समय सारणी के अनुसार कक्षाएं 50-50 मिनट की पूर्व की भांति चलेंगी। प्रयोगात्मक कक्षाओं का भी संचालन पाठ्यक्रम योजनानुसार 16 अगस्त से नियमित संचालित होगा। प्रत्येक सेमेस्टर के अन्त तक सभी विषयों के समस्त पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। यदि किन्हीं कारण से एक सेमेस्टर के किसी विषय पर प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं हो सकेगा। तब सम्बन्धित शिक्षक प्राचार्य से अनुमति के आधार पर अतिरिक्त कक्षा पढ़ाकर पाठ्यक्रम पूर्ण करेंगे। मासिक मूल्यांकन के द्वारा विश्वविद्यालय परीक्षा की पूर्वाभ्यास कराया जायेगा।

8. **पुस्तकालय-वाचनालय** - पुस्तकालय प्रभारी द्वारा स्टाक-वेरीफिकेशन पूर्ण होने की सूचना दी गई। प्रभारी द्वारा बताया गया कि महाविद्यालय का पुस्तकालय सोल सॉफ्टवेयर एवं एन.लिस्ट: (नेशनल लाइब्रेरी एण्ड इन्फार्मेशन सर्विस) से संयुक्त है। नए सत्र के लिए नए पाठ्यक्रमों/नए प्रकाशनों/आवश्यकतानुसार अन्य आवश्यक पुस्तकों के साथ अद्यतन कर लिया गया है। वाचनालय में 100 विद्यार्थियों के एक साथ बैठकर पढ़ने एवं कम्प्यूटर नेटवर्क से ई-लार्निंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी। पुस्तकालय में यदि कोई पुस्तक उपलब्ध नहीं है, जिसकी आवश्यकता किसी छात्र-शिक्षक को है, तो वह छात्र-शिक्षक पुस्तक बाजार से महाविद्यालय के नाम बिल पर क्रय कर, पुस्तकालयाध्यक्ष के माध्यम से पुस्तक पुस्तकालय में चढ़वाकर उसका नकद मूल्य प्राप्त कर, पुस्तक अपने नाम जारी करा सकता है। सभी विषयों के प्राध्यापक अपने-अपने विषय के कम से कम दो-दो राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका (जर्नल) की सदस्यता हेतु प्रस्ताव पुस्तकालय को 30 जुलाई तक अवश्य दे दें। शिक्षक अपने विषय/प्रश्नपत्र से सम्बन्धित महत्वपूर्ण शीर्षकों एवं पाठ्यसामग्री की सॉफ्ट कापी पुस्तकालय को उपलब्ध करायें। ऐसी पुस्तकें जो आउट ऑफ प्रिन्ट हो गयी है यदि वे ऑनलाइन उपलब्ध है तो उन्हें प्रिन्ट कर पुस्तकालय में उपलब्ध करायी जाए। पुस्तकालय में प्रतिदिन पुस्तकों का आगत-निर्गत व्यवस्था को अद्यतन करने के लिए सॉफ्टवेयर परिवर्ि)त कर लागू किया जाय। पुस्तकदान की यशस्वी परम्परा को और व्यापक बनाने हेतु समाज के लोगों से सम्पर्क कर पुस्तकदान के लिए आग्रह किया जाय।

9. **प्रयोगशाला**- प्रयोगशालाएँ अद्यतन रखी जायें। उनमें स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जाय। आवश्यकतानुसार प्रयोगशालाओं में आवश्यक प्राथमिक उपचार सामग्री रखा जाना तय किया गया। प्रयोगशाला में दो बार सामग्री क्रय की जाय। एक बार अगस्त-सितम्बर में तथा दूसरी बार दिसम्बर-जनवरी में। प्रत्येक प्रयोगशाला में आवश्यकतानुसार अद्यतन तकनीकों का प्रयोग बढ़ाया जाय। इस सत्र में भौतिक विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, रक्षा अध्ययन, भूगोल, मनोविज्ञान, गृह विज्ञान मे कुछ नवीन उपकरण क्रय किए जाने एवं प्रयोगाशाला को आधुनिक संसाधन युक्त करने पर आम सहमति बनी। गत सत्र की भांति इस सन्दर्भ में

शिक्षकों-विद्यार्थियों की संयुक्त क्रय-समिति द्वारा माँग पत्र तथा स्तरीय फर्मो से तीन कोटेसन पर ही कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय हुआ जिससे प्रबन्ध समिति/प्रबन्धक महोदय से स्वीकृति लेकर उपकरण क्रय किए जा सके। यह निर्णय भी हुआ कि प्रयोगशालाओं में कुछ उपकरण छात्रसंघ भी अपने मद से क्रय करे, इस दिशा में भी प्रयत्न किए जाएँ। प्रत्येक प्रयोगात्मक विषय की भण्डार पंजिका की जाँच एवं सत्यापन सत्र के अन्त में मार्च माह में प्रयोगशाला प्रभारी एवं प्राचार्य से अवश्य करा लें।

10. **शिक्षण में नए प्रयोग** - शिक्षण में सहायक सामग्री के रुप में प्रोजेक्टर, स्मार्ट बोर्ड, ग्रीन बोर्ड, चार्ट, नक्शा, मॉडल, प्रदर्शनी इत्यादि का प्रयोग पूर्ववत चलता रहेगा। सभी विषय के सभी प्रश्नपत्रों के व्याख्यान का पी. पी.टी. बनाकर महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लॉग पर प्रत्येक शिक्षक द्वारा अपलोड किया जाय। इसके अतिरिक्त अन्य पाठ्य सामग्री जो छात्र उपयोगी हो उसे भी शिक्षक अपने ब्लॉग पर अवश्य डालें। पाठ्य विषय को और भी रूचिकारी बनाने हेतु कुछ शीर्षकों को गुगल कक्षा, आडियो-विडियो के माध्यम से कक्षाध्यापन किया जाय। इसी प्रकार पाठ्यक्रम से सम्बन्धित डाक्यूमेंट्री और नाटक रूपान्तरण के माध्यम से भी विषय को विद्यार्थी के बीच रखने का प्रयास किया जाय। प्रत्येक विभाग में प्रतिमाह कम से कम दो व्याख्यान विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के शिक्षकों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के किसी शीर्षक पर अवश्य करायी जाय। इसी प्रकार अन्तरानुशासनात्मक पद्धति के अर्न्तगत एक विषय के विद्यार्थियों को दूसरे विषय की जानकारी प्रदान कराने का प्रयास किया जाय। प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अनौपचारिक बातचीत के क्रम में महाविद्यालयी परिसर संस्कृति, अनुशासन, समाज, राष्ट्र की चर्चा जीवनदृष्टि के सन्दर्भ में अवश्य किया जाय। माइनर कक्षाओं को कक्षाध्यापन के माध्यम से चलाने की योजना एक नए प्रयोग के रूप में किया जायेगा।

11. **प्रार्थना सभा** - प्रार्थना सभा में पूर्व की भांति राष्ट्रगान, ईश वन्दना, सरस्वती वन्दना और राष्ट्रगीत के साथ महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान यथावत् सम्पन्न होगा जबकि निर्धारित तिथियों में श्रीमद्भगवतगीता का वाचन हेतु पूर्व चयनित श्लोकों का वाचन और उसकी हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत में व्याख्या की जायेगी। प्रत्येक शनिवार प्रार्थना सभा के अन्तर्गत प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होगा। वाद्ययन्त्र के साथ प्रार्थना सभा को शिक्षक, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से और भी जीवन्त करने का प्रयास किया जायेगा। प्रार्थना का समय 09:20 से 09:40 अर्थात् 20 मिनट का होगा।

12. **विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा**- महाविद्यालय में पठन-पाठन एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास की दृष्टि से लागू मौलिक प्रयोगों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन प्रयोगों/योजनाओं के उद्देश्य, कार्यपद्धति एवं परिणाम के आधार पर वर्तमान-सत्र में कुछ नये प्रयोगों के साथ लागू करने का निर्णय लिया गया। प्रमुख प्रयोगों/योजनाओं के सन्दर्भ में निम्नवत् निर्णय लिया गया-

    - **पाठ्यक्रम योजना**- सभी शिक्षकों द्वारा अपने विषय के प्रत्येक प्रश्नपत्र की सेमेस्टर युक्त पाठ्यक्रम योजना निर्धारित प्रारूप पर बनायी जाती है। प्रत्येक विभाग द्वारा अपनी-अपनी कक्षा की पाठ्यक्रम योजना सेमेस्टर के अनुरूप बनाकर प्रचार्य कार्यालय में जमा कर दिया जाता है, और इसे सेमेस्टर प्रारम्भ होने से पूर्व महाविद्यालय के बेवसाइट पर अपलोड कर दिया जाता है।

उद्देश्य– समय से पाठ्यक्रम पूर्ण करना। पाठ्यक्रम का कोई हिस्सा छुटे न, किसी विषय को आवश्यकता से अधिक समय तथा किसी को कम समय में न पढ़ाना पड़े। विद्यार्थी को यह पता रहे कि वह अपनी कक्षा में किस तिथि को क्या पढ़ेगा।

कार्यपद्धति– अनुभव के आधार पर शिक्षकों द्वारा बनाए गए प्रारूप पर दिनांक, शिक्षक का नाम, विषय, प्रश्नपत्र, शीर्षक के साथ पाठ्यक्रम योजना को 321 के सिद्धान्त पर तैयार किया जाता है। अर्थात् प्रथम तीन कार्य दिवस एक प्रश्नपत्र, तत्पश्चात् दो कार्य दिवस दूसरा प्रश्न पत्र, छठवें कार्य दिवस पर छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन तथा माह के अन्तिम सप्ताह के छठवें कार्यदिवस पर मासिक मूल्यांकन किया जायेगा। पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर सभी के लिए उपलब्ध होगी।

- **विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन**

  उद्देश्य– विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति के वाचिक/मौखिक क्षमता का विकास तथा विषय में अभिरूचि विकास प्रश्नोत्तर के माध्यम से तर्क, विचार, चिन्तन को सशद्र बनाना।

  कार्यपद्धति– सप्ताह के प्रथम दिन अर्थात कक्षाध्यापन से लगभग 5 दिन पूर्व कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों के नाम तथा उनका विषय कक्षा में तय कर घोषित कर दिया जाय। अध्यापक उन विद्यार्थियों की कक्षा के बाहर तैयारी कराए। कक्षाध्यापन के दिन एक-एक कर विद्यार्थियों से पूर्व निर्धारित विषय पर अध्यापन कराया जाय। कक्षाध्यापन कर चुके विद्यार्थी को दूसरा अवसर तब तक नहीं दिया जाएगा, जब तक कि सभी विद्यार्थियों का एक चक्र पूरा न हो जायं। कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियो का विवरण शिक्षक द्वारा उन्हें पूर्णांक 10 अंक में अंक देने के साथ रखा जाएगा। उक्त उद्देश्य एवं कार्यपद्धति की समीक्षा की गई। अधिकांश शिक्षकों द्वारा इस योजना का प्रामाणिक विवरण न होने से परिणाम का स्पष्ट चित्र नहीं उभर सका। वर्तमान सत्र में इस योजना का परिणाम सुनिश्चित किया जाएगा।

- **मासिक मूल्यांकन**– प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में शिक्षक द्वारा अपने पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा के द्वारा कक्षा में मासिक मूल्यांकन किया जाता है।

  कार्यपद्धति– शिक्षकों द्वारा वर्तमान सत्र में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न-पत्र बनाकर प्रत्येक सेमेस्टर में बराबर-बराबर विभद्र कर मासिक मूल्यांकन का प्रश्न पत्र तैयार किया जाता है।

- **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा शिक्षक मूल्यांकन**– विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सन्दर्भ में भरा जाने वाला यह एक प्रारूप है। इस प्रारूप के द्वारा प्रत्येक शिक्षक के कक्षाध्यापन एवं कक्षा में आचरण-व्यवहार पर विद्यार्थी अपना-अपना अभिमत देते हैं।

  उद्देश्य– विद्यार्थियों के अभिमत के आधार पर शिक्षक द्वारा स्वयं का व्यक्तित्त्व विकास।

  कार्यपद्धति– वर्ष में दो बार (सितम्बर-~रवरी) छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षक, प्राचार्य के माध्यम से अपने बारे में शिक्षक-प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवातें हैं। प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक की कक्षा में विद्यार्थियों को प्रारुप उपलब्ध कराया जाता है, जिसे भरकर विद्यार्थी कक्षा प्रतिनिधि के माध्यम से अगले दिन प्राचार्य के पास जमा करते हैं। प्राचार्य विद्यार्थी द्वारा भरे गये प्रपत्रों का अवलोकन करने के उपरान्त सम्बन्धित शिक्षक को अवलोकन हेतु उपलब्ध करा देते हैं। इस प्रारुप के आधार पर शिक्षक अपना स्वमूल्यांकन करता है। इसके

उपरान्त यह प्रपत्र प्राचार्य के पास संग्रहीत कर लिया जाता है।

- **शिक्षक स्वमूल्यांकन**– यह शिक्षक द्वारा मासिक भरा जाने वाला प्रारूप है।

  उद्देश्य– शिक्षक द्वारा प्रतिमाह निर्धारित प्रारूप के माध्यम से स्वमूल्यांकन कर स्व-विकास करना।

  कार्यपद्धति– योजना बैठक में शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र पर विचार-विमर्श कर सर्वसम्मति से यह प्रारूप प्रति वर्ष जारी होता है। शिक्षक द्वारा जुलाई से मई माह तक प्रत्येक माह का शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन अगले माह के प्रथम दो दिवस में भरा जाता है। जिसका प्रिंट आउट कार्यालय द्वारा निकाल कर प्राचार्य के अवलोकनार्थ रखा जाता है। प्राचार्य द्वारा समीक्षोपरान्त इसे शिक्षक की व्यक्तिगत पत्रवली में लगवा दिया जाता है।

- **साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान**–

  उद्देश्य– इस योजना का उद्देश्य छात्र-छात्राओं, शिक्षकों-कर्मचारियों में श्रम के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना है। कोई कार्य छोटा-बड़ा नहीं, सभी कार्यों का अपने-अपने सन्दर्भ में समान महत्त्व के सिद्धान्त की प्रतिष्ठा करना। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में आत्म-सम्मान का भाव पैदा करना तथा उन्हें यह एहसास कराना कि जो कार्य वह करते हैं, वह छोटा कार्य नहीं है। उसे प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी भी करते हैं। संस्था के प्रति सभी में अपनापन के भाव को विकसित करना।

  कार्यपद्धति– प्रत्येक शनिवार को मध्यावकाश स्थगित तथा मध्यावकाश के बाद की चार कक्षाओं के 50-50 मिनट को समय घटाकर 40-40 मिनट का कर दिया जाता है। इस प्रकार 60 मिनट अर्थात् एक घंटा (12.10 से 1.10 तक) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान का होता है। यह श्रमदान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंयसेवकों के लिए अनिवार्य है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान हेतु इच्छुक शिक्षक-कर्मचारी तथा विद्यार्थी पंजीकरण कराते हैं। पंजीकृत शिक्षकों के नेतृत्व में 10-10 विद्यार्थियों की टोली बनायी जाती है। प्रत्येक टोली के श्रमदान का स्थान-कार्य शुक्रवार तक प्रभारी द्वारा टोली प्रभारी को दे दिया जाता है। टोली प्रभारी के नेतृत्व में शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान के पश्चात् उपस्थिति सदस्य टोली प्रभारी के पास उपलब्ध कराये गए उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर कर लेते हैं। प्रत्येक माह के अन्त में यह उपस्थित पत्र राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में जमा कर दिया जाता है। यह योजना यथावत वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

- **गोद लिए गए विद्यार्थी**– प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच छात्र-छात्राएं गोद लिए जाते हैं। इन विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं आचरण-व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षक की होती है।

  उद्देश्य– चिन्हित एवं लक्षित विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में शिक्षक का योगदान।

  कार्यपद्धति– सत्ररम्भ में शिक्षकों द्वारा अपनी-अपनी कक्षाओं से पांच-पांच विद्यार्थी चुने जाते हैं। शिक्षक द्वारा इन पाँचों विद्यार्थियों के पूर्ण परिचयात्मक विवरण फोटो सहित इस हेतु बनायी गई पंजिका पर दर्ज होता है। शिक्षक गोद लिए विद्यार्थी के साथ आत्मीय सम्बन्ध विकसित करता है। वर्तमान सत्र में गोद लिए गए विद्यार्थियों के सन्दर्भ में यह निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, छात्रावासी, कक्षा प्रतिनिधि में से ही छात्र-छात्राएं गोद लिए जाएंगें। एक बार गोद लिया गया विद्यार्थी इस महाविद्यालय में

अध्ययनरत रहते हुए उसी शिक्षक के पास बना रहेगा। रिक्त स्थानों पर प्राय: स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थी को ही गोद लिया जाएगा।

- **गोद लिए गए गाँव**- प्रत्येक विभाग द्वारा आस-पास के गाँव में से एक गाँव गोद लिया गया है।

  उद्देश्य- आस-पास के गावों के साथ महाविद्यालय का आत्मीय सम्बन्ध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सिखाना। स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण सामाजिक समरसता इत्यादि राष्ट्रीय सामाजिक विषयों पर जन-जागरण।

  कार्यपद्धति- प्रत्येक विभाग द्वारा गोद लिये गए गाँव का पूर्ण विवरण विभागीय रपट में उपलब्ध है। गाँव के परिवारों का विवरण, अमीर-गरीब, साक्षर-निरक्षर, रोजगार-बेरोजगार, वृद्ध, दिव्यांग इत्यादि की पूर्ण सूचना विभाग के पास होती है। गाँव में जन-जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करता है। वर्ष में न्यूनतम चार बार विभाग के शिक्षक-विद्यार्थी (अगस्त का प्रथम रविवार, वाल्मीकि जयन्ती, फरवरी का प्रथम रविवार, परीक्षा के बाद का प्रथम रविवार) गाँव में जाएंगे। बी.एड्. विभाग द्वारा ग्राम मंझरिया प्रत्येक दिन नियमित संचालित रहता है।

- **सारांश**- विद्यार्थियों को प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अपने व्याख्यान की छायाप्रति अब नहीं दी जाएगी। इसके वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लाग पर अपलोडेड पी.पी.टी द्वारा विद्यार्थी सम्बन्धित विषय की पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक ब्लॉग पर ही शिक्षक सारांश भी अपलोड कर सकते है।

13. **प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम**- महाविद्यालय द्वारा पांच प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम जीवन मूल्य, हमारे पूर्वज, नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण, नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, आपदा और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन प्रमाण पत्र संचालित है एवं वर्तमान सत्र में तीन मूल्य परक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम योग ध्यान एवं स्वास्थ्य, भाषा शिक्षण एवं व्याकरण, कॉस्मेटोलॉजी एण्ड सेल्फ केयर संचालित है।

(क) जीवन मूल्य

(ख) हमारे पूर्वज

उद्देश्य- विद्यार्थियों के आचरण-व्यवहार में भारतीय जीवन-मूल्यों का विकास करना। भारतीय संस्कृति के महापुरुषों की लम्बी श्रृंखला से परिचित कराना एवं अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति आत्मगौरव एवं श्रद्धा का भाव उत्पन्न करना।

कार्यपद्धति- उक्त दोनों प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम बी.एड. के लिए अनिवार्य तथा अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए स्वैच्छिक है। यह कक्षा सामूहिक परिचर्चा पद्धति से चलायी जाती है। कोई एक शिक्षक इस कक्षा का संचालन करता है। निर्धारित पाठ्यक्रम से प्रत्येक विद्यार्थी को अपना मत कक्षा में रखना होता है।

ग) नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग- योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग पाठ्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा किया जाता है।

उद्देश्य- संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्त्व के अन्तर्गत आस-पास के महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाना।

कार्यपद्धति– महाविद्यालय द्वारा इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु एक प्रशिक्षिका की नियुद्रि की गई है। अगस्त से जनवरी तक छः माह के इस पाठ्यक्रम की परीक्षा फरवरी माह में होती है। परीक्षा के तत्कालबाद परिणाम घोषित कर दिया जाता है समावर्त्तन संस्कार के अवसर पर उक्त प्रमाण–पत्र प्रशिक्षार्थियों को दिया जाता है। उक्त पाठ्यक्रम भी यथावत चलता रहेगा। वर्तमान सत्र से श्रेष्ठतम प्रशिक्षार्थी को सिलाई मशीन पुरस्कार स्वरुप प्रदान किया जाएगा।

घ) **निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण**– संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत ही ''निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण'' पाठ्यक्रम महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।

उद्देश्य– आस–पास के गरीब बच्चों/छात्र–छात्राओं को कम्प्यूटर के माध्यम से आधुनिक तकनीकी ज्ञान के प्रति जागरूक करना।

कार्यपद्धति– 40–40 प्रशिक्षार्थियों का दो वर्ग इस पाठ्यक्रम में पंजीकृत किया जाता है। 15 जून से 30 जून तक 'पहले आओ–पहले पाओ' की नीति पर गाँव का जो भी बच्चा (किसी भी स्कूल की छात्र–छात्राएँ) सर्वप्रथम आवेदन करते हैं उनमें से 40 को प्रवेश दिया जाता है। 01 अगस्त से इनकी कम्प्यूटर कक्षाएँ प्रारम्भ कर दी जाती है। पुनः 16 अगस्त को इनमें से रिक्त स्थानों के लिए एवं दूसरे 40 के वर्ग का आवेदन लिया जाता है और प्रथमतः आने वालो का पंजीकरण कर दिया जाता है। 3 बजे से 4 बजे तक यह कक्षा कम्प्यूटर साइंस की प्रयोगशाला में चलती है। वर्तमान सत्र में भी यह कक्षा पूर्ववत् चलायी जाएगी।

ङ) **आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन** – महाविद्यालय में 'आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन' पाठ्यक्रम रक्षा अध्ययन विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है।

उद्देश्य– वर्तमान समय में पर्यावरणीय एवं परिस्थितिकीय परिवर्तन और इसके परिणाम स्वरुप प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदायें मानव जीवन पर तीव्र गति से प्रभाव डाल रही है। इन्ही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए रक्षा एवं स्त्रतजिक अधान विभाग द्वारा विद्यार्थियों में प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं के प्रति जागरुकता लाने के लिए एवं उसके प्रभाव को कम से कम करने के लिए आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन का प्रमाण पत्र कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

संचालन विधि– आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन के प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम 20 अगस्त 2021 से प्रारम्भ होकर 29 जनवरी 2022 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। सभी कक्षायें शुक्रवार एवं शनिवार को सातवीं घंटी में रक्षा एवं स्त्रतजिक अध्ययन विभाग में संचालित की जायेंगी। कक्षाओं को प्रोजेक्टर के माध्यम से संचालित किया जायेगा और प्रोजेक्ट कार्य के रुप में विद्यार्थियों से स्थानीय समस्याओं और उनके निराकरण के लिए सम्भावित उपायों पर विद्यार्थियों से सूचना एवं आकड़े एकत्रित करवाये जायेंगे।

14. **मूल्यपरक पाठ्यक्रम**– महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को विषय ज्ञान देने के साथ–साथ प्रोफेशनल क्षेत्रों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों द्वारा कुछ मूल्यपरक पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं। ये मूल्यपरक पाठ्यक्रम निम्नवत् हैं:–

क) **कॉस्मेटोलॉजी एण्ड सेल्फ केयर पाठ्यक्रम**– यह मूल्यपरक पाठ्यक्रम गृह विज्ञान विभाग द्वारा संचालित होता है। इस पाठ्यक्रम की अवधि 3 माह है। सप्ताह में 2 दिन (शुक्रवार, शनिवार) 2–2 घंटी

(6वीं-7वीं) क्रमशः सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक कक्षाएँ चलती है। पाठ्यक्रम में स्नातक एवं स्नातकोत्तर (किसी भी विषय) के विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं। पंजीकरण शुल्क 100 रू. है।

ख एवं ग) हमारे सात्यिकार तथा भाषा शिक्षण एवं व्याकरण पाठ्यक्रम- उपरोक्त दोनों ही मूल्यपरक पाठ्यक्रम हिन्दी विभाग द्वारा संचालित किए जाते हैं। दोनों ही पाठ्यक्रमों की अवधि 30-30 घंटे है। पाठ्यक्रम में किसी भी विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं। पंजीकरण शुल्क 100 रू. है।

घ) सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर पाठ्यक्रम- यह मूल्यपरक पाठ्यक्रम वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। तकनीक के इस दौर में विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के उद्देश्य से इस पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है। पाठ्यक्रम में स्नातक या स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं। पंजीकरण शुल्क 100 रू. है।

ङ) संगीत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम- यह मूल्यपरक पाठ्यक्रम बी.एड्. विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। पाठ्यक्रम की अवधि 3 माह है। सप्ताह में प्रत्येक मंगलवार, गुरूवार एवं शनिवार को 1 घंटे की कक्षा चलती है। महाविद्यालय का कोई भी विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। पंजीकरण शुल्क 100 रू. है।

च) योग, ध्यान एवं स्वास्थ्य पाठ्यक्रम- यह मूल्यपरक पाठ्यक्रम केवल वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों हेतु, वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। पाठ्यक्रम की अवधि 45 घंटा है। प्रत्येक रविवार को प्रातः 7.00 बजे से 8.00 बजे तक इसकी कक्षा चलती है। पाठ्यक्रम का पंजीकरण शुल्क 100 रू. है।

15. नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र- **(सप्ताह में बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार चिकित्सीय परामर्श)** महाविद्यालय द्वारा ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन विगत वर्षो से किया जा रहा है। इस उपचार केन्द्र में डाक्टर एवं अन्य सामग्री गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ की ओर से उपलब्ध कराया जाता है। महाविद्यालय के आस-पास के गाँवों के गरीब और कमजोर व्यक्तियों तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु उपचार एवं नि:शुल्क दवा की व्यवस्था होती है आवश्यकता होने पर गम्भीर रोग से पीड़ित मरीजों को गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय में रेफर कर उनका उपचार कराया जाता है। इस सत्र में नगर के कुछ प्रतिष्ठित चिकित्सकों को भी इस उपचार केन्द्र पर आमंत्रि करने की योजना बनाकर बुलाने की व्यवस्था किया जायेगा।

16. क्रीड़ा- श्रेष्ठ समाज के लिए शिक्षा के साथ स्वास्थ्य का सुदृढ़ होना अपरिहार्य है। इसी उद्देश्य से महाविद्यालय में आउटडोर एवं इनडोर गेम की व्यवस्था की गयी है। इस सत्र में बालीवाल, फुटबाल, क्रिकेट, बैडमिण्टन, कैरम, चेस इत्यादि गेम के साथ एथेलेटिक्स पर भी अधिक जोर देने का निर्णय लिया गया। सत्र में समय-समय पर जैसे महापुरुषों की जयन्ती, पुण्यतिथि, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थाकों से सम्बन्धित तिथियों पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।

17. छात्रसंघ- छात्रसंघ का संचालन छात्रसंघ द्वारा बनाए गए संविधान के अनुसार होगा। छात्रसंघ के माध्यम से विद्याथियों में नेतृत्व क्षमता एवं निर्णय लेने की प्रवृत्ति के विकास हेतु महाविद्यालय प्रशासन में छात्र सहभाग

और विभिन्न समितियों के माध्यम से निर्णय में सहभागिता द्वारा उनके व्यक्तित्व विकास की व्यवस्थित योजना महत्वपूर्ण है।

18. **राष्ट्रीय सेवा योजना-** राष्ट्रीय सेवा योजना में साक्षात्कार के आधार पर पूर्व की भाँति ही स्वयं सेवकों का चयन किया जाएगा। पूर्ववत् सभी प्रकार के आयोजनों/गतिविधियों/कार्यक्रमों के साथ इस सत्र का महत्वपूर्ण लक्ष्य होगा 'आदर्श ग्राम योजना'। इस योजना को ग्राम हसनगंज में लागू किया जाएगा। जिसके अन्तर्गत गक्क्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, नशा उन्मूलन सरकारी योजनाओं का लाभ इत्यादि के सम्बन्ध में जन जागरण जैसा प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

19. **एन.सी.सी.-** देश प्रेम एवं राष्ट्रधर्म निभाने वाले युवाओं को तैयार करने के उद्देश्य से गत सत्र से महाविद्यालय में एन.सी.सी. की दो ईकाइयाँ कार्यरत हैं जिसमें छात्र/छात्रएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस सत्र बालक वर्ग श्री रमाकान्त दूबे तथा बालिका वर्ग डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव के नेतृत्व में संचालित होंगी।

20. **रोवर्स रेंजर-** सत्र 2020-21 से महाविद्यालय में रोवर्स रेंजर की दो ईकाइयां संचालित हो रही हैं जो वर्तमान सत्र में भी संचालित होंगी। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र/छात्राओं को सामाजिक दायित्वों के प्रति उत्तरदायी बनाया जायेगा।

21. **वेबसाइट/फेसबुक/यूट्यूब/ट्विटर/इंस्टाग्राम/टेलीग्राम-** महाविद्यालय की वेबसाइट अद्यतन रहे तथा आवश्यकतानुसार उसमें संशोधन-परिवर्तन किया जाए। इस सत्र में महाविद्यालय की वेबसाइट को और सम्पन्न करने के क्रम में प्रत्येक शिक्षक अपने-अपने पाठ्यक्रम के अनुसार सभी व्याख्यान पी.पी.टी. बनाकर अपलोड करेंगे तथा अन्य सम्बन्धित पाठ्य सामग्री भी ब्लॉग पर अपलोड किये जायें। इसकी जानकारी विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जायेगी ताकि विद्यार्थी बेवसाइट से भी पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सके। वेबसाइट को निरन्तर व्यवस्थित एवं सर्वंर्धित करवाने हेतु इस सत्र में श्री प्रियांशु श्रीवास्तव को अधिकृत किया गया। महाविद्यालय की सम्पूर्ण गतिविधियां नेसबुक, यूटडूब, ट्विटर, इंस्टग्राम एवं टेलीग्राम पर भी प्रसारित किया जाय।

22. **तकनीकी प्रसार-** तकनीकी प्रसार के क्षेत्र में भी महाविद्यालय नित नूतन प्रयोगों के साथ अधुनातन तकनीकों को विगत सत्रों से ही आत्मसात करता चला आ रहा है। महाविद्यालय के व्याख्यान कक्षों को प्राजेक्टर से युक्त करने का कार्य विगत सत्रों में प्रारम्भ किया गया था। वर्तमान में महाविद्यालय के सभी 31 व्याख्यान कक्षों एवं प्रयोगशालाओं को प्रोजेक्टर से लैस कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त सूचना सम्प्रेषण तकनीकी (ICT) को भी महाविद्यालय उत्तरोत्तर विकसित रुप में आत्मसात करता रहेगा। महाविद्यालय का अपना फेसबुक पेज एवं यू-ट्यूब चौनल है जिसपर महाविद्यालय से सम्बन्धित समस्त सूचनाएं एवं कार्यक्रम यथासमय सम्प्रेषित किया जाता है। वर्तमान समय में महाविद्यालय में अध्यापन विधि को और अधिक प्रभावी एवं बोधगम्य बनाने के लिए एक व्याख्यान कक्ष को स्मार्ट बोर्ड से युक्त किया गया है। भविष्य में अन्य कक्षों को भी स्मार्ट बोर्ड से लैस किए जाने की योजना है। इन सबके साथ ही महाविद्यालय का सम्पूर्ण परिसर वाई-फाई से युक्त है।

23. **कार्यालय-** "विद्यार्थी हित सर्वोपरि" नीति केन्द्रित कार्यालय कार्य करेगा। किसी भी विद्यार्थी को अपने किसी कार्य हेतु कार्यालय में दूसरी बार न आना पड़े। प्रथम आगमन पर ही कार्य सुनिश्चित हो। आय-व्यय बैंक की तर्ज पर प्रतिदिन अद्यतन रखा जाय तथा आय-व्यय का हिसाब पूर्ण कर ही कार्यालय बन्द हो। शिक्षक-कर्मचारी का कोई भी कार्य रोका न जाय, उसका त्वरित समाधान हो। कार्यालय की पूरी कार्यपद्धति पारदर्शी होगी।

24. **NAAC/AISHE**– महाविद्यालय ने अपने सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से वर्ष 2015 में यू.जी.सी. और भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था NAAC द्वारा मूल्यांकन कराया था। यह मूल्यांकन प्रत्येक पाँच वर्ष उपरान्त नैक द्वारा किये जाने की सुनिश्चित व्यवस्था है। महाविद्यालय में वर्तमान सत्र में पुनः नैक द्वारा मूल्यांकन कराया जायेगा। महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ट (IQAC) प्रारम्भ से ही कार्य कर रहा है।

25. **वार्षिक बजट**– बैठक में सत्र 2023-24 हेतु प्रस्तावित बजट पर विचार विमर्श कर सर्व सम्मति से पारित कर दिया गया

आय 2022-23					सम्भावित आय सत्र 2023-24			
S.No.	**Class**	**No. Students**	**Fees**	**Total**	**Class**	**No. Students**	**Fees**	**Total**
1	B.A. I	307	9000	2763000	B.A. I	400	9000	3600000
2	B.A. II	483	9000	4347000	B.A. II	307	9000	2763000
3	B.A. III	106	7000	742000	B.A. III	483	7000	3381000
4	B.A. I (P)	370	9500	3515000	B.A. I (P)	400	9500	3800000
5	B.A. II (P)	296	9500	2812000	B.A. II (P)	370	9500	3515000
6	B.A. III (P)	287	7500	2152500	B.A. III (P)	296	7500	2220000
7	B.Sc. I	190	16000	3040000	B.Sc. I	200	16000	3200000
8	B.Sc. II	157	16000	2512000	B.Sc. II	190	16000	3040000
9	B.Sc. III	112	14000	1568000	B.Sc. III	157	14000	2198000
10	B.Com. I	140	15000	2100000	B.Com. I	160	15000	2400000
11	B.Com. II	161	15000	2415000	B.Com. II	140	15000	2100000
12	B.Com. III	109	13000	1417000	B.Com. III	161	13000	2093000
13	M.A. I	92	10400	956800	M.A. I	100	10400	1040000
14	M.A. II	62	10400	644800	M.A. II	92	10400	956800
15	M.A. I (P)	31	12400	384400	M.A. I (P)	40	12400	496000
16	M.A. II (P)	18	12400	223200	M.A. II (P)	31	12400	384400
17	M.Sc. I	15	29400	441000	M.Sc. I	20	29400	588000
18	M.Sc. II	16	29400	470400	M.Sc. II	15	29400	441000
19	M.Com. I	23	19400	446200	M.Com. I	60	19400	1164000
20	M.Com. II	32	19400	620800	M.Com. II	23	19400	446200
21	B.Ed. I	104	56650	5891600	B.Ed. I	110	56650	6231500
22	B.Ed. II	103	35400	3646200	B.Ed. II	104	35400	3681600
			Total	**43108900**			**Total**	**49739500**

*बी.ए., बी.एस-सी., बी.काम. एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के प्रथम वर्ष में शुल्क वृद्धि से एवं छात्र संख्या वृद्धि से सम्भावित आय में वृद्धि।

सम्भावित आय सत्र 2023–24

S.No.	Details	Amount
1	Salary	19200000
2	Advertisment	450000
3	Computer and IT	400000
4	Cultural Activities	20000
5	Exam Fees	10000000
6	Maintainence	600000
7	Laboratary	100000
8	Library	70000
9	Printing And Stationary	100000
10	Researches Expenses	400000
11	Sports	400000
12	Student Union	500000
13	Mobile and Internet	40000
14	Hostel	500000
15	Development	10000000
16	Other Expenses	6959500
	Total	**49739500**

छात्रसंघ प्रतिनिधि

विषय	पाठ्यक्रम	नाम
रसायनशास्त्र	बी.एस-सी. I सेमेस्टर	श्री विद्यासागर निषाद
	बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री पल्लवी मिश्रा
	बी.एस-सी. V सेमेस्टर	श्री पंकज चौरसिया
गणित	बी.एस-सी. I सेमेस्टर	सुश्री श्रेया रंजन
	बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री कुसुम चौरसिया
	बी.एस-सी. V सेमेस्टर	सुश्री साक्षी गुप्ता
भौतिकी	बी.एस-सी. I सेमेस्टर	श्री विशाल शर्मा
	बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री शिवांगी रंजन
	बी.एस-सी. V सेमेस्टर	श्री आशुतोष सिंह
प्राणि विज्ञान	बी.एस-सी. I सेमेस्टर	सुश्री अंकिता
	बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री हसीना खातुन
	बी.एस-सी. V सेमेस्टर	सुश्री शिल्पी सिंह
वनस्पति विज्ञान	बी.एस-सी. I सेमेस्टर	सुश्री दीपा गौड़
	बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री आंकाक्षा शर्मा
	बी.एस-सी. V सेमेस्टर	सुश्री मुस्कान पाण्डेय
कम्प्यूटर साइंस	बी.एस-सी. I सेमेस्टर	श्री विद्यासागर प्रजापति
	बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री अंजली दुबे
	बी.एस-सी. V सेमेस्टर	सुश्री नेहा शर्मा
सांख्यिकी	बी.एस-सी. I सेमेस्टर	कोई नहीं
	बी.एस-सी. III सेमेस्टर	श्री शुभम कुमार सिंह
	बी.एस-सी. V सेमेस्टर	कोई नहीं
हिन्दी	बी.ए. I सेमेस्टर	सुश्री नेहा
	बी.ए. III सेमेस्टर	सुश्री आकृति मौर्य
	बी.ए. V सेमेस्टर	श्री शिवम गुप्ता
अंग्रेजी	बी.ए. I सेमेस्टर	श्री देव कुमार चौधरी
	बी.ए. III सेमेस्टर	श्री शिवम गुप्ता
	बी.ए. V सेमेस्टर	श्री शिवम कुमार
राजनीतिशास्त्र	बी.ए. I सेमेस्टर	सुश्री सपना भारद्वाज
	बी.ए. III सेमेस्टर	सुश्री निधि सिंह
	बी.ए. V सेमेस्टर	सुश्री अंशिका गुप्ता
इतिहास	बी.ए. I सेमेस्टर	श्री मोनी निषाद
	बी.ए. III सेमेस्टर	सुश्री शीलू मिश्रा
	बी.ए. V सेमेस्टर	श्री भानुप्रताप सिंह
समाज शास्त्र	बी.ए. I सेमेस्टर	सुश्री ज्योति प्रजापति
	बी.ए. III सेमेस्टर	सुश्री मनीता
	बी.ए. V सेमेस्टर	सुश्री काम्या शर्मा
प्राचीन इतिहास	बी.ए. I सेमेस्टर	सुश्री अनीशा कुमारी
	बी.ए. III सेमेस्टर	श्री आशीष कुमार पाण्डेय
	बी.ए. V सेमेस्टर	कोई नहीं
अर्थशास्त्र	बी.ए. I सेमेस्टर	सुश्री जाहिदा खातुन
	बी.ए. III सेमेस्टर	सुश्री ईशा गुप्ता
	बी.ए. V सेमेस्टर	कोई नहीं
भूगोल	बी.ए./बी.एस-सी. I सेमेस्टर	सुश्री ज्योति गुप्ता
	बी.ए./बी.एस-सी. III सेमेस्टर	श्री आलोक चौहान
	बी.ए./बी.एस-सी. V सेमेस्टर	सुश्री पूनम यादव
मनोविज्ञान	बी.ए./बी.एस-सी. I सेमेस्टर	श्री प्रभाकर राज
	बी.ए./बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री अर्चिता
	बी.ए./बी.एस-सी. V सेमेस्टर	कोई नहीं
रक्षा अध्ययन	बी.ए./बी.एस-सी. I सेमेस्टर	श्री आलोक सिंह
	बी.ए./बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री प्रीति सिंह
	बी.ए./बी.एस-सी. V सेमेस्टर	कोई नहीं
शिक्षा शास्त्र	बी.ए. I सेमेस्टर	सुश्री कुमकुम त्रिपाठी
	बी.ए. III सेमेस्टर	सुश्री प्रीति विश्वकर्मा
	बी.ए. V सेमेस्टर	सुश्री प्रिति चौहान
गृहविज्ञान	बी.ए. I सेमेस्टर	सुश्री अंजली लता
	बी.ए. III सेमेस्टर	सुश्री वंदना चौहान
	बी.ए. V सेमेस्टर	सुश्री अंकिता निषाद
कम्प्यूटर एप्लीकेशन	बी.ए. I सेमेस्टर	सुश्री अंशु कुमारी
	बी.ए. III सेमेस्टर	श्री सचिन चौहान
	बी.ए. V सेमेस्टर	कोई नहीं
वाणिज्य	बी.काम I सेमेस्टर	श्री वंश दीप राय
	बी.काम III सेमेस्टर	सुश्री संजना सिंह
	बी.काम V सेमेस्टर	सुश्री ममता गौड़
शारीरिक शिक्षा	बी.ए. I सेमेस्टर	कोई नहीं
	बी.ए. III सेमेस्टर	श्री कृष्णा मिश्रा
	बी.ए. V सेमेस्टर	कोई नहीं
बी.एड.	बी.एड. I सेमेस्टर	कोई नहीं
	बी.एड. III सेमेस्टर	सुश्री पूजा मद्धेशिया

छात्रसंघ

श्री हरिकेश यादव, प्रभारी

अध्यक्ष	सुश्री ममता गौड़
उपाध्यक्ष	सुश्री संजना सिंह
महामंत्री	श्री आलोक चौहान
पुस्तकालय मंत्री	श्री सचिन चौहान

नियंता समिति

डॉ. इच्छवाकु प्रताप सिंह, प्रभारी

श्री भानु प्रताप सिंह	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
श्री पंकज चौरसिया	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर
श्री आशुतोष सिंह	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर
श्री शुभम कुमार सिंह	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर

छात्रा समिति

डॉ. आरती सिंह, शिक्षक प्रभारी

सुश्री काम्या शर्मा	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
सुश्री अंशिका गुप्ता	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
सुश्री कुसुम चौरसिया	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री पूजा मद्धेशिया	बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर

क्रीड़ा समिति

डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल, प्रभारी

श्री कृष्णा मिश्रा	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री मनीता	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री प्रीति सिंह	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
श्री विशाल सिंह	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर

प्लास्टिक मुक्त परिसर समिति

डॉ. अभय श्रीवास्तव, प्रभारी

सुश्री मुस्कान पाण्डेय	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर
सुश्री दीपा गौड़	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री पल्लवी मिश्रा	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर
श्री शुभम कुमार सिंह	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर

दीवार पत्रिका समिति

श्री हरिकेश यादव, प्रभारी

सुश्री आकृति मौर्य	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री नेहा	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
श्री शिवम कुमार	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
श्री भानु प्रताप सिंह	बी.ए. पंचम सेमेस्टर

पुस्तकालय समिति

डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, प्रभारी

सुश्री अंशिका गुप्ता	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
सुश्री पल्लवी मिश्रा	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर
श्री विद्यासागर प्रजापति	बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर
हसीना खातून	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर

बागवानी समिति

श्री अखिलेश गुप्ता, प्रभारी

सुश्री प्रीति चौहान	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
सुश्री नेहा	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
श्री शिवम कुमार	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
हसीना खातून	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर

सोशल मीडिया समिति

डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, प्रभारी

सुश्री आकृति मौर्य	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री अंजली मिश्रा	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर
श्री आशीष कु. पाण्डेय	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
श्री शिवम कुमार	बी.ए. पंचम सेमेस्टर

प्रयोगशाला समिति

डॉ. विजय कुमार चौधरी, प्रभारी

श्री आलोक सिंह	बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री ज्योति गुप्ता	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री शिवांगी रंजन	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर
कुमारी शिल्पी सिंह	बी.एस–सी. पंचम सेमेस्टर

तकनीकी समिति

श्री प्रियांशु श्रीवास्तव, प्रभारी

सुश्री अंजली मिश्रा	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर
श्री शिवम गुप्ता	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री अंजु कुमारी	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
श्री प्रभाकर राज	बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, प्रभारी

सुश्री साक्षी गुप्ता	बी.एस–सी. पंचम सेमेस्टर
सुश्री अंजली लता	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री पूजा मद्धेशिया	बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री अर्चिता	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर

प्रार्थना समिति

सुश्री दीप्ति गुप्ता, प्रभारी

श्री वंशदीप राय	बी.कॉम. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री कुमकुम त्रिपाठी	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री प्रीति सिंह	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री ईशा गुप्ता	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

योग समिति

डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल, प्रभारी

श्री वंशदीप राय	बी.कॉम. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री निधि सिंह	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री अनीशा कुमारी	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री शिवांगी रंजन	बी.ए–सी. तृतीय सेमेस्टर

स्वच्छता समिति

श्री रितेन्द्र नाथ पाण्डेय, प्रभारी

सुश्री अंकिता निषाद	बी.कॉम. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री अंशु कुमारी	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री अंजली लता	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री पल्लवी मिश्रा	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर

गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष/निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य
शोध समन्वयक	डॉ. सुबोध कुमार मिश्र
परामर्श समिति	प्रो. शिवाजी सिंह, गोरखपुर
	डॉ. सदानन्द प्रसाद गुप्त, गोरखपुर
	डॉ. सन्तोष शुक्ला, जे.एन.यू., नई दिल्ली
	प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा, सागर
	प्रो. मुरली मनोहर पाठक, नई दिल्ली
	प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रयागराज

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

नाम	पद
प्रो. यू.पी. सिंह (पूर्व कुलपति), अध्यक्ष	सदस्य
प्रो. राम अचल सिंह (पूर्व कुलपति), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
डॉ. राजशरण शाही (शिक्षक), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
श्री मनीष त्रिपाठी, अध्यक्ष, पुरातन छात्र परिषद	सदस्य
श्री विपिन कुमार यादव, अध्यक्ष, अभिभावक संघ	सदस्य
श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी	सदस्य
श्री ज्योति मस्करा, उद्योगपति	सदस्य
डॉ. विजय कुमार चौधरी, शिक्षक	सदस्य
डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव	सदस्य
श्री रमाकान्त दूबे	सदस्य
श्रीमती शिप्रा सिंह	सदस्य
डॉ. अभिषेक कुमार वर्मा, शिक्षक	समन्वयक/सचिव
डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य	अध्यक्ष

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष/निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव	प्राचार्य
शोध सहायक	डॉ. अभिषेक सिंह	प्रवक्ता, रक्षा अध्ययन
परामर्श समिति	डॉ. कृष्ण कुमार गौतम	काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. काशीनाथ	बुद्ध टूरिज्म विश्वविद्यालय काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री राकेश मिश्र	तराई पत्रकार काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री सुरेश मल्ल	नेपाल
	श्रीमती नलिनी गयवाली	सामाजिक कार्यकर्ता (नेपाल)
	श्री दीपक अधिकारी	सामाजिक कार्यकर्ता काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. हर्ष सिन्हा	दी.द.उ. गो. विश्वविद्यालय गोरखपुर (भारत)
	डॉ. रेनू सक्सेना	जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (भारत)
	श्री अजीत कुमार	सामाजिक कार्यकर्ता (भारत)
	श्री हरेन्द्र प्रताप	सदस्य विधान परिषद, पटना, बिहार (भारत)
	श्री अरूण जी	सामाजिक कार्यकर्ता, नई दिल्ली (भारत)

प्रबन्ध समिति

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज
जंगल धूसड़, गोरखपुर

नाम	पता	पद	व्यवसाय
प्रो. यू.पी. सिंह	राजेन्द्रनगर, गोरखपुर	अध्यक्ष	पूर्व कुलपति
श्री प्रमोद कुमार चौधरी	पहाड़पुर, गोरखपुर	उपाध्यक्ष	कृषि
महन्त योगी आदित्यनाथ जी	श्री गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर	मंत्री/प्रबन्धक	धर्माचार्य
श्री राजेश मोहन सरकार	दुर्गाबाड़ी रोड, गोरखपुर	सदस्य	अधिवक्ता
श्री योगी त्यागीनाथ	चौक बाजार, महराजगंज	सदस्य	धर्माचार्य
श्री प्रमथनाथ मिश्रा	विलन्दपुर, गोरखपुर	सदस्य	अधिवक्ता
श्री गोरक्ष प्रताप सिंह	नथमलपुर, गोरखपुर	सदस्य	कृषि
श्री योगी कमलनाथ जी	श्री गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर	सदस्य	धर्माचार्य
श्री रामजन्म सिंह	149वीं, मिर्जापुर पोस्ट–न्यू शिवपुरी, गोरखपुर	सदस्य	पूर्व प्रधानाचार्य
श्री द्वारिका तिवारी	नथमलपुर, गोरखनाथ, गोरखपुर	सदस्य	सेवानिवृत्त अध्यापक

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्वच्छता रिपोर्ट सूची में महाविद्यालय

Swachh Campus 2019

Institutional Achievements

MHRD

Department of Higher Education
Ministry of Human Resource Development
Government of India

Foreword

Our Educational Institutions are torch bearers of change. Now they are turning into harbingers of national movement for promoting cleanliness. Their keen interest to keep campuses clean and take this message to the communities with whom they are engaged with has been an important contribution this year 2019. Universities and Higher Educational institutions turning into green smart campuses are focusing on cleanliness, waste management, water conservation as well as wastewater management. Saving water and electricity, conserving energy, harvesting rain water, tapping solar energy and promoting cleanliness are indicators to measure a smart campus. Such endeavours by Higher Education Institutions need to be welcomed and supported time to time.

Exercise to rank Universities and Higher Educational Institutions (HEI) on the basis of cleanliness and hygiene has become annual now. They are focusing on factors such as student: toilet, ratio, kitchen hygiene, campus green cover, solid and liquid waste management, garbage disposal, solar energy usage and other relevant areas. Some of the best practices followed by them are documented here at the instance of the Department of Higher Education in Ministry of Human Resource Development Government of India.

Dr W G Prasanna Kumar

Chairman MGNCRE

Swachh Campus 2019

INDEX

S. No	Higher Education Institutions	Page
1.	ABVIITM Gwalior Madhya Pradesh	7
2.	AJK College of Arts and Science Coimbatore Coimbatore Tamil Nadu	11
3.	Algappa University Sivanganga Tamil Nadu	15
4.	Amrita Vishwa Vidyapeetham Coimbatore Tamil Nadu	19
5.	Assam Don Bosco University Assam	22
6.	Anand College of Education Agra Uttar Pradesh	27
7.	BSA Rahman Crescent Institute of Science and Technology Chennai Tamil Nadu	30
8.	The Bhopal School of Social Sciences (BSSS) Bhopal Madhya Pradesh	35
9.	Cauvery B Ed College Bengaluru Karnataka	38
10.	Centurion University of Technology and Management Gajapati Odisha	41
11.	Chandigarh University Mohali Punjab	44
12.	Chitkara University Himachal Pradesh	47
13.	Desh Bhagat University Fatehgarh Punjab	52
14.	Dev Sanskriti Vishwavidhyalaya Haridwar Uttarakhand	56
15.	Dr DY Patil Vidyapeeth Pune Maharashtra	59
16.	Dr Vishwanath Karad MIT World Peace University Maharashtra	65
17.	GITAM Vishakhapatnam Andhra Pradesh	70
18.	Graphic Era Hill University Dehradun Uttarakhand	74
19.	GLA University Mathura Delhi	79
20.	Guru Nanak Dev University Amritsar Punjab	81
21.	Gujarat National Law University Gujarat	84
22.	Hindustan Institute of Technology and Science (HITS) Chennai Tamil Nadu	88
23.	IIS University Jaipur Rajasthan	93
24.	IIIT Delhi	97
25.	IIT Gandhinagar Gujarat	105
26.	IIT Guwahati Assam	110
27.	IIM Kozhikode Kerala	115
28.	IIT Madras Tamil Nadu	119
29.	IIT Tirupati Andhra Pradesh	123
30.	ITM Gwalior Madhya Pradesh	127
31.	Jayoti Vidyapeeth Women's University Jharna Rajasthan	132
32.	Karpagam Academy of Higher Education Coimbatore Tamil Nadu	139
33.	Koneru Lakshmaiah Education Foundation Guntur Andhra Pradesh	142
34.	KLE Academy of Higher Education and Research Belgavi Karnataka	144
35.	Krishna Institute of Medical Sciences KIMS Karad Maharashtra	150
36.	Lovely Professional University Kapurthala Punjab	153
37.	Madurai Kamaraj University Madurai Tamil Nadu	157
38.	Madras Christian College Chennai Tamil Nadu	160

Swachh Campus 2019

S. No	Higher Education Institutions	Page
39.	Maharana Pratap P.G College Gorakhpur Uttar Pradesh	164
40.	Maharshi Dayanand University Rohtak Haryana	168
41.	Manipal University Jaipur Rajasthan	172
42.	Manomaniam Sundarnar University Tirunelveli Tamil Nadu	176
43.	Mehr Chand Mahajan DAV College for Women Chandigarh	179
44.	Mizoram University Aizawl Mizoram	184
45.	Nirmala College Muvattupuzha Kerala	187
46.	Nehru Arts and Science College Thirumalayampalayam Tamil Nadu	192
47.	NIIT Neemrama Alwar Rajasthan	196
48.	OP Jindal University Knowledge Park Raigarh Chattisgarh	202
49.	OP Jindal Global University Sonipat	206
50.	PRIST College Thanjavur Tamil Nadu	212
51.	PSGR Krishnammal College for Women Coimbatore Tamil Nadu	215
52.	Rajagiri College of Social Sciences Kochi Kerala	218
53.	Rajiv Gandhi National University of Law Patiala Punjab	224
54.	RMK Engineering College Tamil Nadu	227
55.	RR Bawa DAV College for Girls Punjab	231
56.	Siksha O Anusandhan Bhubaneswar Odisha	235
57.	Symbiosis International Pune Maharashtra	239
58.	Sri Krishna Arts and Science College Coimbatore Tamil Nadu	248
59.	Shoolini University Solan Himachal Pradesh	252
60.	Sri Sathya Sai Institute of Higher Learning Anantapur Andhra Pradesh	258
61.	St. Philomena College Puttur Karnataka	266
62.	SRM Institute of Science and Technology Kattankulathur Tamil Nadu	271
63.	SRM University Sonepat Haryana	274
64.	Suresh Gyan Vihar University (SGVU) Jaipur Rajasthan	276
65.	Sri Rama Krishna Arts and Science Coimbatore (SRCAS) Tamil Nadu	280
66.	Sumandeep Vidyapeeth Vadodara Gujarat	282
67.	VIT Vellore Tamil Nadu	286
68.	Vel Tech Chennai Tamil Nadu	290
69.	Vignan's Foundation for Science Technology & Research Guntur Andhra Pradesh	295

Swachh Campus 2019

Maharana Pratap P.G. College Jungle Dhusan Gorakahpur Uttar Pradesh

Maharana Pratap P.G. College is situated in Gorakhpur in Uttar Pradesh state of India. The course of study followed in the college in accordance with the syllabus prescribed by Gorakhpur University. Arts, Science and Commerce streams are offered at the Graduation level.

Student Strength	2163
Faculty Strength	65

Residential Facilities

The college has one boys Hostel with 50 modern toilets. The toilet student ratio is 1. The hostel has 24 hours uninterrupted water and power supply.

Solid and Liquid Waste Management

The college generates two types of waste: solid and wet waste. The college also collects some amount of horticulture waste such as dried leaves or plant clippings. Certain amount of glass, fiber, and paper, plastic and biodegradable waste is also collected from all around the campus. Out of the waste collected, wet waste is used for composting and the dry waste is collected by Nagar Nigam for recycling. Waste from toilets in the campus flows into the teak garden.

Hostel Kitchen Facilities

The college hostel provides healthy and nutritious food. The Hostel has a modern kitchen and a dining hall to accommodate 50 students at a time. The kitchen provides vegetarian food and utmost importance is given to cleanliness and hygiene.

Swachh Campus 2019

Campus Greenery

30% of the college is lush green. In all, there are around 2500 trees and plants of different variety. The biodiversity includes Neem ,amla , Jamun, tulsi, Aleovira etc. The college has developed certain rare species like-Sarpgandha which is used to cure acidity and is a uterine tonic, Bhringaraj which is used in the cure of headache and fever, Kelikand used in the cure of snake bite, Jaundice and lepr osy etc. The greenery in college campus is being maintained with the help of a garden committee of the Garden In charge and 5 student members.

Solar Power

Three Solar lamps have been installed in the college campus to provide outdoor lighting during evening and night.

Adopted Village: 28 Villages

The 21 departments of college and NSS have adopted a total of 28 village. The names of adopted villages are as follows:-ChhotiRetwahiya, BadiRewathaiya ,Haiderganj, Jungle Aurahi, DahlaHarsevakpur, Shahpur, MahuaChafi,Jungle Tikonia,Basantpur , Khutawa, kakrahiya, Meerganj, Lalganj,chotiJamunia,BadiJamunahiya, Dhodha, Laxmipur, Rampur, Bhagwanpur, HaripurShekhwania, Kewatahia, Dhusia, Tinkonia, Manjharia, Hasanganj. All these villages are situated in 15km radius of the college in Gorakhpur District.

Benefitted Families: Around 5500 people of 850 families were covered from these villages.

Swachh Campus 2019

Activities Undertaken in the Villages:

These villages were adopted by the college with the aim to develop the villages in an integrated manner. This includes economic development, infrastructure development and other aspects of human development i.e., hygiene, education, health, drinking water supply, medical facilities and awareness of government schemes etc. The college has installed India Mark Hand pumps in the adopted villages to supply safe drinking water to villagers. The college has also initiated cleanliness drives in all these adopted villages on many occasions. Health camps have been organized and medicines distributed free of cost to the villagers by the college.

Swachh Campus 2019

Outcomes

- The college has one boys Hostel with 50 modern toilets. The toilet student ratio is 1
- The wet waste in the college is composted and the solid waste is picked up by the Nagar Nigam
- The Hostel has a modern kitchen and a dining hall to accommodate 50 students at a time
- The kitchen provides vegetarian food and utmost importance is given to cleanliness and hygiene
- 30% of the college is lush green
- There are around 2500 trees and plants of different variety in the campus
- The college has developed certain rare species of trees which can be used to treat diseases like acidity, headache, fever, snake bite, jaundice and leprosy etc
- Three Solar lamps have been installed in the college campus to provide outdoor lighting during evening and night
- The college along with the NSS has adopted 28 villages in the 15 km radius of the college
- Around 5500 people of 850 families from these villages have benefited from the various programs run by the colleges
- The college has installed India Mark Hand pumps in the adopted villages to supply safe drinking water to villagers
- The college has also initiated cleanliness drives in all these adopted villages on many occasions. Health camps have been organized and medicines distributed free of cost to the villagers by the college

Swachhta Rankings 2019

Achieving Full ODF in Villages

Swachhta in Indian Villages
Engagement of Higher Education Institutions

MHRD | Department of Higher Education
Ministry of Human Resource Development
Government of India

S. NO.		STATE	DISTRICT	NAME OF THE HEI	ODF VILLAGE(S)
				UNIVERSITY, MEERUT	HLI,SATWAI
1833	8	UTTAR PRADESH	GAUTAM BUDDHA NAGAR	JSS ACADEMY OF TECHNICAL EDUCATION, NOIDA	BISHANPURA, KHORA GHAZIABAD, KACHERA WARSHABAD
1834	9	UTTAR PRADESH	GORAKHPUR	MAHARANA PRATAP MAHAVIDYALAY, JUNGLE DHUSHAN, GORAKHPUR	MANJHARIYA
1835	10	UTTAR PRADESH	AGRA	ANAND COLLEGE OF EDUCATION KETHEM, AGRA	ARSENA
1836	11	UTTAR PRADESH	LUCKNOW	INTEGRAL UNIVERSITY, LUCKNOW	BHAKAHAMAU, PAIKARAMAU, SAADAMAU, BHIKHANPURWA, DASAULI
1837	12	UTTAR PRADESH	KANPUR NAGAR	ANANDA SCHOOL OF NURSING	SARSAUL, NARWAL
1838	13	UTTAR PRADESH	HARDOI	S.C. BOSE MAHAVIDYALAYA, KAHALI TERWA, GAUSGANJ,	KAHALI
1839	14	UTTAR PRADESH	VARANASI	SARASWATI HIGHER EDUCATION AND TECHNICAL COLLEGE OF ENGINEERING, VARANASI	BABATPUR
1840	15	UTTAR PRADESH	BARABANKI	SHRI RAMSWAROOP MEMORIAL UNIVERSITY	MATI, HADAURI, SRINANGAR, BASTI AND KHAZOOR
1841	16	UTTAR PRADESH	JHANSI	SR GROUP OF INSTITUTIONS COLLEGE OF PHARMACY, JHANSI	3
1842	17	UTTAR PRADESH	GHAZIABAD	K N G D MODI ENGIEERING COLLEGE, MODINAGAR	PALLOTA
1843	18	UTTAR PRADESH	VARANASI	AMBITION INSTITUTE OF TECHNOLGOY	PARAO
1844	19	UTTAR PRADESH	MEERUT	NEELKANTH VIDYAPEETH NH-58, PAWLI KHAS, MODIPURAM, MEERUT	PABARSHA
1845	20	UTTAR PRADESH	MEERUT	NEEL KANTH INSTITUTE OF ENGG. & TECHNOLGOY	PABLI KHAS
1846	21	UTTAR PRADESH	BALLIA	DR MAHAVEER SINGH NURSING	BASARIKAPUR, RAMPUR, KACHHUA

SWACHHTA RANKINGS 2019 - Achieving Full ODF in Villages by HEIs
MGNCRE

154 | **MHRD** -

हमारे प्रयास

- प्रातः सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम, राष्ट्रगान एवं श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरुष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- 08 जुलाई से बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर एवं 01 सितम्बर से बी.एड. प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 08 जुलाई से स्नातक एवं स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 08 जुलाई से स्नातक तृतीय सेमेस्टर तथा 01 अगस्त से स्नातक प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ।
- पाठ्यक्रम योजना के अनुसार समस्त कक्षाओं का संचालन।
- 16 अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।
- छात्रसंघ का चुनाव अगस्त के अंतिम सप्ताह तक।
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्राएँ सदस्य एवं संयोजक।
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- सप्ताह में एक दिन छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन।
- छात्र-छात्राओं का मासिक मूल्यांकन।
- महाविद्यालय प्रशासन में छात्र-छात्रा सहभाग अर्थात् नियन्ता मण्डल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि समितियों में छात्र सदस्य।
- विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों का गणवेश निर्धारित।
- छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय की विशेष सुविधा, प्रवेश समिति की सदस्यता, उनकी उत्तर पुस्तिकाएं पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखा जाना।
- सत्रांत पर समावर्तन संस्कार (दीक्षान्त) समारोह का आयोजन।
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को गोद लेने की प्रक्रिया।
- सत्र में दो बार शिक्षक-अभिभावक एवं पुरातन छात्र परिषद् की बैठक।
- प्रतिवर्ष अगस्त माह में साप्ताहिक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला।
- प्रतिवर्ष 'विमर्श' (वार्षिक) एवं 'मानविकी' (अर्द्धवार्षिक) नामक शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन।
- प्रत्येक सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन।
- ग्रामीण महिलाओं के स्वालम्बन हेतु योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन।
- महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं एवं ग्रामीण बच्चों हेतु निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण।
- गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव को गोद लेकर जनजागरण अभियान द्वारा संस्थागत सामाजिक दायित्व का निर्वहन।
- महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन।
- एन.सी.सी., एन.एस.एस. एवं रोवर-रेंजर्स का संचालन।

समावर्तन उपदेश

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम्। कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि।

तैत्तिरीय उपनिषद् १.११

''सत्य बोलना। धर्म का आचरण करना। स्वाध्याय में प्रमाद न करना। सत्य से न हटना। धर्म से न हटना। कुशल कार्य में प्रमाद न करना। महान् बनने के सुअवसर से न चूकना। पठन-पाठन के कर्त्तव्य में प्रमाद न करना। देवता और पितरो के कार्य (यज्ञ और श्राद्ध आदि) से प्रमाद न करना। माता को देवी समझना। पिता को देवता समझना। आचार्य को देवता समझना। अतिथि को देवता समझना। अन्यान्य दोष-रहित कार्यों को करना।''

संकल्प

मैं ....

पुत्र/पुत्रीश्री/श्रीमती ....

स्नातक/स्नातकोत्तर कला/विज्ञान/वाणिज्य/बी.एड्. में इस महाविद्यालय से अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहा/रही हूँ।

- मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त समावर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूंगी।
- जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करूँगा/करूँगी।
- मैं भारत का एक योग्य नागरिक बना रहूँगा/बनी रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता-अखण्डता को चोट पहुँचे।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धियों की कीर्ति धूमिल हो।
- भारत की सनातन संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।
- भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

हस्ताक्षर प्राचार्य

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा